



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 5] नई दिल्ली, शनिवार, जनवरी 29, 1977/माघ 9, 1898  
No. 5] NEW DELHI, SATURDAY, JANUARY 29, 1977/MAGHA 9, 1898

इस भाग में सिव्वल्प पृष्ठ संख्या की जाती है जिससे कि यह प्रलग संकलन के रूप में रखा जा सके।  
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

### PART II—Section 3—Sub-section (ii)

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ राज्यप्रबोध प्रशासनों को छोड़कर)  
केन्द्रीय शासिकार्थियों द्वारा जारी किये गए सांविधिक आदेश और अधिसूचनाएं

### Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) by Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories)

विधि व्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय

(न्याय विभाग)

नोटिस

नई दिल्ली, 12 जनवरी, 1977

का० आ० 347.—इसके द्वारा, लेख्य प्रमाणक नियम (नोटरीज रूल्स), 1956 के नियम 6 के अनुसार, सक्षम प्राधिकारी द्वारा गूठना वी जाती है कि उक्त प्राधिकारी को श्री पल्लव कुमार वर्मा, मोलेमिटा, 'टैम्पल चैम्बर्स', संख्या 6 ओल्ड पोस्ट ऑफिस रुटीट, कालकत्ता-700009 के उक्त नियमों के नियम 1 के अधीन सर्व भारत में लेख्य प्रमाणक (नोटरी) का काम करने की नियुक्ति के लिए आवेदन पत्र भेजा गया है।

उक्त अधिकारी की लेख्य प्रमाणक के रूप में नियुक्ति के बारे में यदि कोई आपत्तिया हो तो वे इस नोटिस के प्राप्तिगत होने के बीच दिन के अन्दर नीचे हस्ताक्षर करने वाले को लिख कर भेज दिए जाएं।

[गंदा 22/1/76-न्या]

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS

(Department of Justice)

NOTICE

New Delhi, the 12th January, 1977

S.O. 347.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of rule 6 of the Notaries Rules, 1956, that application has been made to the said Authority, under rule 4 of the said Rules, by Shri Pallav Kumar Banerjee, Solicitor, 'Temple Chambers' No. 6, Old Post Office Street, Calcutta-700001 for appointment as a Notary to practise in the whole of India.

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this notice.

[No. F. 22/4/76-Jus.]

## नोटिस

का० आ० 348—इसके द्वारा, नेतृत्व प्रमाणक नियम (नोटरीज रूल्स), 1956 के नियम 6 के अनुसार, सकाम प्राधिकारी द्वारा सूचना की जाती है कि उक्त प्राधिकारी को श्री सलील कुमार गारूली, एडवोकेट, 50, रामतनु बौस लेन, कलकत्ता-700006 ने उक्त नियमों के नियम 4 के अधीन कलकत्ता में नेतृत्व प्रमाणक (नोटरी) का काम करने की नियुक्ति के लिए शामिल पत्र भेजा है।

उक्त व्यक्ति की नेतृत्व प्रमाणक के रूप में नियुक्ति के बारे में यदि कोई आपत्तियाँ हो तो वे इस नोटिस के प्रकाशित होने के बादही दिन के अन्दर नीचे हस्ताक्षर करने वाले को निष्कर्ष कर भेज दिया जाए।

[मञ्चा 22/23/76-न्याय]

श्रामिक शामिल, सकाम प्राधिकारी,

## NOTICE

**S.O. 348.**—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of rule 6 of the Notaries Rules, 1956, that application has been made to the said Authority, under rule 4 of the said Rules, by Shri Salil Kumar Ganguli, Advocate, 50-Ramtanu Bose Lane, Calcutta-700006 for appointment as a Notary to practise in Calcutta

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this Notice.

[No. F. 22/23/76-Jus.]  
R. VASUDEVAN, Competent Authority

## वित्त भवालय

(सीमा-शुल्क और केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क कलेक्टर)

कोचीन, 21 अगस्त, 1976

## केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क

का० आ० 349—केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 173 के उपनियम, (4) के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, मैं इस कलेक्टरी की अधिसूचना सं० 3/69, तारीख 21 अप्रैल, 1969 में निम्नलिखित और मण्डित करता हूँ—

“नम सं० 19 के मामले स्वाम्भ 2, 3 और 4 में की प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा।

स्वाम्भ 2	स्वाम्भ 3	स्वाम्भ 4
16(क) (1)	नेटरेक्स फोम स्पज	रबर लैटेक्स
16(क) (2)	अक्सिरेक्ट लेटे, चावरे और पट्टिया, जाहे वे वल्कनित हो या नहीं, और जाहे वे किसी टैक्सटाइल मामती से युक्त हो या अन्यथा हों।	(1) अपरिष्कृत रबर (अ) कार्बन बैक।”

[का० सी० सं० IV/16/326/76 मी०ग्रम्म० 1 मे० सारी की गई।]

एम० वैक्टराम अम्यर, कलेक्टर

## MINISTRY OF FINANCE

(Collector of Customs and Central Excise)

Cochin, the 11th August, 1976

## CENTRAL EXCISE

**S.O. 349.**—In exercise of the powers conferred on me under sub-rule (4) of rule 173-G of the Central Excise Rules 1944, I hereby make the following further amendments in this Collectorate Notification No. 3/69 dated the 21st April, 1969.

For entries in column 2, 3 and 4 against serial number 19, the following shall be substituted:—

Column 2	Column 3	Column 4
16-A (1) Latex Foam Sponge		Rubber Latex
16-A (2) Plates, sheets and strips unhardened, whether vulcanised or not, and whether combined with any textile material or otherwise.	(1) Raw Rubber (b) Carbon Black.”	

[F. No. C. IV/16/326/76 CXI

S. VENKATARAMA IYER, Collector

(राजस्व और बैंकिंग विभाग)

(बैंकिंग वर्ग)

नई दिल्ली, 31 दिसम्बर, 1976

का० आ० 350.—बैंककारी विनियमन प्राधिनियम, 1949 (1949 का 10) की धारा 56 के मायथ पठित धारा 53 द्वारा प्रबन्ध शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार भारतीय रिजर्व बैंक की मिफारिण पर एवं द्वारा शोषित करती है कि उक्त अधिनियम की धारा 11 की उपधारा (1) के उपबन्ध 1 मार्च, 1976 से 28 फरवरी, 1977 तक की भवधि के लिए दी गयी आरंगाबाद पीपलम को-ऑपरेटिंग बैंक निं० आरंगाबाद, पर सारू नहीं होगी।

[का० एफ० 8/11/76-ए०सी०]

वी० एन० बहादुर, उप-मंत्री

(Department of Revenue & Banking)  
(Banking Wing)

New Delhi, the 31st December, 1976

**S.O. 350.**—In exercise of the powers conferred by Section 53 read with Section 56 of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949), the Central Government, on the recommendation of the Reserve Bank of India, hereby declares that the provisions of sub-section (1) of Section 11 of the said Act shall not apply to the Aurangabad Peoples' Co-operative Bank Ltd., Aurangabad for the period from 1 March 1976 to 28 February 1977.

[No. F. 8/11/76-AC]

V. N. BAHADUR, Dy. Secy.

**भारतीय रिजर्व बैंक**  
**RESERVE BANK OF INDIA**

नई दिल्ली, 13 जनवरी, 1977  
 New Delhi, the 13th January, 1977

का० आ० 351.—भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, 1934 के प्रत्युत्तर में दिसंबर, 1976 के दिनांक 24 का ममात्ता हुए सप्ताह के लिए लेखा।  
 S.O. 351.—An Account pursuant to the RESERVE BANK OF INDIA ACT, 1934 for the week ended the 24th day of Dec. 1976.

रुपये विभाग

ISSUE DEPARTMENT

देयताएँ Liabilities	रुपये Rs.	संधार Rs.	ग्रासितया Assets	रुपये Rs.	रुपये Rs.
बैंकिंग विभाग में रखे हुए नोट Notes held in the Banking Department.	34,35,98,000		मोने का सिक्का और बुनियन :— Gold Coin and Bullion :— (क) भारत में रखा हुआ (a) Held in India 182,52,45,000 (ख) भारत के बाहर रखा हुआ (b) Held outside India — विदेशी प्रतिभूतिया Foreign Securities		
संचलन में नोट Notes in circulation	7232,13,33,000				921,73,97,000
आरी किये गये कुल नोट Total notes issued	72,66,49,41,000				
			जोड़ Total		1101,26,42,000
			रुपये का सिक्का Rupee Coin		16,82,84,000
			भारत सरकार की गपया प्रतिभूतिया Government of India Rupee Securities		6145,40,05,000
			वेशी विनिमय बिल और दूसरे बाणिज्य-पत्र Internal Bills of Exchange and other commercial paper.		—
कुल देयताएँ Total Liabilities	7266,49,31,000		कुल ग्रासितया Total Assets		7266,49,31,000

दिनांक 29 दिसंबर, 1976

Dated 29th day of December, 1976

पी० आर० नांगिया, उप-गवर्नर

P. R. NANGIA Dy. Governor

24 दिसंबर, 1976 को भारतीय रिजर्व बैंक के बैंकिंग विभाग के कार्यालय का विवरण।

Statement of the Affairs of the Reserve Bank of India, Banking Department as on the 24th December, 1976

देयताएँ Liabilities	रुपये Rs.	ग्रासितया Assets	रुपये Rs.
कृता धनी Capital Paid up	5,00,00,000	नोट Notes	34,35,98,000
प्रारकित निधि Reserve Fund	150,00,00,000	रुपये का सिक्का Rupee Coin	5,92,000
राष्ट्रीय कृषि अनुग्रह (सीधकालीन प्रबंधन) निधि National Agricultural Credit (Long Term Operations) Fund	400,00,00,000	छोटा सिक्का Small Coin	3,16,000
राष्ट्रीय कृषि अनुग्रह (स्थिरीकरण) निधि National Agricultural Credit (Stabilisation) Fund	145,00,00,000	बिल्स पुर्चार और दिस्काउंट Bills Purchased and Discounted :— (क) देशी (a) Internal 158,33,73,000 (ख) विदेशी (b) External — (ग) सरकारी बजार बिल (c) Government Treasury Bills 164,08,98,000	
राष्ट्रीय धौष्टिक अनुग्रह (सीधकालीन प्रबंधन) निधि National Industrial Credit (Long Term Operations) Fund	540,00,00,000	विदेशी में रखा हुआ बकाया Balances Held Abroad 1380,25,22,000	

वेतनाएँ Liabilities	रुपये Rs.	आस्तीना Assets	रुपये Rs.
जमा राशियाँ :—		नियेष	
Deposits :—		Investments	121,28,12,000
(क) सरकारी		ऋण और अधिम :—	
(a) Government		Loans and Advances to :—	
(i) केन्द्रीय सरकार Central Government	86,36,02,000	(i) केन्द्रीय सरकार को Central Government	—
(ii) राज्य सरकारे State Governments	11,65,03,000	(ii) राज्य सरकारों को State Governments	129,11,88,000
(ब) दैनक		ऋण और अधिम :—	
(b) Banks		Loans and Advances to :—	
(i) अनुमति वाणिज्य बैंक Scheduled Commercial Banks	897,56,16,000	(i) अनुमति वाणिज्य बैंकों का Scheduled Commercial Banks	981,74,91,000
(ii) अनुमति राज्य सहकारी बैंक Scheduled State Co-operative Banks	22,87,05,000	(ii) राज्य सहकारी बैंकों का State Co-operative Banks	350,57,26,000
(iii) गैर अनुमति राज्य सहकारी बैंक Non-Scheduled State Co-operative Banks	1,97,72,000	(iii) दूसरों को Others	4,35,00,000
(iv) अन्य बैंक Other Banks	1,09,95,000	गान्धीय कृषि ऋण (दीर्घकालीन प्रबन्धन) निधि से ऋण, अधिम और नियेष	
(ग) अन्य		Loans, Advances and Investments from Na- tional Agricultural Credit (Long Term Operations) Fund.	
(c) Others	1923,29,43,000	(क) ऋण और अधिम :—	
देव विल		(a) Loans and Advances to :—	
Bills Payable	84,26,65,000	(i) राज्य सरकारों को State Governments	75,49,98,000
अन्य देयताएँ		(ii) राज्य सहकारी बैंकों का State Co-operative Banks	13,75,11,000
Other Liabilities	711,29,29,000	(iii) केन्द्रीय मूलिक बैंकों का Central Land Mortgage Banks	—
		(iv) कृषि पुनर्वित शीर विकास नियम को Agricultural Refinance & Development Corporation	136,90,00,000
		(ब) केन्द्रीय मूलिक बैंकों के डिवेचरों में नियेष	
		(b) Investment in Central Land Mortgage Bank Debentures.	9,04,16,000
		राज्यकृषि ऋण (स्थिरीकरण) निधि से ऋण और अधिम Loans and Advances from National Agricul- tural Credit (Stabilisation) Fund.	
		राज्य सहकारी बैंकों को ऋण और अधिम	
		Loans and Advances to State Co-operative Banks.	86,10,58,000
		केन्द्रीय शैक्षणिक ऋण (दीर्घकालीन प्रबन्धन) निधि से ऋण, अधिम और नियेष	
		Loans, Advances and Investments from National Industrial Credit (Long Term Operations) Fund.	
		(क) विकास बैंक को ऋण और अधिम	
		(a) Loans and Advances to the Development Bank.	1478,47,56,000
		(क) विकास बैंक द्वारा जारी किये गये बांड/देबेंचरों में नियेष	
		(b) Investment in bonds/debentures issued by the Development Bank	—
		अन्य आस्तीना Other Assets	856,34,75,000
रुपये Rupees	4980,32,30,000	रुपये Rupees	4980,32,30,000

दिनांक 29 दिसम्बर, 1976

Dated 29th day of December, 1976

पौ. नांगिया, उप गवर्नर

P.R. NANGIA, Dy. Governor

[No. F. 10/1/76-BO. I]

सा. आ० 352 ---भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम 1934 के अनुसरण में दिसंबर 1976 के दिनांक 31 वो रामानु द्वारा के लिए लेखा  
S.O. 352 - In Account pursuant to the RESERVE BANK OF INDIA ACT 1934 for the week ended the 31st day of December,  
1976

इष्ट विभाग ISSUE DEPARTMENT					
देयताएँ Liabilities	रुपये Rs	रुपये Rs	ग्राहितपात्र Assets	रुपये Rs	रुपये Rs
बैंकिंग विभाग में रखे हुए नोट			गोल्ड कोर्ट और बुलियन --		
Notes held in the Banking Department	13,42,26,000		Gold Court and Bullion --		
मुख्य नोट			(क) भारत में रखा दुप्रा		
Notes in circulation	7252,12,64,000		(a) Held in India	182,52,14,000	
जारी किये गये कुल नोट			(क्ष) भारत के बाहर रखा दुप्रा		
Total notes issued		7265,54,90,000	(b) Held outside India		
विदेशी प्रतिनिधित्व			विदेशी प्रतिनिधित्व		
Foreign Securities			Foreign Securities	921,73,97,000	
रुपये का सिक्का			Total		1104,26,41,000
Rupee Coin			रुपये का सिक्का		15,99,15,000
भारत रुपये की नवाचारी प्रतिनिधित्व			Government of India Rupee Securities		6145 39,34,000
इण्डी इन्डियन बिल्स और दूसरे वाणिज्य पत्र			इण्डी इन्डियन बिल्स और दूसरे वाणिज्य पत्र		
Internal Bills of Exchange and other commercial paper					
कुल देयताएँ			कुल ग्राहितपात्र		
Total Liabilities		7265,54,90,000	Total Assets		7265,54,90,000

दिनांक 5 जनवरी, 1977

Dated the 5th day of January, 1977

कौ. प्रम० कृष्णस्वामी, उप-गवर्नर  
K S KRISHNASWAMY, Dy Governor

31 दिसंबर, 1976 वो भारतीय रिजर्व बैंक के बैंकिंग विभाग के कार्यकलाप का विवरण

Statement of the Affairs of the Reserve Bank of India, Banking Department as on the 31st December, 1976

देयताएँ Liabilities	रुपये Rs	ग्राहितपात्र Assets	रुपये Rs
कृषकता दूरी		नोट	
Capital Paid up	5,00,00,000	Notes	13,42,26,000
प्रारंभित निधि		रुपये का सिक्का	
Reserve Fund	150,00,00,000	Rupee Coin	6,50,000
राष्ट्रीय दृष्टि दृष्टि (रीर्धकालीन प्रवर्तन) निधि		छाटा सिक्का	
National Agricultural Credit (Long Term Operations) Fund	400,00,00,000	Small Coin	3,19,000
राष्ट्रीय दृष्टि दृष्टि (स्थरीकरण) निधि		Bills Purchased and Discounted --	
National Agricultural Credit (Stabilisation) Fund	145,00,00,000	(क) देणी	155,54,80,000
राष्ट्रीय औद्योगिक दृष्टि (रीर्धकालीन प्रवर्तन) निधि		(a) Internal	
National Industrial Credit (Long Term Operations) Fund	540,00,00,000	(क्ष) निवेदी	182,94,51,000
प्रमारणिया --		(b) External	
Deposits --		(ग) सरकारी व्यापारा बिल	
(क) सरकारी		(c) Government Treasury Bills	
(a) Government		थिएटोरों में रखा दुप्रा बिल	
(i) केन्द्रीय सरकार		Balances Held Abroad	1364,05,29,000
Central Government	96,26,99,000	निवेदण	
(ii) राज्य सरकार		Investments	110,45,84,000
State Governments	11,81,67,000	दृष्टि और अधिगम --	
		Loans and Advances to	
		(1) केन्द्रीय सरकार का	
		Central Government	
		(ii) राज्य सरकार को	
		State Governments	129,50,05,000

देयताएँ Liabilities	रुपये Rs.	आस्तिया Assets	रुपये Rs.
(a) बैंक (b) Banks		ऋण और अधिम :— Loans and Advances to :—	
(i) प्रान्तसूचित वाणिज्य बैंक Scheduled Commercial Banks	781,81,25,000	(i) प्रान्तसूचित वाणिज्य बैंक को Scheduled Commercial Banks	957,56,02,000
(ii) प्रान्तसूचित राज्य सहकारी बैंक Scheduled State Co-operative Banks	32,10,70,000	(ii) राज्य सहकारी बैंको को State Co-operative Banks	371,20,82,000
(iii) गैर प्रान्तसूचित राज्य सहकारी बैंक Non-Scheduled State Co-operative Banks	1,81,20,000	(iii) दूसरों को Others	5,30,00,000
(iv) अन्य बैंक Other Banks	1,48,26,000	राष्ट्रीय कृषि ऋण (दीर्घकालीन प्रबंधन) निधि से ऋण, अधिम और निवेश	
(a) अन्य (c) Others	1924,16,06,000	Loans, Advances and Investments from Na- tional Agricultural Credit (Long Term Operations) Fund.	
		(क) ऋण और अधिम :— (a) Loans and Advances to :—	
		(i) राज्य सरकार को State Governments	75,49,46,000
		(ii) राज्य सहकारी बैंको को State Co-operative Banks	17,80,43,000
		(iii) केन्द्रीय भूमिक्षणक बैंको का Central Land Mortgage Banks	—
		(iv) कृषि पुनर्वित्र प्रौद्योगिक निगम को Agricultural Refinance & Development Corporation	138,45,00,000
		(ख) केन्द्रीय भूमिक्षणक बैंको के डिवेचरो में निवेश (b) Investment in Central Land Mortgage Bank Debentures	9,04,16,000
देय विल Bills Payable	88,51,53,000	राष्ट्रीय कृषि ऋण (स्थिरीकरण) निधि से ऋण और अधिम Loans and Advances from National Agricul- tural Credit (Stabilisation) Fund.	
अन्य देयताएँ Other Liabilities	758,07,19,000	राज्य सहकारी बैंको को ऋण और अधिम Loans and Advances to State Co-operative Banks	86,45,74,000
		राष्ट्रीय प्रौद्योगिक ऋण (दीर्घकालीन प्रबंधन) निधि से ऋण, अधिम और निवेश	
		Loans, Advances and Investments from National Industrial Credit (Long Term Operations) Fund.	
		(क) विकास बैंक को ऋण और अधिम (a) Loans and Advances to the Development Bank	478,72,56,000
		(ख) विकास बैंक द्वारा जारी किये गये बॉन्ड/डिवेचरो में निवेश (b) Investment in bonds/debentures issued by the Development Bank.	—
		अन्य आस्तिया Other Assets	839,98,12,000
रुपये Rupees	4936,04,85,000	रुपये Rupees	4936,04,85,000

(विवेशी मुद्रा नियंत्रण विभाग)

दिसंबर, 14 दिसंबर, 1976

## भारतीय कार्यालय

का० अ० 353.—भारत सरकार के वित्त मंत्रालय की दिनांक 25 मित्तम्बर, 1958 की अधिसूचना स० एफ० आई० (67) ई० मी०/५७ के अनुसरण में भारतीय रिजर्व बैंक एनव्हारा यह निदेश देना है कि विनांक 4 दिसंबर, 1958 की उसकी अधिसूचना स० एफ०ई०आर०ए० 168/58-आर०बी० की अनुसूची में निम्नलिखित और संशोधन किया जाए, प्रार्थतः—

उक्त अधिसूचना की अनुसूची में—

“नेशनल बैंक आफ पाकिस्तान” प्रविष्टि के बाद “दि नेहुंगाई बैंक लि०” प्रविष्टि का सम्बिवेश किया जाए।

[अधिसूचना स० एफ०ई०आर०ए०-19/76-आर०बी०]

## (EXCHANGE CONTROL DEPARTMENT)

Bombay, the 14th December, 1976

## CENTRAL OFFICE

**S.O. 353.**—In pursuance of the Notification of the Government of India in the Ministry of Finance No. F.I. (67) E.C./57 dated 25th September, 1958, the Reserve Bank of India hereby directs that the following further amendments shall be made in the Schedule to its Notification No. F.E.R.A. 168/58-RB dated the 4th December, 1958, namely—

In the said Schedule—

After the entry “National Bank of Pakistan” the entry “The Nedungadi Bank Ltd.” shall be inserted.

[Notification No. FERA. 39/76-RB]

का० अ० 354.—भारत सरकार के वित्त मंत्रालय की दिनांक 25 मित्तम्बर, 1958 की अधिसूचना स० एफ० आई० (67) ई० मी०/५७ के अनुसरण में भारतीय रिजर्व बैंक एनव्हारा यह निदेश देना है कि विनांक 4 दिसंबर, 1958 की उसकी अधिसूचना स० एफ०ई०आर०ए० 168/58-आर०बी० की अनुसूची में निम्नलिखित और संशोधन किया जाए, प्रार्थतः—

उक्त अधिसूचना की अनुसूची में—

“पंजाब एंड सिध बैंक लि०” प्रविष्टि के बाद “गांगनी बैंक लि०” प्रविष्टि का सम्बिवेश किया जाए।

[अधिसूचना स० एफ० ई० आर० ए०-40/76-आर०बी०]  
ज० सी० लूप्हर, कार्यपालक निदेशक

**S.O. 354.**—In pursuance of the Notification of the Government of India in the Ministry of Finance No. F.I. (67) E.C./57 dated 25th September, 1958, the Reserve Bank of India hereby directs that the following further amendment shall be made in the Schedule to its Notification No. F.E.R.A. 168/58-RB dated the 4th December, 1958, namely—

In the said Schedule—

After the entry “Punjab & Sind Bank Ltd.” the entry “Sanghi Bank Ltd.” shall be inserted.

[Notification No. FERA. 40/76-RB]

J. C. I UTHER, Executive Director

## (अय्य विभाग)

नई दिल्ली, 7 जनवरी, 1977

का० अ० 355.—राष्ट्रपति, केन्द्रीय सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियन्त्रण और अपील) नियम, 1965 के नियम 34 के साथ पर्याप्त नियम 9 के उपनियम (2), नियम 12 के उपनियम (2) के बाद (ज) तथा नियम 24 के उप नियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने द्वारा, विभाग

मंत्रालय (अय्य विभाग) की अधिसूचना स० का० नि० आ० 639 तारीख 28 फरवरी, 1957 में निम्नलिखित संशोधन और करने हैं प्रार्थतः—

उक्त अधिसूचना की अनुसूची में—

(1) “भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग” शीर्षक के सम्बन्ध मार्ग 2 माध्यारण केन्द्रीय सेवा, वर्ग 3 में,—

(क) संस्था 2 में—

(1) “लेखा परीक्षा निदेशक, रक्षा सेवाए०” प्रविष्टि के पश्चात् निम्नलिखित प्रविष्टि अन्तःस्थापित की जाएगी, प्रार्थतः—  
“मुख्य लेखा परीक्षक आयुध कारखाना”;

(2) “लेखा परीक्षा उप निदेशक, रक्षा सेवाए०” प्रविष्टि के पश्चात् निम्नलिखित प्रविष्टियां सम्बन्धित की जाएंगी, प्रार्थतः—  
“ज्येष्ठ उप मुख्य लेखा परीक्षक, आयुध कारखाना”;

(ख) संस्था 3 में—

(1) “लेखा परीक्षा निदेशक, रक्षा सेवाए०” प्रविष्टि के पश्चात् निम्नलिखित प्रविष्टि अन्तःस्थापित की जाएगी, प्रार्थतः—  
“मुख्य लेखा परीक्षक, आयुध कारखाना”;

(2) “उप निदेशक लेखा परीक्षक, रक्षा सेवाए०”, प्रविष्टि के पश्चात् वोनो स्थानों पर जहां भी ये प्रविष्टियां आई हैं, निम्नलिखित प्रविष्टि अन्तःस्थापित किया जाएगा, प्रार्थतः—  
“ज्येष्ठ उप मुख्य लेखा परीक्षक, आयुध कारखाना;  
उप मुख्य लेखा परीक्षक, आयुध कारखाना”;

(ग) संस्था 5 में—

(1) “लेखा परीक्षा निदेशक, रक्षा सेवाए०” प्रविष्टि के पश्चात् वोनो स्थानों पर जहां भी यह प्रविष्टि आई है निम्नलिखित अन्तःस्थापित किया जाएगा, प्रार्थतः—  
“मुख्य लेखा परीक्षक, आयुध कारखाना”;

(2) “भारतीय लेखा परीक्षा और लेखा विभाग” शीर्षक के सम्बन्ध मार्ग 3—मामान्य केन्द्रीय सेवा, वर्ग 4 में, “—

(क) संस्था 2 और 3 में, “लेखा परीक्षा उप-निदेशक, रक्षा सेवाए०” प्रविष्टि के पश्चात् निम्नलिखित प्रविष्टियां अन्तःस्थापित की जाएंगी, प्रार्थतः—  
“ज्येष्ठ उप मुख्य लेखा परीक्षक, आयुध कारखाना”;

(ख) संस्था 5 में—

(1) “लेखा परीक्षा निदेशक, रक्षा सेवाए०” प्रविष्टि के पश्चात् निम्नलिखित प्रविष्टि अन्तःस्थापित की जाएंगी, प्रार्थतः—  
“मुख्य लेखा परीक्षक, आयुध कारखाना”;

(2) “उप निदेशक लेखा परीक्षा, रक्षा सेवाए०” प्रविष्टि के पश्चात् निम्नलिखित प्रविष्टियां अन्तःस्थापित की जाएंगी, प्रार्थतः—

“ज्येष्ठ उप-निदेशक लेखा परीक्षा, रक्षा सेवाए०”;  
उप-निदेशक लेखा परीक्षा, रक्षा सेवाए०;  
ज्येष्ठ उप-मुख्य लेखा परीक्षक, आयुध सेवाए०”;

[संख्या मी० 11021-1-74-ई० जी० I(1)]

## (Department of Expenditure)

New Delhi, the 7th January, 1977

**S.O. 355.**—In exercise of the powers conferred by sub-rule (2) of rule 9, clause (b) of sub-rule (2) of rule 12 and sub-rule (1) of rule 24 read with rule 34 of the Central Civil Services (Classification, Control and Appeal) Rules, 1965, the President hereby makes the following further amendments in the notification of the Ministry of Finance

(Department of Expenditure) No. S.R.O. 639 dated the 28th February, 1957, namely :—

In the Schedule to the said notification,—

(1) in Part II General Central Service, Class III, under the heading "Indian Audit and Accounts Department"—

(a) in column 2—

(i) after the entry "Director of Audit, Defence Services", the following entry shall be inserted, namely:—

"Chief Auditor, Ordnance Factories";

(ii) after the entry "Deputy Director of Audit, Defence Services", the following entries shall be inserted, namely:—

"Senior Deputy Chief Auditor, Ordnance Factories; Deputy Chief Auditor, Ordnance Factories",

(b) in column 3—

(i) after the entry "Director of Audit, Defence Services", the following entry shall be inserted, namely:—

"Chief Auditor, Ordnance Factories";

(ii) after the entry "Deputy Director of Audit, Defence Services", in both the places where it occurs, the following entries shall be inserted, namely:—

"Senior Deputy Chief Auditor, Ordnance Factories; Deputy Chief Auditor, Ordnance Factories";

(c) in column 5, after the entry "Director of Audit, Defence Services", in both the places where it occurs, the following entry shall be inserted, namely:—

"Chief Auditor, Ordnance Factories";

(2) in Part III—General Central Service Class IV, under the heading "Indian Audit and Accounts Department".—

(a) in columns 2 and 3, after the entry "Deputy Director of Audit, Defence Services", the following entries shall be inserted, namely:

"Senior Deputy Chief Auditor, Ordnance Factories; Deputy Chief Auditor, Ordnance Factories";

(b) in column 5—

(i) after the entry, "Director of Audit, Defence Services", the following entry shall be inserted, namely:—

"Chief Auditor, Ordnance Factories";

(ii) for the entry "Deputy Director of Audit, Defence Service", the following entries shall be substituted, namely:—

"Senior Deputy Director of Audit, Defence Services; Deputy Director of Audit, Defence Services;

Senior Deputy Chief Auditor, Ordnance Factories".

[No. C. 11021/1/74-EGI(1)]

का० आ० 356.—राष्ट्रपित, केन्द्रीय मिशन मेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण और प्रयोग) नियम, 1965 के नियम 12 के उप नियम (2) के स्वान्ध (ब) और नियम 24 के उप नियम (1) द्वारा प्रदत्त गणितों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (व्यय विभाग) की अधिसूचना संस्था का० आ० 3390, नारीव 7 नवम्बर, 1974 में निम्नलिखित संशोधन करते हैं, प्रथम—

उपन अधिसूचना की अनुसूची में,—

(1) "महानेताकार, महाराष्ट्र" में सम्बन्धित मद 2 के मामले दूसरे स्तरमें "(iii) महानेताकार, केंद्रीय" प्रतिष्ठित के पश्चात् निम्नलिखित प्रतिष्ठित प्रांत:स्थापित की जाएगी, प्रथम—

"(1) महानेताकार वैशानिक तथा वाणिज्यिक विभाग";

(2) मद 9 तथा तत्समन्वयी प्रतिष्ठितों के पश्चात् निम्नलिखित प्रांत:स्थापित किया जाएगा, प्रथम—

"10 महानेताकार, असम, मेघालय, नागालैंड, मणिपुर, असम, मेघालय, मिजोरम त्रिपुरा, असमान्त प्रदेश और असमान्त प्रदेश; और मिजोरम।

(2) महानेताकार, नागालैंड;

(3) महानेताकार, त्रिपुरा एवं

(4) महानेताकार, मणिपुर।

[म० सी० 11021-1-74-हॉजी० I (2)]  
म० के० तास, अवर समित

**S.O. 356.**—In exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-rule (2) of rule 12 and sub-rule (1) of rule 24 of the Central Civil Services (Classification, Control and Appeal) Rules, 1965, the President hereby makes the following amendments in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Expenditure) No. S.O. 3390 dated the 7th November, 1974, namely:—

In the Schedule to the said notification—

(1) against item 2 relating to "Accountant General, Maharashtra", in the second column, after the entry "(iii) Accountant General Central" the following entry shall be inserted, namely:—

"(iv) Accountant General Scientific and Commercial Departments";

(2) after item 9 and the entries relating thereto, the following shall be inserted, namely:—

"10. Accountant General. 10. (i) Accountant General, Assam, Meghalaya, Nagaland, Manipur, Tripura, Arunachal Pradesh and Mizoram.

(ii) Accountant General, Nagaland;

(iii) Accountant General, Tripura and

(iv) Accountant General, Manipur".

[No. C. 11021/1/74-EGI(2)]  
S. K. DAS, Under Secy.

वाणिज्य मंत्रालय

(सपुत्र मुख्य-नियंत्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय)

प्रादेश

मद्रास, 14 दिसम्बर, 1976

का० आ० 357.—सर्वश्री एनकड़ लर्ग एण्ड कमानी (इण्डिया) प्रा० लि०, ल्नाक गं० के०-२० व्यामारपदी को-आपरेटिव इन्डस्ट्रियल इस्टेट लि०, मद्रास-३७ को अप्रैल-मार्च, ७५ की अवधि के लिए २४,४१३/- रुपए के लिए आयुर्वेदिक और यूनानी आपरिक्षत श्रौपधिग्रन्थों का आयात करने के लिए आयात लाइसेंस सं० पी०/एम०/१७८५३३८/सी०/एम०/१८८०/५५/एम०/३९-४०, दिनांक ५-४-७५ प्रदान किया गया था।

कर्म ने उपर्युक्त लाइसेंस की सीमा शुल्क प्रयोजन प्रति की अनुलिपि प्रति जारी करने के लिए इस आधार पर आयेदत किया है कि लाइसेंस की मूल सीमा शुल्क प्रयोजन प्रति उक्त लाइसेंस के मद्दे १६,१४२/- रुपए की सीमा तक आंशिक उत्तोग करने के बाद और गई/अस्थानस्थ हो गई है। अपने तर्क के समर्थन में कर्म ने एक शपथ पत्र दाखिल किया है।



## ORDER

New Delhi, the 11th January, 1977

**S.O. 359.**—M/s. Indian Explosives Limited, Kanpur, were granted Licence No. P/D/2203389, dated 30-10-75, under I.D.A. Credit, for import of raw-materials valued at Rs. 29,70,000. They have requested for issue of duplicate Customs Copy of the said licence on the ground that the original copy of this licence is lost in transit, without having been registered with the customs authority and totally unutilised.

2. In support of their above contention, the applicant have filed an affidavit. The undersigned is satisfied that the original Customs of the licence referred to viz. P/D/2203389, dated 30-10-75, are lost and directs that the duplicate Customs of the licence in question, should be issued to them. The original Customs copy is accordingly cancelled.

3. The duplicate copy of this licence is being issued separately.

[Ref. No. Ch/I-2(3-5)/A.M.-76/R.M.-3/1912]  
N. A. KOHLI, Dy. Chief Controller

(निर्धारित उत्पादन विभाग)

नई दिल्ली, 10 जनवरी, 1977

इसायरी नियन्त्रण

का० आ० 360.—इलायची अधिनियम, 1965 (1965 का 42) की धारा 7 की उपधारा (1) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार ने इलायची बोर्ड में सहायक निदेशक श्री जान एम० जान को 7-10-1976 के प्रारंभात से और 27-11-1976 तक श्री के० थी० जार्ज की मृत्यु की अवधि के दौरान इसपर कार्यसार के अलावा निदेशक, इलायची बोर्ड के पद पर स्थानापन रूप में कार्य करने के लिए नियुक्त किया है।

[फाइल सं० 32/24/76 प्लांट (बी)]  
श्रीमती कोमल आनन्द, प्रबन्ध सचिव

(Department of Export Production)

New Delhi, the 10th January, 1977

## CARDAMOM CONTROL

**S.O. 360.**—In pursuance of sub-section (1) of Section 7 of the Cardamom Act, 1965 (42 of 1965), the Central Government has appointed Shri John M. John, Assistant Director in the Cardamom Board, to officiate as Director, Cardamom Board in addition to his own duties during the period of leave of Shri K. V. George from the afternoon of 7-10-1976 and up to 27-11-1976.

[F. No. 32(24)/76-Plant (B)]  
SMT. KOMAL ANAND, Under Secy

उद्योग भवालय

(श्रीद्वयिक विभाग विभाग)

आवेदन

नई दिल्ली, 5 जनवरी, 1977

का० आ० 361.—उद्योग (विभाग तथा विभाग) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 6 के द्वारा प्रवत्त विभिन्नों का प्रयोग करते हुए एवं विभाग परिषद् (प्रक्रियात्मक)

नियम, 1952 के नियम 2, 4 और 5 के साथ पढ़ते हुए केन्द्रीय भवालय एवं द्वयिक विभाग की नियम से दो विभाग की अवधि के लिए श्रीद्वयिक विभाग भवालय के आवेदन संख्या का० आ०/2682/श्री०द्व०आ००५०/ 61/73, दिनांक 21 दिसंबर, 1973 जिसे समय-समय पर संचोरित किया गया है, के प्रधीन नियुक्त किए गए मदरस्यों के स्थान पर जिनका कार्यकाल समाप्त हो गया है, निम्नलिखित व्यक्तियों को चमड़ा नथा चमड़े की बनी वस्तुओं के निर्माण तथा अथवा उत्पादन अनुमति उद्दीप्ती की विभाग परिषद् का मदस्य नियुक्त करती है —

चमड़ा नथा चमड़े की वस्तु

उद्योग की विभाग परिषद्

- आ० ए० सीतारमेया, 115, भवाली निवास, मानवी अध्यक्ष द्वाका, 28वां कास, जयनगर बगलौर-560011
- श्री एम० पी० पण्डित, प्रबन्ध निदेशक, मै० बेस्टने मदस्य इण्डिया टैनरीज लिं०, 2 ए, धार्या रोड, बम्बई-17।
- श्री टी० अम्बुल वहीद, सीनियर पार्टनर मैसरी टी० सदस्य अम्बुल वहीद एण्ड कम्पनी, 19 बेपरी हाई रोड, मद्रास-31।
- श्री ए० नागपा चेट्टियार, प्रबन्ध निदेशक, मै० इण्डिया मदस्य लेवर कारपोरेशन प्रा० लिं०, 9, डेविलसन स्ट्रीट, मद्रास-1।
- श्री पी० आर० धानोदालिया, शाम धानियावाली, पी० सदस्य श्रो० जालन्धर फैट, जिया जालन्धर (पजाब)
- श्री संजय सेन, अध्यक्ष, मै० नेशनल टेमरी कम्पनी लिं० सदस्य 1, मिडिल स्टोन स्ट्रीट, कलकत्ता-1।
- श्री पी० जेट बाटिंडक, प्रबन्ध निदेशक, मै० बाटा इण्डिया लिं०, 30, रोडसपियर सरणी, कलकत्ता-17।
- श्री सावनकार, सचिव, मै० बेस्ट बंगाल लेवर गुड्स मैन्युफैक्चरर्स एण्ड एक्सपोर्टर्स एसोसियेशन, 42 काउथ एण्ड पार्क, कलकत्ता-29।
- श्री एम० एम० शा, सचिव, आगरा फुटबीयर मैन्यू- सदस्य फैक्चरर्स एसोसियेशन, मार्फत के० के० लेवर इण्डस्ट्रीज, 4/451 आगरांज, आगरा-1।
- प्रबन्ध निदेशक, टैनरी एण्ड फुटबीयर कारपोरेशन आफ मदस्य इण्डिया लिं० 13/400, सिविल लाइन्स, हजारी बंगला, कानपुर-1।
- श्री शार० आर० नार० सोंधी, कपूरथला नार्बन इण्डिया टैनसे, सदस्य कपूरथला (पजाब)।
- श्री बी० नेहरू, प्रबन्ध निदेशक, मै० टाटा एक्सपोर्ट्स मदस्य लिं०, इण्डस्ट्रियल स्ट्रीट, बैवास (म० प्र०)।
- श्री एस० नजर मोहम्मद प्रधान, ईनर्स फैरेशन आफ सदस्य इण्डिया, 14/69, मिशन लाइन्स, कानपुर-1।
- श्री के० ए० नरसिंह राव, प्रबन्ध निदेशक, लेवर इण्डस्ट्रीज कारपोरेशन आफ आम्बू प्रबेश लिं०, 3-8- 150, हिमायत नगर, हैदराबाद-500029।
- श्री ए० जे० वास 107, अरकाट रोड, मद्रास-600024. सदस्य
- आ० ए० सन्तप्ता, निदेशक, सेम्बुल लेवर रिसर्च इन्स्टी- सदस्य ट्रॉफू, पो० आ० अम्बूयार, मद्रास-20।
- श्री बी० सी० पाण्डे, संयुक्त सचिव, आणिष्य मंत्रालय, सदस्य भारत सरकार, उद्योग भवन, नई दिल्ली।
- श्री योगेश चाहू, निदेशक, उद्योग मंत्रालय, भारत सदस्य सरकार उद्योग भवन, नई दिल्ली।

## चमड़ा तथा चमड़े की वस्तु उद्योग की विकास परिषद

19. विकास आयुक्त, लघु उद्योग, भारत सरकार निम्नणि सदस्य  
भवन, नई दिल्ली ।

20. श्री एम० राजा, 523, 33वीं फ्लॉर, बौद्ध इलाक, सदस्य  
जगनगर, बगलौर-11

21. श्री आर० एम० धोय, विकास अधिकारी (चमड़ा) सदस्य  
तकनीकी विकास का महानिवेशालय, उद्योग भवन, नई  
दिल्ली-1 ।

22 श्री कें बी० पांडिनिम, प्रबन्ध निदेशक, इंडो जर्मन गू. सदस्य  
मशीन कम्पनी प्रा० नि०, 107, गवर्नर्सेट इण्डियल  
स्टेट, कान्दीरेनी (पश्चिम), चमड़ई-400067 ।

23. श्री एन० पी० दास, प्रबन्धक, मै० चीका नि० 36, सदस्य  
गणेशाचन्द्र एवेन्यू, कलकत्ता-13 ।

24. श्री एम० एम० मकवूल, उद्योग और हस्तकला आयुक्त, सदस्य  
जमू और कश्मीर सरकार, श्रीनगर ।

25. श्री पी० से० प्रबन्ध निदेशक, स्टेट ट्रेडिंग कार्पोरेशन सदस्य  
प्रॉफ इंडिया नि०, चन्द्रलोक, जगपथ, नई दिल्ली-1 ।

26. श्री सुन्दर लाल अटल, अध्यक्ष-सह प्रबन्ध निदेशक भारत सदस्य  
लेहर कार्पोरेशन नि०, लारिज होटल, महाराष्ट्रा गांधी  
रोड, प्रागरा ।

27. अध्यक्ष, लेदर लेदर एक्सपोर्ट प्रोमोशन काउन्सिल 3/38, सदस्य  
वेपरी हाई रोड, मद्रास-3 ।

28. अध्यक्ष, एक्सपोर्ट डोमोशन काउन्सिल लैयार चमड़ा एवं सदस्य  
चमड़ा उत्पादकों की निर्यात संबंधित ममिति, 15/46,  
सिविल लाइन्स, कानपुर ।

2 केन्द्रीय सरकार एतद्वारा उक्त विकास परिषद् को उद्योग (विकास तथा विनियमन) अधिनियम, 1951 की दूसरी मूल्य में गिनाया गया सभी कार्य सौंपती है ।

3 एतद्वारा श्री आर० एस० धोय, विकास अधिकारी तकनीकी विकास का महानिवेशालय, नई दिल्ली को उक्त विकास परिषद् के सचिव के कार्यों को करने के लिए नामिन किया जाता है ।

[सं० आई० डी० आर० ए०/6/76]

एम० बी० सुन्दरमण्यन, अवार सचिव ।

## MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Industrial Development)

## ORDER

New Delhi, the 5th January, 1977

**S. O. 361.**—In exercise of the powers conferred by Section 6 of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951) read with rules 2, 4 and 5 of the Development Councils (Procedural) Rules, 1952, the Central Government hereby appoints, for a period of two years with effect from the date of this order, the following persons to be members of the Development Council for the scheduled industries engaged in the manufacture or production of Leather and Leather Goods, in place of members appointed under Ministry of Industrial Development Order No. S.O./ 2682/IDRA/6/73 dated the 21st

December 1973, as amended from time to time, whose term of office has expired :

## Development Council for Leather and Leather Goods Industries

1. Dr. A. Seetharamiah,	Chairman
115, Lakshmi Niwas, 7th Block,	
28th Cross, Jay Nagar,	
Bangalore-560011.	
2. Shri S. P. Pandit,	Member
Managing Director,	
M/s. Western India Taneries Ltd.,	
2-A, Dharavi Road,	
Bombay-17.	
3. Shri T. Abdul Wahid,	Member
Senior Partner,	
M/s. T. Abdul Wahid & Co.,	
19, Vepery High Road,	
Madras-3.	
4. Shri A. Nagappa Chettiar,	Member
Managing Director,	
M/s. India Leather Corporation Pvt.	
Ltd.,	
9, Davidson Street,	
Madras-1.	
5. Shri P. R. Dhanowalia,	Member
Village Dhaniuwali,	
P.O. Jullundur Cantt.	
(Distt. Jullundur)	
Punjab.	
6. Shri Sanjoy Sen,	Member
Chairman,	
M/s. National Tannery Company	
Ltd.,	
No. 1, Middleton Street,	
Calcutta.	
7. Shri P. Z. Baldik,	Member
Managing Director,	
M/s. Bata India Ltd.,	
30, Shakespeare Sarani,	
Calcutta-17.	
8. Shri Sadhan Kar,	Member
Secretary,	
M/s. W.B. Leather Goods Manufac-	
turers and Exporters Association,	
42, South End Park,	
Calcutta-29.	
9. Shri M. N. Jha,	Member
Secretary,	
Agra Footwear Manufacturers'	
Association,	
C/o Kay Kay Leather Industries,	
4/451, Belaganj,	
Agra.	
10. Managing Director,	Member
Tannery & Footwear Corporation of	
India Ltd.,	
13/400, Civil Lines, Hazari Bungalow,	
Kanpur.	
11. Shri R. R. Sondhi,	Member
Kapurthala Northern India Tanners,	
Kapurthala (Punjab).	

1	2	3	2	3
12.	Shri B. Nehru, Managing Director, M/s. Tata Exports Ltd., Industrial Estate, Dewas (M.P.).	Member	24.	Shri M. M. Maqbool, Commissioner of Industries & Handicrafts, Government of Jammu & Kashmir, Srinagar.
13.	Shri S. Nazar Mohamed, President, Tanners Federation of India, 14/69 Civil Lines, Kanpur.	Member	25.	Shri P. Seth, Executive Director, State Trading Corporation of India Ltd., Chandrapur, Janpath, New Delhi-1.
14.	Shri K. L. Narasimha Rao, Managing Director, Leather Industries Corporation of Andhra Pradesh Ltd., 3-6-150, Himayatnagar, Hyderabad-500029.	Member	26.	Shri Sunder Lal Atal, Chairman-cum-Managing Director, Bharat Leather Corporation Ltd., Laurie's Hotel, Mahatma Gandhi Road, Agra.
15.	Shri A. J. Doss, 107. Arcot Road, Madras-600024.	Member	27.	Chairman, Leather Export Promotion Council, 3/38, Veerapura High Road, Madras-3.
16.	Dr. M. Santappa, Director, Central Leather Research Institute, P.O. Adyar, Madras-20.	Member	28.	Chairman, Export Promotion Council for Finished Leather and Leather Manufactures, 15/46, Civil Lines, Kanpur.
17.	Shri V. C. Pande, Joint Secretary, Ministry of Commerce, Government of India, Udyog Bhavan, New Delhi.	Member	2. The Central Government hereby assigns all the functions enumerated in the Second Schedule to the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 to the said Development Council.	
18.	Shri Yogesh Chandra, Director, Ministry of Industry, Government of India, Udyog Bhavan, New Delhi.	Member	3. Shri R. S. Ghosh, Development Officer, Directorate General of Technical Development, New Delhi is hereby nominated to perform the functions of the Secretary to the said Development Council.	
19.	Development Commissioner, Small Scale Industries, Government of India, Nirman Bhavan, New Delhi.	Member	[No. IDRA/6/76] S. B. SUBRAMANIAN, Under Secy.	
20.	Shri S. Raja, 523, 33rd Cross, IV Block, Jayanagar, Bangalore-11.	Member	प्रावेश नई विल्सी, 7 जनवरी, 1977	
21.	Shri R. S. Ghosh, Development Officer (Leather), Directorate General of Technical Development, Udyog Bhavan, New Delhi.	Member	का० आ० 362 —प्रावेशक वस्तु अधिनियम, 1955 (1955 का 10) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, केन्द्रीय मरकार, नमक (आसाम आरक्षण स्टोक) प्राविन, 1973 (1973 का का० आ० 158) को विवरणित करती है, मिशन उन शक्तों के जो तेसे विक्री में पूर्ण की जा चुकी थी या करने से रह गई थी।	
22.	Shri K. B. Potnis, Managing Director, Indo-German Shoe Machine Company Pvt. Ltd., 107, Govt. Industrial Estate, Kandivali (West), Bombay-400067.	Member	[का० स० 05018/3/73-नमक] एन० क० बरवा, उप सचिव	
23.	Shri N. P. Das, Manager, M/s. Chika Ltd., 36, Ganesh Chandra Avenue, Calcutta-13.	Member	ORDER New Delhi, the 7th January, 1977	
			S.O. 362.—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Essential Commodities Act 1955 (10 of 1955), the Central Government hereby rescinds the Salt (Assam Re- serve Stock) Order 1973, (S.O. 158 of 1973) except as respects things done or omitted to be done before such rescission.	
			[F. No. 05018/3/71-Salt] N. K. BERWA, Dy. Secy.	

## आदेश

नई दिल्ली, 13 जनवरी, 1977

क्रा० आ० 363.—उद्योग (विकास एवं विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 6 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए एवं विकास परियोग (प्रक्रियात्मक) नियम, 1952 के नियम 2, 4 और 5 के साथ पढ़ते हुए तथा भारत सरकार के गजपत्र विनांक 2 अक्टूबर, 1976 में प्रकाशित इस मंत्रालय के आदेश क्रा० आ० सं० 3493 दिनांक 17 मित्स्वर, 1976 में आशिक संशोधन करते हुए केन्द्रीय सरकार एनव्हारा औद्योगिक विकास विभाग के भूतपूर्व सचिव श्री आर० बी० रमन को सीमेट मैन्युफैक्चर्स एसोसियेशन बम्बई के अध्यक्ष श्री पी० के० मिस्नी के स्थान पर सीमेट उद्योग की विकास परियोग का अध्यक्ष नियुक्त करती है।

[सं० 5-20/75-सीमेट]

बी० के० मकाना, संयुक्त सचिव

## ORDER

New Delhi, the 13th January, 1977

S.O. 363.—In exercise of the powers conferred by Section 6 of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951) read with rules 2, 4 and 5 of the Development Councils (Procedural) Rules, 1952, and in partial modification of this Ministry's Order No. S.O. No. 3493 dated the 17th September, 1976 published in the Gazette of India dated the 2nd October, 1976, the Central Government hereby appoints Shri R. V. Ramam, Formerly Secretary, Department of Industrial Development as the Chairman of the Development Council for the Cement Industry in place of Shri P. K. Mistry, President, Cement Manufacturers' Association, Bombay.

[No 5-20/75-Cem.]

D. K. SAXENA, Jt. Secy.

## नागरिक पूर्ति एवं सहकारिता मंत्रालय

## भारतीय मानक संस्था

नई दिल्ली, 1977-01-03

क्रा० आ० 364.—समय-समय पर समोधित भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिन्ह) विनियम, 1955 के विनियम 14 के उपविनियम (1) के प्रत्युत्तर भारतीय मानक संस्था द्वारा प्रतिसूचित किया जाता है कि लाइसेंस संख्या सी०एम०/ए०-2989 जिसके द्वारे नीचे प्रत्युत्तर से दिए गए हैं, 1976-12-01 से कर्म के अनुरोध पर रद्द कर दिया गया है—

## प्रमुखसूची

क्रम सं०	लाइसेंस संख्या और तिथि	लाइसेंसधारी का नाम और पता	रद्द किए गए लाइसेंस के प्रधीन अस्तु/प्रक्रिया	तत्कालीन भारतीय मानक
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1 सी०एम०/ए०-2989 1972-03-22	दि० इंडियन स्टील रोलिंग मिल्स लि०, कंपोट प्रबलन के लिए ठड़ी मरोड़ी 18-1786-1966 कंप्रीट प्रबलन के लिए ठड़ी मरोड़ी विकृत इस्पात की विकृत इस्पात की सरिया की विशिष्टि।	दि० इंडियन स्टील रोलिंग मिल्स लि०, कंपोट प्रबलन के लिए ठड़ी मरोड़ी 18-1786-1966 कंप्रीट प्रबलन के लिए ठड़ी मरोड़ी विकृत इस्पात की विकृत इस्पात की सरिया की विशिष्टि।	विकृत इस्पात की सरिया	विकृत इस्पात की सरिया
	बैयप्पनहाल्ली, बंगलौर-38 (कार्यालय : 108 आरमेनियन स्ट्रीट, मद्रास)			

[सी०एम०/55-2989]  
बी० बी० राव, उप-महानिदेशक

## MINISTRY OF CIVIL SUPPLIES AND CO-OPERATION

## INDIAN STANDARDS INSTITUTION

New Delhi, the 1977-01-03

S.O. 364.—In pursuance of sub-regulation (4) of regulation 14 of the Indian Standards (Certification Marks), Regulations 1955 as amended from time to time, the Indian Standards Institution hereby notifies that Licence No. CM/L-2889 particulars of which are given below has been cancelled with effect from 1976-12-01 on account of firm's request :—

## SCHEDULE

Sl. No.	License No. and Date	Name and Address of the Licensee	Article/Process Covered by the Licensees Cancelled	Relevant Indian Standards
1	2	3	4	5
1. CM/L-2889 1972-03-22	The Indian Steel Rolling Mills Ltd., Bayyappanahalli, Adjacent to Hindustan Steel Ltd., Stockyard Bayyappanahalli, Bangalore-38 (Office at : 108 Armenian Street, Madras-1.)	The Indian Steel Rolling Mills Ltd., Bayyappanahalli, Adjacent to Hindustan Steel Ltd., Stockyard Bayyappanahalli, Bangalore-38 (Office at : 108 Armenian Street, Madras-1.)	Cold twisted deformed steel bars for concrete reinforcement.	IS : 1786-1966 Specification cold twisted steel bars for concrete reinforcement.

[CMD/55 : 2989]  
A. B. RAO, Dy. Director General

## स्वास्थ्य व परिवार नियोजन मंत्रालय

(स्वास्थ्य विभाग)

नई दिल्ली, 11 जनवरी, 1977

का० आ० 365.—भारतीय चिकित्सा परियोग अधिनियम, 1956 (1956 का 102) की धारा 11 की उपधारा (2) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार, भारतीय चिकित्सा परियोग से परामर्श करते के पश्चात् इसके द्वारा उक्त अधिनियम की प्रत्यनी अनुसूची में आगे और निम्नलिखित संशोधन करती है, प्रथात्:—

उक्त अनुसूची में ग्रन्त में निम्नलिखित प्रविष्टि श्रेणीस्थापित की जायेगी—  
“रोहतक विश्वविद्यालय, बैचलर आफ मेडिसिन —एम बी बी एम रोहतक । एण्ड बैचलर आफ सर्जरी

चिप्लोमा इन बाइल्ड ही डी एम ईस्थ  
मास्टर आफ सर्जरी —एम० एम (आर्थोपेडिक्स)  
डाक्टर आफ मेडिसिन एम० डी० (पेडिया-  
(पेडियाट्रिक्स) ट्रिप्प्स)

[स० बी० 11015/29/76-एम० फी० टी०]

## MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY PLANNING

(Department of Health)

New Delhi, the 11th January, 1977

**S.O. 365.**—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of Section II of the Indian Medical Council Act, 1956 (102 of 1956), the Central Government, after consulting the Medical Council of India, hereby makes the following further amendments in the First Schedule to the said Act, namely:—

In the said Schedule, the following entry shall be inserted at the end, namely:—

“Rohtak University, Rohtak. Bachelor of . . . . . M.B.B.S.  
Medicine and  
Bachelor of  
Surgery.  
Diploma in . . . . . D.C.H.  
Child Health  
Master of . . . . . M.S.  
Surgery (Orthopaedics)  
Doctor of . . . . . M.D.  
Medicine (Paediatrics)

[No. V. 11015/29/76-MPT]

नई दिल्ली, 12 जनवरी, 1977

का० आ० 366.—इन्टर्निक्सक अधिनियम, 1948 (1948 का 16) की धारा 10 की उपधारा (4) की धारा (ब) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार, भारतीय चिकित्सा परियोग से परामर्श करते के पश्चात् इसके द्वारा उक्त अधिनियम की अनुसूची के भाग 3 में आगे और निम्नलिखित संशोधन करती है, प्रथात्:—

उक्त भाग में जल्द मध्या 69 के पश्चात् उसमें विवराई गई प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टियों अन्तर्स्थापित: की जायेगी प्रथात्:—

“70 जार्जटाउन विश्वविद्या- मास्टर आफ साइन्स एम० एम०  
लय, वार्षिकटन बी० सी० (आर्थोडोन्टिक्स)  
(प्रमेरिका) (आर्थोडोन्टिक्स)

[स० बी० 12017/4/75-एम० फी० टी०]

एम० श्रीनिवासन, उप सचिव

New Delhi, the 12th January, 1977

**S.O. 366.**—In exercise of the powers conferred by clause (b) of Sub-section (4) of section 10 of the Dentists Act, 1948 (16 of 1948), the Central Government, after consultation with the Dental Council of India, hereby makes the following amendment in part III of the Schedule to the said Act, namely:—

In the said part, after serial No. 69 and the entry relating thereto, the following shall be inserted namely:—

“70. Georgetown University, Washington D.C.(USA).	Master of Science (Ortho.) (Orthodontics)	M.S. Georgetown.”
---	---	-------------------

[No. V. 12017/4/75-MPT]  
S. SRINIVASAN, Dy. Secy.

## उत्तर मंत्रालय

(कोयला विभाग)

नई दिल्ली, 10 दिसम्बर, 1976

का० आ० 367.—राष्ट्रपति द्वारा कोयला नियंत्रक, कलकत्ता के पद पर श्री पी० कें० घोष का नियुक्ति काल 31-3-1977 तक की अनिरिक्ष प्रबंध प्रथा श्रावासी आदेश तक के लिए बदाया जाता है।

[स० 12(24)/74-सी०-4/सी०डी०टी०/प्रगा०-1]

प्र० एन० मुखर्जी, अवर सचिव

## MINISTRY OF ENERGY

(Department of Coal)

New Delhi, the 10th December, 1976

**S.O. 367.**—The President is pleased to extend the term of appointment of Shri P. K. Ghosh, to the post of Coal Controller, Calcutta, for a further period upto 31-3-77 or until further orders.

[No. 12(24)/74-C4/CDT/Adm. I]  
A. N. MUKHERJEE, Under Secy.

## CORRIGENDUM

New Delhi, the 10th January, 1976

**S.O. 368.**—In the notification of the Government of India in the Ministry of Energy (Department of Coal) No. S.O. 3556 dated the 23rd September, 1976 published at page 3382 of the Gazette of India, Part II-Section 3, Sub-section (ii) dated the 9th October, 1976, after the Schedule,—

For the number of the notification given as “No. 5-4 (24)/96-CL”

Read “No. C5-4(24)/74-CL”

[No. C5-4(24)/74-CL]

C. D. TRIPATHI, Director

## पेट्रोलियम मंत्रालय

नई दिल्ली, 19 दिसम्बर, 1976

का० आ० 369.—यत् पेट्रोलियम पाइप लाइन (भूमि के उपयोग के प्रधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और रसायन मंत्रालय (पेट्रोलियम विभाग) की अधिसूचना का० आ० स० 339, तारीख 20-12-75 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस प्रधिसूचना से मंत्रालय अनुसूची में विनिविष्ट भूमियों के उपयोग के प्रधिकार को पाइप लाइनों को विद्युत के प्रयोजन के लिए अर्जित करने का अपना आवश्य घोषित कर दिया था।

और यह: सक्षम, प्राधिकारी ने उक्त प्रधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दें दी है।

और आगे, यह: केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस प्रधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिविष्ट भूमियों में उपयोग का प्रधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, यह: उक्त प्रधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतदारा घोषित करती है कि इस प्रधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिविष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का प्रधिकार पाइप लाइन के प्रयोजन के लिए एतदारा अर्जित किया जाता है।

और, आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निम्न देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का प्रधिकार केन्द्रीय सरकार में विहित होने के बजाय तेल और प्राकृतिक गैस आयोग में सभी बंधनों से मुक्त रूप में, इस घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निश्चित होगा।

#### अनुसूची

सैलिकी जी० जी० एम नम्बर 3 से सैलिकी जी० जी० एम नम्बर 2 तक की पाइप लाइन

राज्य : असम	जिला : शिवसागर	तालुक : आठखेल
ग्राम	सर्वेक्षण नं०	हेक्टर एकारी सेटिंगेरे
आठखेल ग्राम नम्बर 2	15 ख	0 11 24
	17 ख	0 4 95
	18 ख	0 2 94
	19 ख	0 21 01
	20 ख	0 9 77
	20 घ	0 2 41
	21 ख	0 12 58
	31 ख	0 4 55
	32 ख	0 10 17
	32 घ	0 21 94

[सं० 12020/7/75-एल एण्ड एल-II]

#### MINISTRY OF PETROLEUM

New Delhi, the 19th December, 1976

**S.O. 369.**—Whereas by a notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Chemicals (Department of Petroleum) S.O. No. 339 dated 20-12-75 under Sub-Section (1) of Section 3 of the Petroleum Pipelines (Acquisition of Right of User in land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the Right of User in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipelines;

And whereas the competent Authority has under Sub-Section (1) of section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now therefore in exercise of the power conferred by Sub-Section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipelines;

And further in exercise of the power conferred by Sub-Section (4) of that Section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government vest in this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from all encumbrances.

#### SCHEDULE

Pipeline from Geleki GGS. No. 3 to Geleki GGS. No. 2.

State : Assam Dist. : Sibsagar. Taluk : Athkhel

Village	Survey No.	Hector	Acre	Centiares
Athkhel Grant No. 2	15 Kha	0	11	24
	17 Kha	0	4	95
	18 Kha	0	2	94
	19 Kha	0	21	01
	20 Kha	0	9	77
	20 Gha	0	2	41
	21 Kha	0	12	58
	31 Kha	0	4	55
	32 Kha	0	10	17
	32 Ga	0	21	94

[No. 12020/7/75-L&L-II]

**का० भा० 370.**—यह: पेट्रोलियम पाइप लाइन (भूमि के उपयोग के प्रधिकार का अर्जन) प्रधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम प्रीर रसायन मंत्रालय (पेट्रोलियम विभाग) की प्रधिसूचना का० आ० सं० 338, तारीख 20-12-75 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस प्रधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिविष्ट भूमियों के उपयोग के प्रधिकार को पाइप लाइनों को विहित होने के प्रयोजन के लिए प्रजित करने का प्रपत्ता आण्य घोषित कर दिया था।

प्रीर यह: सक्षम प्राधिकारी ने उक्त प्रधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे, यह: केन्द्रीय सरकार से उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस प्रधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिविष्ट भूमियों में उपयोग का प्रधिकार प्रजित करने का विनिश्चय किया है।

अब, यह: उक्त प्रधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतदारा घोषित करती है कि इस प्रधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिविष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का प्रधिकार पाइप लाइन के प्रयोजन के लिए एतदारा अर्जित किया जाता है।

और, आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निवेद देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का प्रधिकार केन्द्रीय सरकार में विहित होने के बजाय तेल और प्राकृतिक गैस आयोग में सभी बंधनों से मुक्त रूप में, इस घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निश्चित होगा।

#### अनुसूची

सिवसागर जी० जी० एम नम्बर 3 से लंक पाइप लाइन का जंकसन पन्त तक की पाइप लाइन

राज्य : असम	जिला : शिवसागर	तालुक : मेनका बोनगांव
ग्राम	सर्वेक्षण नं०	हेक्टर एकारी सेटिंगेरे
मल गुरिया	199 ख	0 8 83
	201 ख	0 0 80
	259 ख	0 6 82

[सं० 12020/7/75-एल एण्ड एल-III]

**S.O. 370.**—Whereas by a notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Chemicals (Department of Petroleum) S.O. No. 338 dated 20-12-75 under Sub-Section (1) of Section 3 of the Petroleum Pipelines (Acquisition of Right of User in land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the Right of User in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipelines;

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now therefore in exercise of the power conferred by Sub-Section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipelines;

And further in exercise of the power conferred by Sub-Section (4) of that Section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government vest in this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from all encumbrances.

#### SCHEDULE

Feederline From Rd. GGS. No. 3 to Trunk Pipeline.

State : Assam Dist. : Sibsagar Taluk : Meteka Bongaon

Village	Survey No.	Hec-tor	Are	Centiare
Salaguria	199 Kha	0	8	83
	201 Kha	0	0	80
	259 Kha	0	6	82

[No. 12020/7/75-L&L-III]

नई दिल्ली, 28 दिसम्बर, 1976

**का० आ० 371.**—यतः पेट्रोलियम पाइपलाइन (भूमि के उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और रसायन मंत्रालय (पेट्रोलियम विभाग) की आधिसूचना का० आ० सं० 523, तारीख 8-1-76 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुमूली में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइपलाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए अर्जित करने का प्रयत्न आशय घोषित कर दिया था।

और यतः मध्यम प्राधिकारी के उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात इस अधिसूचना से संलग्न अनुमूली में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनियोग किया है।

अब, यतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रवक्त अर्जि का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुमूली में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और, यतः उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रस्तूत शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार से विहित होने के बजाय भारतीय शेष

नियम द्वारा गभी संधकों से मुक्त रूप में, इस घोषणा के प्रकाशन की छ हारीख की निहित होगा।

#### अनुसूची

व्यापत क्षेत्र सं० कलोन-4 में सी० टी० एफ० (के-55 से के-80 तक) में पाइप लाइन बिछाने के लिये

राज्य : गुजरात जिला : गोदीनगर तालुका : गोदीनगर

गाव	मवैश्वरण संघर्ष	हेक्टर	एमारई सेटिंग
सेरथा	1375/6	0	01 00
	1375/1	0	09 28
	1375/3	0	00 35
	1374	0	01 60
कार्टैन्क		0	00 18
	1388/3	0	00 65
	1388/2	0	01 65
	1388/1	0	02 10
	1387	0	01 10
1390/2/शी		0	03 63
1390/2/ए		0	02 45
1394/3		0	00 25
1394/1/शी		0	00 40
1394/1/ए		0	01 45
1395/1		0	04 33
1395/2		0	00 25
1395/4		0	00 25
1395/3		0	04 40
1407		0	05 15
1405/1		0	02 02
1405/2		0	00 75
कार्टैन्क		0	00 25
1268/1		0	00 95
1269/1/2		0	03 55
1270/2		0	00 70
1262/3		0	01 80
1262/2		0	02 45
1261		0	02 35
1260		0	04 40
कार्टैन्क		0	00 35
1215		0	02 20

[सं० 12016/20/75-एल एल]

New Delhi, the 28th December, 1976

**S.O. 371.**—Whereas by a notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Chemicals (Department of Petroleum) S.O. No. 523 dated 8-1-76 under sub-Section (1) of Section 3 of the Petroleum Pipelines (Acquisition of Right of User in land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the Right of User in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipelines;

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now therefore in exercise of the power conferred by Sub-Section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipelines :

And further in exercise of the power conferred by Sub-Section (4) of that Section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government vest on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from all encumbrances.

### SCHEDULE

For laying gas pipeline from D.S. No. Kalol-4 to CTF  
(From K-55 to K-80)

State : Gujarat      District : Gandhinagar      Taluka : Gandhinagar

Village	Survey No.	Hec-tare	Arc	Centiarc
Sertha	1375/6	0	01	00
	1375/1	0	09	28
	1375/3	0	00	35
	1374	0	01	60
	Cart-track	0	00	18
	1388/3	0	00	65
	1388/2	0	01	65
	1388/1	0	02	10
	1387	0	01	10
	1390/2/B	0	03	63
	1390/2/A	0	02	45
	1394/3	0	00	25
	1394/1/B	0	00	40
	1394/1/A	0	01	45
	1395/1	0	04	33
	1395/2	0	00	25
	1395/4	0	00	25
	1395/3	0	04	40
	1407	0	05	15
	1405/1	0	02	02
	1405/2	0	00	75
	Cart-track	0	00	25
	1268/1	0	00	95
	1269/1/2	0	03	55
	1270/2	0	00	70
	1262/3	0	01	80
	1262/2	0	02	45
	1261	0	02	35
	1260	0	04	40
	Cart-track	0	00	35
	1215	0	02	20

[No. 12016/20/75-L&L

नई विल्सो, 29 दिसम्बर, 1976

का० अा० 372.—यत् केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह भावश्यक है कि असम के शिवसागर ज़िले में गेलेकी से ओरहाट तक के बीच पैद्योलियम उत्तादो के परिवहन के लिए पाइपलाइन लेन एवं प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिलाई जानी चाहिए।

और यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिलाने के प्रयोगन के लिए एन्टुपाइप अनुसूची में वर्जित भूमि में उपयोग का अधिकार प्राप्ति करना आवश्यक है।

131 GI/76-3

प्रतः प्रब पैद्योलियम पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का प्राप्ति) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करने द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार प्राप्ति करने का अपना आवश्यक एन्टुपाइप घोषित किया है।

उक्त भूमि में हितवद्ध कोई उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिलाने के लिए आवश्यक उप-मण्डल अधिकारी गिवासागर असम के कार्यालय में इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

ऐसा आवश्यक करते थाना तक व्यक्ति जिनिदिष्ट यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह बाहता है कि उसकी सुनवाई अनिवार्य हो या किसी विधि अवासायी की मार्फत।

राज्य : असम	ज़िला : शिवसागर	नानुक : दोपदर	मनुसूची			
			प्राम	सर्वे नम्बर	हेक्टर	एकार्ड
1	2	3	4	5		
दोम गाँव		107 ख			5	48
		106 ख			7	49
		242 ख			2	54
		243 ख			2	54
		105 ख			11	77
		74 ख			2	94
		70 ख			0	40
		75 ख			1	07
		102 ख			8	29
		103 ख			2	94
		108 ख			3	08
		100 ख			0	54
		69 ख			4	01
		50 ख			2	01
		77 ख			1	47
		147 ख			0	54
		64 ख			0	54
		65 ख			2	01
		80 ख			0	80
		81 ख			17	13
		82 ख			0	67
		104 ख			5	35
		104 ख			0	27
		151 ख			0	54
		245 ख			3	48
		152 ख			6	02
		83 ख			4	28
		78 ख			6	42
		67 ख			2	14
		68 ख			1	34
		251 ख			1	07
		72 ख			4	28
		72 ख			0	54
		71 ख			3	48
		76 ख			5	35
		73 ख			0	27

[सं 12020/11/76-प्रोटोकॉल-III]

New Delhi, the 29th December, 1976

**S.O. 372.**—Whereas it appears of the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Geleki to Jorhat in Sibsagar Dist., Assam. Pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Commission.

And whereas it appears that for the purpose of laying such Pipelines, it is necessary to acquire the Right of User in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-Section (1) of section 3 of the Petroleum Pipelines (Acquisition of Right of User in land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipelines under the land to the Competent Authority, viz. the Sub-Divisional Officer, Sibsagar, Assam.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

### SCHEDULE

#### Geleki-Jorhat Trunk Pipeline

State : Assam      District : Sibsagar      Taluk : Doopdor

Village	Survey No.	Hec- tor	Arc- Centi- are	
1	2	3	4	5
Dom Gaon	107 Kha	..	5	48
	106 Kha	..	7	49
	242 Kha	..	2	54
	243 Kha	..	2	54
	105 Kha	..	11	77
	74 Kha	..	2	94
	70 Kha	..	0	40
	75 Kha	..	1	07
	102 Kha	..	8	29
	103 Kha	..	2	94
	108 Kha	..	3	08
	100 Kha	..	0	54
	69 Kha	..	4	01
	50 Kha	..	2	01
	77 Kha	..	1	47
	147 Kha	..	0	54
	64 Kha	..	0	54
	65 Kha	..	2	01
	80 Kha	..	0	80
	81 Kha	..	17	13
	82 Kha	..	0	67
	104 Kha	..	5	35
	104 Gha	..	0	27
	151 Kha	..	0	54
	245 Kha	..	3	48
	152 Kha	..	6	02
	83 Kha	..	4	28
	78 Kha	..	6	42
	67 Kha	..	2	14
	68 Kha	..	1	34
	251 Kha	..	1	07
	72 Kha	..	4	28
	72 Gha	..	0	54
	71 Kha	..	3	48
	76 Kha	..	5	35
	73 Kha	..	0	27

नहीं विल्सी, 4 जनवरी, 1977

का० आ० 373.—यतः पेट्रोलियम पाइप लाइन (भूमि के उपयोग के प्रधिकार का प्रज्ञन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और रसायन मंदालय (पेट्रोलियम विभाग) की अधिसूचना का० आ० म० 1033 लारीब 23-2-76 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने इस अधिसूचना से मलम अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के प्रधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए प्रार्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

ग्रौर यत् सक्षम, प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

ग्रौर आगे, यत् केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात इस अधिसूचना से मलम अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का प्रधिकार प्रार्जित करने के विवरण के लिए एतद्वारा प्रार्जित किया जाता है।

ग्रौर, यत् उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त भूमियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस प्रधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का प्रधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा प्रार्जित किया जाता है।

ग्रौर, यामि उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त भूमियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निवेश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का प्रधिकार केन्द्रीय सरकार में विहित होने के बजाय तेज़ ग्रौर प्रारूपित गैस आयोग में सभी बंधनों से मुक्त रूप में, इस घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निश्चित होगा।

#### अनुसूची

विवारण छूप नम्बर 21, 51, 48, 62, 56, 66 से जी० जी०  
एम नम्बर 4 लक्ष की पाइप लाइन

राज्य : असम      जिला : शिबसागर      नालुका : कोवसुर

ग्राम	सर्वे नम्बर	हेक्टर एकारी सेन्टिपर			
		1	2	3	4
बकियाखात	932 ख		0	3	75
	931 ख		0	1	87
	930 ख		0	4	82
	929 ख		0	1	87
	935 ख		0	2	01
	936 ख		0	1	74
	937 ख		0	1	61
	927 ख		0	0	27
	1078 ख		0	1	34
	1078 ग		0	0	54
	864 ख		0	9	23
	928 ख		0	9	63
	926 ख		0	7	76
	938 ख		0	0	27
	940 ख		0	1	34
	924 ख		0	0	40
	783 ख		0	0	40
	768 ख		0	0	94
	925 क		0	2	14

1	2	3	4	5
वसियाधार (क्रमांक.)	941 ख	0	4	55
	942 ख	0	5	35
	920 ख	0	10	03
	1375 ख	0	1	61
	1064 ख	0	9	36
	1060 ख	0	0	54
	748 ख	0	7	63
	1099 ख	0	21	67
	766 ख	0	7	49
	743 ख	0	1	20
	765 ख	0	6	56
	767 ख	0	2	68
	741 ख	0	6	96
	742 ख	0	7	89
	717 ख	0	3	34
	718 ख	0	7	49
	637 ख	0	2	01
	610 ख	0	4	41
	609 ख	0	4	41
	638 ख	0	4	82
	639 ख	0	12	71
	608 ख	0	4	41
	586 ख	0	0	67
	749 ख	0	0	54
	764 ख	0	6	56
	1079 ख	0	12	04
	1556 क	0	2	54

[मा. 12020/1/76-एस एण्ड एल-1]

New Delhi, the 4th January, 1977

**S.O. 373.**—Whereas by a notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Chemicals (Department of Petroleum) S.O. No. 1033 dated 23-2-76 under Sub-Section (1) of Section 3 of the Petroleum Pipelines Acquisition (1) of section 6 of the said Act, submitted report to the Central Government declared its intention to acquire the Right of User in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipelines;

And whereas the competent Authority has under Sub-Section (1) of section 1 of the said Act, submitted report to the Government,

And further whereas the Central Government has after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now therefore in exercise of the power conferred by Sub-Section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipelines;

And further in exercise of the power conferred by Sub-Section (4) of that Section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government vest in this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from all encumbrances.

## SCHEDULE

Pipeline from Rudrasagar Well Nos. 21, 51, 48, 62, 56 and 66 to Rudrasagar GGS. No. 4.

State : Assam District : Sibsagar Taluk : Konwarpur.

Village	Survey No.	Hector Are Centiare			
		1	2	3	4
Boliaghat	932 Kha		3	75	
	931 Kha		1	87	
	930 Kha		4	82	
	929 Kha		1	87	
	935 Kha		2	01	
	936 Kha		1	74	
	937 Kha		1	61	
	927 Kha		0	27	
	1078 Kha		1	34	
	1078 Ga		0	54	
	864 Kha		9	23	
	928 Kha		9	63	
	926 Kha		7	76	
	938 Kha		0	27	
	940 Kha		1	34	
	924 Kha		0	40	
	783 Kha		0	40	
	768 Kha		0	94	
	925 Ka		2	14	
	921 Kha		0	27	
	941 Kha		4	55	
	942 Kha		5	35	
	920 Kha		10	03	
	1375 Kha		1	61	
	1064 Kha		9	36	
	1060 Kha		0	34	
	748 Kha		7	63	
	1099 Kha		21	67	
	766 Kha		7	49	
	743 Kha		1	20	
	765 Kha		6	56	
	767 Kha		2	68	
	741 Kha		6	96	
	742 Kha		7	89	
	717 Kha		3	34	
	718 Kha		7	49	
	637 Kha		2	01	
	610 Kha		4	41	
	609 Kha		4	41	
	638 Kha		4	82	
	639 Kha		12	71	
	608 Kha		4	41	
	586 Kha		0	67	
	749 Kha		0	54	
	764 Kha		6	56	
	1079 Kha		12	04	
	1556 Ka		2	54	

[No. 12020/1/76-L&amp;L-II]

**S.O. 374.**—यह ऐट्रोलियम पाइप लाइन (भूमि के उपयोग के प्रधिकार का प्रतीक) प्रधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के ऐट्रोलियम और रसायन यानिकालय (ऐट्रोलियम विभाग) की प्रधिसूचना का० आ० सं० 1031 तारीख 23-2-76 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस प्रधिसूचना से संगमन प्रत्-सूची में विनिविष्ट भूमियों के उपयोग के प्रधिकार को पाइप लाइनों का

बिलाने के प्रयोजन के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

ग्रीष्म यतः सक्रम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

ग्रीष्म यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिविष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनियम किया है।

ग्रीष्म यतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) धारा प्रवत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इम अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिविष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन बिलाने के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

ग्रीष्म, यतः उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निवेश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में विहित होने के बायां तेल ग्रीष्म प्राकृतिक गैस आयोग में सभी बंधनों से मुक्त रूप में इस घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

#### अनुसूची

रुद्रसागर कुप नम्बर 21, 51, 48, 62, 56, 66 से रुद्रसागर और जी० जी० एस० नम्बर 4 तक की पाइप लाइन

राज्य : असम निवास : रुद्रसागर तालुक : कोपसुरु

प्राम	सर्वे नम्बर	हेक्टर	एजार्ड सेन्टीयर	अनुसूची
फार्म कमार फिया	16 अ	0	13	78
	80 अ	0	4	15
	86 अ	0	2	14
	614 अ	0	1	61
	130 अ	0	1	61

[मं० 12020/1/76-एस० एड० एल०-1]

**S.O. 374.**—Whereas by a notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Chemicals (Department of Petroleum) S.O. No. 1031 dated 23-2-76 under Sub-Section (1) of Section 3 of the Petroleum Pipelines, (Acquisition of Right of User in land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the Right of User in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipelines;

And whereas the competent Authority has under Sub-Section (1) of section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now therefore in exercise of the power conferred by Sub-Section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereof acquired for laying the pipelines;

And further in exercise of the power conferred by Sub-Section (4) of that Section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government vest in this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from all encumbrances.

#### SCHEDULE

pipeline from Rudrasagar Well Nos. 21, 51, 48, 62, 56 and 66 to Rudrasagar GGS. No. 4

State : Assam District : Sibsagar Taluk : Konwarpur

Village	Survey No.	Hec-	Are-	Cen-
		tor		tiare
FAKUM KOMARFODIA	16 Kha	..	13	78
GAON	80 Kha	..	4	15
	86 Kha	..	2	14
	614 Kha	..	1	61
	130 Kha	..	1	61

[No. 12020/1/76-L&L-II]

का० आ० 375.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में सलाया पोर्ट से उत्तर प्रवेश में मधुरा तक वेटोलियम के परिवहन के लिये पाइप लाइन इण्डियन आयल कार्पोरेशन द्वारा बिलाई जानी चाहिये।

ग्रीष्म यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिलाने के प्रयोजन के लिए एतद्वाबद्ध अनुसूची में विहित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

ग्रीष्म, वेटोलियम पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्वारा घोषित किया है।

बिलाने के उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिलाने के लिए आक्षेप सक्रम प्राधिकारी, इण्डियन आयल कार्पोरेशन लिमिटेड, सलाया—मधुरा पाइप लाइन प्रोजेक्ट, वी-18, शिव मर्याद, अनी पार्क, जयपुर-6 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

ग्रीष्म एसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिविष्ट: यह भी कहन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी मुनवाई व्यक्तिगत हो या कि किसी विश्व व्यवसायी को मार्फत।

प्राम	खमरा नं०	फोकल		
		हेक्टर	ग्रेर	वर्गमीटर
1	2	3	4	5
बगड़ी	2549	0	18	61
	2551	0	92	27
	2550	0	05	67
	2571	0	29	14
	2572	0	03	60
	2525	0	21	04
	2588	0	38	85
	2585	0	05	67
	2581	0	05	67
	2583	0	30	75
	2623	0	76	08

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
बगड़ी—क्रमांक:	2622	0	77	70	देवली दुर्लाल—क्रमांक:	61/8	0	12	95
	2616	0	04	05		61/11	0	17	00
	2615	0	32	37	सिंगपुरा	287/1	0	37	23
	2614	0	00	81		289/1	0	67	99
	2613	0	24	28		289/3	0	29	14
पीपलाद	369	0	09	71		231/1	0	17	00
	367	0	17	81		231/3	0	37	23
	243	0	13	76		231/4	0	14	57
	242	0	11	33		231/5	0	09	71
	240	0	19	42		295/1	0	09	71
	239	0	02	43		295/2	0	37	23
	229	0	25	90		295/3	0	21	86
	227	0	04	86		296	0	02	43
	228	0	04	05		297	0	46	14
	226	0	16	19		295/4	0	46	14
	168	0	24	28		295/5	0	53	42
	168/309	0	08	09		295/6	0	21	85
	166	0	15	38		295/7	0	10	52
	147/395	0	07	28		295/8	0	10	52
	147/394	0	22	66		311/1	0	14	57
	138	0	05	67		311/2	0	09	71
	137	0	24	28		311/4	0	04	05
	140	0	11	33	रायरा कला व चुर्च	7	0	04	86
	141	0	16	19		6	0	04	86
	78	0	25	90		8	0	08	09
	76	0	36	66		5	0	11	33
	62	0	24	28		3	0	12	95
	57	0	32	37		1	0	45	32
केलवाड	232	0	00	81					
	231	0	24	28					
	230/1	0	01	62					
	234/1	0	08	09					
	229/2	0	19	42					
	229/1	0	09	71					
	221	0	29	14					
	9	0	21	83					
	7	0	11	33					
	8	0	42	90					
	16/4	0	21	04					
	16/5	0	05	38					
देवली दुर्लाल	29	0	31	80					
	22	0	42	08					
	22/1	0	01	62					
	17/1/3	0	29	94					
	17/2	0	12	95					
	38	0	12	95					
	38/1	0	25	90					
	40/1	0	24	28					
	7/1	0	24	28					
	45	0	12	95					
	46/1	0	17	00					
	65	0	16	19					
	65/1	0	09	71					
	61/1	0	29	94					
	61	0	16	19					

[सं. 12020/16/76-प्रोडक्शन-II]

**S.O. 375.**—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Salaya Port in Gujarat to Mathura in Uttar Pradesh Pipelines should be laid by the Indian Oil Corporation Limited.

And whereas it appears that for the Purpose of laying such pipelines, it is necessary to acquire the Right of User in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the Powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the Petroleum Pipelines (Acquisition of Right of User in land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declare its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipelines under the land to the Competent Authority, Indian Oil Corporation Limited, Salaya-Koyal-Mathura Pipeline Project, B-18, Shiv Marg, Banipark, Jaipur-6.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

Tehsil : Sojat	District : Pali	State : Rajasthan	SCHEDULE			1	2	3	4	5
			Area							
Village	Khasra No.	H.	A.	Sq.	M.					
1	2	3	4	5						
Bagri	2549	0	18	61		40/1	0	24	28	
	2551	0	92	27		7/1	0	24	28	
	2550	0	05	67		45	0	12	95	
	2571	0	29	14		46/1	0	17	00	
	2572	0	03	60		65	0	16	19	
	2525	0	21	04		65/1	0	09	71	
	2588	0	38	85						
	2585	0	05	67						
	2581	0	05	67						
	2583	0	30	75						
	2623	0	76	08						
	2622	0	77	70						
	2616	0	04	05						
	2615	0	32	37						
	2614	0	00	81						
	2613	10	24	28						
Piplad	369	0	09	71						
	367	0	17	81						
	243	0	13	76						
	242	0	11	33						
	240	0	19	42						
	239	0	02	43						
	229	0	25	90						
	227	0	04	86						
	228	0	04	05						
	226	0	16	19						
	168	0	24	28						
	168/399	0	08	09						
	166	0	15	38						
	147/395	0	07	28						
	147/394	0	22	66						
	138	0	05	67						
	137	0	24	28						
	140	0	11	33						
	141	0	16	19						
	78	0	25	90						
	76	0	56	66						
	62	0	24	28						
	57	0	32	37						
Kelwad	232	0	00	81						
	231	0	24	28						
	230/1	0	01	62						
	234/1	0	08	09						
	229/2	0	19	42						
	229/1	0	09	71						
	221	0	29	14						
	9	0	21	85						
	7	0	11	33						
	8	0	42	90						
	16/4	0	21	04						
	16/5	0	15	38						
Deoli Hull	29	0	51	80						
	22	0	42	08						
	22/1	0	01	62						
	17/1/3	0	29	94						
	17/2	0	12	95						
	38	0	12	95						
	38/1	0	25	90						

[No. 12020/16/76-Prod. II]

का० आ० 376.—यस पेट्रोलियम पाइप लाइन (भूमि के उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और रसायन मंत्रालय (पेट्रोलियम विभाग) की प्रधिसूचना का० आ० सं० 1032 नारीख 23-2-76 द्वारा केन्द्रीय सरकार के उस प्रधिसूचना से मंत्रन अनुसूची में विनियिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों की बिछाने के प्रयोजन के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यह मन्त्र, प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार का रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात उक्त प्रधिसूचना से मंत्रन अनुसूची में विनियिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनियम किया है।

प्रत, यह उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शर्त का प्रयोग करने के लिए केन्द्रीय सरकार एवं द्वारा और विनियिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एनदब्ल्यूएस अर्जित किया जाता है।

प्रत, यह उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शर्त का प्रयोग करने के लिए केन्द्रीय सरकार एवं द्वारा और विनियिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एनदब्ल्यूएस अर्जित किया जाता है।

और भारत की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निवेश देती है कि उक्त भूगिर्भागों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में विहित होने के बजाय नेतृ और प्राकृतिक ऐसे आयोग में भी बंधनों में मुक्त रूप में, इन धोखणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

## अनुसूची

ब्रह्मसागर जी० जी० एस० नम्बर 4 से ब्रह्मसागर जी० जी० एस० नम्बर 1 तक की पाइप लाइन

राज्य असम जिला शिवसागर तालुक : भेतेका बनगांव

प्राम	सर्व नम्बर	हेक्टर			प्रारं ई सेन्टी- वरे
		1	2	3	
पर्यालियान	129		12	31	
	281		4	41	
	290		1	47	
	301		0	3	21
	302		0	3	48
	363		3	61	
	362		1	87	
	364		0	67	
	464		9	63	
	495		3	75	
	466		1	61	
	485		0	1	34
	487		0	6	02
	486		0	4	15

[सं० 12020/1/76-एल० एप्ल०-III]

**S.O. 376.**—Whereas by a notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Chemicals (Department of Petroleum) S.O. No. 1032 dated 23-2-76 under Sub-Section (1) of Section 3 of the Petroleum Pipelines Acquisition of Right of User in land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the Right of User in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipelines :

And whereas the competent Authority has under Sub-Section (1) of section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now therefore in exercise of the power conferred by Sub-Section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipelines;

And further in exercise of the power conferred by Sub-Section (4) of that Section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government vest in this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from all encumbrances.

## SCHEDULE

Feederline from Rudrasagar GGS. No. 4 to Rudrasagar GGS.

No. 1

State : Assam Dist : Sibsagar Taluk : Meteka Bongaon

Village	Survey No.	Hec- tor	Arc- tor	Centi- are
1	2	3	4	5
Pathalial	129/Kha	0	12	31
	281/Kha	0	4	41
	290/Kha	0	1	47
	301/Kha	0	3	21
	302/Kha	0	3	48
	363/Kha	0	3	61
	362/Kha	0	1	87
	364/Kha	0	0	67
	464/Kha	0	9	63
	465/Kha	0	3	75
	466/Kha	0	1	61
	485/Kha	0	1	34
	487/Kha	0	6	02
	486/Kha	0	4	15

[No. 12020/1/76-L&L-III]

नई दिल्ली, 5 जनवरी, 1977

का० आ० 377.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि सोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में सलाया पोर्ट से उत्तर प्रदेश में मधुरा तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइप लाइन इण्डियन आयल कारपोरेशन द्वारा बिछाई जानी जायेंगे।

मोर यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिये एतदपावृष्ट अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार प्रजित करना आवश्यक है।

प्रतः अब पेट्रोलियम पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का प्रयोजन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार प्रजित करने का अपना आशय एतदपावृष्ट घोषित किया है।

प्रतः कि उक्त भूमि में हितवद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, इण्डियन आयल कारपोरेशन लिमिटेड, सलाया-मधुरा पाइप लाइन प्रोजेक्ट, बी-18, गिल बार्ग बनी पार्क, जयपुर-6 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीसर कर सकेगा।

मोर ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिविष्टः यह भी कथन करेगा कि व्यापक आहता है कि उसकी सुनवाई अप्रिक्षित हो या किसी विधि अवसायी की मार्फत।

## अनुसूची

तहसील : किशनगढ़ जिला : ग्रामपाल राज्य : राजस्थान

प्राम	तहसील नं०	शेतकरी			
		साविक	हाल	हेक्टर	ए. भारं ई. वर्गमीटर
1	2	3	4	5	6
गोठियाना	255	255	0	09	71
	256	256	0	01	62

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
गोठियाना (क्रमांक)	257	257	0	15	39	जोरावर पुरा (क्रमांक)	603	603	0	04	86
	259	259	0	28	33		14	14	0	05	67
	260	260	0	22	66		12	12	0	21	85
	269	269	0	11	33		11	11	0	01	62
	268	268	0	05	67		13	13	0	04	05
	266	266	0	12	14		20	20	0	01	62
	267	267	0	31	56		21	21	0	16	19
	272	272	0	24	28		19	19	0	02	43
	273	273	0	24	28		36	36	0	32	37
	250	250	0	08	09		34	34	0	02	43
	251	251	0	23	47		60	60	0	09	71
	249	249	0	08	09		59	59	0	08	09
	248	248	0	15	38		58	58	0	04	05
	282	282	0	27	52		66	66	0	28	33
	223	223	0	15	38		73	73/2	0	48	56
	221	221	0	00	81		75	75	0	03	24
	222	222	0	01	62		119	119	0	15	38
	137	137	0	01	62		117	117	0	00	81
	126	126	0	19	83		121	121	0	02	43
	125	125	0	00	40		120	120	0	09	71
	123	123	0	21	04	प्राकोदिया	1680	1680	0	26	71
	89	89	0	01	62		1679/3	1679/3	0	00	81
	87	87	0	28	33		1683	1683/2	0	72	65
	95	95	0	00	81		1684	1684	0	10	52
	97	97	0	13	76		1689/2	1689	0	11	33
	98	98	0	02	43	श्रीरोता	287	287	0	18	62
	100	100	0	02	43		291	291	0	15	38
	101/1	101/1	0	0	81		290	290	0	00	81
	73	73	0	15	38		292	292	0	01	62
	76	76	0	00	81		289	289	0	15	38
	792	792	0	06	47		301	301	0	04	86
	785	785	0	04	05		299	299	0	12	14
	780	780	0	04	86		304	304	0	08	09
	791	791	0	20	23		300	300	0	09	71
	904/1	904/1	0	12	95		314	314	0	49	37
	903	903	0	07	28		316	316	0	28	33
	902	902	0	20	23		317	317	0	03	24
	897	897	0	10	52		226	226	0	10	52
	898	898	0	00	81		225	225	0	29	13
	895	895	0	08	09		227	227	0	00	81
	905/2	905/2	0	23	47		228	228	0	29	13
	887	887	0	01	62		218	218	0	01	62
	908/1	908/1	0	12	95		214	214	0	08	09
	965	965	0	01	62		213	213/6	0	19	42
	966	966	0	10	52		213	213/4	0	28	33
	967	967	0	01	62		196	196	0	14	57
	985	984	0	17	81		212	212	0	13	76
	983	983	0	11	33		210	210	0	20	23
	982	982	0	11	33		209	209/1	0	12	95
	981	981	0	13	76		206	206/1/8	0	12	14
	996	996	0	02	43		206	206/1/9	0	02	43
	997	997	0	80	70		206	206/1/10	0	15	38
जोरावर पुरा	606	606	0	06	47		206	206/1/7	0	00	40
	604	604	0	07	28		206	206/1/13	0	00	40
							206	206/1/14	0	08	09

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
मीरोग (क्रमांक)	121	121	0	02	43		71	71	0	60	70
	113/2	113/2	0	20	23		72	72	0	02	43
	117	117	0	25	09		74	74	0	08	09
	112	112	0	14	57		80	80	0	03	23
	119	118	0	00	81		96	96	0	11	33
	111	111	0	00	81		91	91	0	35	61
	110	110	0	02	13		82	82	0	00	81
	109	109	0	04	05		91	91	0	00	81
	102	102	0	10	47		94	84	0	20	23
	101	101	0	27	93		43	13	0	25	09
	100	100	0	00	10		19	19	0	17	00
	89	89	0	60	70		42	42	0	02	43
	90	90	0	15	38		41	41	0	32	37
	84	84	0	12	14		40	40	0	17	00
	45	45	0	02	43		36	36	0	12	95
	47	47	0	97	12		29	29	0	08	90
	46	46	0	02	43		33	33	0	21	85
मौरी	683						31	31	0	00	81
	669	818	0	01	62	मौरी	89	116	0	12	14
	706						91	119	0	17	80
	706	813/1136	0	12	14		88	115	0	28	33
	706	816	0	27	52		87	113	0	02	43
	706	817	0	00	81	मानियावर खुर्द	2	2	0	22	66
	706	814	0	20	23		1/1	1/2	0	07	28
	706	813/1138	0	01	62		5	5/4	0	43	71
	688	798	1	01	16		5	5/3	0	04	86
	688	798/1131	0	00	81						
	75/2	62/1118	0	08	09						
	57	61	0	17	00						
	75	62/1119	0	06	47						
	71	76	0	44	51						
	69	74	0	01	62						
	75/1	77	0	04	86						
	104	131	0	11	33						
	117	144	0	08	90						
	117	152	0	05	67						
	126	156	0	60	70						
	169	200	0	29	13						
	168	199	0	08	90						
	171	202	0	00	81						
	184	215	0	20	23						
	183	214	0	35	61						
	182	213	0	03	67						
	179	210	0	00	81						
	187	225	0	26	71						
	188	226	0	21	85						
	189	227	0	04	05						
	190	228	0	01	62						
	195	233	0	01	62						
	194	232	0	14	57						
	196	234	0	03	24						
मानियावर कंसा	65	65/3	0	35	61						
	66	66	0	12	95						
	65	65/4	0	12	95						
	65	65/5	0	27	62						

[सं. 12020/16/76-प्रोहसन-1]

New Delhi, the 5th January, 1977

**S.O. 377.**—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Salaya Port in Gujarat to Mathura in Uttar Pradesh Pipelines should be laid by the Indian Oil Corporation Limited.

And whereas it appears that for the Purpose of laying such pipelines, it is necessary to acquire the Right of User in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the Powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the Petroleum Pipelines (Acquisition of Right of User in land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declare its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipelines under the land to the Competent Authority, Indian Oil Corporation Limited, Salaya-Koyal-Mathura Pipeline Project, B-18, Shiv Marg, Banipark, Jaipur-6.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

## SCHEDULE

Tehsil : Kishangarh District : Ajmer State : Rajasthan

Village	Khasra No.			Area		
	Old	New	H.	A.	Sq. M.	
1			2	3	4	5
Gothiyana	.	.	255	255	0	09
			256	256	0	01
			257	257	0	13
						8

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
<b>Gothiyana (Contd.)</b>	259	259	0	28	33	<b>Jorawarpura (Contd.)</b>	59	59	0	08	09
	260	260	0	22	66		58	58	0	04	05
	269	269	0	11	33		66	66	0	28	33
	268	268	0	05	67		73	73/2	0	48	56
	266	266	0	12	14		75	75	0	03	24
	267	267	0	31	56		119	119	0	15	38
	272	272	0	24	28		117	117	0	00	81
	273	273	0	24	28		121	121	0	02	43
	250	250	0	08	09		120	120	0	09	71
	251	251	0	23	47	<b>Ankodiya</b>	1680	1680	0	26	71
	249	249	0	08	09		1679/3	1679/3	0	00	81
	248	248	0	15	38		1683	1683/2	0	72	65
	282	282	0	27	52		1684	1684	0	10	52
	223	223	0	15	38		1689/2	1689	0	11	33
	221	221	0	00	81	<b>Jheerota</b>	287	287	0	18	62
	222	222	0	01	62		291	291	0	15	38
	137	137	0	01	62		290	290	0	00	81
	126	126	0	19	83		292	292	0	01	62
	125	125	0	00	40		289	289	0	15	38
	123	123	0	21	04		301	301	0	04	86
	89	89	0	01	62		299	299	0	12	14
	87	87	0	28	33		304	304	0	08	09
	95	95	0	00	81		300	300	0	09	71
	97	97	0	13	76		314	314	0	49	37
	98	98	0	02	43		316	316	0	28	33
	100	100	0	02	43		317	317	0	03	24
	101/1	101/1	0	00	81		226	226	0	10	52
	73	73	0	15	38		225	225	0	29	13
	76	76	0	00	81		227	227	0	00	81
	792	792	0	06	47		228	228	0	29	13
	785	785	0	04	05		218	218	0	01	62
	780	780	0	04	86		214	214	0	08	09
	791	791	0	20	23		213	213/6	0	19	42
	904/1	904/1	0	12	95		213	213/4	0	28	33
	903	903	0	07	28		196	196	0	14	57
	902	902	0	20	23		212	212	0	13	76
	897	897	0	10	52		210	210	0	20	23
	898	898	0	00	81		209	209/2	0	12	95
	895	895	0	08	09		206	206/1/8	0	12	14
	905/2	905/2	0	23	47		206	206/1/9	0	02	43
	887	887	0	01	62		206	206/1/10	0	15	38
	908/1	908/1	0	12	95		206	206/1/7	0	00	40
	965	965	0	01	62		206	206/1/13	0	00	40
	966	966	0	10	52		206	206/1/14	0	08	09
	967	967	0	01	62		121	121	0	02	43
	984	984	0	17	81		113/2	113/2	0	20	23
	983	983	0	11	33		117	117	0	25	09
	982	982	0	11	33		112	112	0	14	57
	981	981	0	13	76		118	118	0	00	81
	976	996	0	02	43		111	111	0	00	81
	997	997	0	60	70		110	110	0	02	43
<b>Jorawarpura</b>	606	606	0	06	47		109	109	0	04	05
	604	604	0	07	28		102	102	0	40	47
	603	603	0	04	86		101	101	0	27	90
	14	14	0	05	67						
	12	12	0	21	85						
	11	11	0	01	62						
	13	13	0	04	05						
	20	20	0	01	62						
	21	21	0	16	19						
	19	19	0	02	43						
	36	36	0	32	37						
	34	34	0	02	43						
	60	60	0	09	71						

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
Gheerota (Contd.)	100	100	0	00	40	Mandiyawad Kalan (Contd.)	29	29	0	08	90
	89	89	0	60	70		33	33	0	21	85
	90	90	0	15	38		31	31	0	00	81
	84	84	0	12	14	Mothi	89	116	0	12	14
	45	45	0	02	43		91	119	0	17	80
	47	47	0	97	12		88	115	0	28	33
	46	46	0	02	43		87	113	0	02	43
Doasook	693	818	0	01	62	Mandiyawad Khurd	2	2	0	22	66
	669	818	0	01	62		1/1	1/2	0	07	28
	706	818	0	12	14		5	5/4	0	43	71
	..	813/	0	12	14		5	5/3	0	04	86
	1136										
	..	816	0	27	52						
	..	817	0	00	81						
	..	814	0	20	23						
	..	813/	0	01	62						
	1139										
	688	798	1	01	16						
	688	798/	0	00	81						
	1131										
	75/2	62/	0	08	09						
		1118									
	57	61	0	17	00						
	75	62/	0	06	47						
	1119										
	71	76	0	44	51						
	69	74	0	01	62						
	75/1	77	0	04	86						
	104	131	0	11	33						
	117	144	0	08	90						
	117	152	0	05	67						
	126	156	0	60	70						
	169	200	0	29	13						
	168	199	0	08	90						
	171	202	0	00	81						
	184	215	0	20	23						
	183	214	0	35	61						
	182	213	0	05	67						
	179	210	0	00	81						
	187	225	0	26	71						
	188	226	0	21	85						
	189	227	0	04	05						
	190	228	0	01	62						
	195	233	0	01	62						
	194	232	0	14	57						
	196	234	0	03	24						
Mandiyawad Kalan	65	65/3	0	35	61						
	66	66	0	12	95						
	65	65/4	0	12	95						
	65	65/5	0	27	62						
	71	71	0	60	70						
	72	72	0	02	43						
	74	74	0	08	09						
	80	80	0	03	23						
	96	96	0	11	33						
	94	94	0	35	61						
	82	82	0	00	81						
	91	91	0	00	81						
	84	84	0	20	23						
	43	43	0	25	09						
	19	19	0	17	00						
	42	42	0	02	43						
	41	41	0	32	37						
	40	40	0	17	00						
	36	36	0	12	95						

[No. 12020/16/76-Prod-I]

का० आ० 378.—प्रन. केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत हाता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में सामाजिक सेवा के उत्तर प्रदेश में मध्यम तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाईप लाइन इंजिन आयन कारपोरेशन द्वारा बिलाई जानी चाहिये।

प्रौढ़ यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिलाने के प्रयोग के प्रधान क्रमांक एवं गुजरात भूमि में उपयोग का अधिकार अंजित करना आवश्यक है।

प्रन. अब पेट्रोलियम पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अंजन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपचारा (1) द्वारा प्रदस शक्तियों के प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अंजित करने का अपना प्राप्त एवं द्वारा जीवित किया है।

वर्षों के उस भूमि में वित्तवद्धी कोई अविस्तर, उस भूमि के नीचे पाईप लाइन बिलाने के लिए प्राक्षेप सकाम प्राधिकारी, इंजिन आयन कारपोरेशन लिमिटेड, सनाया-मध्यम पाईप लाइन प्रोजेक्ट, धी-18, लिंग मार्ग वार्क पार्क, जयपुर-6 को इस अधिकूदना की तारीख 21 बिनों के बीतर कर सकेगा।

प्रौढ़ ऐसा आवेदन करने वाला हर अविस्तर विनियिष्ट है कि उसकी सुनवाई अपक्रिय हो या विस्तीर्ण व्यवसायी की मार्फत।

ग्राम	लक्ष्य संख्या	राज्य : राजस्थान					
		साधिक	हास	हैटर	ऐआरै	बी-वीटर	लेवल
1	2	3	4	5	6		
स्वलाई	442	442/1	0	04	05		
	442	442/2	0	04	05		
	442	442/3	0	04	05		
	535	535	0	04	06		
	534	534	0	16	19		
	533	533	0	02	03		
	532	532	0	12	14		
	531	531	0	04	06		
	524	524	0	02	03		
	525/1	525/1	0	13	76		
	527	527/1/11	0	01	02		
	527	527/2/12	0	00	01		

	1	2	3	4	5	6		1	2	3	4	5	6
कर्मसाहि (क्रमण)	526	526	0	08	90		अमरणाहि (क्रमण)	496	358	0	03	24	
	558	558	0	02	43			498	357	0	25	90	
	559	559	0	00	81			600	771	0	08	09	
	503	503	0	09	71			600	862	0	01	82	
	560	560	0	00	81			599	773	0	09	31	
	561	561	0	01	21			606	860	0	02	43	
	562	562	0	02	43			599	774	0	00	40	
	563	563	0	02	43			598	858	0	08	90	
	502	502	0	01	62			594	853	0	01	82	
	356	356	0	00	81			597	857	0	00	81	
	355	355	0	12	95			587	839	0	05	87	
	354	354	0	01	62			593	846	0	08	09	
	352	352	0	12	95			593	845	0	10	52	
	351	351	0	17	80			588	840	0	00	81	
	84	84	0	00	81			591	843	0	00	81	
	83	83	0	06	47			589	841	0	08	90	
	82	82	0	11	33								
	81	81	0	07	28		लीडी	102	136	0	06	47	
								101	137	0	01	62	
अमरणाहि	297	510	0	03	24			103	139	0	07	28	
	287	511	0	03	24			105	141	0	04	86	
	302	529	0	03	24			105	142	0	05	67	
	398	512	0	04	86			107	144	0	04	05	
	289	513	0	04	86			107	145	0	03	64	
	300	514	0	18	61			108	146	0	00	81	
	270	515	0	12	95			121	159	0	05	87	
	271	524	0	04	05			119	157	0	18	20	
	272	519	0	08	09			118	156	0	00	81	
	268	523	0	08	09			125	162	0	06	47	
	265	520	0	04	05			183	219	0	07	28	
	259	521	0	11	33			184	229	0	03	24	
	258	437	0	01	62			182	228	0	12	14	
	253	174	0	01	62			180	226	0	08	90	
	252	438	0	11	33			180	225	0	00	81	
	255	432	0	01	62			189	234	0	00	81	
	237	431	0	16	19			190	235	0	12	14	
	237	430	0	12	14			329	437	0	05	67	
	238	423	0	05	67			325	435	0	20	23	
	238	424	0	16	19			326	435	0			
	239	416	0	13	76			324	434	0	03	24	
	240	417	0	00	40			341	453	0	15	38	
	240	419	0	13	35			344	456	0	00	40	
	242	159	0	01	62			343	455	0	07	28	
	111	161	0	08	69			348	461	0	17	80	
	113	163	0	00	81			351	464	0	12	95	
	112	162	0	12	95			352	465	0	00	40	
	200	375	0	20	23			363	477	0	11	33	
	198	374	0	00	81			385	503	0	09	71	
	199	376	0	08	09			433	555	0	08	90	
	199	370	0	00	81			435	558	0	12	95	
	199	372	0	01	62			436	559	0	07	28	
	199	371	0	08	90			437	560	0	06	88	
	495	368	0	04	86			438	561	0	05	67	
	496	363	0	02	43			442	565	0	00	81	
	496	364	0	16	19			441	564	0	08	09	

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
सीढ़ी (क्रमांक)	439	562	0	00	40	सीढ़ी (क्रमांक)	3003	3598	0	17	00
	440	563	0	04	86		3092	3601	0	04	86
	447	571	0	14	57		3092	3602	0	07	28
	448	572	0	16	19		3092	3603	0	02	43
	456	580	0	05	67		3082	3643	0	29	95
	451	575	0	01	62		3082	3714	0	03	24
	452	576	0	08	09		3082	3715	0	03	24
	454	578	0	09	71		3080	3709	0	11	33
	535	659	0	20	23		3070	3699	0	24	28
	537	661	0	21	04		3071	3699	0	28	33
	538	662	0	11	33	चिकित्साकाम	4935/3	5871/3	0	12	14
	574	702	0	24	28		4935/2	5871/2	0	12	14
	562	690	0	02	43		4933/2	5869/2	0	06	47
	564	692	0	20	23		4933/3	5869/3	0	13	76
	567	695	0	09	71		4933/4	5869/4	0	09	71
	572	696	0	21	94		4933/5	5869/5	0	09	71
	569	798	0	02	43		4933/6	5869/6	0	06	47
	571	700	0	05	67		4918/2	5854/2	0	17	00
	570	699	0	05	67		4918/3	5854/3	0	07	28
1970	2263	0	11	33		4918/3	5854/3	0	07	28	
1968}	2262	0	06	47		4918/4	5854/4	0	08	08	
1969}						4905/3	5841/3	0	19	42	
1963	2261	0	04	05		4907/5	5843/5	0	04	86	
1962	2260	0	10	52		4906/2	5842/2	0	06	47	
1961	2256	0	03	24		4905/4	5841/4	0	06	47	
1957	2255	0	07	28		4907/3	5843/3	0	04	86	
1950}					प्रसारी	723	836	0	04	86	
1953}	2248	0	08	90		725	838	0	18	61	
1950}					बलेश्वर	7	32	0	22	66	
1953}	2247	0	09	71		7	35/3	0	09	71	
1953}						7	35/2	0	07	28	
1948	2244	0	10	52		7	35/1	0	05	67	
1941	2237	0	08	90		7	37	0	17	00	
1941	2238	0	08	90		7	38	0	12	95	
1943	2240	0	10	52		1019	1399	0	24	28	
2565	3069	0	01	62		916	1279	0	-03	24	
2565	3067	0	06	47		917	1280	0	03	24	
2568	3065	0	08	09		919	1282	0	04	86	
2569	3070	0	05	67		921	1285	0	05	67	
2582	3085	0	05	67		924	1286	0	01	62	
2592	3125	0	08	90		888	1220	0	11	33	
2593	3135	0	02	43		878	1215	0	04	86	
2593	3134	0	04	05		868	1204	0	08	90	
2594	3133	0	03	24		878	1214	0	02	43	
2593	3132	0	04	86		877	1213	0	06	47	
2593	3131	0	07	28		871	1207	0	03	24	
2593	3130	0	01	62		872	1208	0	08	08	
2595	3140	0	12	95		873	1209	0	04	88	
2830	3396	0	19	42		842	1162	0	02	43	
2845	3437	0	06	47		841	1161	0	08	09	
2844	3436	0	04	05		653					
2843	3422	0	10	52		658	946	0	08	09	
2842	3421	0	17	00		655	942	0	09	71	

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
वर्षेवदा (क्रमांकः)	650	941	0	00	81	आज्ञाका का वार्डिया	169	226	0	02	43
	648	939	0	08	09	(क्रमांकः)	169	221	0	02	43
	649	940	0	00	81		97	534	0	12	14
	640	928	0	08	09		120/1	533	0	04	86
	642	930	0	07	28		116	518	0	00	81
	635	922	0	02	43		117	532	0	08	09
	643	931	0	00	40		117	531	0	08	09
	635	921	0	09	71		115	519	0	00	40
	620	900	0	00	81		114	529	0	00	81
	634	920	0	03	24		112	530	0	02	43
	626	908	0	00	81		113	528	0	16	19
	625	907	0	05	67		110/1	527	0	00	81
	622	902	0	04	05		108	521	0	08	90
	611	901	0	01	62		109	522	0	08	90
	611	888	0	10	52						
	610	885	0	00	81	वार्षसूरी	158	460	0	12	95
	610	884	0	06	47		159				
	610	883	0	23	47		159	462	0	03	24
	325	500	0	05	67		159	459	0	05	67
	609	882	0	00	81		159	467	0	08	09
	606	878	0	03	24		160	468	0	08	90
	606	877	0	03	24		164				
	606	879	0	03	24		164	468	0	07	28
	606	876	0	00	81		164	469	0	07	28
	607	880	0	03	24		164	470	0	07	28
	608	881	0	00	81		164	474	0	06	47
	604	874	0	05	67		168				
	604	873	0	00	81		165	475	0	03	24
	603	871	0	12	95		162	465	0	00	81
	577	827	0	19	42		182	496	0	09	71
	583	843	0	13	76		184	502	0	17	80
	582	842	0	01	62	वृत्तान्तिया	93	118	0	28	33
	579	839	0	04	86		127	155	0	05	67
	579	840	0	08	90		126	154	0	00	20
	555	837	0	08	09		126	153	0	00	20
आज्ञाका का वार्डिया	196	104	0	16	19		128	156	0	10	52
	196	103	0	16	19		129	157	0	04	86
	194	101	0	12	95		130	158	0	04	05
	193/1	138	0	13	76		131	159	0	12	54
	193/1	139	0	04	05		131	160	0	00	40
	203	149	0	12	95		132	161	0	11	33
	186	148	0	00	40		500	604	0	00	81
	185	151	0	00	81		501	605	0	18	61
	185	150	0	13	76		508/1	611	0	18	61
	182	145	0	12	14		509	613	0	11	33
	181	214	0	02	43		510	614/3145	0	09	71
	180	215	0	04	05		510	614/3142	0	11	33
	229	230	0	09	71		510	614/3144	0	00	81
	178	229	0	02	43		510	614/3143	0	24	28
	177	231	0	02	43		484	581	0	27	52
	176	228	0	01	62		483	579	0	21	85
	175	227	0	09	71		512	616	0	25	90
	174	225	0	04	05		513	617	0	02	43

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
मुख्यानिया (क्रमांक) 517 } 621 0 07 28						मुख्यानिया (क्रमांक) 1882 2195 0 01 62					
518 } 626 0 10 52						1872 2184 0 89 03					
518 } 624 0 10 52						1827 2135 0 09 71					
518 } 623 0 12 95						2086 2427 0 00 81					
518 } 622 0 03 43						2097 2428 0 18 61					
530 } 629 0 08 90						2088 2429 0 00 81					
531 } 640 0 07 28						2089 2430 0 08 90					
516/1 } 764 0 19 42						मोतीपुरग 101 120 0 04 05					
516/2 } 3021 0 48 56						100 119 0 13 76					
516 } 3020 0 36 42						106 117 0 03 24					
516 } 3019 0 36 42						103 121 0 04 86					
516 } 3018 0 28 33						101 123 0 04 86					
625 } 767 } 3018 0 00 81						103 122 0 04 05					
626 } 779 0 07 68						108 115 0 13 76					
637 } 778 0 12 95						109 114 0 04 05					
638 } 772 0 01 62						96/2 109 0 00 81					
630 } 774 0 02 43						96/1 108 0 25 90					
632 } 776 0 10 52						125 107 0 08 90					
634 } 777 0 11 33						126 106 0 01 62					
635 } 864 0 08 90						127 105 0 04 86					
664 } 802 0 03 24						140 101/964 0 16 19					
660 } 804 0 09 71						145 142 0 11 33					
1961 } 2282 0 18 20						147 145 0 06 47					
1980 } 2304 0 07 28						146 144 0 09 71					
1962 } 2283 0 16 19						148 146 0 03 24					
1963 } 2297 0 12 95						181 170 0 00 40					
1971 } 2288 0 09 71						183 179 0 07 28					
1970 } 2285 0 09 71						182 171 0 11 33					
1964 } 2290 0 14 57						177 178 0 10 52					
1968 } 2289 0 04 05						176 177 0 05 67					
1967 } 2288 0 12 95						175 176 0 08 90					
1966 } 2327 0 12 14						219 213 0 03 24					
1999 } 2327 0 12 14						289 292 0 08 90					
1928 } 2240 0 12 95						287 291/945 0 11 33					
1927 } 2239 0 05 67						289 293 0 00 81					
1926 } 2238 0 09 71						293 297 0 00 81					
1909 } 2218 0 04 86						299 304 0 20 23					
1910 } 2219 0 04 86						303 302 0 01 62					
1916 } 2220 0 12 14						304 300 0 01 62					
1893 } 2207 0 08 09						316 318 0 08 09					
1896 } 2208 0 07 28						317 322 0 01 62					
1897 } 2208 0 07 28						322 323 0 12 95					
1885 } 2198 0 06 47						323 325 0 07 28					
1883 } 2196 0 04 86						321 324 0 02 43					
1888 } 2201 0 04 05						469 437 0 09 71					
						468 429 0 01 62					
						468 428 0 03 24					
						498 406 0 00 81					
						396 404 0 11 33					
						394 403 0 00 81					
						400 397 0 01 62					
						409 408 0 00 40					
						408 409 0 00 81					
						401 396 0 04 86					

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
मोतीपुरा (कमरा)	407	410	0	02	43	धोला धाना (कमरा)	784	835	0	00	40
	408	411	0	00	91		765	801	0	00	81
	402	414	0	16	19		774	802	0	12	14
	386	395	0	03	24		777	804	0	00	81
	394	388	0	09	71		781/980	803	0	05	67
	472	395	0	01	62		773	788	0	08	09
आट	36	40	0	04	05		782	785	0	08	09
	52	55	0	08	09		782	786	0	20	23
	51	54	0	12	95	देश	3910	4110	0	00	81
	50	53	0	06	47		3910	4111	0	01	62
	54	57	0	08	09		3908	4109	0	03	24
	49	52	0	01	62		3908	4101	0	13	78
	25	30	0	02	43		3908	4100	0	09	71
	23	28	0	00	81		3908				
	22	27	0	14	57		4099				
	16	21	0	02	43		3909/2				
	84	87	0	06	47		3906				
	83	86	0	00	81		4098				
	85	84	0	06	47		3909/2				
	86	83	0	01	62		3906	4092	0	00	40
	81		0	01	62		3905	4091	0	04	86
	87		0	01	62		3903	4098	0	08	90
	97	79	0	08	09		3870				
अण्डुरा	364	332	0	11	33		3875	4084	0	00	81
	363	331	0	23	47		3880				
	362	321	0	02	43		3871	4080	0	11	33
झोला धाना	431		0	05	67		3883	4045	0	07	28
	443	435	0	05	67		3883	4056	0	05	67
	443	436	0	00	81		3884				
	435	438	0	08	09		4089				
	441	444	0	12	93		3886/1	4058	0	00	40
	441	416	0	04	86		3886/2	4062	0	01	62
	446	446	0	08	09		3886/3	4064	0	04	05
	450	449	0	02	43		3886/4	4068	0	05	67
	449	415	0	08	09		3886/5	4065	0	08	90
	457	455	0	02	43		3210	3437	0	02	43
	459	457	0	05	67		3211	3438	0	02	43
	473	465	0	03	24		3212	3439	0	01	62
	472	474	0	02	43		3222				
	471	459	0	00	81		3450				
	506	462	0	04	05		3223				
	469	461	0	07	28		3225/1	3452	0	00	40
	519	492	0	01	62		3228				
	509	588	0	04	86		4353				
	510	587	0	03	24		3224				
	698		0	04	86		3229	3454	0	06	47
	699	600	0	04	86		3230	3455	0	07	28
	695	602	0	05	67		3231	3456	0	00	81
	763	812	0	08	09		3189/1	3418	0	01	62
	761	813	0	00	81		3189/2	3417	0	06	47
	762	810	0	07	28		3888/2	4069	0	04	05

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
वेराट (क्रमांक)	3893/2	4072	0	01	62	वेराट (क्रमांक)	2694	2905	0	08	90
	3889						2695				
		4071	0	08	90		2697	2908	0	12	95
	3888/2						2697	2909	0	19	42
	3893/1	4073	0	00	81		2704	2910	0	01	62
	4225/1	4423	0	04	05		2700				
	4231	4429	0	00	40			2861	0	08	90
	4230	4428	0	03	24		2699				
	4228	4426	0	04	86		2700				
	4227	4425	0	06	47		2634	2860	0	09	71
	3206	3432	0	00	81		2633				
	3208						2633				
		4434	0	04	05		2857	0	08	50	
	3209						2702				
	3187	3114	0	04	05		2638	2856	0	00	81
	3039	3449	0	04	05		2632	2809	0	17	00
	3040/1	3250	0	05	67		2570	2813	0	00	81
	3040/2						2576	2731	0	03	24
		3251	0	10	52		2576	2730	0	04	05
	3041						2576	2727	0	04	05
	3032	3229	0	08	90		2578	2726	0	10	52
	3031						2576	2725	0	10	52
	3224						2552	2705	0	00	81
	3048	3255	0	02	43		2553	2724	0	01	22
	3049	3258	0	09	71		2553	2723	0	00	40
	3050	3261	0	00	40		2552	2706	0	19	42
	3050	3262	0	00	40		2560	2707	0	09	71
	3050	3263	0	04	05		2561	2708	0	01	62
	3050	3264	0	04	05		2559				
	2974						2564	2709	0	26	71
		3175	0	06	47		2565				
	2975						2544	2694	0	00	40
	2976						2566	2710	0	00	81
		3176	0	18	61		2543	2693	0	20	23
	2977						2538	2686	0	12	14
	2978						4900				
		3177	0	19	42		2970	3619	0	24	28
	2979						2970	3647	0	11	33
	2979	3178	0	07	28		2970	3646	0	07	28
	2969	3170	0	09	71		2970	3644	0	12	14
	2826	3125	0	25	09		2970	3643	0	16	19
	2814	3121	0	03	24		2970	3638	0	32	37
	2815	3123	0	12	95		2967	3577	0	11	33
	2815	3122	0	06	47		2967	3575	0	08	09
	2817	3127	0	08	90		2958	3570	0	02	43
	2718	2924	0	12	95		2958	3571	0	21	85
	2719	2923	0	04	05		2908	3486	0	29	94
	2689	2922	0	08	09		2909	3487	0	09	71
	2688	2901	0	14	57		2910				
	2692						2911	3488	0	25	90
	2693						2927				
	2693	2903	0	08	90		2925	3504	0	09	71
	2693						2924	3503	0	05	67
	2694						2922	3501	0	02	43
	2694	2904	0	07	28		2923	3502	0	04	05

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
सनोव (क्रमांक)	2923	3510	0	04	05	रामसर (क्रमांक)	4946	5226	0	00	81
	3349	4597	0	02	43		4927	5227	0	09	71
	3353	4602	0	00	81		4930	5239	0	08	90
	3352	4600	0	00	81		4937	5238	0	02	43
	3352	4600	0	00	81		4937	5237	0	02	43
	3352	4601	0	01	62		4936	5242	0	00	81
	3360	4609	0	00	40		4930	5241	0	04	05
	3363	4611	0	05	67		4936	5243	0	02	43
	3364	4612	0	04	86		4931	5244	0	04	86
	3368	4616	0	00	40		4954	5264	0	08	09
	3378	4626	0	06	47		4954	5263	0	04	05
	3377	4625	0	06	47		4954	5269	0	32	37
	3340						4954	5262	0	00	81
		4637	0	19	42		4954	5260	0	08	09
	3387						5187	6997	0	03	24
	3417	4664	0	17	00		5206	7016	0	04	03
	3336	4584	0	06	47		5205	7015	0	03	24
	3427	4699	0	01	62		5204	7014	0	04	05
	3439	4700	0	40	46		5199	7009	0	04	05
	3442	4701	0	04	86		5200	7010	0	07	28
	3442	4703	0	01	62		5196	7006	0	05	67
	3442						5194	7005	0	10	52
		4704	0	02	43		5218	7022	0	05	67
	3441						5210		0	16	19
	3443	4710	0	02	43		5217		0	08	09
	3445	4711	0	01	62			7030		0	00
	3446	4709	0	04	86		5210	7024	0	08	09
	3448	4708	0	04	05		5211	7025	0	00	81
	3449	4714	0	04	05		5526	7348	0	08	09
	3450	4715	0	00	40		5547	7370	0	12	14
	3454	4697	0	01	62		5551	7373	0	06	47
रामसर	4870						5552	7374	0	08	09
		5069	0	03	24		5510	7329	0	00	81
	4880/2						5557	7379	0	05	67
	4880/2	5068	0	03	24		5558	7380	0	00	81
	4883/1	5065	0	03	24		5556	7378	0	12	14
	4975/6	5077	0	06	47		5561	7383	0	04	05
	4884/3	5117	0	15	38		5555	7377	0	07	28
	4884/3						5569	7394	0	05	67
		5118	0	04	86		5752	7307	0	08	90
	4884/9						5794	7651	0	04	86
	4884/3	5120	0	08	09		5778	7632	0	04	86
	4884/4	5121	0	00	81		5777	7631	0	02	43
	4884/3	5123	0	08	09		5779	7633	0	03	24
	4884/6	5127	0	28	33		5779	7630	0	12	14
	4949	5333	0	21	85		5776	7629	0	01	62
	4949	5331	0	00	81		5768	7624	0	03	24
	4949	5330	0	12	14		5765	7621	0	07	28
	4949	5329	0	04	05		5961	7790	0	00	81
	4949	5203	0	05	67		5962	7791	0	12	14
	4949						5970	7799	0	07	28
		5326	0	12	95		5969	7798	0	05	67
	4946						5971	7800	0	00	81
	4927						5996	7822	0	00	81
	4946						5968	7797	0	11	33
	4927	5324	0	08	09		6118	7948	0	00	81

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
रामसर (क्रमण)	6117	7947	0	01	62	मार्वासिया (क्रमणः)	302	392	0	15	38
	5997	7823	0	04	86		300	391	0	00	81
	6116	7946	0	15	38		303	393	0	12	95
	6114	7944	0	01	62		300	390	0	02	43
	6102	7931	0	25	09		294	386	0	00	81
	6103	7932	0	08	90		252	344	0	09	71
	6093	7924	0	00	81		251	343	0	08	90
	6104	7933	0	00	81		136				
	6091	7922	0	00	81		257	350	0	13	76
	6090	7921	0	19	42		258				
	6086	7916	0	04	86		1476	1636	0	01	62
	6083	7912	0	06	47		1474	1496	0	03	24
	6086	7915	0	00	81		1391	1499	0	04	05
	6085	7914	0	04	86		1473	1503	0	01	62
	6084	7913	0	12	95		1446/1	1502	0	06	47
	6028	7849/8224	0	00	81		1446/2	1501	0	00	40
	6019	7879	0	12	14		1446/2	1504	0	08	49
	6046	7876	0	01	62		1446/3	1505	0	06	47
	6046	7875	0	04	05		1445	1500	0	05	67
	6045	7874	0	03	24		1446/3	1506	0	00	81
	6044	7873	0	05	67		1443	1507	0	08	90
	6044	7872	0	04	05		1441	1225	0	16	19
	6032	6754	0	00	81		1441	1524	0	08	09
	6043	7871	0	00	40		1427	1523	0	11	33
	6043	7869	0	04	86		1453	1521	0	07	28
	6043	7868	0	02	83		1428	1534	0	04	86
	6041	7867	0	06	47		1454	1535	0	12	14
	6034	7856	0	04	05		1546				
	6040	7866	0	12	14		1547	1564	0	08	09
	6036	7859	0	09	71		1548				
	6036	7860	0	03	24		1546				
	6038	7861	0	03	24		1547	1539	0	11	33
	6038	7862	0	00	40		1648				
	6038	7864	0	00	40		1546				
	1785	1907	0	03	24		1547	1553	0	16	19
	1738	1853	0	28	33		1548				
	1734	1851	0	28	33		1548				
	1731	1847	0	09	71		1546				
	1731	1842	0	07	28		1547	1554	0	04	05
							1548				
मार्वासिया	198	289	0	02	43		1546				
	200	292	0	01	62		1547	1552	0	12	14
	203	295	0	05	67		1548				
	304	296	0	01	62		1546				
	202	294	0	08	09		1547	1551	0	08	09
	209/1775						1548				
	209	299	0	04	05		1546	1546	0	01	62
	210						1548				
	210	300	0	08	09		1546				
	208	298	0	01	62		1547	1547	0	11	33
	309	400	0	04	86		1548				
	307	399	0	05	67		272	363	0	21	05
	308						272	364	0	05	67
	306	398	0	06	47		367	431	0	04	05
	305	397	0	01	62		274				
	304	396	0	01	62		355	429	0	10	52
							377	447	0	08	90

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
भूजपुरा	307	399	0	00	81	Rudlai (Contd.)	532	532	0	12	14
(क्रमांकः)	302	398	0	07	28		531	531	0	04	86
	389	457	0	10	52		524	524	0	02	43
	387	458	0	09	71		525/1	525/1	0	13	76
	392						527	527/1/11	9	01	62
	733	804	0	06	47		527	527/2/12	0	00	81
	742	813	0	04	86		526	526	0	08	90
	743						558	558	0	02	43
	744	814	0	01	62		559	559	0	00	81
	747	816	0	17	00		503	503	0	09	71
	746	815	0	02	43		560	560	0	00	81
	749	818	0	11	33		561	561	0	01	21
	751	820	0	00	81		562	562	0	02	43
	752	821	0	04	86		563	563	0	02	43
	995	1046	0	06	47		502	502	0	01	62
	995	1043	0	09	71		356	356	0	00	81
नेपौली	4	4	0	18	61		355/1	355	0	12	95
	3	3	0	17	00		354	354	0	01	62
	2	2	0	24	28		352	352	0	12	95
	1	1	0	01	62		351	351	0	17	80

[पं 12020/16/76-प्रोजेक्ट-III]

**8.O. 378.**—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Salaya Port in Gujarat to Mathura in Uttar Pradesh pipelines should be laid by the Indian Oil Corporation Limited.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipelines, it is necessary to acquire the Right of User in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the Petroleum Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declare its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipelines under the land to the Competent Authority, Indian Oil Corporation Limited, Salaya-Koyal-Mathura Pipeline Project, B-18, Shiv Marg, Banipark, Jaipur-6.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

#### SCHEDULE

Tehsil : Ajmer District : Ajmer State : Rajasthan

Village	Khasra No.		Area		
	Old	New	H.	A.	Sq. M
1	2	3	4	5	6
Rudlai	442	442/1	0	04	05
	442	442/1	0	04	05
	442	442/3	0	04	05
	535	535	0	04	86
	534	534	0	16	19
	533	533	0	02	43

Rudlai (Contd.)	532	532	0	12	14
	531	531	0	04	86
	524	524	0	02	43
	525/1	525/1	0	13	76
	527	527/1/11	9	01	62
	527	527/2/12	0	00	81
	526	526	0	08	90
	558	558	0	02	43
	559	559	0	00	81
	503	503	0	09	71
	560	560	0	00	81
	561	561	0	01	21
	562	562	0	02	43
	563	563	0	02	43
	502	502	0	01	62
	356	356	0	00	81
	355/1	355	0	12	95
	354	354	0	01	62
	352	352	0	12	95
	351	351	0	17	80
Amargath	84	84	0	00	81
	83	83	0	06	47
	82	82	0	11	33
	81	81	0	07	28
	297	510	0	03	24
	297	511	0	03	24
	302	529	0	03	24
	298	512	0	04	86
	299	513	0	04	86
	300	514	0	18	61
	270	515	0	12	95
	271	524	0	04	05
	271	519	0	08	09
	265	523	0	08	09
	265	520	0	04	05
	259	521	0	11	33
	259	437	0	01	62
	253	174	0	01	62
	252	438	0	11	33
	255	432	0	01	62
	237	431	0	16	19
	237	430	0	12	14
	238	423	0	05	67
	238	224	0	16	19
	239	416	0	13	76
	240	417	0	00	40
	240	419	0	13	35
	242	159	0	01	62
	111	161	0	08	09
	113	163	0	00	81
	112	162	0	12	95
	200	375	0	20	23
	198	374	0	00	81
	199	376	0	08	09
	199	370	0	00	81
	199	372	0	01	62
	199	371	0	08	90
	495	368	0	04	86
	496	363	0	02	43
	496	364	0	16	19
	496	358	0	03	24
	498	357	0	25	90
	600	771	0	08	09
	600	862	0	01	62
	599	773	0	09	31
	606	860	0	02	43

1	2	3	4	5	6	1	2	3	5	6	
Amargarh	599	774	0	00	40	Leeri (Contd.)	569	698	0	02	43
(Contd.)	598	858	0	08	90		571	700	0	05	67
	594	853	0	01	62		570	699	0	05	67
	597	857	0	00	81		1970	2263	0	11	33
	587	839	0	05	67		1968 } 2262	0	06	47	
	593	846	0	08	09		1969 } 2261	0	04	05	
	593	845	0	10	52		1963 2260	0	10	52	
	588	840	0	00	81		1962 2256	0	03	24	
	591	843	0	00	81		1961 2255	0	07	28	
	589	841	0	08	90		1960 } 2248	0	08	90	
Leeri	102	136	0	06	47		1953 } 2247	0	09	71	
	101	137	0	01	62		1950 } 2244	0	10	52	
	103	139	0	07	28		1953 } 2237	0	08	90	
	105	141	0	04	86		1948 2238	0	08	90	
	105	142	0	05	67		1941 2240	0	10	52	
	107	144	0	04	05		1943 3069	0	01	62	
	107	145	0	03	64		2565 3067	0	06	47	
	108	146	0	00	81		2568 3065	0	08	09	
	121	159	0	05	67		2569 3070	0	05	67	
	119	157	0	18	20		2582 3085	0	05	67	
	118	156	0	00	81		2592 3125	0	08	90	
	125	162	0	06	47		2595 3135	0	02	43	
	183	219	0	07	28		2593 3134	0	04	05	
	184	229	0	03	24		2594 3133	0	03	24	
	182	228	0	12	14		2593 3132	0	04	86	
	180	226	0	08	90		2593 3131	0	07	28	
	180	225	0	00	81		2593 3130	0	01	62	
	189	234	0	00	81		2595 3140	0	12	95	
	190	235	0	12	14		2830 3396	0	19	42	
	329	437	0	05	67		2845 3437	0	06	47	
	325 } 326 }	435	0	20	23		2844 3436	0	04	05	
	324	434	0	03	24		2843 3422	0	10	52	
	341	453	0	15	38		2842 3421	0	17	00	
	344	456	0	00	40		3003 3598	0	17	00	
	343	455	0	07	28		3092 3601	0	04	86	
	348	461	0	17	80		3092 3602	0	07	28	
	351	464	0	12	95		3092 3603	0	02	43	
	352	465	0	00	40		3082 3643	0	29	95	
	363	477	0	11	33		3082 3714	0	03	24	
	385	503	0	09	71		3082 3715	0	03	24	
	433	555	0	08	90		3080 3709	0	11	33	
	435	558	0	12	95		3070 3698	0	24	28	
	436	559	0	07	28		3071 3699	0	28	33	
	437	560	0	06	88		4935/3 5871/3	0	12	14	
	438	561	0	05	67		4935/2 5871/2	0	12	14	
	442	565	0	00	81		4933/2 5869/2	0	06	47	
	441	564	0	08	09		4933/3 5869/3	0	13	76	
	439	562	0	00	40		4933/4 5869/4	0	09	71	
	440	563	0	04	86		4933/5 5869/5	0	09	71	
	447	571	0	14	57		4933/6 5869/6	0	06	47	
	448	572	0	16	19		4918/2 5854/2	0	17	00	
	456	580	0	05	67		4918/3 5854/3	0	07	28	
	451	575	0	01	62		4918/4 5854/4	0	08	09	
	452	576	0	08	09		4905/3 5841/3	0	19	42	
	454	578	0	09	71		4907/5 5843/5	0	04	86	
	535	659	0	20	23		4906/2 5842/2	0	06	47	
	537	661	0	21	04		4905/4 5841/4	0	06	47	
	538	662	0	11	33		4907/3 5843/3	0	04	86	
	574	702	0	24	28		723 836	0	04	86	
	562	690	0	02	43		725 838	0	18	61	
	564	692	0	20	23						
	567	695	0	09	71						
	572	696	0	21	04						

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
<b>Bencora</b>	7	32	0	22	66	<b>Ajba-Ka-Bariya</b>	203	149	0	12	95
	7	35/3	0	09	71	(Contd.)	186	148	0	00	40
	7	35/2	0	07	28		185	151	0	00	81
	7	35/1	0	05	67		185	150	0	13	76
	7	37	0	17	00		182	145	0	12	14
	7	38	0	12	95		181	214	0	02	43
	1019	1399	0	24	28		180	215	0	04	05
	916	1279	0	03	24		229	230	0	09	71
	917	1280	0	03	24		178	229	0	02	43
	919	1282	0	04	86		177	231	0	02	43
	921	1285	0	05	67		176	228	0	01	62
	924	1286	0	01	62		175	227	0	09	71
	888	1220	0	11	33		174	225	0	04	05
	878	1215	0	04	86		169	226	0	02	43
	868	1204	0	08	90		169	221	0	02	43
	878	1214	0	02	43		97	534	0	12	14
	877	1213	0	06	17		120/1	533	0	04	86
	871	1207	0	03	24		116	518	0	00	81
	872	1208	0	08	09		117	532	0	08	09
	873	1209	0	04	86		117	531	0	08	09
	842	1162	0	02	43		115	519	0	00	40
	841	1161	0	08	09		114	529	0	00	81
653}		946	0	08	09		112	530	0	02	43
658}		942	0	09	71		113	328	0	16	19
655		941	0	00	81		110/1	527	0	00	81
650		939	0	08	09		108	521	0	08	90
648		940	0	00	81		109	522	0	08	90
649		928	0	08	09	<b>Beghsurl</b>	158}	460	0	12	95
640		930	0	07	28		159}	462	0	03	24
642		922	0	02	43		159	459	0	05	67
635		931	0	00	40		159	467	0	08	09
635		921	0	09	71		160}	468	0	08	90
620		900	0	00	81		164}	469	0	07	28
634		920	0	03	24		164	470	0	07	28
626		908	0	00	81		164}	474	0	06	47
625		907	0	05	67		165}	475	0	03	24
622		902	0	04	05		165	465	0	00	81
611		901	0	01	62		182	496	0	09	71
611		888	0	10	52		184	502	0	17	80
610		885	0	00	81	<b>Bubaniya</b>	93	118	0	28	33
610		884	0	06	47		127	155	0	05	67
610		883	0	23	47		126	154	0	00	20
325		500	0	05	67		126	153	0	00	20
609		882	0	00	81		128	156	0	10	52
606		878	0	03	24		129	157	0	04	86
606		877	0	03	24		130	158	0	04	05
606		879	0	03	24		131	159	0	12	54
606		876	0	00	81		131	160	0	00	40
607		880	0	03	24		132	161	0	11	33
608		881	0	00	81		500	604	0	00	81
604		874	0	05	67		501	605	0	18	61
604		873	0	00	81		508/1	611	0	18	61
603		871	0	12	95		509	613	0	11	33
577		827	0	19	42		510	614/3145	0	09	71
583		843	0	13	76		510	614/3142	0	11	33
582		842	0	01	62		510	614/3144	0	00	81
579		839	0	04	86		510	614/3143	0	24	28
579		840	0	08	90		484	581	0	27	52
555		837	0	08	09		483	579	0	21	85
<b>Ajba-Ka-Bariya</b>	196	104	0	16	19		512	616	0	25	90
	196	103	0	16	19		513	617	0	02	43
	194	101	0	12	95						
	193/1	138	0	13	76						
	193/1	139	0	04	05						

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
Bubaniya (Contd.)	517}	621	0	07	28	Motipura (Contd.)	125	107	0	08	90
	518}						126	106	0	01	62
	518	626	0	10	52		127	105	0	04	86
	518	624	0	10	52		140	101/964	0	16	19
	518	623	0	12	95		145	142	0	11	33
	518	622	0	02	43		147	145	0	06	47
	530	629	0	08	90		148	144	0	09	71
	531	640	0	07	28		181	170	0	03	24
	516,1	764	0	19	42		183	179	0	00	40
	516/2	3021		48	56		182	171	0	11	33
	516	3020	0	36	42		177	178	0	10	52
	516	3019	0	36	42		176	177	0	05	67
	516}	3018	0	28	33		175	176	0	08	90
	625}	767	0	00	81		219	213	0	03	24
	625	3018}	0	00	81		289	292	0	08	90
	626}	779	0	07	68		287	291/945	0	11	33
	637}						289	293	0	00	81
	636	778	0	12	95		293	297	0	00	81
	630	772	0	01	62		299	304	0	20	23
	632	774	0	02	43		303	302	0	01	62
	634	776	0	10	92		304	300	0	01	62
	635	777	0	11	33		316	318	0	08	09
	664	864	0	08	90		317	322	0	01	62
	660	802	0	03	24		322	323	0	12	95
	662	804	0	09	71		323	325	0	07	28
	1961	2282	0	18	20		321	324	0	02	43
	1980	2304	0	07	28		469	437	0	09	71
	1962}	2283	0	16	19		468	429	0	01	62
	1963}						468	428	0	03	24
	1971	2297	0	12	95		398	406	0	33	18
	1970}	2285	0	09	71		396	404	0	11	33
	1964}						394	403	0	00	81
	1968	2290	0	14	57		400	397	0	01	62
	1967	2289	0	04	05		409	408	0	00	40
	1966	2288	0	12	95		408	409	0	00	81
	1999	2327	0	12	14		401	396	0	04	86
	1928	2240	0	12	95		407	410	0	02	43
	1927	2239	0	05	67		406	411	0	00	81
	1926	2238	0	09	71		402	414	0	16	19
	1909	2218	0	04	86		386	395	0	03	24
	1910	2219	0	04	86		384	388	0	09	71
	1916	2220	0	12	14		472	385	0	01	62
	1893	2207	0	08	09	Chat	36	40	0	04	05
	1896}	2208	0	07	28		52	55	0	08	09
	1897}						51	54	0	12	95
	1885	2198	0	06	47		50	53	0	06	47
	1883	2196	0	04	86		54	57	0	08	09
	1888	2201	0	04	05		49	52	0	01	62
	1882	2195	0	01	62		25	30	0	02	43
	1872	2184	0	89	03		23	28	0	00	81
	1827	2135	0	09	71		22	27	0	14	57
	2086	2427	0	00	81		16	21	0	02	43
	2087	2428	0	18	61		84	87	0	06	47
	2088	2429	0	00	81		83	86	0	00	81
	2089	2430	0	08	90		85	84	0	06	47
Motipura	101	120	0	04	05		86	83	0	01	62
	100	119	0	13	76		81}	82	0	01	62
	106	117	0	03	24		87	79	0	08	09
	103	121	0	04	86	Jagpura	364	332	0	11	33
	104	123	0	04	86		363	331	0	23	47
	105	122	0	04	05		362	321	0	02	43
	108	115	0	13	76	Dholadanta	431}	435	0	05	67
	109	114	0	04	05		443}	446	0	00	81
	96/2	109	0	00	81		443	436	0	00	81
	96/1	108	0	25	90						

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
Dholadanta (Contd.)	435	438	0	08	09	Derathoo (Contd.)	3230	3455	0	07	28
	441	444	0	12	95		3231	3456	0	00	81
	441	416	0	04	86		3189/1	3416	0	01	62
	446	446	0	08	09		3189/2	3417	0	06	47
	450	449	0	02	43		3888/2	4067	0	04	05
	449	415	0	08	09		3893/2	4072	0	01	62
	457	455	0	02	43		3888/2	4071	0	08	90
	459	457	0	05	67		3889				
	473	465	0	03	24		3893/1	4073	0	00	81
	472	474	0	02	43		4225/1	4423	0	04	05
	471	459	0	00	81		4231	4429	0	00	40
	506	462	0	04	05		4230	4428	0	03	24
	469	461	0	07	28		4228	4426	0	04	86
	519	492	0	01	62		4227	4425	0	06	47
	509	588	0	04	86		3206	3432	0	00	81
	510	587	0	03	24		3208	4434	0	04	05
	698		600	0	04		3187	3414	0	04	05
	699			0	04		3039	3249	0	04	05
	695	602	0	05	67		3040/1	3250	0	05	67
	763	812	0	08	09		3040/2	3251	0	10	52
	761	813	0	00	81		3041				
	762	810	0	07	28		3032	3229	0	08	90
	764	835	0	00	40		3031	3228	0	05	67
	765	801	0	00	81		3224				
	774	802	0	12	14		3048	3255	0	02	43
	777	804	0	00	81		3049	3258	0	09	71
	781/980	803	0	05	67		3050	3261	0	00	40
	773	788	0	08	09		3050	3262	0	00	40
	782	785	0	08	09		3050	3263	0	04	05
	782	786	0	20	23		3050	3264	0	04	05
Derathoo	3910	4110	0	00	81		2974	3175	0	06	47
	3910	4111	0	01	62		2975				
	3908	4109	0	03	24		2976	3176	0	18	61
	3908	4101	0	13	76		2977				
	3908	4100	0	09	71		2978	3177	0	19	42
	3908		4099	0	09		2979	3178	0	07	28
	3909/2			0	09		2969	3170	0	09	71
	3906		4098	0	08		2826	3125	0	25	09
	3909/2			0	08		2814	3124	0	03	24
	3906		4092	0	00		2815	3123	0	12	95
	3905		4091	0	04		2815	3122	0	06	47
	3905		4090	0	08		2817	3127	0	08	90
	3903		4088	0	08		2718	2924	0	12	95
	3870			0	08		2719	2923	0	04	05
	3875		4084	0	00		2689	2922	0	08	09
	3880			0	00		2688	2901	0	14	57
	3871		4080	0	11		2692	2902	0	08	90
	3883		4045	0	07		2693	2903	0	08	90
	3883		4056	0	05		2693				
	3884			0	05		2693	2904	0	07	28
	3886/1		4059	0	17		2694				
	3886/1		4058	0	00		2694	2905	0	08	90
	3886/2		4062	0	01		2695				
	3886/3		4064	0	04		2697	2908	0	12	95
	3886/4		4066	0	05		2697	2909	0	19	42
	3886/5		4065	0	08		2704	2910	0	01	62
	3210		3437	0	02		2700	2861	0	08	90
	3211		3438	0	02		2699				
	3212		3439	0	01		2700	2860	0	09	71
	3222			0	04		2634				
	3223			0	04		2633	2860	0	09	71
	3223		3450	0	04		2633	2857	0	08	50
	3225/1		3452	0	00		2702				
	3228			0	04		2638	2856	0	00	81
	3224			0	04		2632	2809	0	17	00
	3229		3454	0	06		2570	2813	0	00	81

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
Derathoo (Contd.)	2576	2731	0	03	24	Ramsar (Contd.)	4880/2	5068	0	03	24
	2576	2730	0	04	05		4883/1	5065	0	03	24
	2576	2727	0	04	05		4975/6	5077	0	06	47
	2576	2726	0	10	52		4884/3	5117	0	15	38
	2576	2725	0	10	52		4884/3	5118	0	04	86
	2552	2705	0	00	81		4884/9	5120	0	08	09
	2553	2724	0	01	22		4884/3	5121	0	00	81
	2553	2723	0	00	40		4884/4	5123	0	08	09
	2552	2706	0	19	42		4884/3	5127	0	28	33
	2560	2707	0	09	71		4884/6	5333	0	21	85
	2561	2708	0	01	62		4949	5331	0	00	81
	2559						4949	5330	0	12	14
	2564	2709	0	26	71		4949	5329	0	04	05
	2565						4949	5203	0	05	67
	2544	2694	0	00	40		4949	5203	0	12	95
	2566	2710	0	00	81		4949	5326	0	02	43
	2543	2693	0	20	23		4946	5325	0	05	67
	2538	2686/4900	0	12	14		4927	5325	0	04	05
Sanod	2970	3619	0	24	28		4946				
	2970	3647	0	11	33		4927	5324	0	08	09
	2970	3646	0	07	28		4946	5226	0	00	81
	2970	3644	0	12	14		4927	5227	0	09	71
	2970	3643	0	16	19		4930	5239	0	08	90
	2970	3638	0	32	37		4937	5238	0	02	43
	2967	3577	0	11	33		4937	5237	0	02	43
	2967	3575	0	08	09		4936	5242	0	00	81
	2958	3570	0	02	43		4930	5241	0	04	05
	2958	3571	0	21	85		4936	5243	0	02	43
	2908	3486	0	29	94		4931	5244	0	04	86
	2909	3487	0	09	71		4954	5264	0	08	09
	2910						4954	5263	0	04	05
	2911	3488	0	25	90		4954	5269	0	32	37
	2927						4954	5262	0	00	81
	2925	3504	0	09	71		4954	5260	0	08	09
	2924	3503	0	05	67		5187	6997	0	03	24
	2922	3501	0	02	43		5206	7016	0	04	05
	2923	3502	0	04	05		5205	7015	0	03	24
	2923	3510	0	04	05		5204	7014	0	04	05
	3349	4597	0	02	43		5199	7009	0	04	05
	3353	4602	0	00	81		5200	7010	0	07	28
	3352	4600	0	00	81		5196	7006	0	05	67
	3352	4601	0	01	62		5194	7005	0	10	52
	3360	4609	0	00	40		5218	7022	0	05	67
	3363	4611	0	05	67		5210				
	3364	4612	0	04	86		5217	7030	0	16	19
	3368	4616	0	00	40		5210	7024	0	08	09
	3378	4626	0	06	47		5211	7025	0	00	81
	3377	4625	0	06	47		5526	7348	0	08	09
	3340						5547	7370	0	12	14
	3387	4637	0	19	42		5551	7373	0	06	47
	3417	4664	0	17	00		5552	7374	0	08	09
	3336	4584	0	06	47		5510	7329	0	00	81
	3427	4699	0	01	62		5557	7379	0	05	67
	3439	4700	0	40	46		5558	7380	0	00	81
	3442	4701	0	04	86		5556	7378	0	12	14
	3442	4703	0	01	62		5561	7383	0	04	05
	3442						5555	7377	0	07	28
	3441	4704	0	02	43		5569	7394	0	05	67
	3443	4710	0	02	43		5752	7307	0	08	90
	3445	4711	0	01	62		5794	7651	0	04	86
	3446	4709	0	04	86		5778	7632	0	04	86
	3448	4708	0	04	05		5777	7631	0	02	43
	3449	4714	0	04	05		5779	7633	0	03	24
	3450	4715	0	00	40		5779	7630	0	12	14
	3454	4697	0	01	62		5776	7629	0	01	62
Ramsar	4879						5768	7624	0	03	24
	4880/2						5765	7621	0	07	28

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
Ramsar (Contd.)	5961	7790	0	00	81	Maoshya (Contd.)	300	391	0	00	81
	5962	7791	0	12	14		303	393	0	12	95
	5970	7799	0	07	28		300	390	0	02	43
	5969	7798	0	05	67		294	386	0	00	81
	5971	7800	0	00	81		252	344	0	09	71
	5996	7822	0	00	81		251	343	0	08	90
	5968	7797	0	11	33		136 } 257 }	350	0	13	76
	6118	7948	0	00	81		258 }				
	6117	7947	0	01	62		1476	1636	0	01	62
	5997	7823	0	04	86		1474	1496	0	03	24
	6116	7946	0	15	38		1391	1499	0	04	05
	6114	7944	0	01	62		1473	1503	0	01	62
	6102	7931	0	25	09		1446/1	1502	0	06	47
	6103	7932	0	08	90		1446/2	1501	0	00	40
	6093	7924	0	00	81		1446/2	1504	0	08	49
	6104	7933	0	00	81		1446/3	1505	0	06	47
	6091	7922	0	00	81		1445	1500	0	05	67
	6090	7921	0	19	42		1446/3	1506	0	00	81
	6086	7916	0	04	86		1443	1507	0	08	90
	6083	7712	0	06	47		1441	1525	0	16	19
	6086	7715	0	00	81		1441	1524	0	08	09
	6085	7914	0	04	86		1427	1523	0	11	33
	6084	7913	0	12	95		1453	1521	0	07	28
	6028	7849/8224	0	00	81		1438	1534	0	04	86
	6049	7879	0	12	14		1454	1535	0	12	14
	6046	7876	0	01	62		1546 } 1547 }	1564	0	08	09
	6046	7875	0	04	05		1548 }				
	6045	7874	0	03	24		1546 }				
	6044	7873	0	05	67		1547 }	1539	0	11	33
	6044	7872	0	04	05		1548 }				
	6032	6754	0	00	81		1546 }				
	6043	7871	0	00	40		1547 }	1553	0	16	19
	6043	7869	0	04	86		1548 }				
	6043	7868	0	02	83		1546 }				
	6041	7867	0	06	47		1547 }	1563	0	09	71
	6034	7856	0	04	05		1548 }				
	6040	7866	0	12	14		1546 }				
	6036	7859	0	09	71		1547 }	1554	0	04	05
	6036	7860	0	03	24		1548 }				
	6038	7861	0	03	24		1546 }				
	6038	7862	0	00	40		1547 }	1551	0	08	09
	6038	7864	0	00	40		1548 }				
	1785	1907	0	03	24		1546 }				
	1738	1853	0	28	33		1547 }	1546	0	01	62
	1734	1851	0	28	33		1548 }				
	1731	1847	0	09	71		1546 }				
	1731	1842	0	07	28		1547 }	1547	0	11	33
	1548 }						1548 }				
Maoshya	198	289	0	02	43	Surajpura	272	363	0	21	05
	200	292	0	01	62		272	364	0	05	67
	203	295	0	05	67		367 } 274 }	431	0	04	05
	204	296	0	01	62		355	429	0	10	52
	202	294	0	08	09		377	447	0	08	90
	209/1775 } 209	299	0	04	05		307	399	0	00	81
	210	300	0	08	09		302	398	0	07	28
	210	298	0	01	62		389	457	0	10	52
	308 }	400	0	04	86		387 } 392 }	458	0	09	71
	307 }	399	0	05	67		733	804	0	06	47
	308 }						742 } 743 }	813	0	04	86
	306	398	0	06	47		744	814	0	01	62
	305	397	0	01	62		747	816	0	17	00
	304	396	0	01	62		746	815	0	02	43
	302	392	0	15	38		749	818	0	11	33

1	2	3	4	5	6
Surajpura (Contd.)	751	820	0	00	81
	752	821	0	04	86
	995	1046	0	06	47
	995	1043	0	09	71
Nepoli	4	4	0	18	61
	3	3	0	17	00
	2	2	0	24	28
	1	1	0	01	62

[No. 12020/16/76-Prod. III]

का० आ० 379.—यस केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि सोकहिन में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में सलाया पोर्ट से उत्तर प्रदेश में मधुरा तक पैट्रोलियम के परिवहन के लिए पाईप लाइन इण्डियन आयल कारपोरेशन द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यह यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एन्ड्रेपोर्ट अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पैट्रोलियम पाईप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आपाय एन्ड्रेपोर्ट अधिकार किया है।

वर्तमें कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई अधिकार, उस भूमि के नीचे पाईप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम अधिकारी, इण्डियन आयल कारपोरेशन लिमिटेड, मलाया-मधुरा पाईप लाइन प्रोजेक्ट, बी-18, शिव मार्ग बड़ी पार्क, जयपुर-6 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर बताएं।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्ट यह भी कथन करेगा कि क्या वह आहता है कि उसकी सुनवाई अविकल्प हो या किसी विधि व्यवसायी की माफत।

## अनुसूची

तहसील : खारची	जिला : पासी	राज्य : राजस्थान	क्षेत्रफल		
ग्राम	खसरा नं०	हेक्टर			मोटर
		हेक्टर	एकर	बां	
1	2	3	4	5	6
वेवली	1651	0	31	62	
	1652	0	21	50	
	1594	0	06	32	
	1654	0	72	08	
	1595	0	02	53	
	1596	0	06	32	
	1593	0	06	32	
	1592	0	29	08	
	1200	0	13	91	
	1183	0	10	12	
	1183/1679	0	17	70	
	1180	0	07	59	
	1179	0	15	18	
	1152	0	16	44	
1143	0	20	23		1102
	1141	0	36	67	1258

1	2	3	4	5
देवली (क्रमांक)	1137	0	24	03
	904	0	12	05
	1104	0	37	94
	1105	0	01	26
	1101	0	22	76
	1100	0	26	56
	1099	0	15	18
	1265	0	02	53
	1268	0	01	26
	1269	0	05	06
	1270	0	07	59
	1273	0	26	56
	1327	0	02	53
	1277	0	39	20
	1283	0	31	62
	1280	0	01	26
	1282	0	01	26
	1281	0	02	53
	1285	0	02	53
	1286	0	01	26
	1050	0	22	76
	1049	0	06	32
	1043	0	51	85
	1009	0	12	65
	1012	0	01	26
	1010	0	02	53
	1014	0	06	32
	1013	0	22	76
	1016	0	01	26
	1002	0	07	59
	999	0	39	20
	914	0	10	12
	915	0	10	12
	916	0	01	26
	876	0	36	67
	873	0	01	26
	874	0	01	26
	872	0	08	85
	871	0	36	67
	936	0	07	59
	867	0	21	50
	865	0	17	70
	864	0	10	12
	861	0	17	70
	857	0	17	70
	946	0	31	62
	947	0	26	56
	948	0	07	59
	1182	0	03	79
	1102	0	01	26
	1258	0	01	26

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
जैतपुरा	218	0	78	41		1261	0	02	53
	213	0	12	65		1255	0	22	76
	214	0	48	05		1221	0	12	65
	244	0	46	79	आतारोष	247	0	17	70
	201	0	03	79		248	0	20	23
	203	0	26	56		249	0	03	79
	204	0	29	08		370	0	32	88
	279	0	12	65		366	0	17	70
	280	0	01	26		344	0	36	67
	278	0	17	70		340	0	13	91
	273	0	15	18		342	0	22	76
गुहा केशर सिंह	221	0	01	26		337	0	29	08
	222	0	03	79		336	0	01	26
	172	0	55	64		329	0	01	26
	162	0	22	76		309	0	03	79
	169	0	18	97		334	0	46	79
	151	0	07	59		327	0	03	79
	166	0	13	91		328	0	01	26
	167	0	07	59	खड़ावास	2	0	13	91
	150	0	20	23	गाढ़ारा	273	0	01	26
	148	0	24	03		275	0	18	97
	129	0	35	41		276	0	10	12
	108	0	01	26		313	0	01	26
	111	0	22	76		312	0	11	38
	109	0	32	88		309	0	07	59
	107	0	01	26		308	0	07	59
	52	0	01	26		307	0	11	38
	54	0	01	26		282	0	35	41
	53	0	22	76		285	0	12	65
	30	0	06	32		286	0	12	65
	29	0	34	14		287	0	10	12
	28	0	13	91		288	0	22	76
	18	0	16	44		292	0	01	26
	17	0	16	44		232	0	20	23
	16	0	12	65		231	0	03	79
	14	0	02	53		194	0	30	35
	13	0	17	70		195	0	03	79
	4	0	15	18		198	0	11	38
	3	0	12	65		205	0	22	76
	678	0	10	12		202	0	13	91
	679	0	16	44		217	0	44	26
	680	0	17	70		216	0	27	82
	681	0	17	70		151	0	40	47
पाउडा	2357	0	07	59		149	0	02	53
	2348	0	20	23		150	0	54	37
	2347	0	53	11		43	0	30	35
	2345	0	39	20		40	0	40	47
	2346	0	01	26		39	0	28	56
	1268	0	16	44	राणवास	60	0	32	88
	1263	0	03	79		354	0	13	91
	1264	0	10	12		356	0	02	53
	1260	0	16	44		353	0	01	26
						347	0	13	91

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
राणाघास (कम्पग)	34 6	0	08	8 5	गोपाघास	8 7	0	06	3 2
	34 5	0	06	3 2		110	0	35	4 1
	34 3	0	12	6 5		109	0	59	4 4
	34 4	0	08	8 5		107	0	34	1 4
	33 7	0	13	9 1		104	0	25	2 9
	34 0	0	10	1 2		105	0	05	0 6
	33 9	0	12	6 5		60	0	01	2 6
	38 3	0	12	6 5	निम्नलीभाडा	150	0	25	2 9
	38 6	0	07	5 9		149	0	31	6 2
	394/88 2	0	03	7 9		148	0	02	5 3
	390	0	17	7 0		146	0	01	2 6
	308/88 3	0	01	2 6		147	0	29	0 8
	308	0	03	7 9		137	0	92	3 2
	39	0	07	5 9		134	0	01	2 6
	38	0	17	7 0		130	0	34	1 4
	37	0	01	2 6		133	0	39	2 0
	40	0	07	5 9		13	0	01	2 6
	54	0	08	8 5		29	0	01	2 6
	53	0	11	3 8		23	0	01	2 6
	52	0	12	6 5		28	0	11	3 8
	51	0	12	6 5		27	0	10	1 2
	49	0	08	8 5		26	0	10	1 2
	101	0	22	7 6		53	0	13	9 1
	102	0	08	8 5		55	0	10	1 2
	104	0	20	2 3		58	0	13	9 1
बड़ी	277	0	16	4 4		59	0	18	9 7
	275	0	16	4 4		60	0	01	2 6
	274	0	01	2 6		152	0	01	2 6
	269	0	02	5 3	भाडा	1012	0	41	7 3
	264	0	12	6 5		1008	0	22	7 6
	263	0	01	2 6		1023	0	16	4 4
	262	0	05	0 6		1024	0	05	0 6
	71	0	11	3 8		1026	0	26	5 6
	66	0	10	1 2		1029	0	13	9 1
	72	0	39	2 0		1053	0	01	2 6
	73	0	17	7 0		1119	0	16	4 4
	74	0	15	1 8		1118	0	29	0 8
	63	0	15	1 8		1136	0	06	3 2
	60	0	45	5 2		1137	0	11	3 8
	59	0	02	5 3		1138	0	17	7 0
	58	0	13	9 1		1110	0	36	6 7
	57	0	07	5 9		1109	0	32	8 8
	53	0	45	5 2		1094	0	30	3 5
	26	0	20	2 3		1085	0	27	8 2
	25	0	24	0 3		1086	0	27	8 2
	17	0	03	7 9		1204	0	24	0 3
	1	0	15	1 8		1234	0	11	3 8
	16	0	08	8 5		1235	0	01	2 6
	12	0	16	4 4		1233	0	51	8 5
	2	0	36	6 7		1286	0	13	9 1
	3	0	08	8 6		1285	0	16	4 4
						1284	0	53	1 1
						1283	0	34	1 4

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
भारत—(क्रमण)	1313	0	13	91	राजस्थान खुर्द—(क्रमण)	198	0	15	52
	1314	0	21	50		195	0	01	26
	1315	0	08	85		194	0	48	03
	812	0	25	24		190	0	03	79
	801	0	15	16	कटालिया	376	0	13	91
	802	0	29	08		375	0	25	29
	805	0	20	23		374	0	17	70
	806	0	15	18		373	0	13	91
	799	0	03	79		377	0	12	65
	733	0	26	56		18	0	12	65
	733	0	27	82		19	0	11	38
	734	0	01	26		17	0	30	35
	763	0	53	11		13	0	11	38
	762	0	01	26		14	0	01	26
	761	0	45	52		12	0	01	26
	1236	0	01	26		5	0	50	58
हरिहरापुर	229	0	07	59		6	0	07	59
	228	0	13	91		111	0	70	52
	227	0	01	26		112	0	31	52
	228	0	20	23		115	0	32	88
	225	0	05	06	धोरमस्थी	259	0	18	97
	224	0	13	91		261	0	03	79
	223	0	12	65		256	0	30	35
	222	0	17	70		262	0	31	62
	220	0	36	67		255	0	01	26
	219	0	02	53		263	0	30	36
राजोला खुर्द	307	0	03	79		133	0	01	26
	308	0	01	26		148	0	4	96
	309	0	44	26		147	0	02	53
	304	0	21	50		146	0	20	23
	303	0	01	26		140	0	12	65
	296	0	01	26	गुन्डागढी	53	0	21	50
	297	0	18	97		51	0	30	35
	271	0	51	85		52	0	06	32
	270	0	07	59		58	0	55	64
	273	0	17	70		63	0	11	38
	272	0	01	26		62	0	10	12
	274	0	01	26		65	0	31	62
	244	0	01	26		64	0	13	91
	245	0	01	26		127	0	29	08
	241	0	48	05		97	0	27	82
	230	0	16	44		95	0	30	35
	252	0	26	56		100	0	48	05
	228	0	03	79		101	0	31	62
	227	0	20	23		102	0	07	59
	221	0	39	20		107	0	27	82
	348	0	03	79					
	246	0	27	82					
	345	0	10	12					
	335	0	02	53					
	208	0	21	50					
	206	0	26	56					
	197	0	17	70					

**S.O. 379.**—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Salaya Port in Gujarat to Mathura in Uttar Pradesh Pipelines should be laid by the Indian Oil Corporation Limited.

And whereas it appears that for the Purpose of laying such pipelines, it is necessary to acquire the Right of User in the land described in the schedule annexed hereto :

Now, therefore, in exercise of the Powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the Petroleum Pipelines (Acquisition of Right of User in land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declare its intention to acquire the right of user therein ;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipelines under the land to the Competent Authority, Indian Oil Corporation Limited, Salaya-Koyali-Mathura Pipeline Project, B-18, Shiv Marg, Banipark, Jaipur-6.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

#### SCHEDULE

Tehsil : Kharchi District : Pali State : Rajasthan

Village	Khasra No.	Area		
		H.	A.	Sq. M.
1	2	3	4	5
Deoli	1651	0	31	62
	1652	0	21	50
	1594	0	06	32
	1654	0	72	08
	1595	0	02	53
	1596	0	06	32
	1593	0	06	32
	1592	0	29	08
	1200	0	13	91
	1183	0	10	12
	1183/1679	0	17	70
	1180	0	07	59
	1179	0	15	18
	1152	0	16	44
	1143	0	20	23
	1141	0	36	67
	1137	0	24	03
	904	0	12	65
	1104	0	37	94
	1105	0	01	26
	1101	0	22	76
	1100	0	26	56
	1099	0	15	18
	1265	0	02	53
	1268	0	01	26
	1269	0	05	06
	1270	0	07	59
	1273	0	26	56
	1327	0	02	53
	1277	0	39	20
	1283	0	31	62
	1280	0	01	26
	1282	0	01	26
	1281	0	02	53
	1285	0	02	53
	1286	0	01	26
	1050	0	22	76

1	2	3	4	5
Deoli—(Contd.)				
1049	0	06	32	
1043	0	51	85	
1009	0	12	65	
1012	0	01	26	
1010	0	02	53	
1014	0	06	32	
1013	0	22	76	
1016	0	01	26	
1002	0	07	59	
999	0	39	20	
914	0	10	12	
915	0	10	12	
916	0	01	26	
876	0	36	67	
873	0	01	26	
874	0	01	26	
872	0	08	85	
871	0	36	67	
936	0	07	59	
867	0	21	50	
865	0	17	70	
864	0	10	12	
861	0	17	70	
857	0	17	70	
946	0	31	62	
947	0	26	56	
948	0	07	59	
1186	0	03	79	
1102	0	01	26	
1258	0	01	26	
Jaitpura	218	0	78	41
	213	0	12	65
	214	0	48	05
	244	0	46	79
	201	0	03	79
	203	0	26	56
	204	0	29	08
	279	0	12	65
	280	0	01	26
	278	0	17	70
Gurha Kesarsingh	273	0	15	18
	221	0	01	26
	222	0	03	79
	172	0	55	64
	162	0	22	76
	169	0	18	97
	151	0	07	59
	166	0	13	91
	167	0	07	59
	150	0	20	23
	148	0	24	03
	129	0	35	41
	108	0	01	26
	111	0	22	76
	109	0	32	88
	107	0	01	26
	52	0	01	26
	54	0	01	26
	53	0	22	76
	30	0	06	32
	29	0	34	14
	28	0	13	91
	18	0	16	44
	17	0	16	44

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
Gurha Kesarsingh (Contd.)	16	0	12	65	Gadhana (Contd.)	149	0	02	53
	14	0	02	53		150	0	54	37
	13	0	17	70		43	0	30	35
	4	0	15	18		40	0	40	47
	3	0	12	65		39	0	26	56
	678	0	10	12		60	0	32	88
	679	0	16	44					
	680	0	17	70	Ranawas	354	0	13	91
	681	0	17	70		356	0	02	53
						353	0	01	26
Auwa	2357	0	07	59		347	0	13	91
	2348	0	20	23		346	0	08	85
	2347	0	53	11		345	0	06	32
	2345	0	39	20		343	0	12	65
	2346	0	01	26		344	0	08	85
	1268	0	16	44		337	0	13	91
	1263	0	03	79		340	0	10	12
	1264	0	10	12		339	0	12	65
	1260	0	16	44		385	0	12	65
	1261	0	02	53		386	0	07	59
	1255	0	22	76		394/882	0	03	79
	1221	0	12	65		390	0	17	70
						308/885	0	01	26
Angdosh	247	0	17	70		308	0	03	79
	248	0	20	23		39	0	07	59
	249	0	03	79		38	0	17	70
	370	0	32	88		37	0	01	26
	366	0	17	70		40	0	07	59
	344	0	36	67		54	0	08	85
	340	0	13	91		53	0	11	38
	342	0	22	76		52	0	12	65
	337	0	29	08		51	0	12	65
	336	0	01	26		49	0	08	85
	329	0	01	26		101	0	22	76
	309	0	03	79		102	0	08	85
	334	0	46	79		104	0	20	23
	327	0	03	79					
	328	0	01	26	Bari	277	0	16	44
Radawas Gadhana	2	0	13	91		275	0	16	44
	273	0	01	26		274	0	01	26
	275	0	18	97		269	0	02	53
	276	0	10	12		264	0	12	65
	313	0	01	26		263	0	01	26
	312	0	11	38		262	0	05	06
	309	0	07	59		71	0	11	38
	308	0	07	59		66	0	10	12
	307	0	11	38		72	0	39	20
	282	0	35	41		73	0	17	70
	285	0	12	65		74	0	15	18
	286	0	12	65		63	0	15	18
	287	0	10	12		60	0	45	52
	288	0	22	76		59	0	02	53
	292	0	01	26		58	0	13	91
	232	0	20	23		57	0	07	59
	231	0	03	79		53	0	45	52
	194	0	30	35		26	0	20	23
	195	0	03	79		25	0	24	03
	198	0	11	38		17	0	03	79
	205	0	22	76		1	0	15	18
	202	0	13	91		16	0	08	85
	217	0	44	26		12	0	16	44
	216	0	27	82		2	0	36	67
	151	0	40	47		3	0	08	85

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
Gopawas	87	0	06	32	Manda (Contd.)	735	0	27	82
	110	0	35	41		734	0	01	26
	109	0	59	44		763	0	53	11
	107	0	34	14		762	0	01	26
	104	0	25	29		761	0	45	52
	105	0	05	06		1236	0	01	26
	60	0	01	26	Hamee Rwas	229	0	07	59
Nimlimanda	150	0	25	29		228	0	13	91
	149	0	31	62		227	0	01	26
	148	0	02	53		226	0	20	23
	146	0	01	26		225	0	05	06
	147	0	29	08		224	0	13	91
	137	0	92	32		223	0	12	65
	134	0	01	26		222	0	17	70
	130	0	34	14		220	0	36	67
	133	0	39	20		219	0	02	53
	15	0	01	26	Rajola Khurd	307	0	03	79
	29	0	01	26		308	0	01	26
	23	0	01	26		309	0	44	26
	28	0	11	38		304	0	21	50
	27	0	10	12		303	0	01	26
	26	0	10	12		296	0	01	26
	53	0	13	91		297	0	18	97
	55	0	10	12		271	0	51	85
	58	0	13	91		270	0	07	59
	59	0	18	97		273	0	17	70
	60	0	01	26		272	0	01	26
	152	0	01	26		274	0	01	26
Manda	1012	0	41	73		244	0	01	26
	1008	0	22	76		245	0	01	26
	1023	0	16	44		241	0	48	05
	1024	0	05	06		230	0	16	44
	1026	0	26	56		252	0	26	56
	1029	0	13	91		228	0	03	79
	1053	0	01	26		227	0	20	23
	1119	0	16	44		224	0	39	20
	1118	0	29	08		348	0	03	79
	1136	0	06	32		346	0	27	82
	1137	0	11	38		345	0	10	12
	1138	0	17	70		335	0	02	53
	1110	0	36	67		208	0	21	50
	1109	0	32	88		206	0	26	56
	1094	0	30	35		197	0	17	70
	1095	0	27	82		198	0	45	52
	1086	0	27	82		195	0	01	26
	1204	0	24	03		194	0	48	05
	1234	0	11	38		190	0	03	79
	1235	0	01	26	Kantaliya	376	0	13	91
	1233	0	51	85		375	0	25	29
	1286	0	13	91		374	0	17	70
	1285	0	16	44		373	0	13	91
	1284	0	53	11		377	0	12	65
	1283	0	34	14		18	0	12	65
	1313	0	13	91		19	0	11	38
	1314	0	21	50		17	0	30	35
	1315	0	08	85		13	0	11	38
	812	0	25	29		14	0	01	26
	801	0	15	18		12	0	01	26
	802	0	29	08		5	0	50	58
	805	0	20	23		6	0	07	59
	806	0	15	18		111	0	70	82
	799	0	03	79		112	01	31	52
	733	0	26	56		115	0	32	88

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
Bornari . . .	259	0	18	97	सोनोबाल गांव—कमश:	299ख		4	95
	261	0	03	79		300ख		2	41
	256	0	30	35		305ख		2	94
	262	0	31	62		306ख		1	07
	255	0	01	26		114ख		1	61
	263	0	30	36		115ख		6	82
	133	0	01	26		125ख		11	37
	148	01	04	96		126ख		4	01
	147	0	02	53		301ख		2	41
	146	0	20	23		314ख		11	10
	140	0	12	65		315ख		1	87
Gundagari . . .	53	0	21	50		208ख		13	11
	51	0	30	35		302ख		3	88
	52	0	06	32		303ख		5	48
	58	0	55	64		316ख		2	54
	63	0	11	38		317ख		8	29
	62	0	10	12		349ख		7	89
	65	0	31	62		351ख		4	15
	64	0	13	91		352ख		11	64
	127	0	29	08		353ख		1	07
	97	0	27	82		354ख		1	61
	95	0	30	35		355ख		1	07
	100	0	48	05		356ख		1	07
	101	0	31	62		360ख		12	31
	102	0	07	59		368ख		8	43
	107	0	27	82		376ख		22	08

[No. 12020/16/76-Prod.-IV]

नई दिल्ली, 6 जनवरी, 1977

का० आ० 380.—यह केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि सोकहित में यह आवश्यक है कि असम के शिवसागर जिले में गोलेकी से जोरहट सक के बीच पैद्योनियम उत्पादों के परिवहन के लिए पाइपलाइन तेल एवं प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी आहिए।

प्रौर यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्यावद अनुमूली में वर्जित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पैद्योनियम पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार वा अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा-1 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्वार घोषित किया है;

उक्त भूमि में हितकद्ध कोई उम भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाने के लिए आक्षेप उपमण्डल अधिकारी शिवसागर, असम के कार्यालय में इम अधिमूलन की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्विष्ट यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह यह आहता है कि उसकी मुनवाई व्यक्तिगत हो या किसी विधि व्यवसायी की माफेत।

## अनुसूची

गोलेकी जोरहट इंक पाइपलाइन।  
राज्य—असम, जिला—शिवसागर, तालुक—गधुली बजार

ग्राम	मर्बे नम्बर	हैंडर	ऐरे	सेन्टी- मीटर
1	2	3	4	5
सोनोबाल गांव	6ख		7	49
	7ख		8	83
	9ख		13	78

सोनोबाल गांव—कमश:	299ख		4	95
	300ख		2	41
	305ख		2	94
	306ख		1	07
	114ख		1	61
	115ख		6	82
	125ख		11	37
	126ख		4	01
	301ख		2	41
	314ख		11	10
	315ख		1	87
	208ख		13	11
	302ख		3	88
	303ख		5	48
	316ख		2	54
	317ख		8	29
	349ख		7	89
	351ख		4	15
	352ख		11	64
	353ख		1	07
	354ख		1	61
	355ख		1	07
	356ख		1	07
	360ख		12	31
	368ख		8	43
	376ख		22	08
	831ख		3	48
	359ख		3	34
	361ख		3	48
	793ख		3	08
	794ख		2	27
	813ख		8	16
	814ख		1	61
	815ख		2	94
	826ख		5	48
	828ख		1	07
	852ख		0	94
	853ख		3	75
	854ख		1	47
	872ख		2	68
	873ख		6	29
	875ख		5	35
	797ख		6	29
	798ख		7	22
	800ख		5	89
	809ख		5	22
	812ख		5	08
	877ख		2	54
	1118ख		10	57
	1124ख		5	35
	1122ख		2	54
	1122ग		0	27
	1123ख		5	35
	1125ख		0	67

1	2	3	4	5	6
सोनोवाल गाव—क्रमांक:	1169		3	61	
	1172		0	27	
	1175		9	10	
	1173		3	34	
	1174		2	68	
	1352		0	27	

[मं. 12020/11/76-प्रोडक्षन-1]

New Delhi, the 6th January, 1977

**S.O. 380.**—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Geleki to Jorhat in Sibsagar Dist., Assam, Pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Commission.

And whereas it appears that for the purpose of laying such Pipelines, it is necessary to acquire the Right of User in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-Section (1) of the section 3 of the Petroleum Pipelines (Acquisition of Right of User in land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipelines under the land to the Competent Authority, viz. the Sub-Divisional Officer, Sibsagar, Assam.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

## SCHEDULE

## GELEKI—JORHAT TRUNK PIPELINE.

STATE: ASSAM DIST: SIBSAGAR TALUK-  
GODHULI BAZAR

Village	Survey No.	Hec- tor	Are	Cent- iare	
1	2	3	4	5	
Sonowal Gaon	6 Kha	—	7	49	
	7 Kha	—	8	83	
	9 Kha	—	13	78	
	299 Kha	—	4	95	
	300 Kha	—	2	41	
	305 Kha	—	2	94	
	306 Kha	—	1	07	
	114 Kha	—	1	61	
	115 Kha	—	6	82	
	125 Kha	—	11	37	
	126 Kha	—	4	01	
	301 Kha	—	2	41	
	314 Kha	—	11	10	
	315 Kha	—	1	87	
	298 Kha	—	13	11	
	302 Kha	—	3	88	
	303 Kha	—	5	48	

1	2	3	4	5	6
Sonowal Gaon—Contd.	316 Kha	—	2	54	
	317 Kha	—	8	29	
	349 Kha	—	7	89	
	351 Kha	—	4	15	
	352 Kha	—	11	64	
	353 Kha	—	1	07	
	354 Kha	—	1	61	
	355 Kha	—	1	07	
	356 Kha	—	1	07	
	360 Kha	—	12	31	
	368 Kha	—	8	43	
	376 Kha	—	22	08	
	831 Kha	—	3	48	
	359 Kha	—	3	34	
	361 Kha	—	3	48	
	793 Kha	—	3	08	
	794 Kha	—	2	27	
	813 Kha	—	8	16	
	814 Kha	—	1	61	
	815 Kha	—	2	94	
	826 Kha	—	5	48	
	828 Kha	—	1	07	
	852 Kha	—	0	94	
	853 Kha	—	03	75	
	854 Kha	—	1	47	
	872 Kha	—	2	68	
	873 Kha	—	6	29	
	875 Kha	—	5	35	
	797 Kha	—	6	29	
	798 Kha	—	7	22	
	800 Kha	—	5	89	
	809 Kha	—	5	22	
	812 Kha	—	5	08	
	877 Kha	—	2	54	
	1118 Kha	—	10	57	
	1124 Kha	—	5	35	
	1122 Kha	—	2	54	
	1122 Kha	—	0	27	
	1123 Kha	—	5	35	
	1125 Kha	—	0	67	
	1169 Kha	—	3	61	
	1172 Kha	—	0	27	
	1175 Kha	—	9	10	
	1173 Kha	—	3	34	
	1174 Kha	—	2	68	
	1352 Kha	—	0	27	

आ० भा० 381—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि असम के शिवसागर जिले में आ० भा० ३० ए० कूप नं० ३३ से आ० भा० ३० ए० नं० ४० तक के बीच पैद्रोलियम उत्पादनों के परिवहन के लिए पाइपलाइन लेस एं ग्राहकिक गैस आयोग द्वारा बिलाई जानी चाहिए।

और यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिलाने के प्रयोजन के लिए एतदुपायवद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पैद्रोलियम पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्वारा घोषित किया है।

उक्त भूमि में हितबद्ध कोई उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिलाने के लिए आयोग उपभाषण अधिकारी शिवसागर असम के कार्यालय में इस अधिसूचना की सारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्ट यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह बाहता है कि उस की सुनवाई व्यक्तिगत हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

#### अनुसूची

शिवसागर कूप नम्बर 33 से शिवसागर कूप नम्बर 40 तक की पाइप लाइन

राज्य—असम जिला—शिवसागर तालुक—जकाइचुक

ग्राम	सर्वे नम्बर	हैक्टर	एरे	सेत्तीएरे
नामवंगोया बंगाली गांधी	620		0	54
	621		2	54
	630		1	34
	624		2	27
	631		1	87
	625		3	48
	632		1	61
	226		0	54
	635		3	61
	643		1	07
	644		0	94
	645		1	07
	646		0	54
	647		0	54
	648		0	80
	649		1	07
	937		0	54
	654		0	54

[No. 12020/11/76-Prod. II]

तर्दा दिसंबरी, 7 जनवरी, 1977

आ० भा० 382.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में सलाया पोट से उत्तर प्रदेश में मध्युरा तक पैद्रोलियम के परिवहन के लिये पाइप लाइन इण्डियन ओयल कारपोरेशन द्वारा बिलाई जानी चाहिये।

और यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिलाने के प्रयोजन के लिए एतदुपायवद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग के अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पैद्रोलियम पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्वारा घोषित किया है।

बताये कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिलाने के लिए आक्षेप नक्षम प्राधिकारी, इण्डियन ओयल कारपोरेशन लिमिटेड, सलाया—मध्युरा पाइप लाइन प्रोजेक्ट, श्री-18, शिव मार्ग बनी पार्क, जयपुर-6 को इस अधिसूचना की सारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्ट: यह भी कथन करेगा कि क्या वह बाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

S.O. 381.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from RDS Well No. 33 to RDS Well No. 40, in Sibsagar Distt. Assam, Pipeline should be laid by the Oil and Natural Gas Commission.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipelines, it is necessary to acquire the Right of User in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum Pipelines (Acquisition of Right of User in land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipelines under the land to the Competent Authority, viz the Sub-Divisional Officer, Sibsagar, Assam.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

#### SCHEDULE

Pipeline from Rudrasagar Well No. 33 to Rudrasagar Well No. 40  
State—Assam Dist—Sibsagar Taluk—Jakaichuk.

Village	Survey No.	Hec-tor	Are	Cent	are
Namdongia Bongali	620 Kha	—	0	54	
	621 Kha	—	2	54	
	630 Kha	—	1	34	
	624 Kha	—	2	27	
	631 Kha	—	1	87	
	625 Kha	—	3	48	
	632 Kha	—	1	61	
	226 Kha	—	0	54	
	635 Kha	—	3	61	
	643 Kha	—	1	07	
	644 Kha	—	0	94	
	645 Kha	—	1	07	
	646 Kha	—	0	54	
	647 Kha	—	0	54	
	648 Kha	—	0	80	
	649 Kha	—	1	07	
	937 Kha	—	0	54	
	654 Kha	—	0	54	

[सं० 12020/11/76-प्रोडक्शन-II]

प्रमुख सूची			1	2	3	4	5	
नामसूची	जिला : भरतपुर	राज्य : राजस्थान	पपरेश (अमरा)	760	0	02	43	
प्राम	खमरा न०	क्षेत्रफल		750	0	13	76	
		हेक्टर	प्रेयर	वर्गमीलर				
1	2	3	4	5				
पपरेश	413	0	01	62	749	0	01	62
	411	0	01	62	748	0	01	62
	412	0	07	28	746	0	18	62
	388	0	02	43	743	0	15	38
	1442/389	0	02	43	740	0	19	43
	383	0	18	62	736	0	11	33
	382	0	04	86	733	0	04	86
	359	0	01	62	734	0	02	43
	366	0	07	28	732	0	10	52
	367	0	05	67	688	0	11	33
	369	0	12	95	681	0	06	48
	370	0	01	62	687	0	00	81
	381	0	04	05	686	0	01	62
	380	0	06	48	682	0	04	05
	122	0	02	43	684	0	08	09
	123	0	21	05	675	0	14	57
	132	0	03	24	650	0	07	28
	124	0	03	24	651	0	09	71
	131	0	08	09	652	0	08	09
	129	0	08	09	653	0	07	28
	501	0	00	81	657	0	07	28
	502	0	08	10	658	0	14	57
	503	0	07	29	626	0	02	43
	481	0	06	48	662	0	02	43
	482	0	07	28	623	0	03	24
	447	0	12	14	622	0	11	33
	448	0	00	81	511	0	06	48
	444	0	12	14	512	0	02	43
	443	0	08	09	510	0	01	62
	430	0	07	28	513	0	12	95
	431	0	08	09	514	0	06	48
	423	0	11	33	137	0	02	43
	422	0	01	62	138	0	05	67
	410	0	08	90	139	0	02	43
	790	0	15	38	154	0	17	81
	789	0	04	86	155	0	02	43
	791	0	12	14	160	0	05	67
	800	0	16	19	151	0	17	00
	799	0	02	43	165	0	21	05
	793	0	01	62	169	0	00	81
	794	0	13	76	180	0	16	19
	795	0	14	57	179	0	00	81
	796	0	09	71	178	0	06	48
	765	0	06	48	173	0	13	76
	764	0	04	05	177	0	11	33
	762	0	11	33	182	0	08	90
	761	0	11	33	176	0	07	28
					465	0	08	09
					477	0	20	34
					478	0	16	19

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
सिंही (ऋग्व)	516	0	13	76	रथहेलक (ऋग्व)	128	0	08	09
	719	0	18	62		214	0	03	24
	717	0	11	33		215	0	58	27
	715	0	22	67		1	0	17	00
	716	0	00	81	पित्रगांई	20	0	01	62
	713	0	16	19		16	0	30	76
	712	0	20	24		13	0	00	81
नगला ध्राजाऊ	530	0	19	43		92	0	02	43
	529	0	09	71		97	0	02	43
	531	0	24	28		12	0	26	71
	528	0	00	81		101	0	13	76
	539	0	21	86		102	0	02	43
	540	0	17	00		102/1	0	01	62
ध्राजाऊ	562	0	05	67		9	0	41	27
	558	0	38	85		8	0	02	43
	560	0	03	24		7	0	25	90
	559	0	28	33		4	0	15	38
	548	0	29	95		5	0	44	51
	545	0	32	37		218	0	04	05
	543	0	04	86	रुधि सकितरा	219	0	19	43
	540	0	30	76		112	0	04	86
	530	0	15	38		109	0	14	57
	527	0	02	43		108	0	13	76
	528	0	13	76		107	0	15	38
	529	0	16	19		105	0	11	33
	519	0	07	28		104	0	14	57
	516	0	05	67		102	0	03	24
	515	0	19	43		101	0	12	14
	514	0	27	52		100	0	00	81
	513	0	10	52		98	0	14	57
रथहेलक	238/6	0	00	81		168	0	14	57
	238/5	0	59	08		95	0	13	76
	238/4	0	06	48		36	0	15	38
	238/1	0	52	81	सैहृ	37	0	29	95
	53	0	16	19		307	0	16	19
	54	0	14	57		236	0	37	23
	61	0	02	43		235	0	35	61
	60	0	05	67		227	0	42	08
	55	0	08	90		228	0	41	27
	56	0	04	86		139	0	04	05
	59	0	11	33		115	0	05	67
	58	0	15	38		96	0	18	62
	83	0	15	38		113	0	17	81
	92	0	15	38		102	0	08	09
	93	0	00	81		98	0	00	81
	94	0	15	38		101	0	04	86
	103	0	15	38		103	0	00	81
	104	0	14	57		104	0	04	05
	113	0	13	76		88	0	11	33
	114	0	14	57		87	0	03	24
	127	0	12	95		86	0	04	86
	126	0	01	62		68	0	04	86
	125	0	08	09		69	0	06	48
						71	0	11	33

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
सैहं (क्रमांक)	70	0	04	86		31	0	05	67
	49	0	11	33		32	0	10	52
	73	0	00	81		65	0	06	48
	40	0	12	14		66	0	07	28
	37	0	11	33		67	0	02	43
	36	0	08	90		69	0	14	57
	31	0	04	05		70	0	09	71
	34	0	03	24		81	0	05	67
	35	0	04	05		78	0	28	33
	553	0	08	09		79	0	06	48
	554	0	06	48		80	0	05	67
	555	0	09	71		130	0	12	14
	567	0	01	62		129	0	00	81
	704	0	04	05		131	0	09	71
						135	0	18	62
चक सैहं	77	0	47	75		134	0	05	67
ब्रोर्ड	319	0	30	76		133	0	00	81
	317	0	03	24		138	0	07	28
	307	0	00	81	देहरा	1552	0	01	62
	306	0	08	09		1553	0	09	71
	305	0	02	43		1554	0	10	52
	301	0	03	24		1682	0	18	62
	303	0	05	67		1689	0	07	28
	297	0	03	24		1688	0	06	48
नगरां मार्गी	206	0	31	57		1691	0	04	05
	214	0	17	00		1714	0	08	09
	208	0	10	52		1713	0	03	24
	207	0	08	90		1712	0	04	86
	194	0	05	67		1711	0	11	33
	193	0	06	48		1747	0	04	05
	195	0	01	62		1817	0	06	48
	182	0	08	09		1816	0	02	43
	181	0	00	81		1847	0	04	05
	161	0	22	67		1846	0	00	81
	38	0	01	62		1848	0	04	05
	37	0	29	95		1849	0	09	71
	36	0	12	14		1850	0	05	67
	35	0	08	09		1810	0	01	62
	34	0	06	48		1809	0	05	67
	27	0	27	52		1852	0	13	76
	25	0	33	18		1807	0	00	81
						1853	0	00	81
नगरां मवाईराम	9	0	13	76		1806	0	09	71
	11	0	00	81		1914	0	34	00
	8	0	01	62		2010	0	11	33
	12	0	12	14		1913	0	05	67
	17	0	02	43		2041	0	04	05
	13	0	00	81		2042	0	12	14
	16	0	09	71		2043	0	04	05
	22	0	12	95		2037	0	07	28
	23	0	07	28		2052	0	04	05
	34	0	08	09		2053	0	10	52
	33	0	01	62		2057	0	05	67

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
झहरा (क्रमांक)	2081	0	05	67		132	0	05	67
	2080	0	09	71		126	0	09	71
	2084	0	07	28		36	0	04	05
	2085	0	00	81	नगला हरचन्द	346	0	05	67
	2079	0	00	81		345	0	10	52
	2078	0	07	28		340	0	11	14
	2077	0	10	52		339	0	09	71
	2106	0	10	52		300	0	10	09
	2109	0	02	43		301	0	02	42
	2110	0	13	76		299	0	00	81
नगला तुक्षीराम	118	0	01	62		302	0	08	90
	122	0	40	46		303	0	10	52
	87	0	38	04		259	0	00	81
	89	0	14	57		260	0	10	52
	92	0	05	67		263	0	08	90
	91	0	04	05		277	0	08	90
	93	0	21	86		279	0	01	62
	115	0	04	86		280	0	04	05
	117	0	03	24		283	0	02	43
	116	0	08	90		287	0	00	81
	119	0	04	86		284	0	04	05
	120	0	08	09		201	0	08	09
	121	0	16	19		200	0	03	24
	125	0	08	90		148	0	02	43
	228	0	52	61		151	0	04	86
चक्रधना भण्डोर	1	0	52	61		150	0	02	43
सौगर (नगला जीवना)	1531	0	00	81		152	0	04	05
	1526	0	08	90		127	0	03	24
	1527	0	01	62		126	0	06	48
	211	0	08	90		125	0	02	43
	193	0	00	81	महगांवा	124	0	03	24
	194	0	06	48		120	0	05	67
	195	0	07	28		1685	0	04	05
	197	0	08	09		1686	0	04	05
	209	0	01	62		1687	0	03	24
	198	0	01	62		1689	0	00	81
	203	0	25	90		1688	0	04	05
	202	0	02	43		1693	0	01	62
	204	0	09	71		1692	0	09	71
	1567	0	04	86		1684	0	07	28
	170	0	05	67		1701	0	05	67
	169	0	17	81		1723	0	09	71
	114	0	16	19		1722	0	00	81
	118	0	05	67		1724	0	00	81
	120	0	06	48		1725	0	05	67
	121	0	09	71		1726	0	08	90
	122	0	11	33		1727	0	00	81
	145	0	01	62		1734	0	01	62
	123	0	00	81		1732	0	02	43
	144	0	06	48		1733	0	06	48
	133	0	04	86		1744	0	03	24
						1745	0	10	52
						1746	0	02	43

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
महाराष्ट्र (क्रमण)	1747	0	06	48		239	0	05	67
	1612	0	04	05		240	0	09	71
	1611	0	09	71		232	0	01	62
	1610	0	08	09		231	0	08	09
	1773	0	08	09		211	0	00	81
	1586	0	08	09		76	0	04	86
	1793	0	08	09		77	0	01	62
	1791	0	01	62		121	0	05	67
	1801	0	04	05		120	0	05	67
	1800	0	01	05		119	0	03	24
	1803	0	13	76		124	0	08	90
						125	0	04	86
	1821	0	03	24		136	0	04	05
	1813	0	03	24		135	0	08	90
	1814	0	04	86		615	0	03	24
	1821	0	06	48		616	0	06	48
	1822	0	02	43		630	0	04	05
	1820	0	03	24		631	0	01	62
	1837	0	03	21	मौरी कला	764	0	08	09
	1838	0	11	33		774	0	00	40
	1843	0	04	05		765	0	02	43
	1841	0	00	81		771	0	02	43
	1842	0	09	71		772	0	08	09
	1854	0	00	81		773	0	05	67
	1902	0	05	67		783	0	00	81
	1901	0	05	67		784	0	06	48
	1900	0	05	67		785	0	09	71
	1910	0	00	81		791	0	03	24
	1897	0	03	24		790	0	08	09
	1913	0	09	71		793	0	00	81
	1914	0	04	05		789	0	01	62
	1915	0	00	81		794	0	12	14
	1917	0	02	43		1600	0	05	67
	1916	0	09	71		1601	0	00	40
	1919	0	01	62		1598	0	07	28
	1931	0	07	28		1584	0	03	24
	1930	0	01	62		1597	0	01	62
	1929	0	05	67		1585	0	02	43
	1928	0	04	86		1583	0	03	24
	1925	0	00	81		1586	0	04	86
	1927	0	00	81		1581	0	01	62
	1926	0	04	86		1580	0	08	90
मौरी कला	337	0	04	05		1587	0	00	81
	336	0	08	09		1573	0	10	52
	334	0	01	62		1579	0	02	43
	335	0	05	67		1574	0	02	43
	267	0	08	09		1570	0	06	48
	268	0	00	81		1569	0	06	48
	261	0	08	90		1568	0	04	86
	260	0	05	67		1534	0	05	67
	250	0	10	52		1535	0	04	05
	251	0	04	86		1536	0	01	62
	245	0	06	48		1537	0	04	86
	244	0	02	43		1544	0	04	05

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
मरीशो कना (श्रमण)	1545	0	04	86	मरीशो कना (श्रमण)	188	0	02	43
	1643	0	00	81		187	0	09	71
	1549	0	09	71		186	0	01	62
	1550	0	02	43		185	0	06	48
	1548	0	02	43		184	0	02	43
	1551	0	12	14		206	0	12	95
	1652	0	04	05		207	0	02	43
	1510	0	08	09		165	0	08	90
	1511	0	04	05		464	0	03	24
	1896	0	04	05		163	0	09	09
	1897	0	05	67		462	0	07	28
	1898	0	08	09		491	0	00	81
	1899	0	03	24		492	0	05	67
	1477	0	01	05		460	0	00	81
	1180	0	00	81		456	0	05	67
	1476	0	06	48		455	0	08	90
	1475	0	01	62		454	0	04	86
	1474	0	00	81		452	0	04	05
	1472	0	07	28		453	0	04	05
	1470	0	08	09		327	0	00	81
	1471	0	00	81		328	0	12	95
	1161	0	03	24		314	0	03	24
	1460	0	08	09		333	0	05	67
	1463	0	04	86		332	0	01	62
	1459	0	04	86		339	0	02	43
	1458	0	04	05		340	0	08	90
	1457	0	05	67		341	0	06	48
	1454	0	00	81		402	0	00	81
मरीशु	130	0	08	09		401	0	06	48
	127	0	07	28		397	0	02	43
	126	0	05	67		398	0	04	05
	125	0	00	81		395	0	06	48
	128	0	01	62		391	0	02	43
	124	0	08	09		374	0	00	81
	116	0	00	81		375	0	05	67
	123	0	02	43		376	0	00	81
	117	0	10	52		370	0	00	81
	118	0	09	81		369	0	06	48
	109	0	10	53		368	0	01	62
	108	0	01	62		378	0	03	24
	107	0	08	09		379	0	05	67
	105	0	01	62		381	0	00	81
	106	0	09	71		296	0	01	62
	93	0	02	43	मरीशु	2744	0	11	33
	157	0	03	24		2743	0	04	86
	158	0	10	52		2746	0	06	48
	159	0	02	43		2734	0	00	81
	160	0	05	67		2735	0	02	13
	164	0	00	81		504	0	08	09
	161	0	01	62		503	0	03	24
	163	0	12	14		506	0	06	48
	169	0	02	43		507	0	04	05
	167	0	08	90		508	0	03	24
	168	0	09	71		251	0	02	43

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
राह (क्षेत्र.)					राह (क्षेत्र.)	1248	0	00	81
117		0	07	28		1250	0	02	43
118		0	02	43		1252	0	04	86
116		0	01	62		1253	0	06	48
119		0	06	48		1260	0	1	62
120		0	01	86		1243	0	00	81
121		0	07	28		1254	0	08	09
122		0	02	43		1255	0	05	67
123		0	08	04		1256	0	00	81
104		0	01	62					
124		0	02	43					
103		0	11	33					
98		0	07	28					
96		0	03	21					
99		0	03	21					
97		0	01	86					
510		0	06	48					
679		0	01	62					
678		0	03	24					
677		0	09	71					
680		0	00	81					
674		0	02	43					
676		0	02	43					
675		0	04	86					
670		0	07	28					
672		0	06	48					
671		0	01	62					
718		0	04	05					
719		0	04	05					
815		0	02	43					
816		0	05	67					
817		0	07	28					
835		0	00	81					
852		0	16	19					
862		0	08	09					
861		0	02	43					
863		0	00	81					
868		0	06	48					
858		0	05	67					
899		0	08	09					
800		0	12	14					
801		0	04	05					
782		0	04	46					
783		0	08	09					
784		0	00	81					
781		0	02	43					
785		0	17	00					
786		0	00	81					
757		0	04	05					
1221		0	00	81					
1225		0	08	09					
1224		0	00	81					
1228		0	02	43					
1217		0	08	90					
1219		0	04	05					

[सं 12020/17/76-प्रांत-1]

New Delhi, the 7th January, 1977

**S.O. 382.**—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Salaya Port in Gujarat to Mathura in Uttar Pradesh Pipelines should be laid by the Indian Oil Corporation Limited.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipelines, it is necessary to acquire the Right of Use in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the Powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the Petroleum Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declare its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipelines under the land to the Competent Authority, Indian Oil Corporation Limited, Salaya-Koyal-Mathura Pipeline Project, B-18, Shiv Marg, Baripark, Jaipur-6.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

**SCHEDULE**  
**TEHSIL : BHARATPUR DISTRICT: BHARATPUR**  
**STATE: RAJASTHAN**

Village	Khasra No.	Area		
		H.	A.	Sq. M.
Paprera	413	0	1	62
	411	0	1	62
	412	0	7	28
	388	0	2	43
	1442/389	0	2	43
	383	0	18	62
	382	0	4	86
	359	0	1	62
	366	0	7	28
	367	0	5	67
	369	0	12	95
	370	0	1	62
	381	0	4	05
	380	0	6	48
	122	0	2	43
	123	0	21	05
	132	0	3	24
	124	0	3	24
	131	0	8	09
	129	0	8	09
	501	0	0	81
	502	0	8	10
	503	0	7	29
	481	0	6	48
	482	0	7	28
	447	0	12	14
	448	0	0	81

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
Paprera (contd.)	444	0	12	14	Paprera (contd.)	180	0	16	19
	443	0	8	09		179	0	0	81
	430	0	7	28		178	0	6	48
	431	0	8	09		173	0	13	76
	423	0	11	33		177	0	11	33
	422	0	1	62		182	0	8	90
	410	0	8	90		176	0	7	28
	790	0	15	38	Sihu . . .	465	0	8	09
	789	0	4	86		477	0	20	24
	791	0	12	14		478	0	16	19
	800	0	16	19		516	0	13	76
	799	0	2	43		719	0	18	62
	793	0	1	62		717	0	11	33
	794	0	13	76		715	0	22	67
	795	0	14	57		716	0	0	81
	796	0	9	71		713	0	16	19
	765	0	6	48		712	0	20	24
	764	0	4	05					
	762	0	11	33	Nagla-Ajau . . .	530	0	19	43
	761	0	11	33		529	0	9	71
	760	0	2	43		531	0	24	28
	750	0	13	76		528	0	0	81
	749	0	1	62		539	0	21	86
	748	0	1	62		540	0	17	00
	746	0	18	62					
	743	0	15	38	Ajau . . .	562	0	5	67
	740	0	19	43		558	0	38	85
	736	0	11	33		560	0	3	24
	733	0	4	86		559	0	28	33
	734	0	2	43		548	0	29	95
	732	0	10	52		545	0	32	37
	688	0	11	33		543	0	4	86
	681	0	6	48		540	0	30	76
	687	0	0	81		530	0	15	38
	686	0	1	62		527	0	2	43
	682	0	4	05		528	0	13	76
	684	0	8	09		529	0	16	19
	675	0	14	57		519	0	7	28
	650	0	7	28		516	0	5	67
	651	0	9	71		515	0	19	43
	652	0	8	09		514	0	27	52
	653	0	7	28		513	0	10	52
	657	0	7	28					
	658	0	14	57	Rundh helak	238/6	0	0	81
	626	0	2	43		238/5	0	59	08
	662	0	2	43		238/4	0	6	48
	621	0	14	57		238/1	0	52	61
	623	0	3	24		53	0	16	19
	622	0	11	33		54	0	14	57
	511	0	6	48		61	0	2	43
	512	0	2	43		60	0	5	67
	510	0	1	62		55	0	8	90
	513	0	12	95		56	0	4	86
	514	0	6	48		59	0	11	33
	137	0	2	43		58	0	15	38
	138	0	5	67		83	0	15	38
	139	0	2	43		92	0	15	38
	154	0	17	81		93	0	0	81
	155	0	2	43		93	0	15	38
	160	0	5	67		103	0	15	38
	151	0	17	00		104	0	14	57
	165	0	21	05		113	0	13	76
	170	0	5	67		114	0	14	57
	169	0	0	81		127	0	12	95

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
Rundh Helak (Contd.)	126	0	1	62	Sch (Contd.)	34	0	3	24
	125	0	8	09		35	0	4	05
	128	0	8	09		553	0	8	09
	214	0	3	24		554	0	6	48
	215	0	58	27		555	0	9	71
	1	0	17	00		567	0	01	62
Pichgai	20	0	1	62		704	0	4	05
	16	0	30	76	Chak Sch	77	0	47	75
	13	0	0	81	Borai	319	0	30	76
	92	0	2	43		317	0	3	24
	97	0	2	43		307	0	0	81
	12	0	26	71		306	0	8	09
	101	0	13	76		305	0	2	43
	102	0	2	43		301	0	3	24
	102/1	0	1	62		303	0	5	67
	9	0	41	27		297	0	3	24
	8	0	2	43	Nagla Manjhi	206	0	31	57
	7	0	25	90		214	0	17	00
	4	0	15	38		208	0	10	52
	5	0	44	51		207	0	8	90
	218	0	4	05		194	0	5	67
	219	0	19	43		193	0	6	48
Rundh Sakeetra	112	0	4	86		195	0	1	62
	109	0	14	57		182	0	8	09
	108	0	13	76		181	0	0	81
	107	0	15	38		161	0	22	67
	105	0	11	33		38	0	1	62
	104	0	14	57		37	0	29	95
	102	0	3	24		36	0	12	14
	101	0	12	14		35	0	8	09
	100	0	0	81		34	0	6	48
	98	0	14	57		27	0	27	52
	168	0	14	57		25	0	33	18
	95	0	13	76	Nagla Sawairam	9	0	13	76
	36	0	15	38		11	0	0	81
	37	0	29	95		8	0	1	62
Seh	307	0	16	19		12	0	12	14
	236	0	37	23		17	0	2	43
	235	0	35	61		13	0	0	81
	227	0	42	08		16	0	9	71
	228	0	41	27					
	139	0	4	05		22	0	12	95
	115	0	5	67		23	0	7	28
	96	0	18	62		34	0	8	09
	113	0	17	81		33	0	1	62
	102	0	8	09		31	0	5	67
	98	0	0	81		32	0	10	52
	101	0	4	86		65	0	6	48
	103	0	0	81		66	0	7	28
	104	0	4	05		67	0	2	43
	88	0	11	33		69	0	14	57
	87	0	3	24		70	0	9	71
	86	0	4	86		81	0	5	67
	68	0	4	86		78	0	28	33
	69	0	6	48		79	0	6	48
	71	0	11	33		80	0	5	67
	70	0	4	86		130	0	12	14
	49	0	11	33		129	0	0	81
	73	0	0	81		131	0	9	71
	40	0	12	14		135	0	18	62
	37	0	11	33		134	0	5	67
	36	0	8	90		133	0	0	81
	31	0	4	05		138	0	7	28

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
Dehra	1552	0	1	62	Sogar (Nagla Jeevan)	1531	0	0	81
	1553	0	9	71		1526	0	8	90
	1554	0	10	52		1527	0	1	62
	1682	0	18	62		211	0	8	90
	1689	0	7	28		193	0	0	81
	1688	0	6	48		194	0	6	48
	1691	0	4	05		195	0	7	28
	1714	0	8	09		197	0	8	09
	1713	0	3	24		209	0	1	62
	1712	0	4	86		198	0	1	62
	1711	0	11	33		203	0	25	90
	1747	0	4	05		202	0	2	43
	1817	0	6	48		204	0	9	71
	1816	0	2	43		1567	0	4	86
	1847	0	4	05		170	0	5	67
	1846	0	0	81		169	0	17	81
	1848	0	4	05		114	0	16	19
	1849	0	9	71		118	0	5	67
	1850	0	5	67		120	0	6	48
	1810	0	1	62		121	0	9	71
	1809	0	5	67		122	0	11	33
	1852	0	13	76		145	0	1	62
	1807	0	0	81		123	0	0	81
	1853	0	0	81		144	0	6	48
	1806	0	9	71		133	0	4	86
	1914	0	34	00		132	0	5	67
	2010	0	11	33		126	0	9	71
	1913	0	5	67	Nagla Harchand	346	0	05	67
	2041	0	4	05		345	0	10	52
	2042	0	12	14		340	0	12	14
	2043	0	4	05		339	0	09	71
	2037	0	7	28		300	0	10	09
	2052	0	4	05		301	0	02	43
	2053	0	10	52		299	0	00	81
	2057	0	5	67		302	0	08	90
	2081	0	5	67		303	0	10	52
	2080	0	9	71		259	0	00	81
	2084	0	7	28		260	0	10	52
	2085	0	0	81		263	0	08	90
	2079	0	0	81		277	0	08	90
	2078	0	07	28		279	0	01	62
	2077	0	10	52		280	0	04	05
	2106	0	10	52		283	0	02	43
	2109	0	02	43		287	0	00	81
	2110	0	13	76		284	0	04	05
						201	0	08	09
Nagla Tuheeram	118	0	01	62		200	0	03	24
	122	0	40	46		148	0	02	43
	87	0	38	04		151	0	04	86
	89	0	14	57		150	0	02	43
	92	0	05	67		152	0	04	05
	91	0	04	05		127	0	03	24
	93	0	21	86		126	0	06	48
	115	0	04	86		125	0	02	43
	117	0	30	24		124	0	03	24
	116	0	08	90		120	0	05	67
	119	0	04	86					
	120	0	08	09	Mahganwa	1685	0	04	05
	121	0	16	19		1686	0	04	05
	125	0	08	90		1687	0	03	24
	228	0	52	61		1689	0	00	81
						1688	0	04	05
						1693	0	01	62
Chak Ghana Bhandor	1	0	52	61		1692	0	09	71

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
Mangawa (Contd.)	1664	0	07	28	Moroli Khurd (Contd.)	251	0	4	86
	1701	0	05	67		245	0	6	48
	1723	0	09	71		244	0	2	4
	1722	0	00	81		239	0	5	67
	1724	0	00	81		240	0	9	71
	1725	0	5	67		232	0	1	62
	1726	0	08	90		231	0	8	09
	1727	0	00	81		241	0	0	81
	1734	0	01	62		76	0	4	86
	1732	0	02	43		77	0	1	62
	1733	0	06	48		121	0	5	67
	1744	0	03	24		120	0	5	67
	1745	0	10	52		119	0	3	24
	1746	0	02	43		124	0	8	90
	1747	0	06	48		125	0	4	86
	1612	0	04	05		136	0	4	05
	1611	0	03	71		135	0	8	90
	1610	0	08	09		615	0	3	24
	1773	0	08	09		616	0	6	48
	1586	0	08	09		630	0	4	05
	1793	0	08	09		631	0	1	62
	1794	0	01	62	Moroli Kalan	764	0	8	09
	1801	0	04	05		774	0	0	40
	1800	0	04	05		765	0	2	43
	1803	0	13	76		771	0	2	43
	1824	0	03	24		772	0	8	09
	1813	0	03	24		773	0	5	67
	1814	0	04	86		783	0	0	81
	1821	0	06	48		784	0	6	48
	1822	0	02	43		785	0	9	71
	1820	0	03	24		791	0	3	24
	1837	0	03	24		790	0	8	09
	1838	0	11	33		793	0	0	81
	1843	0	04	05		789	0	1	62
	1841	0	00	81		794	0	12	14
	1842	0	09	71		1600	0	5	67
	1854	0	00	81		1601	0	0	40
	1902	0	05	67		1598	0	7	28
	1901	0	05	67		1584	0	3	24
	1900	0	05	67		1597	0	1	62
	1910	0	00	81		1585	0	2	43
	1897	0	03	24		1583	0	3	24
	1913	0	09	71		1586	0	4	86
	1914	0	04	05		1581	0	1	62
	1915	0	00	81		1580	0	8	90
	1917	0	02	43		1587	0	0	81
	1916	0	09	71		1573	0	10	52
	1919	0	01	62		1579	0	2	43
	1931	0	07	28		1574	0	2	43
	1930	0	01	62		1570	0	6	48
	1929	0	05	67		1569	0	6	48
	1928	0	04	86		1568	0	4	86
	1925	0	00	81		1534	0	5	67
	1927	0	00	81		1535	0	4	05
	1926	0	04	86		1536	0	1	62
Moroli Khurd	337	0	04	05		1537	0	4	86
	336	0	08	09		1544	0	4	05
	334	0	01	62		1545	0	4	86
	335	0	05	67		1543	0	0	81
	267	0	08	09		1549	0	9	71
	268	0	00	81		1550	0	2	43
	261	0	8	90		1548	0	2	43
	260	0	5	67		1551	0	12	14
	250	0	10	52		1552	0	4	05

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
Moroli Kalan (Contd.).	1510	0	8	09	Rundh Rarah (Contd.)	452	0	4	05
	1511	0	4	05		453	0	4	05
	1896	0	4	05		327	0	0	81
	1897	0	5	67		328	0	12	95
	1898	0	8	09		334	0	3	24
	1899	0	3	24		333	0	5	67
	1477	0	4	05		332	0	1	62
	1480	0	0	81		339	0	2	43
	1476	0	6	48		340	0	8	90
	1475	0	1	62		341	0	6	48
	1474	0	0	81		402	0	0	81
	1472	0	7	28		401	0	6	48
	1470	0	8	09		397	0	2	43
	1471	0	0	81		398	0	4	05
	1461	0	3	24		395	0	6	48
	1460	0	8	09		394	0	2	43
	1463	0	4	86		374	0	0	81
	1459	0	4	86		375	0	5	67
	1458	0	4	05		376	0	0	81
	1457	0	5	67		370	0	0	81
	1454	0	0	81		369	0	6	48
Rundh Rarah	130	0	08	09		368	0	1	62
	127	0	07	28		378	0	3	24
	126	0	05	67		379	0	5	67
	125	0	00	81		381	0	0	81
	128	0	01	62		296	0	1	62
	124	0	08	09	Rarah	2744	0	11	33
	116	0	00	81		2743	0	4	86
	123	0	02	43		2746	0	6	48
	117	0	10	52		2734	0	0	81
	118	0	00	81		2735	0	2	43
	109	0	10	53		504	0	8	09
	108	0	01	62		503	0	3	24
	107	0	08	09		506	0	6	48
	105	0	01	62		507	0	4	05
	106	0	09	71		508	0	3	24
	93	0	02	43		251	0	2	43
	157	0	03	24		117	0	7	28
	158	0	10	52		118	0	2	43
	159	0	02	43		116	0	1	62
	160	0	05	67		119	0	6	48
	164	0	00	81		120	0	4	86
	161	0	01	62		121	0	7	28
	163	0	12	14		122	0	2	43
	169	0	02	43		123	0	8	09
	167	0	08	90		104	0	1	62
	168	0	09	71		124	0	2	43
	188	0	02	43		103	0	11	33
	187	0	09	71		98	0	7	28
	186	0	1	62		96	0	3	24
	185	0	6	48		99	0	3	24
	184	0	2	43		97	0	4	86
	206	0	12	95		540	0	6	48
	207	0	2	43		679	0	1	62
	465	0	8	90		678	0	3	24
	464	0	3	24		677	0	9	71
	463	0	8	09		680	0	0	81
	462	0	7	28		674	0	2	43
	491	0	0	81		676	0	2	43
	492	0	5	67		675	0	4	86
	460	0	0	81		670	0	7	28
	456	0	5	67		672	0	6	48
	455	0	8	90		671	0	1	62
	454	0	4	86		718	0	4	05

1	2	3	4	5	अनुसूची
Rarah (Contd.)	719	0	4	05	
	815	0	2	43	तहसील : रखर्दी
	816	0	5	67	जिला : भरतपुर राज्य : राजस्थान
	817	0	7	28	
	835	0	0	81	ग्राम
	852	0	16	19	ग्रामसंख्या
	862	0	8	09	क्षेत्रफल
	861	0	2	43	
	863	0	0	81	
	868	0	6	48	वडा
	858	0	5	67	
	799	0	8	09	
	800	0	12	14	
	801	0	4	05	
	782	0	4	86	
	783	0	8	09	
	784	0	0	81	
	781	0	2	43	
	785	0	17	00	
	786	0	0	81	
	757	0	4	05	
	1221	0	0	81	
	1225	0	8	09	
	1224	0	0	81	
	1228	0	2	43	
	1217	0	8	90	
	1249	0	4	05	
	1248	0	0	81	
	1250	0	2	43	
	1252	0	4	86	
	1253	0	6	48	
	1260	0	1	62	
	1243	0	0	81	
	1254	0	8	09	
	1255	0	5	67	
	1256	0	0	81	

[No. 12020/17/76—Prod.I]

कांग आ० 383.—ग्राम केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि सोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में मलाया पोर्ट से उसर प्रदेश में मधुरा तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पार्श्व लाइन इण्डियन आयल कारपोरेशन द्वारा बिलाई जानी चाहिये।

और यह: यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिलाने के प्रयोजन के लिए एतत्पाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार प्राप्ति करना आवश्यक है।

ग्राम: अब पेट्रोलियम पार्श्व लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का प्राप्ति) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार प्राप्ति करने का अपना आवश्यक एतद्वारा घोषित किया है।

बास्ते कि उक्त भूमि में हिनबदु कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पार्श्व लाइन बिलाने के लिए आक्षेप मशम प्राधिकारी, इण्डियन आयल कारपोरेशन लिमिटेड, मलाया-मधुरा पार्श्व लाइन प्रोजेक्ट, बी-18, शिव मार्ग बनी पार्क, जयपुर-6 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्ट यह भी करने करेगा कि क्या वह जाहता है कि उसकी सुमवाई व्यक्तिगत हो या किसी विधि व्यवसायी की माफत।

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
बदा (अमरा:)	306	0	01	62	न्योठा (अमरा:)	193	0	19	42
	307	0	04	86		959	0	05	67
	308	0	17	80		962	0	00	81
	309	0	02	43		961	0	08	90
	328	0	17	81		965	0	08	90
	318	0	07	28		966	0	09	71
	314	0	06	47		1033	0	12	95
	315	0	13	76		1029	0	08	09
	316	0	12	95		1028	0	25	09
नूरपुर	519	0	07	28		1070	0	00	81
	525	0	01	62		1069	0	09	71
	526	0	20	24		1067	0	01	62
	527	0	08	09		1068	0	19	42
	528	0	07	28		1085	0	01	62
	529	0	01	62		1084	0	21	85
	373	0	02	43		1090	0	03	24
	374	0	00	81		1091	0	13	76
	375	0	02	43		1101	0	03	24
	376	0	05	66		1100	0	06	48
	481	0	00	81		1099	0	06	47
	509	0	05	67		1098	0	03	24
	508	0	09	71		1104	0	04	86
	503	0	12	14		1107	0	10	52
	502	0	05	67		1108	0	15	38
	500	0	14	57	जांगरी	2791	0	05	67
	499	0	01	62		2549	0	05	67
	487	0	05	66		3550	0	00	81
	498	0	04	85		2578	0	02	43
	489	0	19	42		2577	0	04	86
	472	0	03	24		2576	0	04	05
	471	0	03	24		2575	0	08	09
	470	0	12	14		2574	0	06	47
न्योठा	402	0	05	66		2573	0	06	47
	401	0	06	47		2572	0	03	24
	384	0	00	81		2571	0	00	81
	385	0	02	43		2586	0	03	24
	385	0	29	95		2587	0	10	52
	386	0	00	81		2566	0	12	95
	377	0	12	14		2565	0	00	81
	375	0	15	38		2564	0	08	09
	374	0	03	24		2605	0	01	62
	342	0	17	81		2607	0	12	14
	345	0	06	47		2608	0	13	76
	344	0	02	43		2609	0	00	81
	346	0	12	14		2650	0	12	14
	347	0	02	43		2614	0	06	47
	349	0	09	71		2648	0	04	05
	215	0	05	67		2641	0	08	09
	213	0	03	24		2645	0	02	24
	224	0	12	95		2644	0	08	09
	196	0	25	09		2642	0	00	81
	197	0	02	43		2643	0	08	09
	194	0	10	52		2675	0	00	81

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
खांगरी (क्रमांकः)	2682	0	12	14	खांगरी (क्रमांकः)	1288	0	02	43
	2683	0	02	43		1277	0	04	05
	2686	0	10	52		1276	0	04	05
	2685	0	04	05		1273	0	02	43
	2687	0	10	52		1271	0	06	47
	2689	0	04	86		1241	0	08	09
	1776	0	04	86		1242	0	08	90
	2774	0	06	47		1243	0	11	33
	2775	0	06	47		1258	0	04	86
	2772	0	02	43		1254	0	09	71
	2776	0	02	43		1255	0	07	28
	2777	0	04	86		1132	0	07	28
	2778	0	01	62		1256	0	04	86
	2800	0	03	24		1129	0	07	28
	2799	0	07	28		1128	0	06	47
	2788	0	17	00		1127/2924	0	03	24
	2791	0	12	95	खेड़ी देवी सिंह	1000	0	00	81
	2793	0	04	86		999	0	13	76
	2815	0	06	47		1012	0	09	71
	2826	0	08	09		1013	0	03	24
	2825	0	03	24		987	0	08	09
	2827	0	03	24		986	0	11	33
	1655	0	04	86		984	0	00	81
	1599	0	06	47		985	0	08	09
	1608	0	00	81		379	0	11	33
	1607	0	07	28		382	0	01	62
	1606	0	04	05		381	0	10	52
	1612	0	11	33		390	0	08	90
	1616	0	07	28		389	0	08	90
	1615	0	04	05		388	0	08	09
	1630	0	03	24		395	0	04	05
	1631	0	05	66		394	0	21	04
	1514	0	10	52		361	0	06	47
	1512	0	09	71		359	0	02	43
	1386	0	10	52		358	0	00	81
	1385	0	04	86		360	0	06	47
	1384	0	04	05		342	0	20	23
	1383	0	04	05		340	0	00	81
	1375	0	01	62		343	0	04	05
	1380	0	11	33		264	0	05	67
	1379	0	02	43		263	0	04	05
	1338	0	12	14		267	0	14	57
	1283	0	01	62		265	0	29	14
	1284	0	04	86		269	0	00	81
	1282	0	04	05		268	0	05	67
	1281	0	02	43		153	0	13	76
	1285	0	01	62		62	0	12	95
	1280	0	00	81		61	0	08	90
	1286	0	08	09		69	0	01	62
	1287	0	00	81		60	0	09	71
	1291	0	00	81		58	0	03	24
	1289	0	05	66		57	0	10	52
	1290	0	00	81		45	0	00	81
						44	0	13	76

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
खेड़ी देवी सिंह क्रमण	47	0	01	62	बैलारा (क्रमण)	589	0	06	47
	46	0	07	28		588	0	04	05
	37	0	06	47		560	0	06	47
	36	0	07	28		561	0	08	09
	38	0	12	95		562	0	00	81
	13	0	12	14		546	0	00	81
	15	0	02	43		545	0	03	24
	14	0	17	81		543	0	04	86
						544	0	02	43
बैलारा	914	0	01	62		542	0	04	86
	915	0	07	28		548	0	00	81
	916	0	08	90		540	0	07	28
	917	0	00	81		538	0	04	05
	922	0	04	86		537	0	04	96
	923	0	00	81		536	0	09	71
	921	0	03	24	कवई	2765	0	02	43
	918	0	00	81		2762	0	14	57
	920	0	03	24		2417	0	03	24
	919	0	05	67		2418	0	11	33
	939	0	01	62		2419	0	08	09
	938	0	04	86		2421	0	09	71
	937	0	01	62		2420	0	00	81
	932	0	04	05		2422	0	04	86
	934	0	04	05		2423	0	01	05
	935	0	10	52		2425	0	11	33
	936	0	03	24		2424	0	00	81
	984	0	01	62		2426	0	07	28
	985	0	07	28		2427	0	06	47
	979	0	05	67		2411	0	01	62
	983	0	04	86		2437	0	09	71
	980	0	08	09		2438	0	01	62
	981	0	05	67		2439	0	12	14
	977	0	03	24		2436	0	01	62
	830	0	00	81		2442	0	08	90
	831	0	05	67		2443	0	10	52
	829	0	13	76		2444	0	05	67
	793	0	03	24		2454	0	06	47
	795	0	08	90		2452	0	01	62
	791	0	12	95		2451	0	20	23
	745	0	06	47		2462	0	04	86
	800	0	05	67		2463	0	02	43
	801	0	02	43		2464	0	13	76
	802	0	00	81		2468	0	09	71
	732	0	15	38		2467	0	01	62
	734	0	00	81		2466	0	10	52
	731	0	00	81		2483	0	06	47
	730	0	04	86		2484	0	04	86
	729	0	08	09		2485	0	02	43
	625	0	00	81		2486	0	03	24
	624	0	12	14		2312	0	02	43
	613	0	02	43		2309	0	04	86
	626	0	06	47		2308	0	04	86
	583	0	12	14		2305	0	05	67

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
कवर्ड (क्रमांकः)	2301	0	12	95	कवर्ड (क्रमांकः)	1363	0	10	52
	2301	0	02	43		1379	0	05	67
	2302	0	00	81		1380	0	04	05
	2301/4340	0	10	52		1371	0	16	19
	418	0	06	47		1364	0	11	33
	419	0	14	57		1372	0	04	05
	411	0	38	04		1362	0	06	47
	380	0	05	67		1361	0	12	95
	381	0	04	05		1356	0	00	81
	382	0	08	90		1360	0	11	33
	383	0	05	67		1359	0	14	57
	358	0	07	28		1341	0	15	38
	357	0	03	24		1340	0	07	28
	355	0	09	71		1339	0	00	81
	354	0	09	71		1613	0	04	86
	461	0	04	05		1614	0	09	71
	462	0	03	21		1615	0	08	90
	463	0	00	81		1645	0	00	81
	464	0	06	47		1333	0	01	62
	458	0	03	24		1332	0	17	81
	1041	0	07	28		1346	0	00	81
	1043	0	04	86		1331	0	11	33
	953	0	04	05		1330	0	18	62
	952	0	00	81		1329	0	04	05
	944	0	02	43		1328	0	08	09
	945	0	03	24					
	942	0	01	62					
	939	0	06	47					
	930	0	02	43					
	931	0	02	43					
	933	0	00	81					
	932	0	10	52					
	898	0	08	09					
	897	0	11	33					
	900	0	00	81					
	895	0	12	14					
	894	0	04	52					
	893	0	05	67					
	1076	0	10	52					
	1094	0	08	09					
	1095	0	12	14					
	1096	0	10	52					
	1098	0	09	71					
	1400	0	12	14					
	1100	0	10	52					
	1101	0	09	71					
	1109	0	03	24					
	1103	0	04	05					
	1108	0	08	90					
	1107	0	04	86					
	1106	0	04	05					
	1116	0	17	81					
	1117	0	00	81					
	1384	0	08	09					

[सं. 12020/17/76-प्रोक्षण-II]

दी० पी० मुद्रमनियम, अव० मन्त्रि०

**S.O. 383.**—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Salaya Port in Gujarat to Mathura in Uttar Pradesh Pipelines should be laid by the Indian Oil Corporation Limited.

And whereas it appears that for the Purpose of laying such pipelines, it is necessary to acquire the Right of User in the land in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the Powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the Petroleum Pipelines (Acquisition of Right of User in land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declare its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipelines under the land to the Competent Authority, Indian Oil Corporation Limited, Salaya-Koyal-Mathura Pipeline Project, B-18, Shiv Marg, Baripark, Jaipur-6.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

## SCHEDULE

Tehsil : Nadbai District : Bharatpur State : Rajasthan

Village	Khasra No.	Area		
		H.	A.	Sq. M.
1	2	3	4	5
Dadha	750	0	09	71
	751	0	06	47
	749	0	08	90
	748	0	09	71
	747	0	04	05
	757	0	13	76
	746	0	01	62
	711	0	23	47
	712	0	00	81

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5	
Badha (Contd.) . .	709	0	14	57	Noorpur (Contd.) . .	489	0	19	42	
	707	0	15	38		472	0	03	24	
	700	0	01	62		471	0	03	24	
	693	0	12	95		470	0	12	14	
	695	0	01	62	Notha . . .	402	0	05	66	
	694	0	02	43		401	0	06	47	
	696	0	10	52		384	0	00	81	
	678	0	01	62		395	0	02	43	
	677	0	10	52		385	0	29	95	
	679	0	02	43		386	0	00	81	
	561	0	04	05		377	0	12	14	
	560	0	08	90		375	0	15	38	
	558	0	02	43		374	0	03	24	
	558/912	0	14	57		342	0	17	81	
	557	0	01	62		345	0	06	47	
	215	0	22	67		344	0	02	43	
	214	0	03	24		346	0	12	14	
	208	0	01	62		347	0	02	43	
	226	0	01	62		349	0	09	71	
	227	0	10	52		215	0	05	67	
	230	0	08	09		213	0	03	24	
	232	0	01	62		224	0	12	95	
	236	0	08	90		196	0	25	09	
	229	0	01	62		197	0	02	43	
	237	0	08	09		194	0	10	52	
	238	0	07	28		193	0	19	42	
	239	0	06	47		959	0	05	67	
	246	0	04	05		962	0	00	81	
	247	0	01	62		961	0	08	90	
	245	0	14	57		965	0	08	90	
	261	0	10	52		966	0	09	71	
	262	0	15	38		1033	0	12	95	
	263	0	00	81		1029	0	08	09	
	332	0	03	24		1028	0	25	09	
	331	0	22	66		1070	0	00	81	
	241	0	01	62		1069	0	09	71	
	306	0	01	62		1067	0	01	62	
	307	0	04	86		1068	0	19	42	
	308	0	17	80		1085	0	01	62	
	309	0	02	43		1084	0	21	85	
	328	0	17	81		1090	0	03	24	
	318	0	07	28		1091	0	13	76	
	314	0	06	47		1101	0	03	24	
	315	0	13	76		1100	0	06	48	
	316	0	12	95		1099	0	06	47	
Noorpur . .	519	0	07	28		1098	0	03	24	
	525	0	01	62		1104	0	04	86	
	526	0	20	24		1107	0	10	52	
	527	0	08	09		1108	0	15	38	
	528	0	07	28		Khangri . . .	2791	0	05	67
	529	0	01	62			2549	0	05	67
	373	0	02	43			2550	0	00	81
	374	0	00	81			2578	0	02	43
	375	0	02	43			2577	0	04	86
	376	0	05	66			2576	0	04	05
	481	0	00	81			2575	0	08	09
	509	0	05	67			2574	0	06	47
	508	0	09	71			2573	0	06	47
	503	0	12	14			2572	0	03	24
	502	0	05	67			2571	0	00	81
	500	0	14	57						
	499	0	01	62						
	487	0	05	66						
	498	0	04	85						

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
Khangri (Contd.)	2586	0	03	24	Khangri (Contd.)	1285	0	01	62
	2587	0	10	52		1280	0	00	81
	2566	0	12	95		1286	0	08	09
	2565	0	00	81		1287	0	00	81
	2564	0	08	09		1291	0	00	81
	2605	0	01	62		1289	0	05	66
	2607	0	12	14		1290	0	00	81
	2608	0	13	76		1288	0	02	43
	2609	0	00	81		1277	0	04	05
	2650	0	12	14		1276	0	04	05
	2614	0	06	47		1273	0	02	43
	2648	0	04	05		1271	0	06	47
	2641	0	08	09		1241	0	08	09
	2645	0	03	24		1242	0	08	90
	2644	0	08	09		1243	0	11	33
	2642	0	00	81		1258	0	04	86
	2643	0	08	09		1254	0	09	71
	2675	0	00	81		1255	0	07	28
	2682	0	12	14		1132	0	07	28
	2683	0	02	43		1256	0	04	86
	2686	0	10	52		1129	0	07	28
	2685	0	04	05		1128	0	06	47
	2687	0	10	52		1127/2924	0	03	24
	2689	0	04	86					
	1776	0	04	86	Kheri Devisingh	1000	0	00	81
	2774	0	06	47		999	0	13	76
	2775	0	06	47		1012	0	09	71
	2772	0	02	43		1013	0	03	24
	2776	0	02	43		987	0	08	09
	2777	0	04	86		986	0	11	33
	2778	0	01	62		984	0	00	81
	2800	0	03	24		985	0	08	09
	2799	0	07	28		379	0	11	33
	2788	0	17	00		382	0	01	62
	2794	0	12	95		381	0	10	52
	2793	0	04	86		390	0	08	90
	2815	0	06	47		389	0	08	90
	2826	0	08	09		388	0	08	09
	2825	0	03	24		395	0	04	05
	2827	0	03	24		394	0	21	04
	1655	0	04	86		361	0	06	47
	1599	0	06	47		359	0	02	43
	1608	0	00	81		358	0	00	81
	1607	0	07	28		360	0	06	47
	1606	0	04	05		342	0	20	23
	1612	0	11	33		340	0	00	81
	1616	0	07	26		343	0	04	05
	1615	0	04	05		264	0	05	67
	1630	0	03	24		263	0	04	05
	1631	0	05	66		267	0	14	57
	1514	0	10	52		265	0	29	14
	1512	0	09	71		269	0	00	81
	1386	0	10	52		268	0	05	67
	1385	0	04	86		153	0	13	76
	1384	0	04	05		62	0	12	95
	1383	0	04	05		61	0	08	90
	1375	0	01	62		69	0	01	62
	1380	0	11	33		60	0	09	71
	1379	0	02	43		58	0	03	24
	1338	0	12	14		57	0	10	52
	1283	0	01	62		45	0	00	81
	1284	0	04	86		44	0	13	76
	1282	0	04	05		47	0	01	62
	1281	0	02	43		46	0	07	28

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
Kheri Devisingh (contd.)	37	0	06	47	Bailara (Contd.)	540	0	07	28
	36	0	07	28		538	0	04	05
	38	0	12	95		537	0	04	86
	13	0	12	14		536	0	09	71
	15	0	02	43	Kawai	2765	0	02	43
	14	0	17	81		2762	0	14	57
Bailara	914	0	01	62		2417	0	03	24
	915	0	07	28		2418	0	11	33
	916	0	08	90		2419	0	08	09
	917	0	00	81		2421	0	09	71
	922	0	04	86		2420	0	00	81
	923	0	00	81		2422	0	04	86
	921	0	03	24		2423	0	04	05
	918	0	00	81		2425	0	11	33
	920	0	03	24		2424	0	00	81
	919	0	05	67		2426	0	07	28
	939	0	01	62		2427	0	06	47
	938	0	04	86		2411	0	01	62
	937	0	01	62		2437	0	09	71
	932	0	04	05		2438	0	01	62
	934	0	04	05		2439	0	12	14
	935	0	10	52		2436	0	01	62
	936	0	03	24		2442	0	08	90
	984	0	01	62		2443	0	10	52
	985	0	07	28		2444	0	05	67
	979	0	05	67		2454	0	06	47
	983	0	04	86		2452	0	01	62
	980	0	08	09		2451	0	20	23
	981	0	05	67		2462	0	04	86
	977	0	03	24		2463	0	02	43
	830	0	00	81		2464	0	13	76
	831	0	05	67		2468	0	09	71
	829	0	13	76		2467	0	01	62
	793	0	03	24		2466	0	10	52
	795	0	08	90		2483	0	06	47
	794	0	12	95		2484	0	04	86
	745	0	06	47		2485	0	02	43
	800	0	05	67		2486	0	03	24
	801	0	02	43		2312	0	02	43
	802	0	00	81		2309	0	04	86
	732	0	15	38		2308	0	04	86
	734	0	00	81		2305	0	05	67
	731	0	00	81		2304	0	12	95
	730	0	04	86		2301	0	02	43
	729	0	08	09		2302	0	00	81
	625	0	00	81		2301/4340	0	10	52
	624	0	12	14		418	0	06	47
	613	0	02	43		419	0	14	57
	626	0	06	47		411	0	38	04
	583	0	12	14		380	0	05	67
	589	0	06	47		381	0	04	05
	588	0	04	05		382	0	08	90
	560	0	06	47		383	0	05	67
	561	0	08	09		358	0	07	28
	562	0	00	81		357	0	03	24
	546	0	00	81		355	0	09	71
	545	0	03	24		354	0	09	71
	543	0	04	86		461	0	04	05
	544	0	02	43		462	0	03	24
	542	0	04	86					
	548	0	00	81					

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
Kawar (Contd.)	463	0	00	81	Kawar (Contd.)	1330	0	18	62
	464	0	06	47		1329	0	04	05
	458	0	03	24		1328	0	08	09
	1041	0	07	28					
	1043	0	04	86					
	953	0	04	05					
	952	0	00	81					
	944	0	02	43					
	945	0	03	24					
	942	0	01	62					
	939	0	06	47					
	930	0	02	43					
	931	0	02	44					
	933	0	00	81					
	932	0	10	52					
	898	0	08	09					
	897	0	11	33					
	900	0	00	81					
	895	0	12	14					
	894	0	04	05					
	893	0	05	67					
	1076	0	10	52					
	1094	0	08	09					
	1095	0	12	14					
	1096	0	10	52					
	1098	0	09	71					
	1400	0	12	14					
	1100	0	10	52					
	1101	0	09	71					
	1109	0	03	24					
	1103	0	04	05					
	1108	0	08	90					
	1107	0	04	86					
	1106	0	04	05					
	1116	0	17	81					
	1117	0	00	81					
	1384	0	08	09					
	1383	0	10	52					
	1379	0	05	67					
	1380	0	04	05					
	1371	0	16	19					
	1364	0	11	33					
	1372	0	04	05					
	1362	0	06	47					
	1361	0	12	95					
	1356	0	00	81					
	1360	0	11	33					
	1359	0	14	57					
	1341	0	15	38					
	1340	0	07	28					
	1339	0	00	81					
	1613	0	04	86					
	1614	0	04	97					
	1615	0	08	90					
	1645	0	00	81					
	1333	0	01	62					
	1332	0	17	81					
	1346	0	00	81					
	1331	0	11	33					

नई शिल्पों, 22 दिसम्बर, 1976

का० जा० 384.—यह इस सम्बन्ध मनुसूची में विनिविष्ट ग्रीष्म पैदो-नियम पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकारों का अर्जन) अधिनियम, 1962 की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन प्रकाशित भारत सरकार की अधिसूचना द्वारा गुजरात राज्य के मेहमान तेल भैंसे में व्यधन लोक सं 36 से सी टी एफ से 53 तक पैदोलियम के परिवहन के लिए उस सम्बन्ध मनुसूची में विनिविष्ट भूमियों के उपयोग का अधिकार अर्जित कर लिया गया है।

श्री यह तेल और प्राकृतिक गैस आयोग ने 17-11-1975 को उक्त अधिनियम की धारा 7 की उपधारा (1) के अंडे (1) से निविष्ट प्रक्रिया का पर्यवसित कर दिया है।

अब इन पैदोलियम पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकारियों का अर्जन) नियमावली 1963 के नियम 4 के अधीन सक्षम प्राधिकारी उक्त सारीकों को ऊपर निविष्ट प्रक्रिया का पर्यवसान ये स्थान में गनद-द्वारा अधिसूचित करना है।

## मनुसूची

व्यधन क्षेत्र 36 से सी टी एफ 53 तक पाइपलाइन संक्रिया का पर्यवसान

स्थानय का नाम	गाव	सर्वेक्षण मंडली भारत के	संक्रिया 1 के
		राजपत्र के	पर्यवसान की
		प्रक्रिया की	सारीका
पैदोलियम	बालसामान	2208	12-7-1975 17-11-1975
			सिं 12016/4/76-एल एण्ड एल/प्रो-IX]

New Delhi, the 22nd December, 1976

S.O. 384.—Whereas by the notification of Government of India as shown in the schedule appended hereto and issued under sub-section (i) of section 6 of the Petroleum Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 the Right of User has been acquired in the lands specified in the schedule appended thereto for the transport of petroleum from d.s. No. 36 to CTF to 53 in Mohsana oil field in Gujarat State.

And whereas the Oil & Natural Gas Commission has terminated the operations referred to in clause (i) of sub-section (1) of section 7 of the said Act on 17-11-1975

Now, therefore, under Rule 4 of the Petroleum Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Rules, 1963, the Competent Authority hereby notifies the said date as the date of termination of operation referred to above.

## SCHEDULE

Termination of operation of pipeline from D.S. 36 to CTF to 53

Name of Ministry	Village	S.O. No	Date of publication in the Gazette of India	Date of termination of operation.
Petroleum	Balsasan	2208	12-7-75	17-11-75

[No. 12016/4/76-L&amp;L/Prod IX]

नई दिल्ली, 29 दिसम्बर, 1976

का० आ० 385.—यतः इस संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट और पैट्रोलियम पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकारों का अर्जन) अधिनियम, 1962 की धारा 6 की उपधारा (1) के प्रधीन प्रकाशित भारत सरकार की अधिसूचना द्वारा गृजनान राय के कार्डी तेल क्षेत्र में व्यवस्था क्षेत्र सं० एन के 66 से जी जी एम-कम-री टी एक कार्डी तक पैट्रोलियम के परिवहन के लिए उम संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग का अधिकार अर्जित कर दिया है।

और यतः तेल और प्राकृतिक गैस आयोग ने 18-4-1975 को उक्त अधिनियम की धारा 7 की उपधारा (1) के एण्ड (1) में निर्दिष्ट प्रक्रिया को पर्यवर्तित कर दिया है।

अब अतः पैट्रोलियम पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकारों का अर्जन) नियमावली 1963 के नियम 4 के अधीन सक्षम प्राधिकारी उक्त तारीख को ऊपर निर्दिष्ट सक्रिया के पर्यवसान के रूप में एनद्वारा अधिसूचित करता है।

## अनुसूची

व्यवस्था क्षेत्र एन के-66 से जी जी एम-कम-री टी एक कार्डी तक पाइपलाइन सक्रिया का पर्यवसान

मंत्रालय का नाम	गांव	सर्वेक्षण संख्या	भारत के राजपत्र के प्रकाशन की तारीख	सक्रिया के
पैट्रोलियम	चलासन	3046	13-9-1975	18-4-1975
	मेमदपुरा			
	बालसासन			

[सं० 12016/4/76-एन एण्ड एम/प्र०-१]

New Delhi, the 29th December, 1976

S.O. 385.—Whereas by the notification of Government of India as shown in the schedule appended hereto and issued under sub-section (i) of section 6 of the Petroleum Pipelines (Acquisition of Right of User in Land), Act, 1962 the Right of User has been acquired in the lands specified in the schedule appended thereto for the transport of petroleum from d.s. No. NK-66 to GGS cum CTF Kadi in Kadi oil field in Gujarat State.

And whereas the Oil & Natural Gas Commission has terminated the operations referred to in clause (i) of sub-section (1) of section 7 of the said Act on 18-4-1975.

Now therefore under Rule 4 of the Petroleum Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Rules, 1963, the Competent Authority hereby notifies the said date as the date of termination of operation referred to above.

## SCHEDULE

Termination of operation of pipeline from D.S. NK-66 to GCS cum CTF Kadi.

Name of Ministry	Village	S.O. No.	Date of publication in the Gazette of India	Date of termination of operation
Petroleum	Chalasan Memdpura Balsasan.	3046	13-9-75	18-4-75

[No. 12016/4/76-L&L/Prod-I]  
V. R. PARMAR, Competent Authority  
Under the Act for Gujarat.

का० आ० 386.—यतः इस संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट और पैट्रोलियम पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकारों का अर्जन) अधिनियम, 1962 की धारा 6 की उपधारा (1) के प्रधीन प्रकाशित भारत सरकार की अधिसूचना द्वारा गृजनान राय के कार्डी तेल क्षेत्र में व्यवस्था क्षेत्र सं० एन के 66 से जी जी एम-कम-री टी एक कार्डी तक पैट्रोलियम के परिवहन के लिए उम संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग का अधिकार अर्जित कर दिया है।

और यतः नेत और प्राकृतिक गैस आयोग ने 17-10-1975 को उक्त अधिनियम की धारा 7 की उपधारा (1) के एण्ड (1) में निर्दिष्ट प्रक्रिया को पर्यवर्तित कर दिया है।

अब अतः पैट्रोलियम पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकारों का अर्जन) नियमावली 1963 के नियम 4 के अधीन सक्षम प्राधिकारी उक्त तारीख को ऊपर निर्दिष्ट सक्रिया के पर्यवसान के रूप में एनद्वारा अधिसूचित करता है।

## अनुसूची

व्यवस्था क्षेत्र एन के 36 से जी जी एम कम सी टी एक तक पाइपलाइन सक्रिया का पर्यवसान

मंत्रालय का नाम	गांव	सर्वेक्षण संख्या	भारत के राजपत्र के पर्यवसान की तारीख	सक्रिया के
पैट्रोलियम	बालसासन	2206	12-7-1975	17-10-1976

[सं० 12016/4/76-एम एण्ड एम/प्र०-१]

बी० प्रा० परमार,  
गुजरात के लिए अधिनियम के अन्तर्गत सक्षम प्राधिकारी

S.O. 386.—Whereas by the notification of Government of India as shown in the schedule appended hereto and issued under sub-section (i) of section 6 of the Petroleum Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 the Right of User has been acquired in the lands specified in the schedule appended thereto for the transport of petroleum from d.s. No. NK-36 to GGS cum CTF in Kadi oil field in Gujarat State.

And whereas the Oil & Natural Gas Commission has terminated the operations referred to in clause (i) of sub-section (1) of section 7 of the said Act on 17-10-1975.

Now, therefore, under Rule 4 of the Petroleum Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Rules, 1963, the Competent Authority hereby notifies the said date as the date of termination of operation referred to above.

## SCHEDULE

Termination of operation of pipeline from D.S. NK-36 to GGS cum CTF

Name of Ministry	Village	S.O. No.	Date of publication in the Gazette of India	Date of termination of operation
Petroleum	Balsasan Chalasan.	2206	12-7-75	17-10-75

[No. 12016/4/76-L&amp;L/Prod-II]

कांग्रेस 387.—तत् इस संग्रहन अनुसूची में विनिविष्ट और पेट्रोलियम पाइपलाइन (भूमि में उपयोगों के अधिकारों का अर्जन) अधिनियम, 1962 की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन प्रकाशित भारत सरकार की अधिसूचना द्वारा गुजरात राज्य के अलंकार तेल क्षेत्र में अधिन खेत्र संख्या कोम्बा कुआं गं. 9 और 12 से कोम्बा जी एम-7 तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए उस संग्रहन अनुसूची में विनिविष्ट भूमियों के उपयोग का अधिकार प्रदान कर दिया है।

और यह: तेल और प्राकृतिक गैस आयोग ने 28-6-76 को उक्त अधिनियम की धारा 7 की उपधारा (1) के खण्ड (1) में निविष्ट प्रक्रिया को पर्यवर्तित कर दिया है।

अब यह: पेट्रोलियम पाइपलाइन (भूमि में उपयोगों के अधिकारों का अर्जन) नियमावली 1963 के नियम 1 के अधीन सकाम प्रधिकारी उक्त तारीख को ऊपर निविष्ट संक्रिया के पर्यवर्तन के रूप में एतद्वारा अधिसूचित करता है।

#### अनुसूची

अधिन खेत्र में कोम्बा कुआं सं. 9 और 12 से कोम्बा जी एम-7 तक पाइपलाइन संक्रिया का पर्यवर्तन

संकालन का नाम	गांव	सर्वेक्षण संख्या	भारत के राजपत्र के पर्यवर्तन की तारीख	संक्रिया
पेट्रोलियम	करमावी	2284	3-7-76	28-6-76

[मं. 12016/4/76-एल एण्ड एल प्रो-2]

**S.O. 387.**—Whereas by the notification of Government of India as shown in the schedule appended hereto and issued under sub-section (i) of section 6 of the petroleum pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 the Right of User has been acquired in the lands specified in the schedule appended thereto for the transport of petroleum from d.s. No. Kosamba Well No. 9 & 12 to Kosamba GGS-7, in Ankleshwar oil field in Gujarat State.

And whereas the Oil & Natural Gas Commission has terminated the operations referred to in clause (i) of sub-section (1) of section 7 of the said Act on 28.6.76

Now therefore under Rule 4 of the Petroleum Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Rules, 1963, the Competent Authority hereby notifies the said date as the date of termination of operation referred to above.

#### SCHEDULE

Termination of operation of pipeline from D.S. Kosamba Well No. 9 & 12 to Kosamba GGS-7

Name of Ministry	Village	S.O. No.	Date of publication in the Gazette of India.	Date of termination of operation
Petroleum	Tersadi	2284	3-7-76	28-6-76

[No. 12016/4/76-L&L/Prod.II]

कांग्रेस 388.—तत् इस संग्रहन अनुसूची में विनिविष्ट और पेट्रोलियम पाइपलाइन (भूमि में उपयोगों के अधिकारों का अर्जन), अधिनियम, 1962 की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन प्रकाशित भारत सरकार की अधिसूचना द्वारा गुजरात राज्य के कारी सेल खेत्र में अधिन खेत्र सं. सन्वं-10 से जी जी एम एस आई पी तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए उस संग्रहन अनुसूची में विनिविष्ट भूमियों के उपयोगों का अधिकार प्रदान कर दिया है।

और यह: तेल और प्राकृतिक गैस आयोग ने 26-12-1975 को उक्त अधिनियम की धारा 7 की उपधारा (1) के खण्ड (1) में निविष्ट प्रक्रिया को पर्यवर्तित कर दिया है।

अब यह: पेट्रोलियम पाइपलाइन (भूमि में उपयोगों के अधिकारों का अर्जन) नियमावली 1963 के नियम 1 के अधीन सकाम प्रधिकारी उक्त तारीख को ऊपर निविष्ट संक्रिया के पर्यवर्तन के रूप में एतद्वारा अधिसूचित करता है।

#### प्रत्येक संख्या

अधिन खेत्र वां ई एक्स में जी जी जैड तक पाइपलाइन संक्रिया का पर्यवर्तन

संकालन का नाम	गांव	सर्वेक्षण संख्या	भारत के राजपत्र के पर्यवर्तन के प्रकाशन की तारीख	संक्रिया के तारीख
पेट्रोलियम	गोब्लेज	1381	17-4-76	26-12-1975

[मं. 12016/4/76-एण्ड एण्ड एल प्रो-3]

**S.O. 388.**—Whereas by the notification of Government of India as shown in the schedule appended hereto and issued under sub-section (i) of section 6 of the petroleum pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 the Right of User has been acquired in the lands specified in the schedule appended thereto for the transport of petroleum from d.s. No BEX to BDZ in Nawagam oil field in Gujarat State.

And whereas the Oil & Natural Gas Commission has terminated the operations referred to in clause (i) of sub-section (1) of section 7 of the said Act on 26-12-1975.

Now therefore under Rule 4 of the petroleum pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Rules, 1963, the Competent Authority hereby notifies the said date as the date of termination of operation referred to above.

#### SCHEDULE

Termination of operation of pipeline from D.S. BEX to BDZ

Name of Ministry	Village	S.O. No.	Date of publication in the Gazette of India	Date of termination of operation
Petroleum	Goblej	1381	17-4-76	26-12-75

[No. 12016/4/76-L&L/Prod-III]

कांग्रेस 389.—यह: इस संग्रहन अनुसूची में विनिविष्ट और पेट्रोलियम पाइपलाइन (भूमि में उपयोगों के अधिकारों का अर्जन) अधिनियम, 1962 की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन प्रकाशित भारत सरकार की अधिसूचना द्वारा गुजरात राज्य के कारी सेल खेत्र में अधिन खेत्र सं. सन्वं-10 से जी जी एम एस आई पी तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए उस संग्रहन अनुसूची में विनिविष्ट भूमियों के उपयोग का अधिकार प्रदान कर दिया है।

और यह: तेल और प्राकृतिक गैस आयोग ने 6-7-75 को उक्त अधिनियम की धारा 7 की उपधारा (1) के खण्ड (1) में निविष्ट प्रक्रिया को पर्यवर्तित कर दिया है।

अब यह: पेट्रोलियम पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकारों का अर्जन) नियमावली 1963 के नियम 1 के अधीन सकाम प्रधिकारी उक्त तारीख को ऊपर निविष्ट संक्रिया के पर्यवर्तन के रूप में एतद्वारा अधिसूचित करता है।

## मनुसूची

व्यवस्थन क्षेत्र नम्बर 10-में जी जी एम एम आर्टी पी नक पाइपलाइन	मंकिया का पर्यवेक्षण			
मवालय का नाम	गाँव			
	मर्वेक्षण मध्या भारत के संक्रिया के राजपत्र के पर्यवेक्षण की प्रकाशन की तारीख			
पेट्रोलियम	ओल	2172	27-6-76	6-7-75

[मा० 12016/4/76-एस एम एस/प्रो० ५]

**S.O. 389.**—Whereas by the notification of Government of India as shown in the schedule appended hereto and issued under sub-section (i) of section 6 of the Petroleum Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 the Right of User has been acquired in the lands specified in the schedule appended thereto for the transport of petroleum from d.s. No. SANAND-10 to GGS-SIP in Kadi oil field in Gujarat State.

And whereas the Oil & Natural Gas Commission has terminated the operations referred to in clause (i) of sub-section (1) of section 7 of the said Act on 6-7-75.

Now therefore under Rule 4 of the Petroleum Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Rules, 1963, the Competent Authority hereby notifies the said date as the date of termination of operation referred to above.

## SCHEDULE

Termination of operation of pipelines from D.S. Sanand-10 to GGS-SIP

Name of Ministry	Village	S.O. No.	Date of publication in the Gazette of India	Date of termination of operation
Petroleum	Thol	2172	26-6-76	6-7-75

[No. 12016/4/76-L&amp;L/Prod-V]

**का० आ० 390.**—यह इस सम्बन्ध मनुसूची में विनिर्दिष्ट और पेट्रोलियम पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकारों का अर्जन) अधिनियम, 1962 की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन प्रकाशित भारत गवर्नर की अधिसूचना द्वारा गुजरात राज्य के कलोल तेल क्षेत्र में व्याधन क्षेत्र स० के०-167 (के० ई०-10) से के०-42 तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए उम सम्बन्ध मनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग का अधिकार अर्जित कर दिया है।

प्रीर यह तेल और प्राकृतिक गैस उपयोग न ३-९-७४ का उक्त अधिनियम की धारा 7 की उपधारा (1) के छप्प (1) म निर्दिष्ट प्रक्रिया को पर्यवेक्षित कर दिया है।

अब यह पेट्रोलियम पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकारों का अर्जन) नियमावली 1963 के नियम ५ के अधीन सक्षम प्राधिकारी उम सारीख का ऊपर निर्दिष्ट सक्रिया के पर्यवेक्षण के रूप में एतद्वारा अधिसूचित करता है।

## मनुसूची

व्यवस्थन क्षेत्र के०-167 (के० ई०-10) से के०-42 तक पाइपलाइन संक्रिया का पर्यवेक्षण

मवालय का नाम	गाँव	मर्वेक्षण मध्या भारत के राजपत्र के प्रकाशन की तारीख	संक्रिया के राजपत्र के पर्यवेक्षण की तारीख	
पेट्रोलियम	जनमायपुर	2170	26-6-76	3-8-74

[मा० 12016/4/76-एस एम एस/प्रो०-६]

**S.O.390.**—Whereas by the notification of Government of India as shown in the schedule appended hereto and issued under sub-section (i) of section 6 of the petroleum pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 the Right of User has been acquired in the lands specified in the schedule appended thereto for the transport of petroleum from d.s. No. K-167 (KDL-10) to K-42 in Kalol oil field in Gujarat State.

And whereas the Oil & Natural Gas Commission has terminated the operations referred to in clause (i) of sub-section (1) of section 7 of the said Act on 3-8-74.

Now therefore under Rule 4 of the petroleum pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Rules, 1963, the Competent Authority hereby notifies the said date as the date of termination of operation referred to above.

## SCHEDULE

Termination of operation of pipeline from D.S. K-167 (KDE-10) to K-42

Name of Ministry	Village	S.O. No.	Date of publication in the Gazette of India	Date of termination of operation
Petroleum	Jamayatpur Adalej Uvarsad	2170	26-6-76	3-8-74

[No. 12016/4/76-L&amp;L/Prod-VI]

**का०आ० 391.**—यह इस सम्बन्ध मनुसूची में विनिर्दिष्ट और पेट्रोलियम पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकारों का अर्जन) अधिनियम 1962 की धारा 6 की उपधारा (1) के ग्राने प्रकाशित भारत गवर्नर की अधिसूचना द्वारा गुजरात राज्य के कलोल तेल क्षेत्र में व्याधन क्षेत्र संख्या के०-७२ से जी जी एम-III तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए उम सम्बन्ध मनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग का अधिकार अर्जित कर दिया है।

प्रीर यह तेल और प्राकृतिक गैस उपयोग न ३०-१२-६८ का उक्त अधिनियम की धारा 7 की उपधारा (1) के छप्प (1) म निर्दिष्ट प्रक्रिया को पर्यवेक्षित कर दिया है।

अब यह पेट्रोलियम पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकारों का अर्जन) नियमावली 1963 के नियम ५ के अधीन सक्षम प्राधिकारी उक्त नारीख का ऊपर निर्दिष्ट सक्रिया के पर्यवेक्षण के रूप में एतद्वारा अधिसूचित करता है।

## मनुसूची

व्यवस्थन क्षेत्र के०-७२ से जी जी एम-III तक पाइपलाइन संक्रिया का पर्यवेक्षण

मवालय का नाम	गाँव	मर्वेक्षण मध्या भारत के राजपत्र के पर्यवेक्षण की तारीख		
पेट्रोलियम	ग्रामवापुर	1868	5-6-76	30-12-68

[मा० 12016/4/76-एस एम एस/प्रो०-७]

**S.O. 391.**—Whereas by the notification of Government of India as shown in the schedule appended hereto and issued under sub-section (i) of section 6 of the Petroleum Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 the Right of User has been acquired in the lands specified in the schedule appended thereto for the transport of petroleum from d.s. No. K-72 to CGS-III in Kalol Oil field in Gujarat State.

And whereas the Oil & Natural Gas Commission has terminated the operations referred to in clause (i) of sub-section (1) of section 7 of the said Act on 30-12-68.

Now therefore under Rule 4 of the Petroleum Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Rules, 1963, the Competent Authority hereby notifies the said date as the date of termination of operation referred to above.

## SCHEDULE

## TERMINATION OF OPERATION OF PIPELINE FROM D.S.

Name of Ministry	S.O. No.	Date of publication in the Gazette of India	Date of termination of operation
PETRO-LEUM	AMBAV- PURA	1868	5-6-76

[No. 12016/4/76-L&amp;L/Prod-VII]

का०आ० 292.—यम् इस मंलग्न अनुमती में विनियिट और पेट्रो-नियम पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकारों का अंतर्गत) अधिनियम, 1962 की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन पकाशित भारत सरकार की अधिमूलन द्वारा गुजरात राज्य के कलोल तेल क्षेत्र में अधिन अंतर्गत स० कलोल-4 से कलोल-170 तक पेट्रो-नियम के परिवहन के लिए उम संलग्न अनुमती में विनियिट भूमियों के उपयोग का अधिकार अर्जित कर दिया है।

और यह तेल और प्राकृतिक गैस आपायोग ने 24-7-75 को उक्त अधिनियम की धारा 7 की उपधारा (1) के खंड (1) में नियिट प्रक्रिया को पर्यवर्तित कर दिया है।

अब अतः पेट्रो-नियम पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकारों का अंतर्गत) नियमांशली 1963 के नियम 4 के अधीन सधार्न प्राधिकारी उक्त तारीख को ऊपर नियिट सक्रिया के पर्यवर्तन के लिए स० कलोल-170 तक पाइपलाइन सक्रिया का सूचित करता है।

## अनुमती

व्यष्टन क्षेत्र कलोल-4 से कलोल-170 तक पाइपलाइन सक्रिया का पर्यवर्तन

संक्षालय का नाम	गाव	सर्वेक्षण संघर्ष	भारत के राजपत्र के पर्यवर्तन की प्रक्राशन की तारीख	सक्रिया के
पेट्रो-नियम	शेरथा	2173	26-6-76	24-7-75

[मा० 12016/4/76-एलएण्ड एन/प्रो०-VIII]

के० वी० वेणपाटें,  
गुजरात के लिए अधिनियम के अन्तर्गत सधार्न प्राधिकारी

**S.O. 392.**—Whereas by the notification of Government of India as shown in the schedule appended hereto and issued under sub section (i) of section 6 of the Petroleum Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 the Right of User has been acquired in the lands specified in the schedule appended thereto for the transport of petroleum from d.s. No. Kalol-4 to Kalol-170 in Kalol oil field in Gujarat State.

And whereas the Oil & Natural Gas Commission has terminated the operations referred to in clause (i) of sub section (1) of section 7 of the said Act on 24-7-75.

Now therefore under Rule 4 of the petroleum pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Rules, 1963, the Competent Authority hereby notifies the said date as the date of termination of operation referred to above.

SCHEDULE  
TERMINATION OF OPERATION OF PIPELINE FROM  
D.S. KALOL-4 TO KAOL-170

Name of Ministry	village	S.O.	Date of publication in the Gazette of India	Date of termination of operation
PETRO-LEUM	Shertha	2173	26.6.76	24.7.75 [No. 12016/4/76-एलएण्ड प्रो०-VIII] K. V. DESHPONDE, Competent Authority under the Act for Gujarat.

## शिक्षा तथा समाज कल्याण संकालय

(शिक्षा विभाग)

नई दिल्ली, 13 जनवरी, 1977

का०आ० 393.—पार्वजनिक परियोग (अनधिकृत पश्चाधिकारियों के निष्काशन) अधिनियम, 1971 (1971 ना 40) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए कर्दाय सरकार निम्न सारणी के कालम (i) में उल्लिखित अधिकारी को दृष्टद्वारा नियुक्त करती है, जो उक्त अधिनियम के प्रयोगजनों में सरकार के राजपत्रित अधिकारी के पद के बगवार सम्पर्क द्वारा अधिकारी के प्रयोग करें तथा उक्त सारणी के कालम (2) में नियिट सार्वजनिक परिमरण के बारे में अपने क्षेत्राधिकार का स्थानीय सीमांशों में उक्त अधिनियम के अधीन प्रथम द्वारा सम्पदा अधिकारी की सीमें गए कार्यों को करें।

## सारणी

अधिकारी का पद नाम भेदभाविकार की स्थानीय सीमांशों और सार्वजनिक परियोगों की श्रेणियों

1	2
संस्थान इंजीनियर, भारतीय प्रोलॉगिकी संस्थान, बंबई और प्रीर्यांगिकी संस्थान बबई	भारतीय प्रोलॉगिकी संस्थान, बंबई और प्रेसकार्प्रेसिल के अधीन के भवनों प्रथम परियोग के बारे में उक्त अधिनियम के अधीन प्रथम परियोग किए गए परिमरण।

[मा० 6-48/76 टी०-6]

एस० वेदान्तम, उप शिक्षा सलाहकार (टी)

MINISTRY OF EDUCATION AND SOCIAL WELFARE  
(Dept. of Education)

New Delhi, the 13th January, 1977

**S.O. 393.**—In exercise of the powers conferred by section 3 of the public premises (Eviction of Unauthorised Occupants) Act, 1971 (40 of 1971), the Central Government hereby appoints the Officer mentioned in Column (i) of the Table below, being the Officer equivalent to the rank of a gazetted officer of Government, to be the Estate Officer for the purposes of the said Act, who shall exercise the powers conferred, and perform the duties imposed, on Estate Officer by or under the said Act, within the local limits of his jurisdiction in respect of the Public premises specified in column (2) of the said Table.

## TABLE

Designation of the officer	Categories of public premises and local limits of jurisdiction
1 Institute Engineer, Indian Institute of Technology, Bombay	2 Premises belonging to or taken on leave or requisitioned by, or on behalf of, the Indian Institute of Technology, Bombay and which are under its administrative control

[मा० ए० 6-48/76-टी०-6]  
S. VEDANTHAM, Dy. Educational Adviser (T)

## नांवहन व परिवहन सेवालय

(परिवहन पक्ष)

नई दिल्ली, 5 जनवरी, 1977

**S.O. 394.**—श्रीपवर अधिनियम 1927 (1927 का 17) की प्राप्ति 2 के अंडे (ग) के प्रत्युमण में केन्द्रीय सरकार प्रदत्ताग्र उन्नत अधिनियम के प्रयोगन के लिये निम्नलिखित श्रीपवरों का "मामान्य श्रीपवर" घोषित करती है अर्थात्—

- 1 अदरोय बेस्टर्न ईंड लाइट हाउस
- 2 पार्ट कार्नवलिस लाइट हाउस
- 3 रुटलैंड आईसन्ड लाइट हाउस
- 4 कन्नोर लाइट हाउस
- 5 ग्रोगडा लाइट हाउस
- 6 बोबी सोप लाइटिंग बेकन
- 7 कानोनी लाइट हाउस

[का० म० 33-डी (2)/76]  
गा० न० पाण्डेय, प्रवर सचिव

## MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT

(Transport Wing)

New Delhi, the 5th January, 1977

**S.O. 394.**—In pursuance of clause (c) of section 2 of the Lighthouse Act, 1927 (17 of 1927), the Central Government hereby declares the following lighthouses to be "general lighthouses" for the purposes of the said Act, namely :—

1. Androth Western End Lighthouse.
2. Port Cornwallis Lighthouse.
3. Rutland Island Lighthouse.
4. Cannanore Lighthouse.
5. Aguada Lighthouse.
6. Bobby Shoal Lighted Beacon.
7. Bobby Shoal Lighted Beacon.

[F. No. 33-D(2)/76]

R. T. PANDEY, Under Secy.

## MINISTRY OF LABOUR

New Delhi, the 7th January, 1977

**S.O. 395.**—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal Jabalpur, in the industrial dispute between the employers in relations to the management of the Bairda Mining Area Group No. 9 Tehsil Karauli of Sh. Mangilal Son of Sh. Kishore Ram of Karauli District Sawaimadhopur, and their workmen, which was received by the Central Government on the 5th January, 1977.

## CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, JABALPUR (M.P.)

Case No. CGIT/LC(R)(18)/1973

## PARTIES :

Employers in relation to the management of the Bairda Mining Area Group No. 9, Tehsil Karauli, of Shri Mangilal, Son of Shri Kishore Ram of Karauli District Sawaimadhopur (Rajasthan) and their workmen represented through the President, Pathar Khan Mazdoor Sangh, Kota (Raj.)

## APPEARANCES :

For workmen.—Shri M. P. Sharma, President

For employer.—None.

INDUSTRY : Stone Mine. DISTRICT : Sawaimadhopur (Raj.)

## AWARD

This is a reference made by the Government of India in the Ministry of Labour vide its order No. L-29011/64/74-I RIV/D. O. 3(B) dated 15-3-1975 for the adjudication of the following industrial dispute :—

"Whether the demand of the workmen employed in Bairda Mining Area Group No. 9, Tehsil Karauli of Shri Mangilal, Son of Shri Kishore Ram of Karauli, District Sawaimadhopur working in the name of the firm Messrs. Mangilal Bhagwat Prasad, Karauli, District Sawaimadhopur for payment of bonus @ 20 per cent for the accounting years 1968-69, 1969-70, 1970-71, 1971-72 and 1972-73 is justified? If not, to what quantum of bonus are the workmen entitled for each of the said accounting years?"

2. The case of the Union is that the employer had been earning huge profits but they did not pay the profit sharing bonus to the workmen inspite of demand made vide letter dated 18-4-1974. The matter was then taken up with the Assistant Labour Commissioner (Central) but there also the employer did not attend. After the failure report when this reference was received in this Tribunal several attempts were made to serve the notice upon the employer. Ultimately he had to be served by publication in the local paper. Still the employer did not file any written statement and the reference proceeded ex parte against him.

3. Shri M. P. Sharma Union leader has proved that the employers are earning profits. They have failed to produce the account books.

4. The employers should, therefore, pay bonus at the minimum rate admissible under the Payment of Bonus Act to the employees present and working for minimum number of days as per statutory requirement, on the profits actually earned by them in respective years vide their income tax returns. They should further pay Rs. 100 to the Union as costs. Reference is answered ex parte accordingly.

[No. L-29011/64-74-D-III B]

S. N. JOHRI, Presiding Officer

21-12-1976.

**S.O. 396.**—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), The Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal Jabalpur, in the industrial dispute between the employers in relations to the management of Budhpura Sand Stone Mines of Shri Gopilal Shopping Centre, Kota, Rajasthan and their workmen, which was received by the Central Government on the 5th January, 1977.

## CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, JABALPUR (M.P.)

Case No. CGIT/No. CGIT/LC(R)(39)/1975

## PARTIES :

Employers in relation to the management of Budhpura Sand Stone Mines of Shri Gopilal, Son of Shri Pahlal Rai Agarwal, Shopping Centre, Kota, Rajasthan and their workmen represented through the President, Pathar Khan Mazdoor Sangh, Kota (Rajasthan).

## APPEARANCES :

For workmen.—Shri M. P. Sharma.

For employer.—Shri Jagdish Chand Agarwal.

INDUSTRY : Sand Stone Mines.

DISTRICT : Kota (Rajasthan)

## AWARD

This is a reference made by the Government of India in the Ministry of Labour vide its order No. L-29011/50/75-D.O. 3(B) dated 18-6-1975 for the adjudication of the following industrial dispute :—

"Whether the demand of the workmen employed in Budhpura Sand Stone Mines of Shri Gopilal, son of Shri Prahlad Rai Agarwal, Shopping Centre, Kota, Rajasthan, for payment of profit sharing bonus @20 per cent of wages for the accounting year 1971-72, 1972-73 and 1973-74 is justified? If not, to what quantum of bonus are the said workmen entitled for each of these years?"

2. The case of the Union was that the employer earned regular profits during the said accounting years but paid no Profit Sharing bonus to the workmen. However, when the employer asserted that he had paid the Bonus for all these years the Union leader, Shri M. P. Sharma, was given time to examine the account books of the employer and satisfy himself about such payments. After such examination and other enquiry Shri Sharma has reported that he is satisfied that Profit Sharing Bonus had been paid by the employer to all deserving employees.

3. Thus the demand of the Union made even after such payment cannot but be held to be unjustified. Reference is answered accordingly.

[No. L-29011/50/75-D III B]  
S. N. JOHRI, Presiding Officer

21-12-1976

**S.O. 397.**—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal Jabalpur, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Silica Sand Stone Mines of Messrs Bansal Brothers, Mine Owner, Alanpur Sawaimadhopur and their workmen, which was received by the Central Government on the 5th January, 1977.

**CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT JABALPUR (M.P.)**

**Case No. CGIT/LC(R)(61)/1975**

**PARTIES :**

Employers in relation to the management of Silica Sand Stone Mines of Messrs Bansal Brothers, Mine Owner, Alanpur, Sawaimadhopur and their workmen represented through the Pather Khan Mazdoor Sangh, Kota (Rajasthan).

**APPEARANCES :**

For workmen.—Shri M. P. Sharma, President.

For employers.—Shri S. M. Bansal.

**INDUSTRY :** Sand Stone Mine. **DISTRICT :** Sawaimadhopur (Rajasthan)

Dated : December 21, 1976

## AWARD

This is a reference made by the Govt. of India in the Ministry of Labour vide its Order No. L-29011/117/75/DIII B dated 21-11-1975, for the adjudication of the following industrial dispute :—

"Whether the workmen employed in Alanpur Silica Sand Mines in the district of Swamimadhopur (Rajasthan) of M/s. Bansal Brothers Mine Owners, Johari Bazar,

Jaipur are entitled for grant of any paid festival and national holidays? If so, on what holidays and from which year?"

2. The parties entered into a settlement. The reference is answered in terms of the settlement which shall form part of this award.

सेन्ट्रल गवर्नर्सेन्ट इंडियल ट्रिब्यूनल कम नेवर कोर्ट

जबलपुर केस्प ग्रान्यर (म० प्र०)

केस नं० भी० जी० आई० टी०/एल० भी० (आर) 61/75

ममानीका का प्राप्त

नियोजक

श्री भौ० मल जी ग्रान्याल माइन औनर  
मैमसं बैंसल अवर्स, जयपुर (राजस्थान)

श्रमिक प्रतिनिधि

श्री महावीर प्रसाद रामी, अध्यक्ष पत्थरद्वान  
मजदूर संघ कोटा (राजस्थान)।

**विवाद का भूमिका विवरण**

पत्थरद्वान मजदूर संघ कोटा ने राष्ट्रीय एवं धार्मिक पर्वों के मैत्रेन अवकाश का एक विवाद पत्र संख्या 111/75 विवाक 14-6-75 से महायक श्रम ग्रान्यूक्त (केन्द्रीय) कोटा के समक्ष प्रस्तुत किया था। समझौता बार्ता अमरकम्प होने पर यह विवाद भारत सरकार के श्रम मन्त्रालय ने सेन्ट्रल गवर्नर्सेन्ट इंडियल ट्रिब्यूनल कम नेवर कोर्ट जबलपुर को निर्णय हेतु भेजा। नियोजक ने पून मंथ के मात्र हस विवाद को आपसी विवार-विनियम से नियोजन का प्रमाण रखा तथा यह भी बताया कि नियोजक समस्त श्रमिकों को 15 अगस्त (स्वाधीनता विवाद) 26 जनवरी गणतंत्र दिवस, 2 अक्टूबर गांधी जयन्ती तथा एक मई दिवस के मैत्रेन अवकाश देने चले थे रहे हैं। प्रोर अधिक प्रवकाश दिया जाना संभव नहीं है। मंथ के प्रतिनिधि ने भी आको 6 अवकाश में से 3 अवकाश विविध लेकर नियन्त्रित शर्तों पर समझौता सम्पादित किया गया।

**समझौते की शर्त**

(1) यह है कि नियोजक तीन पर्व (1) श्रीपालनी, 1 दिन (2) गोवर्धन पूजा 1 दिन, (3) श्रोलिका वहन (धूनेची) 1 दिन वर्ष में बार पुर से पर्वों के मात्र वर्ष 76 में देना स्थीकार करने हैं।

(2) यह है कि गोवर्धन का भुगतान समस्त भुगतान 1 माह की प्रवधि में यानी 20 फ़िसद्दर 76 तक कर दिया जावेगा।

(3) यह है कि इस समझौते के आधार पर दोनों पक्षकार मानवीय न्यायालय से इस विवाद को समझौता के अनुरूप निर्णय किए जाने का निषेद्ध करने हैं।

मोर्खगामण ग्रान्याल

हस्तांत्र नियोजक

व्यवनियंत्र

महावीर प्रसाद रामी

हस्तांत्र श्रमिक प्रतिनिधि

21-12-1976

S. N. JOHRI, Presiding Officer

[No. L-29011/117/75-DIII B]  
V. VFLAYUDHAN, Under Secy.

New Delhi, the 11th January, 1977

**S.O. 398.**—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, Hyderabad in the industrial dispute

between the employers in relation to the management of Messrs Continental Construction (Private) Limited, Visakhapatnam and their workman, which was received by the Central Government on the 10th January, 1977

BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL (CENTRAL) AT HYDERABAD

**Industrial Dispute No. 2 of 1976**

BETWEEN

Workman of Messrs Continental Construction (Private) Limited, Visakhapatnam.

AND

The Management of Continental Construction (Private) Limited, Visakhapatnam.

APPEARANCES :

Sri M. Venkateshwaran Rao, Advocate—for Workman.

Sri K. Parasurama Patrudu, Advocate—for Management.

AWARD

The Government of India, Ministry of Labour through its Order No. L-34012/5/75-D. IV(A) dated the 27-1-1976 referred the following dispute existing between the Management of Messrs Continental Construction (Private) Limited, Visakhapatnam and their workman to this Tribunal under Sections 7A and 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947, for adjudication :

"Whether the action of the Management of Messrs. Continental Construction (Private) Limited, Contractors, Visakhapatnam Port Trust, Visakhapatnam in dismissing Shri Mohd. Faruq Dumper Operator, with effect from the 6th December, 1974 is justified? If not, to what relief is the workman concerned entitled?

2. The reference was registered as Industrial Dispute No. 2 of 1976 and notices were ordered to be issued to both the parties.

3. The workman concerned filed a claims statement contending as follows.—The workman was employed as a Dumper Operator under the Company in the year 1971 and subsequently as Dumper Driver on a monthly salary of Rs. 365.00. On a false charge of theft of some bags of cement from the ore berth godown on 6-12-1974 the workman was dismissed with effect from the same day. The workman was in continuous service as contemplated under Section 25-B. The order dated 6-12-1974 dismissing him from service is improper and illegal in view of the fact that the workman was acquitted on 18-9-1976 in C.C. No. 624 of 1974 on the file of the Third Additional Judicial First Class Magistrate's Court, Visakhapatnam. The workman is therefore entitled to wages along with D.A. from 6-12-1974 onwards and he requests that an award might be passed accordingly.

4. On behalf of the Management a counter statement was filed contending as follows.—The workman was chargesheeted on 13-2-1974 for having committed theft of 22 bags of cement belonging to the Management along with two other workmen. He also made a statement that the cement was taken from the Ore Berth Stores in the Company's truck and sold to Jaffaree Stores in I Town area. A domestic enquiry was conducted and a report was submitted by the Enquiry Officer finding the workman guilty of the charges levelled against him. The Management accepted the report and dismissed the workman from service with effect from 6-12-1974. The workman is therefore not entitled to any relief.

5. This day a Memo in M.P. No. 68 of 1976 was filed by the Management and the Workman jointly along with a compromise memo requesting that the compromise might be recorded and that an award might be passed in terms thereof. Since both the parties admitted the compromise it was recorded.

6. According to the terms of the compromise the workman concerned should be paid retrenchment compensation amounting to one and half month's wages at the rate of Rs. 365.00 per month and also one month's wages extra, treating the workman as having been retrenched from service on 6-12-1974. The Management also undertakes to issue a Service Certificate to the workman to the effect that he had been in service from 23-9-1971 to 6-12-1974. Both parties are agreeable to these terms.

7. I am of the view that the terms of compromise are fair, reasonable, just and equitable in the circumstances and that the compromise was voluntarily entered into and is not the result of fraud or coercion. I am, therefore of the view that this compromise which has been recorded as per Orders M.P. No. 68 of 1976 may be made the basis of an award.

8. An award is hereby passed in terms of the joint compromise memo dated 17-12-1976. A copy of the compromise Memo is annexed hereto.

Dictated to the Stenographer, transcribed by him and corrected by me and given under my hand and the seal of this Tribunal, this the 17th day of December, 1976.

[No. L-34012(5)/75-D. IV(A)]

K. P. NARAYANA RAO,  
Industrial Tribunal.

BEFORE THE HONOURABLE INDUSTRIAL TRIBUNAL  
HYDERABAD

**Industrial Dispute No. 2 of 1976**

BETWEEN

Md. Farooq.

.... PETITIONER

AND

M/s. Continental Construction

(P) Limited, Visakhapatnam. .... RESPONDENT  
Compromise Memo filed by both the Parties.

It is agreed by both the parties that the Respondent shall pay retrenchment compensation amounting to one and half months wages at the rate of Rs. 365 per month and also one month wage extra. The Petitioner will be treated as if he was retrenched from service as on 6-12-1974, and he will be given a Service Certificate by the Respondent to the effect that he had worked from 23-9-1971 to 6-12-1974. The Petitioner will seek other remedies for the claims of Provident Fund and Bonus, if he is advised to do so before the other appropriate authorities provided he is entitled for the same. The Tribunal may therefore pass the award in terms of the above Compromise.

(MOHD. FAROOK)  
Ex-Dumper Operator.

(C. S. VERMA)

Assistant Administrative Officer,  
Continental Construction (P) Limited,  
Visakhapatnam.

[No. L-34012(5)/75-D-IV(A)]

NAND LAL, Desk Officer

New Delhi, the 14th January, 1977

**S.O. 399.**—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal No. 1, Dhanbad, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Amlabad Colliery of Messrs. Bharat Coking Coal Limited Post Office Bhowra, Dist. Dhanbad and their workmen, which was received by the Central Government on the 11th January, 1977.

## BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL, NO. 1 AT DHANBAD

In the matter of a reference under section 10(1)(d) of the  
Industrial Disputes Act, 1947  
Reference No. 22 of 1975  
(Ministry's Order No. I-20012/127/74/LRII/D. IIIA, dated,  
31-3-1975)

## PARTIES :

Employers in relation to the management of Amlabad Colliery of Messrs. Bharat Coking Coal Limited. Post Office Bhowra, Distt. Dhanbad.

AND

Their Workmen.

## APPEARANCES :

For the Employers—Shri T. P. Choudhury, Advocate.

For the Workmen—Shri J. D. Lal, Advocate.

STATE : Bihar.

INDUSTRY : Coal.

Dhanbad, dated, the 5th January, 1977.

## AWARD

Dalbir Singh was a Bank-man and Dharam Deo Singh, a Tyndal in the Amlabad Colliery of Messrs. Bharat Coking Coal Ltd. It is said that at about 3.45 p.m. on January 30, 1974, they, and some other workmen, 8-10 in number, obstructed J. K. Parikh, Agent of the mine, from going underground in the company of some scientists of the Central Mining Research Station; and near the Workshop of the mine, they, and the other workmen, prevented him from proceeding any further and also pushed him against the wall of the Workshop and attempted to assault him. It is further said that they instigated others to do the same.

2. Chargesheets Exts. M-1 and M-2 were accordingly served on them on February 1, 1974 requiring them to show cause why disciplinary action should not be taken against them.

3. In reply to the aforesaid charge-sheets the two workmen submitted their replies Exts. M-3 and M-4 on February 11, 1974. A gist of their reply was that several industrial disputes were pending between the workmen and the management; that on January 23, 1974 the workmen wanted to discuss these outstanding disputes with J. K. Parikh but he avoided a discussion and instead gave an assurance that he will give a written order about the disputes on January 30, 1974; that accordingly the workmen waited near his office for a written order on January 30, 1974 but J. K. Parikh did not give any written order and also refused to meet them in the office; that thereafter they waited outside the office to meet him; that it was not correct that they either obstructed him from going down into the mine or pushed him against the wall of the Workshop or attempted to assault him or instigated others to do the same; and that they were not on duty on 30-1-1974 which was their rest day, and, therefore, the charge should be dropped.

4. The enquiry was held by Satyabrata Mitra, Senior Personnel Officer. The management was represented by J. K. Parikh himself and the workmen were presented throughout the enquiry in person. J. K. Parikh examined himself as MW-1, Halim Mian as MW-2, P. K. Roy as MW-3 and Jhino Upadhyay as MW-4. Their statements are Exts M-6/1, M-6/2, M-6/3 and M-6/4. Dalbir Singh and Dharam Deo Singh examined themselves in defence and their statements are Exts M-6/5 and M-6/6 respectively. They also examined Kumares Ray and Jagdish Rajwar and their statements are Exts. M-6/7 and M-6/8. The enquiry officer submitted his report Ext. M-9 on March 22, 1974 holding that the two workmen were guilty of the charge levelled against them. The two workmen were dismissed as a result of this enquiry with effect from April 3, 1974.

5. An industrial dispute was thereafter raised and the Central Government has made the present reference as to whether their dismissals are justified; and if not, to what relief are they entitled?

6. Usual notices were issued to both parties and they have filed their written statements. The management of the colliery has narrated the alleged incidents which took place on January 30, 1974 and has pleaded that the domestic enquiry was held in a proper manner; there was no violation of the principles of natural justice; there was no victimisation or unfair labour practice; the charges were fully established; and the acts committed by the two workmen amounted to serious misconduct and, therefore, their dismissal was eminently justified. The workmen, in their written statement, pleaded that the evidence produced by the management during the course of the domestic enquiry was contradictory and un-reliable and did not support the charge against them; that they were active members of the United Coal Workers Union and Dalbir Singh was the Asstt. Secretary of the Local Branch of the union and their dismissal was due to victimisation on account of their trade union activities; that principles of natural justice were violated because the charge-sheet was issued by J. K. Parikh who was, therefore, not entitled to consider their reply to the charge-sheet with a view to find out whether it was satisfactory or not; that the principles of natural justice were again violated because J. K. Parikh was the complainant, the representative of the management and the main witness in the domestic enquiry and had influenced the findings of the enquiry officer; that there was victimisation and unfair labour practice because the management picked up these two workmen only for disciplinary action and left aside others; that they had an unblemished record of service and that was not taken into consideration in awarding the punishment which was very harsh and unwarranted; that the order of dismissal was violative of the Standing Orders and was not passed by the authority competent to pass it; and, therefore, the order of dismissal be set aside, and they be reinstated with full back wages and continuity of service.

7. The learned counsel for the Bharat Coking Coal Limited urged that it be first decided whether the domestic enquiry was fair and proper or not and at the same time he received his right to adduce fresh evidence if it was found that the domestic enquiry was not fair and proper. Both parties were heard in respect of this preliminary point and it was decided on September 21, 1976 that the alleged mis-conduct was not proved in the domestic enquiry.

8. After the said decision, the management examined J. K. Parikh and B. D. Banerjee MWs-2 and 3 in support of the charge, while the workmen examined Dalbir Singh and H. M. Landey WW-1 and WW-2 to prove that the charge was not established.

9. Their Lordships of the Supreme Court have held in Workmen of Firestone Tyre and Rubber Co. vs. Management, 10 S.C.L.J. 159 that the expression "materials on record" occurring in the proviso to section 11A cannot be confined only to the materials which were available at the domestic enquiry. On the other hand, the "materials on record" in the proviso must be held to refer to materials on record before the Tribunal. They take in—(i) the evidence taken by the management at the enquiry and the proceedings of the enquiry, or (ii) the above evidence and in addition any further evidence led before the Tribunal, or (iii) evidence before the Tribunal for the first time in support of the action taken by an employer as well as the evidence adduced by the workmen. The above items by and large should be considered to be the "materials on records" as specified in the proviso.

10. That being so, it is on the basis of these materials that I proceed to record my findings.

11. It is alleged that the incident or series of incidents took place at about 3.45 p.m. on January 30, 1974. The Agent, J. K. Parikh, made a F.I.R. about it at the Police Station, Chandankiari next day, that is to say, on January 31, 1974. That F.I.R. Ext. T-1 mentions that on the said date and about the said time, H. M. Landey WW-2, a trade union leader, came to J. K. Parikh's office with a group of persons and abused him and threatened to assault him for reasons "best known to him." It further alleges that the group of persons who pushed and gheraoed him included Ram Chela, who was armed with a lathi, and the two workmen Dalbir Singh and Dharam Deo Singh. If one places reliance upon the F.I.R. itself, then it would become apparent that

the entire incident took place at the office of J. K. Parikh. There is no mention of any incident near the Workshop or near any Godown. There is no mention in it that he was pushed and pinned against the wall of the Workshop, and no specific part has been assigned to either of the two workmen except indicating that they were physically present in the crowd which jostled and pushed and gheraoed him. In the charge-sheet, there is no mention of a visit to the office. What is mentioned is that J. K. Parikh was obstructed while he was in the process of going below ground into the mine; and that when he had reached near the Workshop, he was prevented from going any further and was pushed against the wall of the Workshop and an attempt was made to assault him and there was an instigation to the crowd to come forward in support of these activities. It appears to me that even though the F.I.R. was made after an interval of atleast 12 hours, the full facts, as enumerated in the chargesheet, were not disclosed. The chargesheet came two days after the incident and by then there was time enough for embellishment. Indeed, J. K. Parikh MW-2 has admitted that the charge-sheet was prepared in consultation with the Personnel Department. I have a feeling that the charge-sheet is an improvement upon the F.I.R.

12. Having discussed the infirmity in the two earliest documents, I now propose to discuss the oral evidence.

13. Before the domestic enquiry, J. K. Parikh deposed that he was present with some scientists in the Colliery Guest House and he and they left it at about 3-30 p.m. in order to go to his office. While he was on his way to the office, he saw a crowd collected in front of it. He met the crowd outside the office itself. He exchanged greetings with H. M. Landey and the latter questioned him as to what decisions had been taken about the demands of the workmen. J. K. Parikh told him that he had had a talk about the demands with the Sub-Area Manager and he would be in a position to give a written reply to the demands by Saturday next. This did not satisfy H. M. Landey who asked him to sit with him in the office and discuss the matters. It did not suit Parikh's convenience and, therefore, he told H. M. Landey that he had to go with the scientists into the mine and H. M. Landey should wait for 30 to 45 minutes for his return from the mine and then he would be able to talk to him. H. M. Landey retorted that he was not Parikh's bonded slave and the talk must take place then and there. Having said this, H. M. Landey asked the crowd, which included the two workmen involved in this reference, to stop Parikh from going towards the mine. Upon this exhortation, the crowd, including these two workmen, pushed Parikh and pinned him against the wall of the Workshop and prevented him from proceeding further towards the mine. J. K. Parikh could not succeed in proceeding any further. Ram Chela and these two workmen then said "Sale Ko Maro". H. M. Landey said "Ham Tumhara Khopri Tor De Ga". Ram Chela and the two workmen said "Thik Hai Eksa Khopri Torna Hoga". H. M. Landey said that whatever he decides to do, he implements and effectuates also. Upon this, Ram Chela and these two workmen again pushed J. K. Parikh and said "Sale Ko Maro". H. M. Landey then pacified the crowd and said that Parikh should be allowed to go and they would think about a strategem for revenge subsequently. It is then that J. K. Parikh was also to go to the mine. It was suggested to him in cross-examination that his evidence was untrue but he denied and stated that both these workmen had pushed him near the office and had prevented him from proceeding any further near the Workshop and had not allowed him to go to the mine. In the Tribunal, however, he made a slightly different statement as MW-2. He deposed that he and some scientists were sitting inside his office room. H. M. Landey came inside, while 10-12 persons remained outside the office. H. M. Landey asked him to discuss the charter of demands but he told him that he had no power to take a decision in respect of them and a reply will be supplied by the Sub-Area Manager. H. M. Landey said that he will have to discuss the charter then and there and he will have to take a decision also. The witness told him that scientists had come from outside and he had to take them into the mine and if he wanted a discussion that day, he will have to wait till his return from the mine. H. M. Landey did not agree and since the witness had to take the scientists, he left the office room and came outside with them. H. M. Landey then asked the 10-12 others standing outside the office to stop him from going into the mine. One or two of the workmen had lathis and dandas. The two workmen were

amongst these 10 or 12. When the witness started going towards the mine, these 10 or 12 pushed him this side and that (Dhakka-Dhukki Kya). The two workmen showered abuses upon him and also threatened to beat him. The Workshop was 60-70 feet from there. The witness was able to reach the Workshop, while Dhakka-Dhukki and abuses were continuing. The 10-12 workmen then pinned him against the wall of the Workshop. At that stage, H. M. Landey said "Main Tumhara Mattha Phorunga". The 10-12 others said "Sale Ko Maro". The witness asked P. K. Roy to call the security guard. He then addressed H. M. Landey and said that he was standing there and it was open to him to do his worst. H. M. Landey, then said that he (witness) should consider over the matter because he (H. M. Landey) does, what he says. The witness told him that he was not afraid of his threats and he may do whatever he liked. H. M. Landey paused for some time and then asked his companions to disperse and let go the witness, and said that he will think about a suitable plan later on. The two workmen also said that they will also see to the witness later on. Thereafter they dispersed and the witness and the scientists went into the mine. It would be apparent that in the domestic enquiry he had placed the entire incident either outside the office or near the Workshop but now he modified the stand and stated that part of the incident took place inside the office also. Halim Mian was examined as MW-2 in the domestic enquiry. He is a Fitter in the Workshop. He stated that he saw Parikh coming from the side of the office towards the Workshop. H. M. Landey and the two workmen, including Ram Chela, Dalbir Singh and Dharam Deo Singh, followed him and the scientists. Ram Chela ran ahead of them all and stopped Parikh from proceeding any further by show of his lathi. Parikh brushed aside Ram Chela and proceeded on his way. Ram Chela again went ahead of him and obstructed but he was again brushed aside and Parikh proceeded further. This took place 3-4 times and by then Parikh was able to reach the Workshop. The crowd followed closely behind. At this stage, Halim Mian went inside the Workshop and came out a little later and again saw that the crowd had surrounded Parikh again near the Godown gate; but due to the rattle and din produced by the working machines, he could not hear about any abuses. Halim Mian thus demolished the statement of Parikh that he was pushed by the two delinquent workmen. According to him, they were only present in the crowd but did not participate in abuses, or in any attempted assault or in Dhakka-Dhukki with Parikh. He does not even say that Parikh was pinned against the wall of the Workshop. He does not implicate the two delinquents in any manner except with regard to their presence. His cross-examination shows that grappling and pushing took place only between Parikh and Ram Chela. P. K. Roy was examined as MW-3 in the domestic enquiry. He is an Engineer-Assistant. His deposition is that he came to know about the collection of a crowd and went outside and stood in front of the Workshop gate. He saw Parikh and the scientists coming from the side of the Bungalow and going towards the office. The crowd, including H. M. Landey and Ram Chela, Dalbir Singh and Dharam Deo Singh, was present outside the office. He also saw Ram Chela and the two delinquents engaged in Dhakka-Dhukki with Parikh. He also saw them stopping him from going further. Parikh, however, managed to reach the Workshop. H. M. Landey came running and asked Parikh to return to the office or else he will break his skull. He further told Parikh that he should know that what he says, he also does. Then H. M. Landey and Ram Chela, Dharam Deo Singh and Dalbir Singh said "Sale Ka Sir Phor Do". Thereafter, Ram Chela, Dalbir Singh and Dharam Deo Singh gave Dhakka-Dhukki to Parikh near the Godown and stopped him from going any further. The also surrounded Parikh and at that stage the witnesses went away to inform the security staff. He stated in cross-examination that Ram Chela engaged in Dhakka-Dhukki from front and the two delinquents from either side of Parikh. The godown incident is neither mentioned in the F.I.R. nor in the charge-sheet. Even Parikh does not speak about it. Only Halim Mian and P. K. Roy have deposed concerning it, and even here while Halim Mian said that Parikh was only surrounded there, P. K. Roy said Dhakka-Dhukki also took place there. The fourth witness examined in the domestic enquiry was MW-4 Jhino Upadhyaya who is a Tyndal. His duty was underground upto 4 p.m. but he had got drenched and came out to the surface to warm himself in the sun. He saw Parikh coming out from his office room and asked Parikh to

stop to have a discussion with him regarding the demands. Parikh said he was going urgently to the mine and he will talk to him later on return. Parikh then proceeded forward. H. M. Landey said "Ruk Jao Sale Nahi To Kapar Phor Dunga." Parikh said that he will not stop. H. M. Landey said "Gherlo, Pakalo Sale Ko". Then Dalbir Singh went in front of Parikh and strated Dhakka-Dhukki with him. Dharam Deo Singh said "Mar Kay Sale Ko Nadi Mc Phek Do". The matter was then pacified that Parikh went down into the mine. Jhino Upadhyaya does not speak of Ram Chela at all. Dalbir Singh and Dharam Deo Singh examined themselves in the domestic enquiry as WW-1 and WW-2 and denied that there was any incident. They examined Kumaresh Ray WW-3. He admitted the presence of Dalbir Singh and Dharam Deo Singh and said that heated talk took place between H. M. Landey and Parikh and H. M. Landey and casual labourers told Parikh that they will not let him go to the mine without a discussion about the demand. Parikh said that he will not wait for discussion and went near the Workshop and it is there that Ram Chela stopped him from going forward. The next witness examined in the domestic enquiry was Jagdish Rajwar WW-4. He speaks of a heated talk between H. M. Landey and Parikh. He also deposed that H. M. Landey asked the crowd not to let Parikh go and then the crowd surrounded him. He does not assign any specific part to either of the delinquent workmen.

13. In the Tribunal, the management has examined WW-3 B. D. Banerjee, one of the scientists. He has deposed that he and two other scientists were sitting in Parikh's office at about 3 or 3-30 p.m. when one man (whose name he does not know but who is H. M. Landey undoubtedly) came inside the office and asked Parikh to talk to him. Parikh told him that since he was in the midst of a discussion with the scientists and was to go with them into the mine, it would not be possible for him to talk to him then and there. Upon this, that man told Parikh that he must talk first and go to the mine later. Thereafter, an unpleasant talk ensued between that man and Parikh. This went on for about 15 minutes and then all of them came out 8-10 persons were standing outside the office. That man and those 8-10 followed them. He and the scientists were going ahead, and Parikh and they were coming behind, talking between themselves. He could see that the crowd had surrounded Parikh between the two buildings near the Workshop. He did not see anyone carrying any lathi or danda. He did not hear any abuses. He did not see Parikh being pushed against the wall. What he saw was that he was stopped by the crowd which was saying that he must decide their matter before he went into the mine. He also heard Parikh saying that he will go to the mine and decide the matter later on. He did not hear anyone shout that Parikh should be beaten or killed and thrown into the river.

14. In the Tribunal, the workmen examined Dalbir Singh as WW-1 and H. M. Landey as WW-2. Their evidence is to the effect that Parikh had fixed 3-30 p.m. on January 30, 1974 for a discussion on the charter of demands. H. M. Landey went inside the office, while the others remained outside under a 'Pipal tree'. H. M. Landey's deposition is that he asked Parikh to discuss the demands but Parikh said that he had no time that day and will discuss the matter some other day. After this, Parikh went out of the office along with the scientists. He also came out and walked with Parikh for 15-20 feet. According to him, none of the workmen went with them and they continued to remain under the 'Pipal tree'. He has denied that anyone gave any abuses or indulged in any Dhakka-Dhukki or pinned Parikh against the wall. He has denied that Parikh said that he had to take the scientists into the mine and he will discuss later. Likewise, he denied that he insisted that he must discuss and he will not be allowed to go. Dalbir Singh has spoken about what happened outside the office. He has deposed that he and the other workmen remained under the 'Pipal tree' and took no part in the incident.

15. I have considered the entire material on the record and I am of the view that both sides are hiding some facts. I have no doubt in my mind that three scientists of the Central Mining Research Station were present inside the office of J. K. Parikh, the Agent of the Mine, at about

3-30 p.m. on January 30, 1974. I have again no doubt that at that time H. M. Landey came and went into the office. He had earlier submitted a charter of demands and he wanted to discuss the charter of demands with Parikh. These facts are not disputed; and indeed, are admitted on both sides. Parikh has denied that he had given that date for discussion. Dalbir and H. M. Landey have deposed that the discussion was fixed for that date. I am inclined to believe these two because without the fixation of a date, the union leader and a band of workmen would not have gone to the office. Parikh was in an embarrassing position because he had given time for discussion and also invited the scientists. The two programmes clashed with each other, and one had to yield to the other. Parikh deposed in the domestic enquiry that no talk took place inside the office but now he admits that a talk did take place there. H. M. Landey has deposed that it took hardly two minutes or so inside the office and the atmosphere was cordial. B. D. Banerjee, the scientist, is an independent witness and even Dalbir Singh has admitted that fact. He has deposed that the talk lasted for about 15 minutes and the atmosphere was surcharged with unpleasantness. He seems to be telling the truth. There is no reason why if the talk was cordial, anything should have happened outside the office. It is a pointer to the fact that instead of exchanging pleasantries, there was heated talk between Parikh and H. M. Landey. One was demanding a discussion then and there and the other was insisting that he will not discuss and that he would prefer to take the scientists with him. The pride of the union leader was piqued and Parikh also lost the grace of tact. Both infuriated each other and it is in that mood of defiance and false prestige that they came out of the office. No wonder, H. M. Landey was not alone now but was with his companions and he directed that Parikh should be stopped and not allowed to go into the mine unless the discussion was over. B. D. Banerjee has deposed to that effect and that fits in with the probabilities and circumstances of the case. His statement has the ring of truth. He has no personal axe to grind. I have no doubt that at the behest of H. M. Landey, Parikh was surrounded. However, it is not a fact that anyone gave any abuses or threats; nor is it a fact that there was any jostling, pushing or grappling; nor even is it a fact that he was pinned against any wall.

16. Two workmen, to my mind, are guilty of the misconduct of riotous or dis-orderly behaviour under Standing Order No. 27(5). I think that the punishment of dismissal is very harsh and revolting to the conscience specially when both sides were at fault and provoked each other. Both the workmen had been under suspension for ten days. The punishment for mis-conduct is suspension or fine or dismissal. I think that suspension for ten days was adequate punishment and this punishment the two workmen have already suffered.

17. My award is that the two workmen were guilty of the mis-conduct of riotous or dis-orderly behaviour under Standing Order No. 27(5) but the management was not justified in dismissing them from service. They were already under suspension for a period of ten days and that punishment was adequate. They are entitled to reinstatement with continuity of service but will be paid only half the back wages, so that they and other workmen realize that it does not pay to commit an act of indiscipline.

K. B. SRIVASTAVA, Presiding Officer  
[No. 1. 20012/127/74-LRIT/D-III A]  
S. H. S. IYER, Desk Officer.

S.O. 400.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, Calcutta in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Messrs Oil India Limited, Dibrugarh and their workmen, which was received by the Central Government on the 13th January, 1977.

## AWARD

CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL  
AT CALCUTTA  
PRESENT  
(Reference No. 41 of 1975)

## PARTIES :

Employers in relation to the management of Messrs Oil India Limited, Duliajan,

AND

Their workman

## APPEARANCE :

On behalf of Employers—Shri J. K. Ghosh, Advocate, with Shri A. K. Bhowmik, Advocate.

On behalf of Workman—Shri J. Dutta Gupta, Advocate.

STATE : Assam

INDUSTRY : Oil

## AWARD

By Order No. L-30012/1/75-D-IV(B) dated 13th June, 1975, the Government of India, Ministry of Labour, referred an industrial dispute existing between the employers in relation to the management of Messrs Oil India Limited, Duliajan and their workman, to this Tribunal, for adjudication. The reference reads:

"Whether the action of the management of Messrs Oil India Limited, Duliajan in terminating the services of Shri A. F. Lobo, Overseer with effect from the 19th April, 1969 is justified ? If not, to what relief is the said workman entitled ?"

2. Sri Albert Francis Lobo, who will be hereinafter referred to as Lobo, made an application to Oil India Limited for appointment as an Overseer. Ext. W-1 dated 10-3-67 was his application. The application was filed on the basis of a Newspaper advertisement which was published by the Oil India Limited calling for applications for appointment to the post of Overseers. On the basis of his application Lobo was interviewed by the company on 5-6-67 and he was found to be a suitable candidate for appointment. His name was also sponsored by the Employment Exchange. On 13-7-67 the company offered the post of Overseer to Lobo on the basis of the terms and conditions which are set forth in Ext. W-3. It was stated in that offer that the employment was purely temporary for about two years to cover a period of intensive exploration or Project work which was exclusively of temporary nature. There was a further condition in that offer that the appointment would be subject to termination on one month's notice on either side and that failure on the company's part to give proper notice will entitle the applicant to notice pay in lieu. Lobo accepted the terms and conditions of the offer as laid down in Ext. M-4(a). So, on 28-8-1967 the management sent Ext. M-4 appointment letter to Sri Lobo asking him to report to the office of the Oil India Limited at Duliajan. Accordingly, Lobo reported for duty on 9-9-67. Since then he had been working as an Overseer under the Oil India Limited. He worked on the whole for a total period of one year seven months and ten days i.e. from 9-9-67 to 18-4-69. For a period of three months and 22 days (9-9-67 to 31-12-67) he was said to be under training at Duliajan and thereafter he was sent to Nefra where Ningru operation for the purpose of oil exploration was in progress. Lobo worked at Nefra for six months (from 1st January 1968 to 30th June, 1968). Thereafter Lobo was shifted again to Duliajan Housing area doing various technical work which was of permanent nature. There he worked for a period of nine months 18 days i.e. from 1st July, 1968 to 18th April, 1969. But the management however thought it fit to terminate the services of Lobo. They issued Ext. W-8 order dated 18-4-69 terminating the service with effect from 19-4-69. It is alleged in that notice that in accordance with the terms of employment the company had given him one month's notice with effect from 19-4-69 terminating his service. However, it was pointed out that the company did not require Lobo to serve out the full notice period and shall arrange to release him from the services of the company from 19-4-69 and in that event they shall pay him one

month's notice pay when he would receive his final settlement. Lobo had to get out of employment since 19-4-69 on the basis of Ext. W-8 termination notice. The company however furnished him with Ext. W-9 certificate to the effect that Lobo who was engaged on 9-9-67 on a purely temporary basis as Overseer had completed his assignment and his services were terminated with effect from 19-4-69. On his termination from service his cause was espoused by the union which is known as Assam Petroleum Mazdoor Union. They sent Ext. W-10 letter to the management requesting to reinstate Lobo to service as according to the terms of employment, they pointed out, Lobo's service should have been continued till completion of exploration and Project work which was then in progress and will continue for many years more and for that purpose 4 Assistant Construction engineers and 2 Construction engineers who were engaged had been allowed to continue in service. The management sent a reply, Ext. W-11 stating that Lobo was appointed on a purely temporary work and his service had therefore been terminated in accordance with the terms of employment. They also pointed out that as and when vacancies arose they will consider his claim for appointment to the post of Overseer. Several correspondence passed between the parties. Lobo also filed a Civil suit against the company for reinstatement to his office. That suit was filed on 10-4-72 and was finally withdrawn by Lobo himself on 31-8-1974. Thereafter an industrial dispute was raised before the Asstt. Labour Commissioner but the conciliation attempt ended in a failure. The reference was therefore made to this Tribunal for adjudication of the industrial dispute between the parties.

3. The main contention raised on behalf of the Oil India Limited was that Lobo was appointed under the terms and conditions set forth in the order of appointment which was marked in this case as Ext. W-3 and that the management in accordance with those terms and conditions terminated the service of Lobo. Therefore it is contended that Lobo cannot raise a dispute that the termination was illegal or void. In this regard it is necessary to point out that Lobo was appointed for a particular purpose which is set out in Ext. W-3. Paragraph 3 of Ext. W-3 is to the effect that the employment was purely temporary for a period of about two years to cover a period of intensive exploration or Project work which are of exclusively temporary nature. It has to be said that Lobo during his period of employment from 9-9-67 to 18-4-69 worked at Nefra which is the location of Ningru exploration work for period of six months from 1st June, 1968 to 30th June, 1968. For the rest of the period he was working as Duliajan which is Housing area, where several types of technical work were in progress. The evidence of Lobo as WW-1 revealed that he was employed during that period at Duliajan being incharge of certain types of work which were of permanent nature. As against the evidence of WW-1 there was the evidence of MW-2 for and on behalf of the management. He was incharge of the Ningru Operation. He stated that the exploration and Project work are distinct undertakings. He also stated that Ningru operation came to an end but project work were still being carried on at certain places which are enumerated as (i) Duliajan, (ii) Moran, (iii) Nunmati and (iv) Naharkatia. The period of about two years mentioned in Ext. W-3 was not a definite period. The management never intended that Lobo should work only for a period of two years. His work as Overseer on the terms of the contract depended upon the completion of intensive exploration or project work. It was also seen that the termination notice Ext. W-8 was given to Lobo before the expiry of the intensive exploration work. There was also evidence that project work was in progress even when the notice Ext. W-8 was issued to Lobo. The fact that the services of Lobo was terminated before the completion of exploration work could not be disputed by the management though the learned Counsel of the management had now put forward a case that he was appointed for a period of two years and that during the period of two years it was open to the management to terminate his services as per the terms and conditions of the contract. That argument does not appear to have any force on the facts of the case. The offer of appointment as per Ext. W-3 clearly indicated that Lobo was to be employed during the period of intensive exploration or project work. So, the time limit of about two years mentioned in Ext. W-3 could not have any significance in determining the duration of the period of service. On the contrary, the contract evidenced by Ext. W-3 indicated that the termination of his service depended upon the finalisation

of the exploration work or project work. The evidence of MW-2 had indicated that the exploration work was not completed when Ext. W-8 termination notice was issued. On the contrary that work was still going on and according to him until September/October 1969 the work was in progress. If the termination of service of Lobo was during the progress of exploration work and more so during the progress of project work, the facts established that the termination of service in this case is nothing but a retrenchment. It was however open to the management to terminate the service of any employee even under a contract. But when such termination is effected during the progress of work for which he was appointed it would immerse from the facts and circumstances of the case that the employee would be entitled to notice as retrenched workman.

4. Whether there was a retrenchment or not would depend upon the facts and circumstances of each case. Section 25F of the Industrial Disputes Act, 1947 lays down the conditions precedent necessary to be followed before the services of an employee can be retrenched. According to it the services of a workman employed in an industry who may have been in continuous service for not less than one year shall not be retrenched unless the workman has been given a notice in writing indicating the reasons for retrenchment and he has further been paid compensation at the rate prescribed thereunder and a notice in the prescribed manner served on the appropriate Government. These three conditions prescribed in Sec. 25F are conditions precedent for the exercise of the power to retrench a workman. Clause (a) of Section 25F contemplates that the order of retrenchment contain reasons for retrenchment. Absence of reason in the notice itself will render the order invalid. Any subsequent reasons given by the authorities in the pleading or in the written statement would not be sufficient to meet the requirement of clause (a) of Section 25F of the Act. The reasons must appear on the face of the notice itself. These conditions have to be followed before a workman is retrenched. Whether it is retrenchment or not would depend also on the question whether the workman concerned had sufficient work for which he was employed during the period of termination of his service. The evidence was conclusive in this case to show that there was both work for exploration as well as for project in progress as he was appointed for the said purpose. In this regard reference may be made to the written statement of the management. At page 6 of the written statement dated 20th September, 1975 the company stated that the gradual slowing down of company's work in Arunachal Pradesh, Sri Lobo's temporary services were again utilised at Diliajan for some time. In the same page it was also stated that Sri Lobo had completed his temporary engagement in April, 1969. In page 7 it was stated that the action of the management in terminating the services of Sri Lobo by the company's notice dated 18th April, 1969 for reasons of completion of temporary engagement is just, legal and valid. At the end of paragraph 16 of the same written statement it is stated that the termination of temporary services of Sri Lobo was just, legal and valid inasmuch as the work on which he was employed had been completed and there was no reason to retain Sri Lobo in service any longer. In the same manner the management had reiterated in their written reply dated 4-3-76 that Sri Lobo was transferred to Arunachal Pradesh for exploration work that is the very work for which he was appointed. At page 3 of that statement it was alleged that Sri Lobo was appointed temporarily for specific work and on completion of that work his service had been terminated. In paragraph 15 of the said statement the company stated that Sri Lobo was appointed on temporary assignment in connection with exploration work and his appointment was for a limited period. In paragraph 20 of that statement the company avers that the appointment of Sri Lobo was terminated because the operation for which he was appointed had almost come to a close at that point of time. Again in paragraph 21 the company pointed out that Sri Lobo was appointed temporarily for a limited period for exploration work and with the slowing down of the exploration work almost to a close his services were terminated strictly in accordance with the terms of appointment. These averments in the written statement of the company revealed that Sri Lobo was appointed to the post of Overseer for a particular purpose. That purpose according to the management was for exploration as well as project work. It was never the idea that the appointment shall cover a definite period of 2 years. The evidence was

conclusive as already pointed out that project work was in progress when Lobo's service was terminated. It is also in evidence that the exploration work was not completed until September/October, 1969 though Sri Lobo's service was terminated with effect from 19-4-1969.

5. In this regard it is necessary to point out the interpretation which the Supreme Court had given with regard to the provisions of Section 2(oo) read with Sections 25F and 25B(2) of the Industrial Disputes Act, 1947. It is sufficient for me to quote the relevant passage from the Supreme Court, decision reported in State Bank of India v N. Sundra Money, 1976 (32) Indian Factories & Labour Reports. The passage reads :

"If the workmen swim into the harbour of Section 25F, he cannot be retrenched without payment, at the time of retrenchment, compensation computed as prescribed therein read with Section 25B(2). Whatever the reason every termination spells retrenchment. So the sole question has the employee's service been terminated? Verbal apparel apart, the substance is decisive. A termination is where a term expires either by the active step of the master or the running out of the stipulated term. To protect the weak against the strong this policy of comprehensive definition has been effectuated. Termination embraces not merely the act of termination by the employer, but the fact of termination however produced, may be, the present may be a hard case, but we can visualise abuses by employers by suitable verbal devices circumventing the armour of Section 25F and Section 2(oo). Without speculating on possibilities, we may agree that retrenchment is no longer terra incognita but are covered by an expansive definition. It means 'to end, conclude cease'. An employer terminates employment not merely by passing an order as the service runs. He can do so by writing a composite order, one giving employment and the other ending or limiting it. A separate, subsequent determination is not the sole magnetic pull of the provision. A pre-emptive provision to terminate is struck by the same vice as the post-appointment termination. Dexterity of diction cannot defeat the articulated conscience of the provision. What follows? Had the State Bank known the law and acted on it, half a months pay would have concluded the story. But that did not happen. And now, some years have passed and the Bank has to pay, for no service rendered. Even so, hard cases cannot make bad law. Reinstatement is the necessary relief that follows."

Having found that the work for which he was appointed had not been finalised the termination of his service during the period of his service tantamounts to retrenchment of his service. In that case the entire provision of Section 25F comes into operation. The management could not terminate his service until the provisions of Section 25F are complied with. It is admitted that the provisions had not been complied with in this case. It would follow, therefore, that the termination itself is invalid and illegal. There is no reason in the circumstances of the case to hold that the termination was legal and that the management exercised its power of termination in accordance with the terms of contract. When the workman was entitled to the remedy under the provisions of the Industrial Disputes Act, the terms of contract could not be availed of by the management. On account of illegal termination of the service of the workman he has become vested with some rights under the provisions of the Industrial Disputes Act and those rights could not be divested because of a contrary provision contained in the contract of service. The retrenchment was his subsisting right which the workman could enforce against the employer when the termination was found to be illegal and void.

6. It is also in evidence that the management retained the service of a junior overseer who was appointed for the exploration or project work when Sri Lobo was thrown out of employment. There were 7 overseers at work under the company in July, 1967 including Sri Lobo. Out of seven overseers the services of 5 overseers had been terminated but they retained the junior of Sri Lobo in service. The reason for that retention was said to be that the retained workman was found to be more suitable person than the others. Even

in the written statement of the company it had been stated that Sri Lobo worked satisfactorily during the period of his service. There was no stigma attached to his work. There was nothing on record to show as between Lobo and the retained overseer the company had occasion to consider their relative merits. The fact that a junior to Lobo was retained indicated that it was in violation of Sec. 25G of the Industrial Disputes Act, 1947. In this regard there was no agreement between the workman and the company that the junior shall be retained in preference to Lobo. In the absence of any such contract Sri Lobo should have been allowed to continue in service. The learned Counsel of the management has relied upon a decision reported in *Kashinira Singh*. The Haryana State Electricity Board and Ors., 1976 LAB I.C. 348, in support of the contention that the principle of 'last come first go' cannot be applied in this case on account of the agreement between the parties. But that case seems to have no application to the facts of the present case. In the instant case it was found that Sri Lobo was retrenched from service. In the case cited by the learned Counsel there was no case that he was retrenched from service. It depended on a notice which required to be served on the workman for termination of his service. So, the instant case cannot be equated with the case which is cited in support of the contention. There was sufficient evidence in the case to hold that the exploration work as well as project work was in progress. The management had produced Exts. M-6 to M-10 which would indicate that often and on work had been taken up by the management in the field of exploration. Appointment order Ext. W-3, did not indicate as to the spot or the site at which the workman Lobo had to work. Neither the termination notice also indicated the reason for termination. I find that the termination of the service of Lobo is illegal and void; consequently he shall be reinstated to his post which he held at the time of the termination.

7. The next question is as to the claim for back wages. The learned Counsel for the management stated that workman was entitled to back wages only for a period of two years for which he was appointed. There was no ground to restrict his claim for the period of two years once it is found that he was appointed for a specific purpose and that his service was terminated during the course of the work which was in progress. It has however to be stated that Lobo dragged the company unsuccessfully before a Civil court. The said litigation was pending from 10-4-72 to 13-8-74. During that period Lobo would not be entitled to any back wages. But for the rest of the period until he is reinstated Lobo would be entitled to his back wages. But I fix that the rate of back wages at half of his total monthly emoluments to be paid beginning from 19-4-1969. The company had stated in the written statement that Lobo was drawing a total salary of Rs. 649.54 p. at the time of termination of his services. He shall be paid half of that amount every month by the management upto the time he is reinstated to service. He shall be appointed to the same post of Overseer. He will not be entitled during the period of unemployment any promotion or any increment. He shall however be ranked as the senior-most amongst the probationary or temporary overseers who are in service of the Oil India Limited at present.

8. In the result, an Award is passed directing Oil India Limited to reinstate Sri Lobo to the post of Overseer which he held at the time of termination of his service. He shall hold the post on temporary basis but he shall be ranked as the senior-most amongst the temporary or probationary overseers. On reinstatement he shall draw the full salary of Rs. 649.54. However, the back wages at half of Rs. 649.54 p. per month from 19-4-1969 upto the date of his reinstatement shall be paid to him excluding the period from 10-4-72 to 31-8-1974.

E. K. MOIDU, Presiding Officer  
[No. L-30012/1/75-D-IV(B)]

BHUPENDRA NATH, Desk Officer

Dated, Calcutta,  
The 5th January, 1977.

आदेश

नई दिल्ली, 14 जनवरी, 1977

का० आ० 401 :—सतना सीमेट वर्सी की सगमानिया लाइस रटोन माइन के प्रबन्धनत्र और उनके कर्मकारों के बीच, जिनका प्रतिनिधित्व सतना सीमेट क्वारी मजदूर यूनियन, सतना करती है, एक आधोगिक विवाद विद्यमान है।

प्रीर उक्त प्रबन्धनत्र और उनके कर्मकारों ने आधोगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10-की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसरण में एक लिखित करार द्वारा विवाद को उसमें विभिन्न व्यक्ति के माध्यस्थम् के लिए निर्देशित करने का करार कर दिया है और उक्त माध्यस्थम् करार की एक प्रति केन्द्रीय भरकार को भेजी गई है।

अतः, आध आधोगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10-की उपधारा (3) के उपबन्धों के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार उक्त माध्यस्थम् करार को, जो उसे 31 दिसम्बर, 1976 को मिला था, प्रकाशित करती है।

करार

(आधोगिक विवाद अधिनियम, 1947 की धारा 10-के अधीन)

पक्षकारों के नाम

नियाजक का प्रतिनिधित्व करने वाले। (1) श्री एम० एम० माधुर, कार्मिक प्रबन्धक, सतना सीमेट वर्सी सतना।

कर्मकारों का प्रतिनिधित्व करने वाले: (1) श्री के० एम० पिले, महाराजा निमनलिखित आधोगिक विवाद को श्री के० शनमुदायेल, केन्द्रीय अमायूल (केन्द्रीय), 203, नार्थ भिविल लाइस, जबलपुर, के माध्यस्थम् के लिए निवेशित करने का करार किया गया है।

1. विनिर्दिष्ट विवादस्त विषय :

यह सगमानिया लाइस रटोन माइन के खान प्रबन्धक द्वारा श्री राम किशोर पाठक की सेवाएं समाप्त करना व्यायोंचित है? यदि नहीं तो वह किस अनुरोध का हकदार है?

2. विवाद के पक्षकारों का विवरण, सतना सीमेट वर्सी, सतना की सगमानिया लाइसटोन माइन और श्री के० एम० पिले के माध्यम से श्री रामकिशोर पाठक।

3. कर्मकार का नाम, यदि वह स्वयं विवाद में अन्तर्भूत हो या यदि कोई मंथ प्रश्नगत कर्मकार या कर्मकारों का प्रतिनिधित्व करता हो, तो उसका नाम:

श्री रामकिशोर पाठक, जिसका प्रतिनिधित्व श्री के० एम० पिले, महाराजा निमनलिखित सतना सीमेट क्वारी मजदूर यूनियन सगमानिया, सतना करते हैं।

4. प्रभावित उपकरण में नियोजित 850 कर्मकारों की कुल संख्या:

5. विवाद द्वारा प्रभावित संभाव्यता के बिल एक। प्रभावित होने वाले कर्मकारों को प्राक्कलित संख्या:

हम यह करार भी करते हैं कि मध्यस्थ का विनिपत्र हम पर आबद्धकर होगा।

मध्यस्थ अपनां पंचाट साम माम की कानावधि या इन श्रीर समय के भीतर जो हमारे श्रीक पारम्परिक लिखित करार द्वारा बदला जाय, देंगा। यदि पूर्व विनियोग कानावधि के भीतर पंचाट नहीं दिया जाता, तो माध्यस्थम् के लिए निरेंग स्वतः रह हो जायेगा और हम नये माध्यस्थम् के लिए बातचीत करने को स्थितक ज्ञाने।

प्रधानकारी के हस्ताक्षर

- नियोजक का प्रतिनिधित्व करने वाले : ह०/- एम०ए० माथूर, 25-12-76
- कर्मकारों का प्रतिनिधित्व करने वाले : ह०/- के०ए० पिल्लै, 25-12-76

मात्री :

- ह०/- प्रधान
- ह०/- अपाई

[म० ए०-29011/20/76-डी० III (बी)]

बी० वेलायधन, श्रवर मण्डि

### ORDER

New Delhi, the 14th January, 1977

**S.O.401.**—Whereas an industrial dispute exists between the management of Sagmania Lime Stone Mine of Satna Cement Works and their workmen represented by Satna Cement Quarry Mazdoor Union, Satna.

And whereas the said management and their workmen have by a written agreement in pursuance of the provisions of sub-section (1) of Section 10A of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947) agreed to refer the dispute to arbitration of the person mentioned therein and a copy of the said arbitration agreement has been forwarded to the Central Government;

Now, therefore, in pursuance of the provisions of sub-section (3) of Section 10A of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the said arbitration agreement which was received by it on the 31st December, 1976.

### AGREEMENT

(Under Section 10A of the Industrial Disputes Act, 1947)

Name of the Parties:—

Representing Employer	Shri M.L. Mathur, Personnel Manager, Satna Cement Works, Satna.
Representing Workmen	Shri K. M. Pillai, General Secretary, Satna Cement Quarry Mazdoor Union, Satna.

It is hereby agreed between the parties to refer the following industrial dispute to the Arbitration of Shri K. Shamughavel, Regional Labour Commissioner (Central), 203, North Civil Lines, Jabalpur.

- Specific matters in dispute: Whether the termination of Sri Ram Kishore Pathak by Mines Manager of Sagmania Limestone Mine is justified? If not, to what relief is he entitled?
- Details of the parties to the dispute including the name and address of the establishment or undertaking involved: Sagmania a Limestone Mine of Satna Cement Works, Satna and Sri Ram Kishore Pathak through Sri K. M. Pillai.
- Name of the workman in case he himself is involved in the dispute or the name of the union, if Sri Ram Kishore Pathak represented by Sri K.M. Pillai, General Secretary Satna Cement Quarry

any, representing the workmen or workmen in question:

- Total number of workmen employed in the undertaking affected. 850
- Estimated No. of workmen affected or likely to be affected by the dispute. Only one.

We further agree that the decision of the arbitrator shall be binding on us.

The Arbitrator shall make his award within a period of three months or within such further time as is extended by mutual agreement between us in writing. In case the award is not made within the period aforementioned, the reference to arbitration shall stand automatically cancelled and we shall be free to negotiate for fresh arbitration.

### SIGNATURE OF THE PARTIES

- Representing the employer : S/-M. L. Mathur, 25-12-76
- Representing workmen : S/- K. M. Pillai, 25-12-76

Witness :

- Sd/- Illegible
- Sd/- Illegible.

[No. L-29011/20/76-D.III (B)]

New Delhi, the 18th January, 1977

**S.O. 402.**—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Industrial Tribunal, Gujarat, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Messrs. Tata Chemicals Limited, Post Office Ranavav, District Junagadh and their workmen, which was received by the Central Government on the 5th January, 1977.

BEFORE SHRI M. U. SHAH, B.A., LL.B., PRESIDING OFFICER, INDUSTRIAL TRIBUNAL, AHMEDABAD  
Reference (ITC) No. 1 of 1975

Adjudication  
BETWEEN

The management of Messrs. Tata Chemicals Ltd., Post Office Ranavav, District Junagadh,

AND

Their workmen.

In the matter of termination of services of Shri K. B. Thakur, a Mechanic of Stone Quarry, Ranavav, with effect from 23-10-1974.

### APPEARANCES :

Shri Y. D. Joshi, Labour Adviser with Shri M. B. Shah, advocate, with Labour Officer, Shri Gor, and Shri C. B. Trivedi—for the Company.

Shri Rasikhan Pathan, advocate, with Shri Swami Srinivas, General Secretary, Chemicals Quarries Mazdoor Union, Adityana, as representing the Workmen, with the concerned workman, Shri K. B. Thakur,—Present in person.

### AWARD

This dispute between the management of Messrs. Tata Chemicals Ltd., P.O. Ranavav, District Junagadh, and their workmen, is referred to me for my adjudication by the Government of India, Ministry of Labour, by their Order of Reference, dated 7-5-1975. The dispute which relates to the termination

of services of Shri K. B. Thakur and which is set out in the schedule, reads :

"Whether the termination of services of Shri K. B. Thakur, a Mechanic of Stone Quarry, Ranavav, with effect from the 23rd October, 1974 by the management of Messrs. Tata Chemicals Limited, Post Office Ranavav, District Junagadh, is justified and legal. If not, to what relief the workman is entitled?"

In reply to the notices issued to the parties, the concerned workman, Shri K. B. Thakur, has filed statement of claim at Exhibit 2, dated 24-5-1975. According to him, he is a mechanic at Ranavav-Adityana Limestone Quarries of the Tata Chemicals Ltd. to which post he has been appointed by order Ex. 2(1), dated 5-7-1969, and confirmed by order Ex. 2(2), dated 7-10-1969, and he is thus a permanent workman of the company. He had done Excavator Service Course for which he was sent up by the management and has been given a certificate of satisfactory completion of the course on 2-3-1974 by the Divisional Manager Excavator, which is produced at Ex. 2(3). According to him, his record of service has been clean and without blemish. He was served with the charge-sheet, Ex. 2(4)=Ex. 5(5) produced by the company on 27-8-1974, alleging that a report had been received by the management that on the morning of 27-8-1974, he had quarrelled with another workman, named, Shri Hamidminya Hyderminya and had given him foul abuses and this was in connection with the repairing of C.P.T. compressor and he had thus committed an act of misconduct falling within the purview of clause (8) of Standing Order 21. He was informed by the said charge-sheet, Ex. 5(5), that the enquiry officer will come from Mithapur at his convenient time and date and an enquiry will be held of which due notice will be given to him. He was also informed that he was being suspended for the alleged misconduct during the period of enquiry. However, no enquiry was held and straightforward an order purporting to terminate, what is referred to as his contract of service, was served on him, a copy of which is produced at Ex. 2(5) by Shri Thakur and another copy by the company at Ex. 5(7), both of which are in the same terms. The workman contends that no reasons were assigned for the termination of his services and the termination order is made without any enquiry and without any opportunity having been given to him to defend himself and is in violation of the Standing Orders governing the parties. He also contends that the purported termination is arbitrary, wrongful, illegal and unjustified. In these premises, he seeks the relief of reinstatement with continuity of service and full back wages and other emoluments. The company has filed its written statement, Ex. 3, on 6-6-1975. In para (3) thereof, it is contended that the workman was involved on several occasions in acts of misconduct and appropriate action had been taken against him from time to time as would be seen from the statement enclosed and marked Annexure 'A' to the written statement. In para (4), it is stated that the workman had quarrelled with one of his co-worker on 27-8-1974 while on duty and since both of them had complained to the management against each other as per the written complaints, the company was fully justified in issuing the charge-sheet to the workman as well as to his co-worker, named, Shri Hamidminya. It is further stated that although it was proposed to hold an enquiry into the charges against the workman, the same could not be done since the workman had filed a criminal case against the co-worker with whom he had quarrelled and the company, therefore, thought it advisable not to proceed with the proposed enquiry and the same was, therefore, dropped. In para (5), it is stated that in the circumstances of the case, the company thought it undesirable and against its interests to continue the worker in its employment, it having lost confidence in him and, therefore, the company exercised its option under Standing Order 19 and terminated the services of the workman in pursuance of the said standing order. In Annexure 'A' to the written statement are the tabularized five acts of alleged misconduct of the workman alleged to have taken place during the period from November 17, 1970, to July 12, 1974.

It will thus appear that the company's defence is that the order of termination, Ex. 5(7), is a simple order of termination passed in the circumstances of the case and in the interest of the company. It did not think it necessary to hold an enquiry into the charges of misconduct against the workman, Shri Thakur and his co-worker, Shri Hamidminya, because a

criminal case was filed by Shri Thakur against the said co-worker and the enquiry was, therefore, not proceeded with and the company passed a simple order under Standing Order 19.

The services of the workman, Shri Thakur, have been terminated by the company by its order, Ex. 2(5)=Ex. 5(7), dated 22-10-1974, which reads:

"We have decided to put an end to your contract of service with us. Accordingly, your services shall stand terminated with effect from tomorrow. You will be paid 13 days' salary in lieu of notice, in addition to your other dues. You will also be paid your wages for the days you have worked in this month and wages for the accumulated leave which you have not availed so far."

Prior to this, the company had issued a charge sheet-cum-suspension order, Ex. 2(4)=Ex. 5(5), against Shri Thakur, stating that he had on the morning of 27th August, 1974 quarrelled with Shri Hamidminya Hyderminya and had given him foul abuses in connection with the repairing of C.P.T. compressor and had thus committed an act of misconduct falling under clause (8) of Standing Order 21 for which an enquiry will be held at a time convenient to the management and for which act of misconduct he was being suspended. Indisputably, the enquiry into the alleged misconduct did not take place at all and the company purported to terminate Shri Thakur's services by order, Ex. 2(5)=Ex. 5(7), in terms aforesaid. The workman, Shri Thakur, contended that it was a punitive order passed without any enquiry into the alleged misconduct and the order was thus defective and illegal. According to the management, the order was a simple order of termination passed by the management in exercise of its option under Standing Order 19 and in view of the misconduct of Shri Thakur and also because the company had lost confidence in him. The question that thus initially fell for my consideration was : Whether the impugned order made on 22-10-1974, Ex. 2(5)=Ex. 5(7), purporting to terminate the services of Shri Thakur is an order of termination simpliciter or is an order punitive in nature ?

Shri M. B. Shah, learned advocate appearing for the company, had made an application, Ex. 7, dated 26-11-1975, stating that a preliminary issue be raised in the matter as to whether the termination of Shri Thakur was legal and valid and whether it should be upheld and that the company be provided with an opportunity to lead evidence before the Tribunal to support the order of discharge in case it is held to be penal. At the hearing on 12-2-1976, I had, therefore, heard Shri M.B. Shah for the company and Shri Rasik Khan Pathan for the workman on February 18, 1976. The parties had admitted the documents, Exs. 5(5) to 5(8) produced by the management, and Exs. 2(1) to 2(6) produced by the workman, and they had stated in their respective submissions, Exs. 10 and 11, that the documents be accepted and further that they did not want to lead any oral evidence for the purpose of deciding the preliminary issue.

By my Order on the preliminary issue passed on 21st February, 1976, I held that the impugned order [Ex. 2(5)=Ex. 5(7)] was not an order of termination or discharge simpliciter, but was punitive in nature. I had, therefore, given an opportunity to the management to justify its action in the matter, as asked for by it in application (Ex. 7).

It is well settled that where there is violation of principles of natural justice, the Tribunal will then give an opportunity to the employer to produce evidence, if any, with regard to the proof of the misconduct and also to the workman to rebut it if he so chooses. The Tribunal will be entitled to arrive at its own conclusion on merits on the evidence produced before it with regard to the proof of the misconduct. (Vide Bharat Iron Works v. Bhagubhai Balubhai Patel and others (1976) 49 F.I.R. 332, S.C.). In such a case, it will be for the management to decide whether it will adduce any evidence before the Tribunal in support of its action. It may be recalled that the charge against the workman, Shri K. B. Thakur, was that on 27th August, 1974, at about 8.30 a.m., he had quarrelled with Shri Hamidminya Hyderminya and abused him and this was in connection with the work of repairing C.P.T. compressor. This was alleged to be an act of misconduct falling within the purview of clause (8) of Standing Order 21 governing the parties, which are standing orders of Ranavav Quarries of Tata Chemicals Ltd., Ranavav, produced by the

company at Ex. 5(8). Clause (8) of Standing Order 21 provides that an act of drunkenness, fighting, riotous or disorderly or indecent behaviour within the premises of the establishment, is an act of major misconduct. It was this act of misconduct was required to be justified by the management in order to support the order of termination of service [Ex. 2(5)-Ex. 5(7)], an office copy of which order has been produced by the company at Ex. 27, which order I have referred to earlier. Instead of trying to justify the specific act of misconduct alleged against the workman, Shri Thakur, and inspite of my order on the preliminary issue, Shri Joshi appearing for the company, tried to contend that it was permissible to the management to rely on the ground other that set out in the charge-sheet and which was the specific act of misconduct against the workman. Shri Joshi took an adjournment on 7-10-1976 and when the reference came up for hearing again on 4-11-1976, Shri Joshi, instead of arguing the contention raised by him, produced as witness for the management, one Hamidminya Haiderminya, for examination. The deposition of the said witness was recorded at Ex. 13. The said Hamidminya Haiderminya is a mechanic at the garrage of the colliery department of the Tata Chemicals, Ranavav, of which the workman concerned, Shri K. B. Thakur, was the head. Hamidminya was the workman of the company against whom the company has preferred charge-sheet [Ex. 5(6)], produced by the company, which stated that on the morning of 27th August, 1974, at about 8-30 a.m., he had quarrelled with Shri K. B. Thakur, the concerned workman and the head of the department, in connection with the work on C.P.T. compressor repairing and that he had violently struck on the hand of Shri K. B. Thakur for which an enquiry will be held against him when the enquiry officer comes from Mithapur, an act of misconduct which fell within the purview of clause (16) of the Standing Order 21, being Ex. 5(8). Clause (16) provides that threatening or intimidating or using any form of violence against any workman or employee inside the premises of the establishment; outside the premises of the establishment if it has any rational connection with the employment, is an act of misconduct. No enquiry was, however, held against Shri Hamidminya Hyderminya and he has been continued in service and was in service at the time when he gave his deposition before this Tribunal on 4-11-1976. It is common ground that before the charge-sheets were issued against both Shri K. B. Thakur, the workman concerned, and Shri Hamidminya Hyderminya, the witness (Ex. 13), Shri K. B. Thakur had filed a complaint before the quarry manager, which is produced at Ex. 24 from the record of the company in the deposition of Shri Thakur. The complaint which was made by Shri Thakur stated that, "this day on 27th August, 1974. I had asked Hamidminya at 8-30 a.m. to do repairing on C.P.T., but he suddenly gave a violent thrust on my hand (of Shri Thakur) while he was in my (Thakur's) room in the garrage and ran away." Shri Hamidminya had also given a complaint against Shri K. B. Thakur on the same day. There were cross chapter cases filed against one workman by the other workman, but the executive magistrate, Ranavav, had dismissed both the chapter cases, one being Case No. 34 of 1974 filed against K. B. Thakur, and the other being Chapter Case No. 33 of 1974 filed against Hamidminya Hyderminya by the State. There were proceedings under Section 107 of the Code of Criminal Procedure and both the workmen were discharged under section 118 of the C.P.C. by the executive magistrate and his orders respectively passed on 31-1-1975 and 29-1-1975, being Exs. 8(1) and 9(1). The company further examined the quarry manager, Shridhar Rajaram Mahadkar, (Ex. 14), and this was with a view to prove what the company thought to be the past acts of misconduct of Shri Thakur, the workman, and not the misconduct alleged in the charge-sheet, [Ex. 2(4)=[Ex. 5(5)]], but these questions were not allowed by me as not being relevant. The company did not want to examine any other person as its witness, but as it had come out in questions by the Tribunal put to Hamidminya Hyderminya that one Hussain Ahmad and Usman Kasam were present at the time of the incident, Shri Joshi for the company asked for an adjournment to examine the said two witnesses and the adjournment was granted. The said two witnesses were examined on the next date on 23-11-1976 and their depositions were rerecorded at Exs. 20 and 19 respectively. Shri Thakur's deposition was also recorded on that day at Ex. 21 on the question of his gainful employment or otherwise during the intervening period. Shri Thakur was again examined at Ex. 23 by way of abundant caution in rebuttal of the charge of misconduct. The original complaint of

Shri Thakur, the office copy of the charge-sheet against Hamidminya and Shri Thakur and the original order of termination of Shri Thakur's services, were produced at Exs. 24, 25 26 and 27 respectively. The arguments of the parties were then heard.

Now, as aforesaid, the only material question that now remains to be considered by me as the Tribunal is whether the charge stated in the charge-sheet [Ex. 2(4)=Ex. 5(5)=Ex. 26] of the act of misconduct of Shri Thakur is proved on the evidence adduced before me by the management and with regard to the evidence produced by Shri Thakur for the workman. The charge was a simple one sought to be covered by clause (8) of Standing Order 21 as governing the parties. It was that on the morning of 27th August, 1974, at about 8-30 a.m., the workman, Shri Thakur, had quarrelled with another workman, Shri Hamidminya Hyderminya, in respect of the repairing of the C.P.T. compressor and had given him foul abuses. It is material to note that the charge did not contain any allegation of Shri Thakur having a revolver in his pocket and his one hand being in the pocket at the relevant time and having dragged out Hamidminya out of his office room and threatened him with murder. Indisputably, the incident had taken place in the cabin or the office room of Shri Thakur who was the head of the mechanic department of the garrage section under whom Hamidminya was working. There is no reliable evidence that any other person was inside the cabin of Shri Thakur at that time and that is not the case of management. There is no dispute that Shri Thakur had called Hamidminya inside his chamber (room), or cabin at about 8-30 a.m. on the relevant day and asked him to do the repair work on C.P.T. Compressor and that Hamidminya had refused to do the work until he had finished the work of hallcoddrling which he was doing at that time. Hamidminya has in his deposition (Ex. 13) stated that Shri Thakur got excited when he had told him that he will first finish the work of hallcoddrling and then do the other work of compressor; that Shri Thakur began to abuse him; that he had told Shri Thakur that he should talk to the quarry manager, Shri Mahadkar, about this new work, which he could do only if Shri Mahadkar would tell him to do. According to Hamidminya, Shri Thakur took hold of his hands and pushed him out of the room and threatened him. Thus, even according to Hamidminya, the whole incident took place inside the room or the cabin or the chamber of Shri Thakur and it was because he refused to do the work of repairing C.P.T. compressor until Shri Mahadkar gave orders, and although Shri Thakur was his immediate superior, Hamidminya further goes on to say that Shri Thakur had a revolver in his pocket and his one hand was in his pocket at the time and with the other hand he dragged him out. It is significant that he does not speak of Shri Thakur having threatened him with murder or with revolver fire. He only says that he was afraid of his life and so he got himself extricated and ran away. Hamidminya then wants to say that there were some two or three persons who restrained Shri Thakur by catching hold of him. If Hamidminya's version that he was pushed out of the cabin by Shri Thakur is true, there was no question of any other person intervening and of Hamidminya getting himself extricated. Shri Hamidminya had to admit in his cross-examination that Shri Thakur was alone in his room when he was called on 27th August, 1974. He had to admit that he was earlier working at a distance of about 15 to 20 feet from the room. He had to admit that Usman Kasim and Hussain Ahmad were working in the garrage at the time when the incident happened. Now, the evidence of Shri Hamidminya is to be appreciated with more than ordinary care and scrutiny, because his is an interested testimony. He was a workman working under Shri Thakur at all material time. He had disobeyed the instructions of Shri Thakur who was his immediate superior. The talk of repairing the compressor had taken place inside the cabin room of Shri Thakur. A charge-sheet was issued against him (Hamidminya) by the management referring to the same incident on 27th August, 1974, [Ex. 5(6)=25], wherein it is stated that Hamidminya had quarrelled with Shri Thakur in connection with the repairing work on C.P.T. compressor and had violently struck on the hand of Shri Thakur and this was an act of major misconduct falling under clause (16) of Standing Order 21 for which an enquiry will be held against him. No enquiry was held against him by the management and he has been continued in the service. Hamidminya is thus a man who is favoured by the company insofar as the company did not

hold any domestic enquiry against him and, inspite of the charge-sheet issued, and inspite of Mr. Thakur's complaint Ex. 24 continued him in service. Hamidminya's deposition is thus of a highly interested witness who has exaggerated his version when he says that Shri Thakur had a revolver in his pocket and his one hand was in the pocket at the time and with the other hand he dragged him out of the room. Hamidminya's testimony on the point is against the very charge issued against him. Apart from that, his testimony does not inspire any confidence whatsoever. I am not prepared to rely upon the testimony of such a highly interested workman who is continued in service without any enquiry into the act of misconduct alleged against him by his superior Mr. Thakur, unless such testimony receives corroboration from an untainted source. The management tried to seek corroboration from the testimony of witness, Usman Kasim (Ex. 19) and witness, Husseinbhai Ahmadmia, (Ex. 20) These two witnesses were not summoned at the first instance, but were called at the next hearing by the management. May be, because their names emerged in the examination of Hamidminya. This may mean that the management never wanted to rely upon the testimony of these two witnesses, viz., Usman Kasim and Husseinbhai. Whatever it may be, their evidence also does not inspire any confidence. According to Usman, he was working in the mechanic department in the garrage of the company at the relevant time. He says that he saw Shri Thakur and Hamidminya quarrelling and coming out of the office. It is difficult to accept the first part of his version that he had seen the two quarrelling, because the quarrel, if any, had taken place inside the cabin. The witness then says that he heard each one abusing the other. This, again, is a highly unreliable version, because the abuses, if any, also took place inside the chamber. He then says that he saw that Shri Thakur had caught hold of the hand of Hamidminya and he had heard Thakur saying to Hamidminya that if the latter speaks anything more, he will murder him; that Hamidminya then extricated himself, got his hand released and ran away. This part of the version that Thakur had threatened Hamidminya with murder, is a clear improvement and a concoction. In any case, it is an after-thought. In his deposition, (Ex. 13), Hamidminya does not speak of Thakur having given him a threat of murder. The witness had to admit in his cross-examination that the distance between the place where he was working and the office of Shri Thakur was 50 to 60 paces and he could not see the door of the office from his place where he was working, because it was in a gully. It is thus difficult to see how this witness could have heard what happened inside the cabin and how he could have been Shri Thakur dragging out Shri Hamidminya from his chamber. His version about threat to murder is a highly undependable version, an improvement upon the version given by Shri Hamidminya himself. I would not like to rely upon such testimony of Usman Kasim as lending any corroboration to the evidence of Shri Hamidminya. The testimony of Husseinbhai, (Ex. 20) suffers from the same infirmity. He was also working with witness Usman at the same place and away from the cabin room of Shri Thakur, inside which the incident is alleged to have taken place. In his evidence, in the examination-in-chief he has stated that Shri Thakur had called Hamidminya to his office; that the two had quarrelled inside the office and then come out. He further states that Thakur had told Hamidminya that he would kill him with a bullet and that Hamidminya got himself free and ran away. He thus talks of the incident having taken place inside the office; Shri Thakur having threatened to kill Hamidminya and Hamidminya himself having got fire and run away. He does not attribute any rescue mission either to himself or to the witness, Usman. He does not say that anyone of them had gone to the rescue of Hamidminya and intervened. He had to admit that the distance of the place where he was working was about 30 to 40 feet from Mr. Thakur's claim. He tried to say that he had maintained a note of the incident and then again that he did not remember the date and did not maintain the note. His evidence also does not inspire any confidence. The evidence of Usman Kasim and/or of Hussein Ahmed do not lend any corroboration to the testimony of Hamidminya I am herein not applying the strict standard of proof as in a criminal case. I am considering the probabilities of the case and the preponderence of the evidence. As aforesaid, Hamidminya's version is of an interested witness, a person who has found favour with the company and who has been continued in service inspite of a charge of major act of misconduct having been levelled against him by the company itself. Again, as aforesaid, the incident had taken place

inside the cabin and at a distance from the place where Hamidminya and others working. Nobody could have been a witness to this incident in the cabin. The question of revolver being pointed out or of threatening by Shri Thakur did not arise and did not find any mention in the charge-sheet against Shri Thakur. Hamidminya was a person serving under Shri Thakur who was his immediate superior. Hamidminya was called for doing some work as it was urgent in nature, in the opinion of Shri Thakur, and he had refused to do the work. Shri Thakur had lodged a complaint against Hamidminya about this on the very day and it is thereafter that the charge-sheet was issued against Shri Thakur and another charge-sheet against Hamidminya. Hamidminya's testimony does not even otherwise inspire any confidence as coming from a dependable witness. It is difficult to accept the management's version that Shri Thakur had picked up a quarrel with Hamidminya and had abused him and had thus committed an act of grave misconduct falling within the mischief of clause (8) of Standing Order 21 governing the parties. In my considered opinion, there is no reliable evidence of Shri Thakur having quarrelled with Shri Hamidminya or having shown indecent behaviour within the premises of the establishment. On the evidence adduced by it, the management had failed to prove the charge of misconduct against Shri Thakur. It was, therefore, not necessary for Shri Thakur to lead evidence on merits. However, Shri Thakur examined himself and his evidence was recorded at Ex. 23. He has stated in his evidence that he was a mechanic, class I, and had received training at the Government centre. Referring to the incident, he has stated that on 27th August, 1974, he had joined duty at 8 a.m. and had called Hamidminya to his office at the garrage in connection with the repairing work of C.P.T. compressor; that Hamidminya had refused to do the work; that Hamidminya had become excited; that Hamidminya was in rage; that Hamidminya gave a slap to him on his forehead, right-hand side Shri Thakur had immediately made a report to the management of this incident, office copy of which is produced from the record of the company at Ex. 24. It would be material to refer to this report made by Shri Thakur on the very day of the incident on 27th August, 1974, wherein he has stated that he had asked Hamidminya to do the work of repairing on the compressor but Hamidminya had all of a sudden violently struck at Shri Thakur and run away. This report made immediately after the incident, lends credence to the evidence of Shri Thakur that Hamidminya was the recalcitrant workman who had defied the order of his immediate superior. The incident had taken place inside the cabin. Shri Thakur further proceeds to say that the company had given a charge-sheet to Hamidminya, but the company did nothing about it, made no enquiry against Hamidminya and Hamidminya is continued in service. In his cross-examination made by Shri Joshi, Shri Thakur has stated that he had called Hamidminya in his room (chamber) at 8.30 a.m. and asked him to work on the C.P.T. compressor, but he had refused to do so; that Thakur had asked Hamidminya to leave the work because unless the compressor work was done, the drilling could not be done. According to Shri Thakur, this was the only talk between them and then Hamidminya gave him a slap and left him. It is significant to note that in the cross-examination Shri Joshi, Labour Adviser of the company, had put a question to Shri Thakur, "Because you asked Hydermian to leave the work and do other work, he gave a slap to you and left. Is that what you mean?" the answer of Shri Thakur was, "May be so." It is again significant to note that Shri Joshi has not put any question to Shri Thakur about his having threatened Hamidminya with death or having pointed the revolver at Hamidminya, but on the contrary Shri Joshi wanted to again introduce a question about the alleged past misconduct of Shri Thakur and the apology he had given in writing in the year 1972. Thus, there is word against word, Shri Thakur saying that Shri Hamidminya had quarrelled with him and had slapped him or violently struck at him and Shri Hamidminya saying that it was Thakur who had abused him and quarrelled with him and all this had taken place in the garrage. Shri Thakur is supported in his statement by his own complaint (Ex. 24) which was made immediately thereafter. Even apart from this complaint (Ex. 24), I find that the evidence of Shri Thakur is a straightforward version of the events which have very likely taken place inside the cabin. In any view of the matter, Shri Hamidminya's evidence is not trustworthy, looking at it from any standard of proof, and not from the strict standard of proof as in the case of criminal case. His evidence is a highly interested untrustworthy testimony coming from a man who has curried favour from the management

and who has been called to depose at the next hearing and has put in a deliberate version of Shri Thakur having pointed a revolver at him, the version which is a real concoction. This is the state of evidence on record, insofar as the charge of the alleged misconduct is concerned. In my opinion, the charge is not proved. Once the misconduct is not proved, the punishment imposed which, in the instant case, is one of termination of the services of Shri Thakur, cannot be sustained and must be held to be wrongful and quashed and set aside. The normal relief of reinstatement in service is the one that requires to be passed in the instant case and I order accordingly. Nothing is urged against following the normal course of granting the relief of reinstatement and, in my opinion, the order of reinstatement is fair and proper and requires to be passed in the case.

This takes me to the last question of awarding back wages or not to the workman for the period of his enforced unemployment from the date of the impugned order, [Ex. 2 (5)=Ex. 5(7)=Ex. 27], dated 22nd October, 1974, till the workman is reinstated. It is well settled that an employee whose service is found to have been illegally terminated, is entitled to full back wages normally. The normal rule is to award full back wages, unless it is shown that the normal rule is to be departed from the case on any relevant consideration. As observed by the Labour Appellate Tribunal of India in the case of Magnolia Soda Fountains Ltd., and Their employees, (1956, (I), L.L.J. p. 1976), :

"The general rule is that when a workman is reinstated after a certain period of unemployment, then, in the absence of some cogent reasons, the person reinstated should be held entitled to the full wages or remuneration which he would have received had he continued in service. While this is the general principle, naturally in dealing with different types of cases the tribunal in each case has to see what relief should be given in a particular case to a particular workman in the matter of compensation, regard being had to be variations that exist in human conduct and the requirements of social justice. No other question or principle of law has got to be determined for the decision of the cases except for the purpose of determining the various principles within which the discretion might be exercised."

The Labour Appellate Tribunal has further observed :

"... But it must be remembered that there are certain exercises of discretion, arising from the inherent rights of certain parties and in those cases the tribunal is bound to exercise its discretion having regard to certain approved principles and procedure . . . ."

It is well settled that the rules of social justice, fairplay and industrial democracy are to be taken into consideration by the tribunal in shaping discretion. The tribunal may also take into account other consideration which may be relevant for denying relief or granting a modified relief in respect of back wages. The strict law of master and servant, or the common law, regarding mitigation of damages, cannot be made the sole basis for moulding discretion of the tribunal in such cases. The question whether an employee has been gainfully employed during the relevant period, must ordinarily be raised and agitated not by the employee but by the employer in the proceedings before the industrial tribunal, as observed by the Division Bench of the High Court of Bombay in Lalit Gopal Berry v. M. V. Hirway. As observed by another Division Bench of the High Court of Bombay in Sadanand Patamkar and New Prabhat Silk Mills, (1974, (II), L.L.J., p. 52, at page 64, in para 26) :

".....The effect of reinstatement is to restore an employee to his former capacity, status and emoluments, as if his services had never been terminated and the employee gets the benefit of continuity of service. The general rule in industrial adjudication is that on reinstatement, the employee is to be duly compensated for the loss of earnings during the period of his enforced idleness or unemployment. In the absence of cogent reasons to the contrary such compensation should normally be equal to the full wages or remuneration which the employee would have received had he continued in service but for the order of termination of his service. One such reason will be the extent of the income if any, earned by the employee elsewhere during the period of his enforced unemployment and or the nature of

the efforts or the absence thereof, on his part, to secure alternative gainful employment. Once the relevant facts are brought on record there will be no difficulty in calculating the income, if any, earned by the employee elsewhere. The assessment of efforts made by the employee or of his inability to make the same is bound to present difficulties, it being dependent upon several factors including the nature of employment sought and the general conditions of employment in the country. Since the facts about the employment or non-employment and/or the efforts made or not made to secure an alternative employment during the period of enforced idleness, are within the special knowledge of the employee it is only fair and proper that he should first state whether he was employed or not, and during what period, the amount of income earned by him, if any, the nature of efforts made by him for securing alternate employment or the circumstances which prevented him from making such efforts. It is in that sense that the burden of proving the said facts lies on the employee. Once, however, the said burden is discharged it is for the employer to prove facts to the contrary."

Having regard to this position of law, the question is whether the workman was gainfully employed during the period of his enforced unemployment or idleness and whether he made any efforts to mitigate his loss. Here it is to be remembered that the strict law of master and servant and the common law of mitigation of damages, cannot be made the sole basis for moulding the discretion of the tribunal on this point. The evidence on the point is of Shri Thakur examined for the purpose at Ex. 21. He has stated that he has not been doing any work after the company discharged him. He has not got any work since then. He says that he had made attempts to get work at different places, but Hamidminya and others tried to see that he did not get any work. He has stated that he did not make any attempts at any other places. In his cross-examination by Shri Joshi, he has stated that Hamidminya had tried to intervene when he got some private work with many others, although he cannot give the names of anyone of them. Shri Joshi had introduced a question in the cross-examination to show that he was gainfully employed in plying truck No. GTZ-8585 during the period for some time, but the reply of Shri Thakur was that the said truck belonged to his brother and it was not in working condition since last 15 to 20 days. He denied that he did the work of transportation of lime stone in that truck. Thus, it was an isolated question of work for 15 to 20 days in the truck of his brother that was sought to be brought home to Shri Thakur, who denied having done any such work. In answer to the questions put by the Tribunal, Shri Thakur replied that he was selected by Manibhai and Bros. which was a firm of construction at Porbandar, but Hamidminya told them that he was dismissed from the company and should not be taken up. In answer to another question, he said that he did not work on the truck of his brother and did not operate it. He then said that he tried at Ahmedabad, at Dubai and at Bombay. I must say that this witness was recalled at my instance and I put him certain questions as the Tribunal in the interest of justice. I found that the workman did not understand the requirement of law that he had to show initially whether he was gainfully employed or not. That was how the witness came to be examined on the point. Against this evidence, the company management has led no evidence to show that Shri Thakur was gainfully employed for some intervening period of time. The rules of social justice, fairplay and industrial democracy, therefore, require that I should award full back wages to Shri K. B. Thakur for the intervening period of his enforced unemployment or idleness from the date of the termination with effect from 22nd October, 1974, till he is reinstated in service. As aforesaid, in my opinion, the order of termination of service of Shri Thakur which is Ex. 2(5)=Ex. 5(7)=Ex. 27, is an order of punitive nature and not an order of termination or discharge simpliciter. It is a colourable exercise of the powers of the management and passed without giving any opportunity to the workman to meet the case. In my considered opinion, the company has failed to prove the charge of misconduct alleged against the workman into the charge-sheet [Ex. 2(4)=Ex. 5(5)=Ex. 26]. I find that the order of term Shri Thakur is wrongful and the management justify the charge and its action. Shri Thakur is entitled in the normal course to a relief of full back wages on the considerations aforesaid.

reasons are given to take a different view in the matter. I accordingly direct that the workman, Shri K. B. Thakur be reinstated in service in his original post and with continuity of service within two months from today, by the management of Messrs. Tata Chemicals Ltd., Ranavav, and that he be paid full back wages and other emoluments due to the Post from the date of the order of termination till he is reinstated. The company shall pay Rs. 700 (Rupees Seven hundred only) as and by way of costs of this Reference to Shri K. B. Thakur. Award accordingly.

M. U. SHAH, Presiding Officer.

Ahmedabad,  
17th December, 1976.

[L. 29011/22/75-D-IIIB]

V. VELAYUDHAN, Under Secy.

New Delhi, the 18th January, 1977

**S.O. 403.**—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur in the industrial dispute between the employers in relation to the management of the State Bank of India, Regional Office, Bhopal and their workmen, which was received by the Central Government on the 15-1-1977.

**CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, JABALPUR (M.P.)**

**Case No. CGIT/LC(R)(33)/1974**

**PARTIES :**

Employers in relation to the State Bank of India, Regional Office, Bhopal and their workmen, Shri Bhagwandas, Part-time Sweeper in the Industrial Estate Branch of the said Bank at Gwalior (M.P.).

**APPEARANCES :**

For workman—Shri M. P. Sharma, Advocate.

For Bank—Shri S. S. Sharma.

**INDUSTRY :** Bank

**DISTRICT :** Gwalior (M.P.)

**AWARD**

This is a reference made by the Government of India in the Ministry of Labour vide its Order No. L-12012/42/74-LRIII dated 27-11-1974 of the following industrial dispute :

"Whether the action of the management of the State Bank of India, Regional Office, Bhopal in terminating the employment of Sri Bhagwandas, part time Sweeper in the Industrial Estate Branch of the said Bank in Gwalior with effect from 5-7-1973 is justified ? If not, to what relief is he entitled ?".

2. It is not disputed that Bhagwandas was appointed as part time temporary sweeper with effect from 13-3-1971. His services were terminated with effect from 4-7-1973 without holding enquiry or framing any charge. It is now admitted that notice pay was given to the employee as per terms of clause 522(4) of Shastri award.

3. The case of the employee is that the termination was illegal because he had acquired the status of a permanent employee. The termination amounted to retrenchment and no retrenchment compensation was paid to him under Sec. 25F of the Industrial Disputes Act. The order was mala fide and the termination was violative of various awards and settlement.

4. The case of the Bank is that the termination was illegal and proper due to loss of confidence arising out of the conduct of the employee. It did not amount to retrenchment and retrenchment compensation was not payable. He did not acquire the status of a permanent employee.

5. Parties entered into a settlement under which the Bank agreed to reinstate him at any branch within the city of Gwalior, without back wages on old terms with effect from the date he reports on duty at the main Branch of the State Bank of India, Lashkar within one month of the publication of the award.

6. They have left the question of continuity or otherwise of the past service including the gap between termination and reinstatement on the discretionary decision of the Tribunal. Admittedly the employee had put in more than 2-1/2 years of continuous service when it was terminated. Such an employee as per view expressed in State Bank of India Vs. Sundra Money (AIR 1976 SC. 1111) and reiterated in Hindustan Steel Ltd. Vs. State of Orissa (1976 (33) FLR 257 SC) would swim into the harbour of Sec. 25F and the termination of his service without payment of retrenchment compensation would have been a void order which would have meant continuation of his service. Looking to this obvious aspect of the situation I am inclined to hold as per clause (3) of the Settlement that Bhagwandas shall be deemed to have continued in service from the date of termination till the date of reinstatement, not for the grant of past emoluments but for seniority, for fixing him at a particular stage of the scale, for the advantage of Sec. 25F of Industrial Disputes Act and for making or treating him permanent whenever such opportunity strikes at his door.

The award is given accordingly. Parties shall bear their own costs. The settlement shall form part of the award.

Dated : 5-1-1977.

S. N. JOHRI, Presiding Officer

**BEFORE THE HON'BLE INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, JABALPUR**

**Case No. CGIT/LC(R)(33)/74 under section 10**

Bhagwandas S/o. Kalle, R/o. Chandrabadni Naka, Labhpura, C/o. Prithvi Singh Thakur, Lashkar, Gwalior—APPLICANT

**VERSUS**

The State Bank of India and another—Non-applicant opposite party.

**SETTLEMENT**

Parties have entered into settlement as follows :—

1. The Management shall reinstate the workman without back wages at any branch within the city of Gwalior as a temporary employee on the old terms with effect from the date he reports for duty at the main branch of the State Bank of India at Lashkar within one month of the publication of the award.

2. Parties agree to bear their own cost.

3. The parties leave it to the tribunal to decide the question of continuity or otherwise of the service for the period from the date of termination to the date of his reinstatement under this settlement.

4. None of the parties wants to lead any evidence on that point and the question may be decided by the Tribunal according to the circumstances of the case.

**BHAGWANDAS**  
M. P. SHARMA  
Counsel for the Applicant.  
19-11-76

**S. S. SHARMA,**  
Non-applicant.

Dated 19th November 1976

For State Bank of India.

**PART OF AWARD**

S. N. JOHRI, Presiding Officer

5-1-1977.

[F. No. L. 12012/42/74-LR-III/D-IIA]

R. P. NARULA, Under Secy.

नई दिल्ली, 19 जनवरी, 1977

का० आ० 404.—कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 1 की उपधारा (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार 30 जनवरी, 1977 को उस तारीख के रूप में नियत करती है, जिसको उक्त अधिनियम के अध्याय 4 (धारा 44 और 45 के निवाय जो पहले ही प्रवृत्त की जा चुकी हैं) और अध्याय 5 और 6 (धारा 76 की उपधारा (1) और धारा 77, 78, 79 और 81 के निवाय जो पहले ही प्रवृत्त की जा चुकी हैं) के उपर्युक्त केरल राज्य के नियन्त्रित क्षेत्रों में प्रवृत्त होगे, अर्थात् ।—

किलोन किलो के कलणागापल्ली तालुक में चावारा और घंकुम्भागोम के राजस्व ग्रामों के खेत ।

[मं० एम-38013/19/76-एच०आर०]

एम० एस० महसूनामन, उप सचिव

New Delhi, the 19th January, 1977

**S.O. 404**—In exercise of the powers conferred by sub-section (3) of section 1 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), the Central Government hereby appoints the 30th January, 1977 as the date on which the provisions of Chapter IV (except sections 44 and 45 which have already been brought into force) and Chapters V and VI (except sub-section (1) of section 76 and sections 77,78,79 and 81 which have already been brought into force) of the said Act shall come into force in the following areas in the State of Kerala, namely.—

The areas within the revenue villages of Chavara and Thekkumbhagom in Karunagapally Taluk in the Quilon District.

[No. S-38013/19/76-HI]

S. S. SAHASRANAMAN, Dy. Secy.

### लोक सभा सचिवालय

नई दिल्ली, 19 जनवरी, 1977

का० आ० 405.—श्री जी० जी० स्वेल ने 18 जनवरी, 1977 को लोक-सभा भंग कर दिये जाने के फलस्वरूप, उस नारीख से लोक-सभा के उपायक का पद छोड़ दिया ।

[सच्चा 13/1/77/टी०]  
स्थान साल शक्ति, महासचिव

### LOK SABHA SECRETARIAT

New Delhi, the 19th January, 1977

**S.O. 405**—Shri G. G. Swell vacated the office of Deputy Speaker of Lok Sabha on the 18th January, 1977 on the dissolution of the Lok Sabha on that day.

[No. 13/1/77/I]

S. L. SHAKDHER, Secy.-General

### भारिणज्ञ मंत्रालय

आदेश

नई दिल्ली, 22 जनवरी, 1977

का० आ० 406.—नियति (क्वालिटी नियन्त्रण और नियोजन) प्रधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 6 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार की यह गय है कि भारत के नियति अधार के विकास के लिए ऐसा करना आवश्यक तथा समीचीन है कि मछली तथा मछली से बनी बस्तुओं का क्वालिटी नियन्त्रण और नियोजन नियति से पूर्ण होना चाहिए;

गौर केन्द्रीय सरकार ने उक्त प्रयोजन के लिए दोनों विनियिष्ट प्रस्तावनाएं की हैं तथा उन्हे नियति (क्वालिटी नियन्त्रण और नियोजन) नियम, 1964 के नियम 11 के उप-नियम (2) द्वारा अपेक्षित के अनुसार नियति नियोजन परिषद की भेज दिया है ।

गैर उक्त उप-नियम के प्रस्तावना में केन्द्रीय सरकार मछली तथा मछली से बनी बस्तुओं के भव्यवस्था में भारत सरकार के आणिय मतालय की अधिकृतता में का०आ० 771 नारीख 6 मार्च 1964 तथा श्रीगा मछली के प्रशीति पू०४०-मारा के सम्बन्ध में भूतपूर्व विदेश व्यापार मतालय की अधिकृतता में का० का० 5364, नारीख 7 विमस्तर, 1971 को जहां तक वह मछली तथा मछली से बनी बस्तुओं से संबंधित है, अधिकान करते हुए उक्त प्रस्तावनाओं को, उन व्यक्तियों की जानकारी के लिए प्रकाशित करती है जिनके उसमें प्रभावित होने की गवाहना है ।

2 सूचना दी जानी है कि उक्त प्रस्तावनाओं के बावें में कोई आक्षेप या सुगव देने की वाढ़ा रखने वाला कोई व्यवित उम्हें इस ग्रावेश के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से तीलीसे विन के भीतर, नियति नियोजन परिषद, बल्ट ट्रैट गटर, 14/1 बी, एजरा स्ट्रीट (प्राथमि भजिल), कलकत्ता-१ को भेज सकता है ।

### प्रस्तावना

(1) यह अधिकृतता करना कि मछली तथा मछली से बनी बस्तुओं का क्वालिटी नियन्त्रण और नियोजन नियति से पूर्व किया जाएगा,

(2) इस आदेश के उपायन्ध-I में विए गए मछली तथा मछली से बनी बस्तुओं का नियति (क्वालिटी नियन्त्रण और नियोजन) नियम, 1976 के प्राप्त के प्रस्तावना क्वालिटी नियन्त्रण और नियोजन के प्रकार को नियोजन के उस प्रकार के रूप में विनियिष्ट करना जो नियति से पूर्व ऐसी मछली तथा मछली से बनी बस्तुओं पर लागे होगा,

(3) अधिकृतता के उपायन्ध-II में विए गए विनियोजनों का मछली तथा मछली से बनी बस्तुओं के लिए मानक विनियोजनों के रूप में मान्यता देना,

(4) अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के द्वारा ऐसी मछली तथा मछली से बनी बस्तुओं के नियति का तब तक प्रतिवेद्य करना जब तक कि उसके साथ नियति (क्वालिटी नियन्त्रण और नियोजन) अधिनियम 1963 (1963 का 22) की धारा 7 के प्रशीति केन्द्रीय सरकार द्वारा मार्य अधिकारण द्वारा जारी किया गया इस आदेश का नियोजन प्रमाण-पत्र न हो कि मछली तथा मछली से बनी बस्तुए मानक विनियोजनों के प्रत्यूष हैं तथा नियति-योग्य है ।

5. इस आदेश की कोई भी वात भावी त्रैताओं द्वारा मछली तथा मछली से बनी बस्तुओं के उन नमूनों के भू-मार्ग, आगु मार्ग, भूमूर मार्ग इत्या नियति पर लागू सही होगी जिसका मूल्य 250 रुपये से अधिक नहीं है ।

6. इस ग्रावेश में मछली तथा मछली से बनी बस्तुओं से अधिक्रेत होना ।—

I प्रीनित लोगों (श्रीगा मछली) के सभी प्रकार

- (i) गरी सिर रहित सिर तथा लोल सहित
- (ii) सिर रहित सिर रहित लोल सहित
- (iii) गोल पंक्ता-पुळ गोल पंक्ता-पुळ के ऊपर के नियाम सिर तथा लोल रहित
- (iv) गोल रहित पंक्ता-पुळ जैसा कि ऊपर (iii) में है लेकिन भोजन नियाम जैसा कि ऊपर (iv) में, लेकिन काट कर लोल गई और अपेक्षित रूप से रखी गई ।
- (v) तिहासी पंक्ता-पुळ जैसा कि ऊपर (iv) में, लेकिन काट कर लोल गई और अपेक्षित रूप से रखी गई ।

(vi) छिली हुई कन्धों छीली भिर पर खोल पूरी तरह हटा दिए गए।  
हुई/छिली हुई शिरा  
महिन

(vii) छिली हुई तथा शिरा रहित जैसा कि ऊपर (v) में, लेकिन भोजन नलिका भी निकाल दी जाएगी।

(viii) पकाई हुई तथा छिली जैसा कि ऊपर (vi) में, लेकिन पकाने के पश्चात्

(ix) छिली हुई शिरा रहित जैसा कि ऊपर (vii) में, लेकिन पकाई हुई तथा पकाई हुई भी।

(x) मारी पकाई हुई जैसा कि ऊपर (i) में लेकिन पकाई हुई।

**II. प्रशीनित श्रीगा मछली के पूळ-भाग के सभी प्रकार, प्रथात्**

(i) पेनुलिरम होमारम  
(ii) पेनुलिरम ओरनाटम  
(iii) पेनुलिरम पोलिक्रम से प्राप्त पूळ-भाग

**III. (i) पेम्मस ग्राजेन्टम**

(ii) पेरास्ट्रॉमैटम निगर से प्राप्त सभी तरह की प्रशीनित मिल्वर पॉमफ्रिट तथा भूरी पॉमफ्रिट।

**IV. पूरी या अपारित मार्डीनिम (मार्डीनेल्ला स्पै०) से तैयार की गई सभी प्रकार का प्रशीनित मार्डीनिम।**

**V. रास्ट्रोलिनगर स्पै० से प्राप्त प्रशीनित भंकेरौल के सभी प्रकार।**

**VI. कटल किश—**

(i) सेपिया गेविजल  
(ii) सेपिया एक्स्ट्रिएटा  
(iii) सेपिया रोस्ट्राटा  
(iv) सेपिया एनीर्मिस  
स्किव्हस

(i) प्रस्वेदित हाईविक्स केफर  
(ii) प्रस्वेदित हॉन्डिका केफर  
(iii) प्रस्वेदित अफाल्नम  
(iv) सेपियो टैट्टिशियम अर्कार्टिपिक्स से प्राप्त कटल किश तथा स्किव्हस के प्रशीनित भर्त (फिल्टर)।

**उपादान—I**

मछली तथा मछली से बनी वस्तुओं का नियर्ति (निरीक्षण) नियम, 1964 और श्रीगा मछली के प्रशीनित पूळ-भाग का नियर्ति (निरीक्षण) नियम, 1971 को अधिकारात्मक रूप से हुआ नियर्ति (क्वानिटी नियक्षण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) के धारा 17 के अन्तर्गत, बनाए जाने वाले प्रस्थापित नियमों का प्राप्तव्य।

1. भंकिल नाम तथा प्रारम्भ—(1) इन नियमों का नाम मछली तथा मछली से बनी वस्तुओं का नियर्ति (क्वानिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1977 है।

(2) ये को प्रकृत होंगे।

2. परिभाषायें—हन नियमों में, जब तक कि अन्दर में अन्यथा अपेक्षित न हो,

(क) “अधिनियम” से नियर्ति (क्वानिटी नियक्षण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) अभिप्रेत है।  
(ख) “अभिकरण” से अधिनियम की धारा 7 के अधीन कोचीन, मद्रास, कलकत्ता, मुम्बई तथा विल्ली में स्थापित अभिकरणों में से नोई अभिप्रेत है।  
(ग) “मछली तथा मछली से बनी वस्तुओं” के

I. प्रशीनित भर्तों (श्रीगा मछली) के सभी प्रकार अभिप्रेत हैं, प्रथात्—

(i) परी सिर खोल सहित  
(ii) मिर रहित सोल सहित  
(iii) गोल पंखा-पुळ  
(iv) शिरा रहित पश्चा-पुळ  
(v) निलंगी पंखा-पुळ  
(vi) छिली हुई/कन्धी हुई शिरा सहित

(vii) छिली हुई तथा शिरा रहित जैसा कि ऊपर (vi) में, लेकिन भोजन नलिका निकाल दी गई।

(viii) पकाई हुई तथा छिली जैसा कि ऊपर (iv) में, लेकिन काट कर खोल गई और अरेक्षित रंग से रखा गई।  
भिर तथा खोल पूरी तरह हटा दिए गए।

(ix) छिली हुई/कन्धी हुई शिरा सहित

(x) मारी पकाई हुई जैसा कि ऊपर (i) में लेकिन पकाई हुई भी।

**II. प्रशीनित श्रीगा मछली के पूळ-भाग के सभी प्रकार, प्रथात्—**

(i) पेनुलिरम होमारम  
(ii) पेनुलिरम ओरनाटम  
(iii) पेनुलिरम पालिफेक्स से प्राप्त पूळ भाग

**III. (i) पेम्मस ग्राजेन्टम**

(ii) वैरास्ट्रोमेडम निगर से प्राप्त सभी तरह की प्रशीनित मिल्वर पॉमफ्रिट नथा भूरी पॉमफ्रिट।

1. पूरी या अपारित मार्डीनिम (मार्डीनेल्ला स्पै०) से तैयार की गई सभी प्रकार की प्रशीनित मार्डीनिम।

रास्ट्रोलिनगर स्पै० से प्राप्त प्रशीनित भंकेरौल के सभी प्रकार

**1. कटल किश—**

(i) मेपिया गेविजल  
(ii) मेपिया एक्स्ट्रिएटा  
(iii) मेपिया रोस्ट्राटा  
(iv) मेपिया एनीर्मिस

**स्किव्हस—**

(i) प्रस्वेदित हाईविक्स केफर  
(ii) प्रस्वेदित हॉन्डिका केफर  
(iii) प्रस्वेदित अफाल्नम  
(iv) मेपियोटेन्टिपिक्स से प्राप्त कटल किश तथा स्किव्हस के प्रशीनित भर्त (फिल्टर)।

(प) “मारक चिनिवेंशो” से भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय के आदेश अ० का अ० नामी १९७७ के उपादान में अधिकारित प्रशीनित होगे, श्रीगा मछली का प्रशीनित पूळ-भाग, प्रश्न निम पॉमफ्रिट मार्डीनिम, प्रशीनित भंकेरौल नथा कटल मछली तथा स्किव्हस के प्रशीनित भर्त के विनिवेंश अभिप्रेत है।

3. उपादान के दोरान क्वानिटी नियंत्रण—नियर्ति के लिए आवश्यित मछली तथा मछली से बनी वस्तुओं का उपादान के दोरान क्वानिटी नियंत्रण और निरीक्षण नीचे दिए गए नियंत्रण के स्तरों के सहित संचालन या

उत्पादन के विभिन्न स्तरों पर निम्नलिखित नियन्त्रणों को लागू करते हुए भारतीय यूनिट द्वारा सुनिश्चित किया जाएगा।

### I. कच्ची सामग्री नियंत्रण

भारतीय यूनिट/पीलिंग शेड में कच्ची सामग्री के पहुंचने पर उसकी स्वालिटी, बाह्य पर्याप्त या उसी के समान पदार्थों की भावा में नियंत्रण किया जाएगा तथा उसकी रिपोर्ट वा परिवद्ध द्वारा भ्रमण-भ्रमण पर निर्धारित रूप में अभिनेत्र रखा जाएगा। यह सुनिश्चित किया जाएगा कि समाधन के लिए ताजी तथा पुष्टिकर कच्ची सामग्री का ही प्रयोग किया जाता है।

### II. मकाई सम्बन्धी सुविधाएँ तथा नियंत्रण

(1) संसाधन की पृथकता जिस स्थान में वज्ज्ञा माल भ्रमता है तथा एकत्रित किया जाता है वह उत्पाद की गतिमान रूप में नियंत्रण या भैंकर किए जाने वाले स्थान से हीयां माल को भ्रमण से बचाने के लिए पूर्णतया पृथक होगा। खाल उत्पाद को एकत्रित करने के लिए प्रयुक्त स्थान तथा उत्पन्न उत्पन्न कक्ष उनमें पृथक तथा नियंत्रण होगे जो अव्याधि सामग्री के लिए प्रयुक्त होते हैं। जिन स्थानों पर मछली का काम होता है, अवासीय प्रयोजन के लिए प्रयुक्त स्थान से पूर्णतया पृथक होगे।

(ii) जल पूर्ति वैयक्ति क्लोरीन यूनिट जल प्रचुर मात्रा में उपलब्ध होगा तथा हानिकारक रमायन तथा कीटाणु रहित होगा। संसाधित कच्चे माल के प्रत्येक पौड़ि के लिए पानी की व्यवस्था कम से कम 5.5 लिटर की होगी जो कि सर्वथा न्यूनतम सामग्री जाती है। यदि बायोलर या अन्य सहायक सेवाओं के लिए पीते के अव्योग्य जल की पूर्ति की जाती है तो सहायक जल वितरण तत्र तथा वैयक्ति जल वितरण तत्र के बीच कोई पारगामी संबंध नहीं होगा। तथापि अत्यावश्यक सामग्री में, जहां बायोलर तथा अन्य सहायक सेवाओं के लिए वैयक्ति जल अपेक्षित है, अभिकरण की पूर्ण अनुमति से पारगामी सम्बन्ध स्थापित किया जा सकता है।

(iii) बर्फ यूनिट में बनाई गई बर्फ के बर्फ वैयक्ति जल से बनी होगी तथा यह इस रूप से उठाई-रखी, भोजाइन तथा प्रयुक्त की जाएगी कि सदूषण से बचाव किया जा सके। जहां संसाधन संयंत्र से बाहर की बनी बर्फ प्रक्रम के द्वारा नाई जाती है तो उसकी यह सुनिश्चित करने के लिए वरख की जाएगी कि यह वैयक्ति जल में बनाई गई है तथा इसका नहीं।

(iv) प्रकाश परियार भली-भाति प्रकाशित होगा। उत्पाद के ऊपर लटकते हुए या इसके तीव्रारी के किसी भी स्तर पर, प्रकाश बरने वाले बर्ख तथा सामान सुनिश्चित प्रकार के होते या ऐसे अन्यथा होते कि दृटन की बर्ख में सदूषण को रोका जा सके।

(v) प्रसाधन सुविधाएँ प्रसाधन की पर्याप्ति तथा सुविधाजनक सुविधाएँ दी जाएंगी। प्रसाधन (टाइलेट) का वरचाना अपने ग्राम बद्द होने वाला होगा तथा उस प्रोर नहीं खुलेगा जहां कच्चा माल, वैयार माल या बर्फ रखी जाती है या जहां समाधन कार्य किया जाता है। हाथ धोने की सुविधाएँ तथा साबुन प्रसाधन में उपलब्ध कराए जाएंगे। धोने के प्रयोजन के लिए वैयक्ति जल दिया जाएगा।

(vi) हाथ धोने की सुविधाएँ प्रत्येक समाधन हाल में साबुन तथा हाथ धोने की पर्याप्त सुविधाएँ दी जाएंगी। धोने के प्रयोजन के लिए वैयक्ति जल दिया जाएगा।

(vii) स्वच्छता पैकेट किए गए माल के अनुशिष्ट समाधित मछली के सम्पर्क में आने वाले सभी बर्तन, द्वे तथा मेज की सतह पर होने सफाई करने वाली सामग्री से, तथा ग्रन्तिमान रूप से ऐसे पानी में धोई जाएंगी जिसमें क्लोरिन का प्रति वस्त-नाश पचास भाग का न्यूनतम मैकेन्ट्रण हो। यह कार्य दिन का काम आरम्भ होने से पहले किया जाएगा और उसके पश्चात् प्रत्येक कार्य पारी के अन्त में किया जाएगा। समाधन के लिए प्रयुक्त पानी में प्राण क्लोरीन का न्यूनतम अंश प्रति दस लाख में तीन भाग पर रखा जाएगा। चमकाने और दोबारा चमकाने के लिए प्रयुक्त पानी में क्लोरीन का न्यूनतम स्तर प्रति दस लाख में दस भाग पर होगा।

आरोटी टकिया पन्द्रह दिन में एक बार अच्छी तरह से साफ की जाएंगी तथा सैवै दृक कर रखी जाएंगी।

### III. उपस्कर तथा बर्तन

(1) छिलाई तथा शिंग रहित समाधन कार्य में पर किया जाएगा। मेज की सतह स्टेनलैस स्टील एल्युमीनियम या इसी प्रकार अनशिरर नामग्री की होगी।

(ii) खाल सामग्री के सम्पर्क में शाने वाली सभी सतह एकसार गहों तथा दगड़ों से मुक्त नहीं अनशिरर प्रकार की होगी ये ऐसी होगी कि बायोलर सामान्य भकाई को महन कर सके। इनमें किए हुए तथा तार की जानी वाले बर्तनों का प्रयोग नहीं किया जाएगा।

(iii) उपस्कर हम कुंग से सम्बद्धित किए जाएंगे कि उनमें आमानी व पूरी तरह सफाई हो सके।

(v) खाल तथा संतुष्टित सामग्री के लिए प्रयुक्त उपस्कर तथा बर्तन चिन्ह या आकार या रंग द्वारा अलग से पहचाने जाएंगे ताकि वे खाल वस्तुओं को उठाने-धरने के लिए प्रयुक्त न हों। फालतु सामग्री उत्पादन के दोगन कार्य-क्षेत्र से निकाली जाती रहेंगी तथा इस प्रयोजन के लिए छोलन को उठाने के लिए पर्याप्त पात्र किए जाएंगे।

(vi) सभी पकाने की कियाए भाप द्वारा की जाएंगी। भापमह पात्र या भपको में ताप साप्त या तापमानी सर्ग होते।

### IV. प्रशीतागार के लिए अपेक्षाएँ

(i) अस्ततम बाल में आशयित उत्पाद की माला, उठाने-धरने वाले मछली उत्पादों के प्रकार, भाड़ारवरण सथा सभाव्यत तापमान वी प्रपेक्षाओं का ध्यान रखने हुए प्रशीतागार बनाया जाएगा।

(ii) प्रशीतागार की स्थिति तथा डिजाइन इस प्रकार का होगा कि यह पूरे स्थापन की सामान्य रूप रेखा में समाकलित हो जाए और इसका प्रबालन पूरे कार्य की पद्धति गति में समाविष्ट हो जाए।

(iii) प्रशीतागार की दीवारों, छतों तथा कर्पोर की बोधी तहों के गर्म पक्के पर अवरण के रूप में प्रशीतागार प्रभावी जल-वाष्प अवरोधक होंगे।

(iv) प्रशीतागार का प्रवेश इस डिजाइन से बनाया जाएगा कि प्रवेश द्वारा छोलने पर प्रशीतागार का तापमान प्रधिक भावा में नहीं बढ़े अन्यथा वह अप्पार किए गए उत्पाद पर प्रभाव लानेगा।

(v) प्रशीतागार की प्रशीतक मनह को उम पर बर्फ या हिम के अधिक अमने से बनाने के लिए नियमित रूप से अक्षिमनित किया जाएगा क्योंकि उसमें प्रशीतन तत्र की बकाना गरमीर रूप से प्रभावित हो सकती है। प्रहिमन के दौरान इम बाल का ध्यान रखा जाएगा कि हिम, बर्फ या पिघल कर बना पानी भडार किए गए उत्पाद पर न पड़े।

(vi) प्रशीतागार में सफाई सम्बन्धी अपेक्षाओं का उमी रूप में पालन किया जाएगा जैसा खाल-पर्याप्त का कार्य नहीं वाले संस्थापन में होता है। इस प्रयोजन के लिए एक नियमित सफाई पद्धति, अच्छे स्वास्थ्य परिवेश को सुनिश्चित करने के लिए अपनाई जाएंगी।

(vii) प्रशीतागार के कमरों में तापमान ता दर्ज करने वाले स्वालिट भंव लगे होंगे। प्रशीतागार के तापमान अभिनेत्र अभिकरण/परिवद् के प्रशीतागार द्वारा भन्यापन के लिए प्रस्तुत किए जाएंगे।

(viii) यदि किसी वर्षा में कोई अप्पिन प्रशीतागार के अवधारण बने हो जाए तो उसके लिए प्रशीतागार में प्रभावी संकेत यंत्र लग होंगे। प्रशीतन के अप्पारगृह तथा शीतन कमरों का तापमान अमर्ग —18° से 0° तथा +18° में से अधिक तहीं होगा।

### V. सफाई (स्वास्थ्य) सम्बन्धी कार्य

(1) माल को वाल-पर्याप्त से बचाने के लिए सभी आवश्यक सावधानियों बरती जाएंगी।

(ii) कोडे-मकोडे तथा पक्षु नियन्त्रण: संसाधन लोडों में भीड़ों, और छुतक, पश्ची, बिल्ली, गृहों प्रादि का प्रबोध रोकने के लिए प्रभावशाली उपाय किए जाएंगे।

(iii) व्यक्तिगत स्वास्थ्य: कार्यशाला का, प्रशासन यह मुनिश्वत करने का व्याप्त करेगा कि किसी भी ऐसे व्यक्ति को जिसके बारे में यह जान हो कि वह संकामक रोग से पीड़ित है, यूनिट के किसी भी लोक में कार्य करने की अनुमति नहीं दी जाती है। ऐसी बीमारी के पता लगाने में सरलता के लिए प्रशासन उन व्यक्तियों की, जिन्हें यूनिट के लोक में काम करने की अनुमति दी गई है, जिसाही स्वास्थ्य परीक्षा करवेगा।

(iv) नशीले पदार्थ: आग बुझाने वाले यत्नों के प्रतिरक्षत सभी दस्तुन-नाशक धूमीकरण, कोटानु-नाशक या अन्य पदार्थ जो स्वास्थ्य के लिए धारक हैं, पृथक बम्ब करने में रखें जाएंगे। ऐसे सभी पदार्थ तथा यत्नों की घरा-उठाई किसी प्रशिक्षित व्यक्ति द्वारा की जाएगी।

(v) जल निकास: कारबाना परिसर में प्रयुक्त जल को निकालने के लिए जल-निकास की और इसे यूनिट से कम से कम 3 मीटर (10फुट) दूर नाले में डालने के लिए पर्याप्त सुविधाएं होंगी। कारबाने के अन्दर जल-निकास अवस्था ठीक से हो गी। प्रशासन (टाइलेट) में से गम्भा जल इस द्वंग से हटाया जाएगा कि मक्कियां उस तक न पहुँच सकें और यूनिटों को दिए जाने वाला जल अपद्रव्यित न हो। किसी भी दशा में परिसर में फालतु पानी या वर्षा का जल एकत्रित नहीं होना चाहिए।

(vi) फर्श: यूनिट का फर्श एकसार तथा भिंडेट का होगा और उसका द्वालान ऐसा होगा कि पानी हमेशा नाली की ओर बहे।

## VI. सैमिक्षक सफाई

(i) मछली तैयार करने वाले लोकों में काम करने वाले व्यक्ति काम करने समय अपनी अर्थात् सफाई रखेंगे। वे ठीक से निष्कादित सफेद चोगे (शोवरआल) बस्ताने तथा सुरक्षा वस्त्र पहनेंगे जो पारी के आरम्भ में ही दे दिए जाएंगे।

(ii) कर्मचारी हमेशा, और विशेष रूप से संसाधन हाल से प्रत्येक अनुस्पत्यित के पश्चात् जैसा आवश्यक हो, अपने हाथ पेम जल तथा मात्रुत से धोवेंगे।

(iii) धूकने तथा तम्बाकू के प्रयोग का परिसर में निवेद होगा। खाने के लिए अलग स्थान विद्या जाएगा तथा अन्य स्थानों पर खाना मना होगा।

## VII. निरीक्षण

(i) इन नियमों के अन्तर्गत निरीक्षण के प्रयोजन के लिए एक विन का उत्पादन नियन्त्रण द्वारा होगा। कच्ची सामग्री जैसे स्थान आदि की सम्मिलित करने हुए उत्पाद में से लिए गए नमूने परिषद् द्वारा बनाए गए निर्देशों के अनुसार होंगे।

(ii) संसाधन यूनिट, यह मुनिश्वत करने के लिए कि उत्पादन निर्धारित विनियोगों की विविध अपेक्षाओं के अनुरूप है, उत्पादन या संसाधन के सभी भारों पर उचित नियन्त्रण तथा जांच करें।

(iii) ऐसे नियन्त्रण यूनिटों की जो विनियोगों के अनुरूप नहीं हैं, अस्वीकृति से सम्बन्धित सूधना देते हुए पृथक प्रयिनेक रखा जाएगा।

(iv) यदि, किसी भी समय उत्पाद की अनुरूपता को विनियोगों के अनुसार रखने में कोई कठिनाई होती है, या परख करने वाले उपस्कर खराब हो जाते हैं या अभिकरण द्वारा किसी भी कारण से ऐसा करने के लिए निर्देश दिया गया है तो मछली तथा मछली से बनी वस्तुओं का नियांत्रण के लिए उत्पादन या संसाधन, प्रशिक्षण तथा परिषद् को सूचना देने हुए, रोक दिया जाएगा। नियांत्रण के लिए उत्पादन या संसाधन के लिए उपस्कर या अपस्करों की मरम्मत करा ली गई हो, या अभिकरण ऐसा निर्देश करे। नियांत्रण के लिए उत्पादन या संसाधन को पुनः अदरम्म करने की सूचना भी अभिकरण तथा परिषद् को लिखित रूप में भेजी जाएगी।

(v) यदि अभिकरण ऐसा प्रशिक्षण करने की है तो संसाधन भूमियों के द्वारा परख करने के प्रतिरक्षत नियांत्रण के लिए उत्पादन संसाधन अभिकरण द्वारा निरीक्षण किया जाएगा और—

(क) यदि अभिकरण द्वारा की गई परखों मात्रक विनियोगों की एक या अधिक अपेक्षाओं में खराब होने का मकेन करती है तो मात्र अस्वीकृत कर दिया जाएगा, और;

(ख) यदि लिए गए नमूने मात्रक विनियोगों की अपेक्षाओं से अनुरूपता का संकेत करते हैं तो मात्र नियांत्रण के लिए ऐसा करने के लिए स्वीकृत कर दिया जाएगा।

## 4. निरीक्षण की प्रक्रिया—

(1) मछली तथा मछली से बनी वस्तुओं का नियांत्रण करने का इच्छुक नियांत्रिकरण/संसाधन अपने ऐसा करने के आशय की सूचना लिखित रूप में नियांत्रण निरीक्षण परिषद् के निकटम कार्यालय को देगा। ऐसी सूचना के प्राप्त होने पर, नियांत्रण निरीक्षण परिषद् का अधिकारी संसाधन यूनिट में जाएगा और उसकी मिकारिंग पर, नियम 3 के अन्ती नियांत्रित के अनुसार या संसाधन यूनिट के द्वारा अन्य प्रकार से अपनाए गए के अनुसार उत्पादन के दोगने क्षालिटी नियन्त्रण पद्धति की पर्याप्तता की जांच करने के लिए, परिषद् द्वारा इस प्रयोजन के लिए बनाए गए विशेषज्ञों के पैनल द्वारा निरीक्षण की व्यवस्था की जाएगी। विशेषज्ञों के पैनल की सिफारिश पर घोषित कर दिया जाएगा कि यूनिट के पाम उत्पादन के दोगने क्षालिटी नियन्त्रण की व्यवस्था है। संसाधन यूनिट इस प्रयोजन के लिए परिषद् के अधिकारियों और विशेषज्ञों के पैनल के सदस्यों को सुविधाएं देगी।

(2) मछली तथा मछली से बनी वस्तुओं के परेषण का नियांत्रण करने का इच्छुक नियांत्रिकरण/संसाधन अपने ऐसा करने के आशय की सूचना अभिकरण को लिखित रूप में देगा और ऐसी सूचना के मात्र इस बात का घोषणापत्र देगा कि—

(क) मछली तथा मछली से बनी वस्तुओं का परेषण नियम 3 में दिए गए, उत्पादन के दोगने क्षालिटी नियन्त्रण उपायों का प्रयोग करते हुए, संसाधन किया गया है या किया जा रहा है, या

(ख) परेषण इस प्रयोजन के लिए मात्रक विनियोगों की अपेक्षाओं के अनुरूप है।

3. (क) उप-नियम 2(क) के अन्तर्गत प्रत्येक सूचना तथा घोषणा प्राप्त होने पर, अभिकरण अपना यह समाधान कर लेने पर कि उत्पादन की प्रक्रिया के दोगने नियम 3 में दिए गए, उत्पादन के दोगने पर्याप्त क्षालिटी नियन्त्रणों का, यूनिट द्वारा प्रयोग किया गया है, परिषद् द्वारा समय-समय पर जारी किए गए निर्देशों के अनुसार, परेषण का निरीक्षण करेगा।

(ख) उप-नियम 2(ख) के अनुसार सूचना तथा घोषणा प्राप्त होने पर अभिकरण, उप-नियम (1) के अनुसार उत्पादन के दोगने क्षालिटी नियन्त्रण की पर्याप्त व्यवस्था न रखने वाले यूनिट द्वारा संसाधन अभिकरण का, परिषद् द्वारा समय-समय पर जारी किए गए निर्देशों के अनुसार, यह मुनिश्वत करने के बिचार से कि वह अधिनियम की धारा 6 के अन्तर्गत प्रधिसूचित मात्रक विनियोगों के अनुरूप है, निरीक्षण करेगा।

4. उप-नियम (2) के अन्तर्गत प्रत्येक सूचना तथा घोषणा उत्पादन-कर्ता के परिसर से परेषण के भेजे जाने से कम से कम सात विन अभिकरण के कार्यालय में पहुँचेंगी।

5. यदि अभिकरण ने अपना यह समाधान कर लिया है कि नियांत्रण किया जाने वाला मछली तथा मछली से बनी वस्तुओं का परेषण उप-नियम (3) की अपेक्षाओं के अनुरूप है तो वह उप-नियम (2) के अन्तर्गत सूचना तथा घोषणा प्राप्त होने के सात विनों के भीतर परेषण भी नियांत्रण द्वारा नियांत्रित कर देगा।

परन्तु जहाँ अभिकरण का इस प्रकार समाधान नहीं होता है तो वह उस सात दिनों की अवधि के भीतर ऐसा प्रयोग-पत्र देने से इकार कर दगा तथा ऐसे इकार की सूचना कारणों सहित समूचित करेगा ।

6. तत्पत्रात्, उत्पादन के द्वौरान क्वालिटी-नियंत्रण की पर्याप्त अवधिकारी रखने वाली यूनिटों में अभिकरण के अधिकारी प्रतिदिन या नियमित अन्तरालों पर, उनके द्वारा अपनाई गई उत्पादन के द्वौरान क्वालिटी नियंत्रण पद्धति की पर्याप्तता की जांच करने के लिए जाएगे । प्रत्यक्ष दिन के उत्पादन (सकेत) में से अभिकरण के अधिकारियों द्वारा स्वेच्छा से नमूने विस्तृत जैवतान्त्रिक तथा कौटाणु-सम्बद्धी परीक्षण के लिए जाएंगे । यदि किसी मंसाधन यूनिट में यह पाया जाता है कि उसमें सासाधन या पैरिक्षण के लिए भी स्तर पर अपेक्षित क्वालिटी-नियंत्रण उपायों की अपनाया नहीं गया है तो परिषद् या अभिकरण के अधिकारी की सिफारिश पर यह घोषित कर दिया जाएगा कि उसके पास उत्पादन के द्वौरान क्वालिटी नियंत्रण की पर्याप्त अवधिकारी नहीं है । उस दशा में यूनिट किरण से प्रावेदन करेगा जिसमें नदूसार पैनल के विशेषज्ञों के द्वारा निरीक्षण का प्रबन्ध किया जा सके ।

7. शीतन कक्ष और प्रशीतिन कक्ष का तापमान क्रमशः—18° सें. में 0. तथा +1° सें. 0. से अधिक नहीं होगा । तापमान स्वच्छ, लिन यूनिटों के द्वारा दर्ज किया जाएगा तथा इस प्रयोजन के लिए अभिलेख रखे जाएंगे । ऐसे मन्त्रालय के लिए, जो आवश्यक समझा जाए, अभिकरण/परिषद् के अधिकारियों को तापमान बनाए रखने को विशेषज्ञों के द्वारा निरीक्षण का उपलब्ध कराई जाएगी ।

8. यदि अभिकरण या परिषद् के अधिकारी शीतन कक्ष और प्रशीतिन कक्ष के तापमान से संतुष्ट नहीं हैं तो शीतलागार की अवस्था निर्धारित अपेक्षाओं के अनुरूप नहीं पाई जाती है तो ऐसा माना जा सकता है कि यूनिट के पास उत्पादन के द्वौरान पर्याप्त क्वालिटी-नियंत्रण नहीं है और यूनिट द्वारा प्रस्तुत किए गए परेशन का उपनियम (3) (अ) के अनुसार निरीक्षण किया जाएगा ।

9. ऊपर चिनाए गए मानकों को तथा उत्पादन के द्वौरान नियंत्रणों को मुनिश्वित करने के प्रयोजन के लिए अभिकरण या परिषद् के अधि-

कारी की सर्वेषित अभिलेखी तथा उन परिसरों तक पहुंच होगी जहाँ मछली तथा मछली से बड़ी वस्तुओं का संसाधन या पैरिक्षण या नाप्तारकरण किया जाता है ।

### 5. निरीक्षण फीम—

इन नियमों के अन्तर्गत प्रत्येक परेशन के लिए कम से कम फीम तीस रुपए होनी तथा निगननिवित दरों पर फीम निरीक्षण फीम के रूप में नियमित कर्ता द्वारा अभिकरण को दी जाएगी, अर्थात्—

(क) प्रशीतित श्रीगों के सभी प्रकार —12 पैसे प्रति किंवद्धा० या उससे कम के लिए

(ख) श्रीगा मछली का पृष्ठ-भाग —15 पैसे प्रति किंवद्धा० या उससे कम के लिए

(ग) प्रशीतित पामफिट —वही—

(घ) प्रशीतित साइलिन्स —वही—

(ङ) प्रशीतित मकराल —वही—

(च) कटल किण तथा स्कर्वीड्स के प्रशीतित भरन —वही—

### 6. अपील—

(1) अभिकरण द्वारा नियम 4 के उपनियम (5) के अन्तर्गत अप्रयोग-पत्र देने से इकार से व्यक्ति ऐसे इकार की उसे सूचना प्राप्त होने के दस दिनों के भीतर इस प्रयोजन के लिए केन्द्रीय सरकार द्वारा नियुक्त विशेषज्ञों के वैनल भी जिसमें कम से कम तीन और सात व्यक्ति होंगे, अपील कर सकता है ।

(2) विशेषज्ञों के वैनल में वैनल के कुल सदस्यों में से वो तिहाई गैर-नरकारी होंगे ।

(3) वैनल की गणपूर्ति तीन से होगी ।

(4) अपील होने के 15 दिनों के भीतर निपटा दी जाएगी ।

### उपलब्ध II

#### I. प्रशीतित श्रीगों के लिए विनियोग (श्रीगे)

कम सं०	विशेषज्ञाएँ	तुरी तथा भिर-रहित खोल सहित		ठिनी हुई, शिरा-रहित तथा तिली प्रकार के लिए	पकाई हुई
		3	4		
1.	खोल का रंग	ताजे पकड़े गए श्रीगे के प्राकृतिक रंग की विशेषता	—	—	—
2.	मास का रंग	ताजा पकड़े गए श्रीगे की विशेषता	जातिगत रंग	जातिगत रंग	—
3.	खोल या मास का काला विशेषण	शून्य	शून्य	—	—
4.	मांस की बनावट	जमा हुआ तथा एक समान ताजे पकड़े गए ।	जमा हुआ तथा एक समान	जमा हुआ तथा एक समान	—
5.	गंध	ताजे पकड़े गए श्रीगे की जातिगत गंध कोई भी ग्राह्य गंध नहीं होनी चाहिए	ताजे पकाए गए श्रीगे की गंध	—	—
6.	प्रति ग्रा० 37 मे० दें० गिसी गई कुल जीवाणुओं की संख्या अधिकतम	5,00,000	5,00,000	1,00,000	—
7.	प्रति ग्रा० 40 कोनी मंस्या अधिकतम	20	20	—	शून्य
8.	कोगुलेज शीवित गुण्डाणु प्रति ग्रा० सं० म्या अधिकतम	100	100	100	—
9.	सैलमीनल्ला	शून्य	शून्य	शून्य	—

सामग्री में भूल, कीमों या बाल या अन्य वाह्य पदार्थ तथा कोई विषेला या हानिकारक पदार्थ नहीं होना चाहिए ।

## संकेतन

(i) प्रशीतित ब्लाकों के माथे एक संकेत पर्ची बड़ी रहेगी जिस पर तैयार करने वाले का नाम उत्पाद का प्रकार, तैयार करने का वर्ष, महीना तथा नारीक संकेत में दी गई होगी अलग-अलग शब्द। प्रशीतित (अ० अ०स०प्र०) पैकिंग की वजा में संकेत पर्ची भीतरी डिज्डों में रखी जाएगी। संकेत पर्ची को संक्षिप्त रूप में लिखने के लिए एक उदाहरण नीचे दिया जा रहा है।

एक्स बाई एक एम वी डी  
6ए 05

उक्त उदाहरण में,

क ला —तैयार करने वाले का संकेत नाम  
प्र० शी० —प्रशीतित शीगे  
शी० मि० स्प० —उत्पाद का प्रकार तथा इस उदाहरण में यह छोले हुए तथा मिरा सहित प्रकार को सूचित करती है।  
6 —तैयार करने का वर्ष और इस उदाहरण में यह 1976 वर्ष को सूचित करता है।  
ए —तैयार करने का महीना और इस उदाहरण में यह जनवरी महीने को सूचित करता है।  
05 —तैयार करने की नारीक और इस उदाहरण में यह महीने के पांचवें दिन को सूचित करता है।

(ii) निम्नलिखित संकेताकार (क) उत्पाद के प्रकार तथा (ख) वर्ष के महीनों के लिए प्रयाग किए जाएँगे:—

## (क) उत्पादन के प्रकार

## संकेताकार

1 सम्पूर्ण स०  
2 सिर रहित सि० २०  
3 फैनट्रेल गोल फै० गो०  
4 फैनट्रेल सिरा रहित फै० सि० २०  
5 फैनट्रेल बटरफलाई फै० ब०  
6 छोली हुई तथा मिरा सहित छी० मि० स०  
7 छोली हुई तथा मिरा-रहित छी० मि० २०  
8 पकाई हुई तथा छीली हुई प० छी०  
9 छोली हुई, सिरा-रहित तथा पकाई छी० मि० २० प०

हुई

## (ख) 10 सम्पूर्ण पकाई हुई

## स० प०

महीना संकेताकार  
जनवरी ए  
फरवरी बी  
मार्च ] सी  
अप्रैल ई  
मई इ  
जून एक  
जुलाई जी  
अगस्त एच  
भित्तम्बर जे  
अक्टूबर के  
नवम्बर एल  
दिसम्बर एम

## II. शीगा मछली का प्रशीतित पृष्ठ भाग

सामान्य	वैज्ञानिक नाम	श्यापार नाम	मास के रंग पर आधारित प्रकार	आकार म०अ०स०प्र० व्लाक पैकिंग	वर्ष ग्रामों में भार पर ग्रा० में०	जीवाणु विज्ञान विषयक मानक	पैकिंग तथा भंडारी-करण
1	2	3	4	5	6	7	8
शीगा मछली का प्रशीतित पृष्ठ भाग ताजे शीगों से प्राप्त एस०प्र० पृष्ठ भागों के सवैयः प्रशीतित से नैयार किया जाएगा। इसको संभाधन मकाई से रखे गए परिसर में किया जाएगा।	1 पैनुलीरस चट्टानी शीगों का एस०प्र० पृष्ठ भाग	(1) बर्फीले संकेत (2) हल्के गुलाबी	909/अधिक से संकेत 794/908 से गुलाबी	लागू नहीं होता	(1) शुल जीवाणु संलग्न प्रति ग्रा० 5,00,000 प्रथिकतम से हल्के गुलाबी, 284/340 ग्रामों में भार पर ग्रा० में०	(1) शुल जीवाणु संलग्न प्रति ग्रा० 5,00,000 प्रथिकतम से हल्के गुलाबी, 284/340 ग्रामों में भार पर ग्रा० में०	शीगा मछली का पृष्ठ भाग आईना सुरक्षित फ्लैम में अलग-अलग स्पैष्ट ग्राम नलीदार कार्ब्रुर गुणात्मकों की संवया ग्राम प्रथिकतम से पहले ब्लाकों में -120 (3) कोएगुलेस जीवित जीव-गुणात्मकों की संवया ग्राम प्रथिकतम से पहले ब्लाकों में 100 पैक किया जाएगा।
गलाने पर माल आकृष्ट करने वाला विशिष्ट रूप रखते हुए साफ होगा तथा हर प्रकार से जमा होता, साबुत, अभ्रत तथा बोंबों से सुक्त होगा। मास ताजे पकड़े गए शीगों के विशिष्ट रंग तथा गंध वाला होगा तथा उसमें रंग, रंग-हीनता या दुर्गंध नहीं होगी। माल अंडां, रेत, गंदवी तथा दूसरे बाह्य पदार्थों से मुक्त होगा।	2 दुनस एस०प्र० रेतिले शीगों का एस०प्र० पृष्ठ भाग	(1) बर्फीले संकेत (2) हल्के संकेत से हल्का भूरा	171/अधिक से संकेत 114/170 से गुलाबी	लागू नहीं होता	(1) शुल जीवाणु संलग्न प्रति ग्रा० 57/113 प्रथिकतम से हल्का भूरा	(1) शुल जीवाणु संलग्न प्रति ग्रा० 57/113 प्रथिकतम से हल्का भूरा	बही प्रथीतित मास 180 ग्र०प्र० या उससे कम लापामान वाले कमरे में इकट्ठा किया जाएगा।
	3 पैलस एस०प्र० गहरे मुँदी शीगों का पृष्ठ भाग	(1) बर्फीले संकेत (2) हल्के गुलाबी से गुलाबी	171/अधिक 114/170 से गुलाबी	पू०/4 4/8 9/15 4/8 9/15 16/20 21/25 15/28 26/3	पू०/4 4/8 9/15 4/8 9/15 16/20 21/25 15/28 26/3	4 सालमोतेल्ला शून्य	

## संकेत चिन्ह

(अवग-प्रलग मद्यः प्रशीतिन) श्रीग मछली के पृष्ठ-भाग के हित्रों के लिए संकेत परियों भीनरी हित्रे में रखी जाएंगी। संकेत परियों बनाने के लिए उदाहरण नीचे दिया गया है।

'एकम बाई एल टी डी एस'

6ए 05

उदाहरण में—

क	तैयार करने वाले का संकेत नाम
स्त्री०पृष्ठ	श्रीग मछली का पृष्ठ भाग
म०स्त्री०पृ०	उत्पादन का प्रकार और इस उदाहरण में यह गहरे भयुदी श्रीगों के पृष्ठ भाग को सूचित करता है।
6	तैयार करने का वर्ष और इस उदाहरण में यह वर्ष 1976 को सूचित करता है।
८	तैयार करने का महीना और इस उदाहरण में यह जनवरी महीने को सूचित करता है।
०५	तैयार करने की तरीका और इस उदाहरण में यह महीने के पांचवें दिन को सूचित करता है।

(2) निम्नलिखित संकेताकार (क) उत्पादन के प्रकार तथा (ब) वर्ष के महीने के लिए प्रयोग किया जाएगा।

## (क) उत्पाद का प्रकार

चट्टानी श्रीगों का पृष्ठ-भाग	संकेताकार
रेतीसे श्रीगों का पृष्ठ-भाग	च०स्त्री०पृ०
गहरे समुद्री श्रीगों का पृष्ठ भाग	म०स्त्री०पृ०

## (ख) महीना

जनवरी	संकेताकार
फरवरी	ए
मार्च	मी
अप्रैल	सी
मई	डी
जून	ई
जुलाई	एफ
अगस्त	जी
सितम्बर	एच
अक्टूबर	जे
नवम्बर	के
दिसम्बर	एल

## III. प्रशीतित पौमफिट के लिए विनिर्देश

मामान्य	वैज्ञानिक नाम	व्यापारिक नाम	प्रकार	प्राकार, वर्ण पैकिंग (ग्रा० टुकड़ों पर भाषा- रित भार)	ग्र०ग्र०स०प्र० जीवाणु विज्ञान सम्बन्धी मानक	पैकिंग तथा भंडारीकरण
1	2	3	4	5	6	7

प्रशीतित पौमफिट साफ, संपूर्ण (गोल) तथा ताजे पौमफिट के स्ट्रेचः प्रशीतिन से तैयार की जाएगी।	पैम्पस प्रशीतित सिलबर पौमफिट	प्रशीतित पौमफिट	श्रेणी नाम	ग्राम में भार बड़ी 450 से मध्यम अधिक छोटी	1. प्रति ग्राम कुप जीवाणु की संख्या, ग्राम प्रधिकतम 5,00,000 200 से 300	प्रशीतित पौमफिट आईता सुरक्षित फिल्म में प्रलग- प्रलग सपेटी जाएगी। प्रशीतित उत्पाद समुद्री जहाज में ले जाने योग्य नलीदार काई 3. कोगुपेज बोईं के हित्रों में जीवित जीव- गुच्छाण्ट्रों की प्रति ग्राम प्रधिकतम ग्राम—100 4. मासमोनेल्ला का तापमान 18° से 0प्र० या कम होगा।
सकाई से रखे गए परिसर में संसाधन किया जाएगा।	प्रशीतित पौमफिट					
माल का 30° से 0प्र० में कम संभव समय में सव्यः प्रशीतिन किया जाएगा।						
गलाने पर माल जमा हुआ, साकृत, अकात तथा योषों से मुक्त होगा।						

कोई विहृति, निर्मलीकरण, विमुतांधन तथा नसुद्धों में मैट्स नाइगर व्यापार विवरण विवरित नहीं होगा।	2. पेगस्टरों प्रशीतित भूगी पौमफिट	बड़ी 1000 से प्रधिक मध्यम 701 से 1000 छोटी 450 से 700	पूर्ण -वही- -वही-
--	-----------------------------------	---	----------------------

## सकेत चिन्ह

(ग्रलग-ग्रलग सद्य प्रशीतित) पॉमफिट वाले डिब्बों के लिए, संकेत पर्वी भीनरी डिब्बे के प्रदर्श रखें जाएंगी। सक्षेप में सकेत पर्वी गताने के लिए उदाहरण दीने विया गया है —

'एसस वाई एफ फी डब्ल्यू'

6ए 05

उक्त उदाहरण में,—

क ख तैयार करने वाले का सकेत नाम  
पार्मी० पॉमफिट स०—सफेद  
6 तैयार करने का वर्ष और इस उदाहरण में  
यह 1976 वर्ष को सूचित करता है।  
उ तैयार करने का महीना और इस उदाहरण  
में यह जनवरी महीने को सूचित करता  
है।  
05 तैयार करने की तारीख और इस उदाहरण  
में यह महीने का पांचवा दिन सूचित  
करता है।

(2) निम्नलिखित सक्षेपाक्षर (क) उत्पादन के प्रकार तथा (ख) वर्ष के महीनों के लिए प्रयुक्त किए जाएंगे,—

(क) उत्पाद का प्रकार  
मफेद पॉमफिट  
काली पॉमफिट

सक्षेपाक्षर  
म० पार्मी०  
क०पार्मी

(ख) महीना

जनवरी  
फरवरी  
मार्च  
अप्रैल  
मई  
जून  
जूलाई  
अगस्त  
सितम्बर  
अक्टूबर  
नवम्बर  
दिसम्बर

सक्षेपाक्षर  
ए  
बी  
सी  
डी  
ई  
एफ  
जी  
एच  
जे  
क  
एन  
एम

IV. प्रशीतित सार्डीनस के लिए विनिर्देश (सार्डीनेल्ला विशेष)

सामान्य	वैज्ञानिक नाम	व्यापारिक नाम	पैक मा आकार	वर्ग	जीवाणु-विश्लेषण मानक	पैकिंग तथा भण्डारोकरण
1	2	3	4	5	6	7
प्रशीतित सार्डीनस साबुत सार्डीनेल्ला सै०	सार्डीनेल्ला सै०	सार्डीनस	ग्रलग-ग्रलग सद्य प्रशीतित पैक	4-6 टुकडे 7-8 टुकडे 10-12 टुकडे	1 प्रति ग्रा० कुल जीवाणुओं की मण्ड्या ग्रधिकतम 1,00,000 2 प्रति ग्रा० ई० कोली ग्रधिकतम 10 3 कोण्गुलेज जीवित जीव गृज्जाणुओं की प्रति ग्राम ग्रधिकतम सम्पर्या- 100 4 मानमोनेल्ला—शन्य	प्रशीतित सार्डीनस आईता सुरक्षित फिल्म में ग्रलग-ग्रलग लपेटी जाएगी या प्रशीतित से पहले ब्लाक में रखी जाएगी। उत्पाद समुद्री जहाज से ले जाने योग्य 5 प्लाई के ललिं-दार कार्ड-बोर्ड के डिब्बों में पैक किया जाएगा। प्रशीतित मात्र 18°से० ग्रे० या कम के तापमान वाले ठंडे बम्बे में रखा जाएगा।
या आहार नली युक्त मछली से तैयार की जाएगी। अंतिम, गल-फेरे, बायू हैली तथा आहार नली की परत निकाल दी जाएगी। आंत निकाली तुर्ह मछली को खून साफ के लिए अच्छी तरह से साफ पानी से धोया जाएगा। माल विहृतिशर्जली-करण, बिगड़ने ब्लास परिवर्तन का कोई फिन्ह नहीं दिखाएगा। मात्र 3 घण्टे से 20° से० ग्रे० से प्रसंधिक तापमान पर सद्य प्रशीतित सार्डीनस गलाने पर भाफ जमा हुआ, साबुत तथा दृष्टिगत दोषों से मुक्त होगा। उत्पाद बाह्य पदार्थ से सुकृत तोगा।						

संकेत	सार्वजनिक (प्र०प्र०स०प्र०) रखने वाले डिप्पों के लिए संकेत पर्ची भीनरी डिल्वे में रखी जाएगी। संकेत पर्ची को संक्षिप्त रूप में बनाने के लिए एक उदाहरण नीचे दिया जा रहा है—	(2) निम्नलिखित संकेतपात्र (क) उत्पाद के प्रकार तथा (ख) वर्ष के महीनों के लिए प्रयोग किए जाएंगे।
	'एस वाई एस डी'	(क) उत्पाद का प्रकार
6प 05		सार्वजनिक
उक्त उदाहरण में,		सार्वजनिक
कव	—तैयार करने वाले का संकेत नाम,	संकेतपात्र
सार्वज	—सार्वजनिक	ए
६	—तैयार करने का वर्ष और इस उदाहरण में यह 1976 वर्ष को सूचित करता है।	बी
८	—तैयार करने का महीना और इस उदाहरण में यह जनवरी महीने को सूचित करता है,	मी
०५	तथा	डी
	—तैयार करने की तारीख और इस उदाहरण में यह महीने के पाचवे दिन को सूचित करता है।	ई
		एफ
		जी
		एच
		ओ
		के
		एस
		एम

## V. प्रशीतित मैकेरल के लिए विनिर्देश

आमार्थ	वैज्ञानिक नाम व्यापारिक नाम प्रकार (मांस के रूप पर व्यापारित)	पैक का प्रकार	प्रति टुकड़ा भार ग्राम में	आकार वर्ग	जोवाग-विज्ञान मानक	पैकिंग और भंडारकारण
प्रशीतित मैकेरल साफ, मैकेरल मैकेरल विशिष्ट रंग	मावून तथा ताजी 1. रमटीलीमन सद्यः प्रशीतित द्वारा विशेष तैयार की जाएगी।	प्राय में अलग-अलग भद्र	1. मावून 85 से 2. प्रशीतित तिकानों द्वारा सिर सहित 75 से 75 से कम।	1. प्रति ग्राम कुल भरन आर्द्धता सुरक्षित संख्या अधिकतम कागज में लेटी जाएगी। प्रशीतित उत्पाद समुद्री जहाज में ने जाने योग्य 5 फूट के नलीदार कार्बोरेंड के डिब्बे में पैक किया जाएगा। प्रशीतित माल 18° में० ग्र० या उससे कम तापमान वाले फूरे में इकट्ठा किया जाएगा।		
माल विहृति, बिगड़ने, निर्जलन, धाक्की कर, घट्टेपन का कोई चिह्न नहीं दिखाया। संसाधन सफाई से रखे गए परिसर पर किया जाएगा।	मावून तथा ताजी 1. रमटीलीमन सद्यः प्रशीतित द्वारा विशेष तैयार की जाएगी।	प्रशीतित तिकानों द्वारा सिर सहित 75 से 75 से कम।	2. द्वारा उत्पाद 85 तथा कम 1,00,000 ग्राम, प्रति ग्राम अधिकतम—10 तम संख्या—100			
मछली सत्युत या टुकड़ों में प्रयुक्त की जाएगी। आौत, गलफे, वायु छेसी तथा भ्राह्मर नसी की परत निकाल दी जाएगी।	मावून तथा ताजी 1. रमटीलीमन सद्यः प्रशीतित किया जाएगा। उत्पाद बाह्य पदार्थ से मुक्त होगा।	प्रति ग्राम कुल भरन आर्द्धता सुरक्षित संख्या अधिकतम कागज में लेटी जाएगी। प्रशीतित उत्पाद समुद्री जहाज में ने जाने योग्य 5 फूट के नलीदार कार्बोरेंड के डिब्बे में पैक किया जाएगा। प्रशीतित माल 18° में० ग्र० या उससे कम तापमान वाले फूरे में इकट्ठा किया जाएगा।				
माल का तीन घंटे में 20° से० ग्र० से अनधिक तापमान पर सद्यः प्रशीतित किया जाएगा। उत्पाद बाह्य पदार्थ से मुक्त होगा।	मावून तथा ताजी 1. रमटीलीमन सद्यः प्रशीतित किया जाएगा। उत्पाद बाह्य पदार्थ से मुक्त होगा।	प्रति ग्राम कुल भरन आर्द्धता सुरक्षित संख्या अधिकतम कागज में लेटी जाएगी। प्रशीतित उत्पाद समुद्री जहाज में ने जाने योग्य 5 फूट के नलीदार कार्बोरेंड के डिब्बे में पैक किया जाएगा। प्रशीतित माल 18° में० ग्र० या उससे कम तापमान वाले फूरे में इकट्ठा किया जाएगा।				



## संकेतन

कटने किंव तथा स्क्रीहम (प्र०प्र०म०प्र०) रद्दने वाले डिव्हॉन के लिए संकेत पर्ची भीतरी डिव्हॉन में रखी जाएगी। संकेत पर्ची को मंकिन्स हैप बनाने के लिए एक उदाहरण नीचे दिया जा रहा है :—

'एक्सप्रेस वाई मी एफ/एस क्य'

6ए 05

उदाहरण में,

क्रम

कै०फि०स्क्री०

6

ए

05

तैयार करने वाले का संकेत नाम,

कटल किंव तथा स्क्रीहम

तैयार करने का वर्ष और इस उदाहरण में  
यह 1976 वर्ष को सूचित करता है।

तैयार करने का महीना और इस उदाहरण  
में यह जनवरी महीने को सूचित करता  
है, तथा

तैयार करने की नारीक और इस उदाहरण  
में यह महीने के पांचवें दिन को सूचित  
करता है।

(2) निम्नलिखित संकेताकार (क) उत्पाद के प्रकार तथा (ब)  
वर्षों के महीनों के लिए प्रयोग किए जाएंगे।

(क) उत्पाद का प्रकार  
कटने किंव तथा स्क्रीहम

संकेताकार  
कै०फि०स्क्री०

(ब) महीना

संकेताकार

जनवरी

ए

फरवरी

बी

मार्च

मी

अप्रैल

डी

मई

ई

जून

एफ

जुलाई

जी

अगस्त

एग

सितम्बर

जे

अक्टूबर

के

नवम्बर

एल

दिसम्बर

एम

[स० 6(21)/76/निं. तथा श०स०]

## ORDER

New Delhi, the 22nd January, 1977

**S.O. 406.**—Whereas, in exercise of the powers conferred by Section 6 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Govt. is of opinion that it is necessary or expedient so to do for the development of the Export trade of India that Fish and Fishery products should be subject to quality control and inspection prior to export;

And whereas the Central Government has formulated the proposals specified below for the said purpose and has forwarded the same to the Export Inspection Council, as required by sub-rule (2) of rule 11 of the Export (Quality Control and Inspection) Rules, 1964;

Now, therefore, in pursuance of the said sub-rule, the Central Government is supersession of the notification of the Government of India in the Ministry of Commerce No. S.O. 771 dated the 6th March, 1965 relating to fish and fishery products and No. S.O. 5368 dated the 7th December, 1971 in the late Ministry of Foreign Trade relating to Frozen Lobster Tails in so far as it relates to fish and fishery products are concerned hereby publishes the said proposals for information of the public likely to be affected thereby.

2. Notice is hereby given that any person desiring to forward any objection or suggestion with respect to the said proposals may forward the same within forty-five days of the date of publication of this order in the official Gazette to the Export Inspection Council, World Trade Centre, 14/1B, Ezra Street (7th floor), Calcutta-1.

## PROPOSALS

(1) To notify that fish and fishery products shall be subject to quality control an Inspection prior to export;

(2) To specify the type of quality control and inspection in accordance with the draft Export of Fish and Fishery Products (Quality Control and Inspection) Rules, 1976 as set out in the Annexure-1 to this order as the type of inspection which shall be applied to such fish and fishery products prior to their export;

(3) To recognise the specifications as set out in Annexure-II to this order as the standard specifications for fish and fishery products;

(4) To prohibit the export in the course of international trade of such fish and fishery products unless the same are accompanied by a certificate of inspection issued by an agency recognised by the Central Government under Section 7 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 to the effect that such fish and fishery products conform to the standard specifications and are exportworthy.

3. Nothing in this order shall apply to the export by land, sea or air of samples of fish and fishery products to prospective buyers, the value of which does not exceed Rs. 250.

4. In this order fish and fishery products shall mean:

(I) All types of frozen prawns (shrimps).

(i) Whole —Head and shell-on

(ii) Headless —Head removed, shell-on

(iii) Fantail round —Head and shell removed except on the last segment and tail

(iv) Fantail deveined—As in (iii) above, but the alimentary canal removed

(v) Fantail butterfly—As in (iv) above, but split open and arranged in required pattern

(vi) Peeled/raw pee —Head and shell removed completely led/Peeled unde- veined

(vii) Peeled and de- —As in (vi) above, but the alimentary veined canal also removed.

(viii) Cooked and —As in (vi) above, but after cooking peeled

(ix) Peeled, devein- —As in (vii) above, but also cooked. ed and cooked

(x) Whole, cooked —As in (i) above, but also cooked.

I. II. All types of frozen lobster tails, that is to say tails obtained from

(i) Panulirus homarus

(ii) Panulirus ornatus

(iii) Panulirus polvohaous

III. All types of frozen silver pomfret and brown pomfret obtained from :—

(i) Pampus argenteus

(ii) Parestromateus niger

IV. All types of frozen sardiness processed from whole or gutted sardiness (Sardinella sp.).

V. All types of frozen mackerel obtained from Rastrelliger sp.

VI. Frozen Fillets of cuttle fish and squids processed from:—

Cuttle Fish

(i) Sepia roux

(ii) Sepia aculeata

- (iii) *Sepia rostrata*
- (iv) *Sepia inermis*

#### Squids

- (i) *Loligo hardwicks Pfeffer*
- (ii) *Loligo indica Pfeffer*
- (iii) *Loligo affinis*
- (iv) *Sepioteuthis arctipinnus Gould*

#### ANNEXURE I

Draft rules proposed to be made under section 17 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963) in supersession of the Export of Fish and Fish Products (Inspection) Rules, 1964 and the Export of Frozen Lobster Tails (Inspection) Rules, 1971.

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Export of Fish and Fishery Products (Quality Control and Inspection) Rules, 1977.

(2) They shall come into force on the.....

2. Definitions.—In these rules, unless the context otherwise requires,

- (a) "Act" means the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963);
- (b) "agency" means any one of the agencies, established under section 7 of the Act at Cochin, Madras, Calcutta, Bombay and Delhi;
- (c) "Fish and Fishery Products" means:—
  - I. all types of frozen prawns (shrimps), namely,
    - (i) Whole —Head and Shell-on
    - (ii) Headless —Head removed, shell-on
    - (iii) Fantail round —Head and shell removed except on the last segment and tail
    - (iv) Fantail deveined —As in (iii) above, but the alimentary canal removed.
    - (v) Fantail butterfly—As in (iv) above, but split open and arranged in the required pattern.
    - (vi) Peeled/raw peel—Head and shell removed completely. ed/Peeled unde- veined
    - (vii) Peeled and deveined —As in (vi) above, but the alimentary canal also removed.
    - (viii) Cooked and peeled —As in (vi) above, but after cooking.
    - (ix) Peeled, devein- —As in (vi) above, but also cooked. ed and cooked.
    - (x) Whole cooked —As in (i) above, but also cooked.
  - II. All types of frozen lobster tails, that is to say tails obtained from
    - (i) *panulirus homarus*
    - (ii) *Panulirus ornatus*
    - (iii) *Panulirus polyphagus*
  - III. All types of frozen silver pomfret and brown pomfret obtained from—
    - (i) *Pampus argenteus*
    - (ii) *Parastromateus niger*
  - IV. All types of frozen sardines processed from whole or gutted Sardines (*Sardinella* sp.)
  - V. All types of frozen mackerel obtained from *Rastrelliger* sp.
  - VI. Frozen Fillets of cuttle fish and squids processed from Cuttle Fish
    - (i) *Sepia rouxil*
    - (ii) *Sepia aculeata*
    - (iii) *Sepia rostrata*
    - (iv) *Sepia inermis*

#### Squids

- (i) *Loligo hardwicks Pfeffer*
- (ii) *Loligo indica Pfeffer*
- (iii) *Loligo affinis*
- (iv) *Sepioteuthis arctipinnus Gould*

(d) "Standard specifications" mean the specifications of frozen shrimps, frozen lobster tails, frozen pomfrets, frozen sardines, frozen mackerel and frozen fillets of cuttle fish and squids laid down in Annexure to the order of the Government of India in the Ministry of Commerce No. S.O. dated the 1977.

3. In-plant Quality Control.—In Plant quality control and inspection of fish and fishery products intended for export shall be ensured by the Processing Unit for effecting the following controls, at different stages of processing or production together with the levels of control as given below :

#### I. Raw Material Control

The raw material arriving in the processing unit/peeling shed shall be inspected for its quality, quality of the foreign matter and the like and the observation recorded thereof in the manner prescribed by the Council from time to time. It shall be ensured that only fresh and wholesome raw materials are used for processing.

#### II. Sanitary Facilities and Control

(i) Separation of Process.—The area in which the raw material is received and stored shall be so separated from the area in which the final product preparation or packing is conducted as to preclude contamination of the finished product. Areas and compartments used for the storage those of edible products shall be separated and distinct from those use for inedible materials. The fish handling areas shall be completely separated from the area used for residential purposes

(ii) Water Supply.—There shall be plentiful supply of potable chlorinated water which shall be free from harmful chemicals and bacteria. The consumption of water for every pound of raw material processed shall be not less than 5.5 litres which is considered to be the absolute minimum. If non-potable water is supplied for boilers or other auxiliary services, there shall be no cross-connection between the auxiliary water system and the system carrying the potable water. In urgent cases, however, where the potable water is required for boilers and other auxiliary services, a cross connection may be established with the prior permission of the agency.

(iii) Ice.—Ice made in the unit shall be from potable water only and shall be handled, stored and used in the manner so as to protect it from contamination. Where Ice made outside the processing plant is brought in, it shall be tested to ensure that it is made from potable water and is not contaminated.

(iv) Lighting.—The premises shall be well lighted. Light bulbs and fixtures suspended over the product or any stage of its preparation shall be of safety type or otherwise protected to prevent contamination in case of breakage.

(v) Toilet facilities.—Adequate and convenient toilet facilities shall be provided. The toilet room shall have self-closing doors and shall not open into the area where the raw material, the final product or ice is stored or where the processing is conducted. Hand washing facilities and soap shall be provided within the toilet area. Potable water shall be supplied for washing purposes.

(vi) Hand washing facilities.—Soap and adequate hand washing facilities shall be provided in each processing hall. Potable water shall be supplied for washing purposes.

(vii) Cleaning.—All the utensils, trays and table surfaces which come in contact with the processed fish except packaged material shall be washed initially with a cleansing agent, and finally with water having a minimum concentration of 50 parts per million of chlorine. This shall be done before the day's work starts

and then at the end of each working shift. The minimum available chlorine content in the water used for processing shall be maintained at 3 parts per million. Water used for glazing and re-glazing shall be chlorinated to a minimum level of 10 parts per million. Overhead tanks shall be properly cleaned once in a fort-night and kept constantly covered.

### III. Equipments and Utensils

- (i) The peeling and deveining processing operation shall be carried out on tables. The top shall be either of stainless steel, aluminium or any other non-corroding non-reacting material.
- (ii) All food contact surfaces shall be smooth, free from pits and crevices, and of non-absorbment type. These shall be capable of withstanding repeated exposure to normal cleaning. Enamelled and wire mesh utensils shall not be used.
- (iii) The equipment shall be installed in such a manner as would permit easy and through cleaning.
- (iv) Equipments and utensils used for inedible and contaminated materials shall be separately indentifiable by a mark or shape or colour so that these are not used for handling edible products. Waste material shall be frequently removed from the working areas during plant operation and adequate waste receptacle shall be provided for this purpose.
- (v) All Cooking operations shall be carried out by steam. Autoclaves or retorters shall be provided with both pressure gauge and thermometer.

### IV. Requirements for Cold Storage

- (i) The Cold Storage shall be designed taking into account the size of intended production at the peak season, type of fishery products to be handled, intended type of storage and optimal temperature requirements.
- (ii) The location and design of the Cold Storage should be such so that it is integrated into the general layout of the whole establishment and its operation incorporated into the flow, pattern of the over all operation.
- (iii) The Cold Storage should have effective water-vapour barriers enveloping the warm face of the insulation layers in the Cold Store Walls, ceiling and the floor.
- (iv) The entry to the Cold Storage should be so designed that on opening the entry door the temperature of the Cold Storage shall not be raised appreciably as otherwise it would effect the stored products.
- (v) Cooling surface of the Cold Storage should be regularly defrosted in order to prevent excessive build up of ice or frost which could seriously affect the efficiency of the cooling system. During the defrosting operation care shall be taken to prevent any frost, ice or melt water falling on to the stored product.
- (vi) The Cold Storage shall be subject to the same sanitary requirements as any other food handling establishment. For this purpose, a regular cleaning up procedure shall be maintained to ensure a good hygienic environment.
- (vii) The Cold Storage rooms shall be fitted with automatic temperature recording devices. The temperature shall not exceed records of the Cold Storage shall be maintained for the verification by the officers of the agency or Council.
- (viii) The Cold Storage shall be fitted with an efficient system of signalling aid in case a person is trapped inside the Cold Storage. Frozen storage and chilled room temperature shall not exceed  $-18^{\circ}\text{C}$  and  $+18^{\circ}\text{C}$  respectively.

### V. Hygienic Operation

- (i) All necessary precautions shall be taken to prevent contamination of the material with any foreign matter.

- (ii) Vermin and animal control.—Effective measures shall be adopted to protect against the entry into processing areas of insects, that is to say rodents, birds, cats, dogs and the like.
- (iii) Personnel Health.—Plant management shall take care to ensure that no person while known to be affected with a communicable disease is permitted to work in any area of the unit. In order to facilitate the detection of such disease, the management shall conduct quarterly medical examination of the personnel permitted to work in any area of the unit.
- (iv) Toxin substance.—All rodenticides, fumigants, insecticides or other substances injurious to health, except fire-fighting equipment, shall be kept in a separate locked room. All these substances and equipment shall be handled by trained personnel only.
- (v) Drainage.—There shall be adequate drainage facilities for carrying away water used in the factory premises and to discharge it into a channel at least 3 metres (10 feet) from the unit. The drainage system inside the factory shall be properly covered. The sewage from the toilet shall be disposed of in such a manner that the water shall be inaccessible to bees and the units water supply not contaminated. On no account there shall be any accumulation of water including waste or rain water in the premises.
- (vi) Floor.—The floor of the unit shall be smooth and cemented and the sloping shall be such that the water always runs into the drain.

### VI. Personnel Hygiene

- (i) All persons working in the processing areas shall maintain a high degree of personal cleanliness while on duty. They shall wear properly sterilized white overall, gloves and hard cover which shall be supplied at the beginning of the shift.
- (ii) The workers shall wash their hands with potable water and soap as often as necessary and specially after each absence from the processing hall.
- (iii) Spitting and use of tobacco shall be prohibited in the premises. A separate eating place shall be provided, and eating at other places shall be prohibited.

### VII. Inspection

- (i) For the purpose of inspection under these rules, a day's production shall constitute a control unit. The samples drawn from the production including raw materials, that is to say, swab, etc. shall be in accordance with the instructions laid down by the Council.
- (ii) At all stages of production or processing, the processing unit shall maintain appropriate control and checks to ensure that the product conforms to the various requirements of the prescribed specifications.
- (iii) A separate record shall be maintained giving information relating to the rejection of control units, which do not conform to the specifications.
- (iv) If, at any time, there is any difficulty in maintaining the conformity of the product to the specifications, or the testing equipment goes out of order, or if directed to do so by the agency for any reason, the production or process of fish and fishery products for export shall be suspended under intimation to the agency and to the Council. The production or process for export may be resumed only after articles are passed in conformity with the specifications, or the equipment is restored, or the agency so directs. The information regarding resumption of production or process for export shall also sent to the agency and to the Council, in writing.
- (v) In addition to the tests by the processing unit, each control unit produced or processed for export shall be inspected by the agency. If it is felt so necessary and
  - (a) if the tests done by the agency indicate failure if any one or more requirements of the standard specifications the material shall be rejected : and

(b) if the samples drawn indicate conformity to the requirements of the standard specification, the materials shall be passed for packing for export.

4. Procedure of Inspection.—(1) An exporter or processor intending to export fish and fishery products shall inform his intention to do so in writing of the nearest office of the Export Inspection Council. On receipt of such information, the Processing Unit shall be visited by the Officer of the Council and on their recommendation the visit of the Panel of Experts, constituted by the Council for this purpose shall be arranged to adjudge the adequacy of in-plant quality control system as prescribed under rule 3 or otherwise adopted by the Processing Unit. On the recommendations of the Panel of Experts, the unit shall be declared as having adequate in-plant quality control drills. The processing unit shall provide facilities to the Officers of the Council, and to the members of the Panel of Experts for this purpose.

(2) The exporter or processor intending to export a consignment of fish and fishery products shall give intimation in writing of his intention to do so to the Agency and submit along with such intimation a declaration to the effect that—

- (a) the consignment of fish and fishery products has been or is being processed by exercising in-plant quality control measures as laid down in rule 31 or
- (b) the consignment conforms to the requirements of the standard specifications recognised for the purpose.

(3) (a) On receipt of the intimation and declaration under sub-rule 2(a), the agency after satisfying itself that during the process of manufacture adequate in-plant quality control as provided in rule 3, has been exercised by the unit, the agency shall carry out inspection of the consignment in accordance with the instruction issued by the Council from time to time.

(b) On receipt of the intimation and declaration of sub-rule 2(b), the agency shall however, carry out the inspection of the consignment processed by the unit not having adequate in-process quality control drills as per sub-rule (1) with a view to ensure that the same conforms to the standard specifications notified under section 6 of the Act and in accordance with the instructions issued by the Council from time to time.

(4) Every intimation and declaration under sub-rule (2) shall reach the office of the agency not less than seven days prior to the despatch of the consignment from the manufacturer's premises.

(5) If the agency is satisfied that the consignment of fish and fishery products to be exported complies with the requirements of sub-rule (3) it shall within seven days of the receipt of intimation and declaration under sub-rule (2) issue a certificate to the exporter declaring the consignment as exportworthy : Provided that where the agency is not so satisfied, it shall, within the said period of seven days refuse to issue such certificate and communicate such refusal along with the reasons therefor.

(6) The units having adequate in-plant quality control drills shall be thereafter visited by the officers of the agency daily or at a regular interval to adjudge the adequacy of in-plant quality control system adopted by them. Random samples from each day's production (code) shall be drawn by the

officers of the agency for detailed organoleptic and bacteriological examination. If any processing unit is found not adopting the required quality control measures, at any stage of processing or packing, on the recommendations of the Council or agency Officer the unit shall be declared not having adequate in-plant quality control drills. In that case, the unit shall again apply afresh so that the visit of the Panel of Experts shall be arranged accordingly.

(7) The temperature of the cold room and chill room shall not exceed  $-18^{\circ}\text{C}$  and  $+1^{\circ}\text{C}$  respectively. The temperature shall be recorded by automatic devices and records for this purpose shall be maintained. A chart showing the maintenance of the temperature shall also be available to the Officers of the agency or Council for such verification as deemed necessary.

(8) In case the Officers of the agency or Council are not satisfied with the temperature of the cold room and chill room and the conditions of the cold storage are not found to be in accordance with the prescribed requirements, the unit may be considered as not having the adequate in-process quality control and as such as the consignments offered by the Unit shall be inspected as per sub-rule (3)(b).

(9) For the purpose of ensuring standards and in-plant controls enumerated above, the officer of the Council or agency shall have access to the relevant records and the premises where processing or access to the relevant records and the premises where processing or packing or storage of fish and fishery products are carried out.

5. Inspection fee.—Subject to a minimum of rupees thirty for each consignment, a fee at the following rates shall be paid by the exporters to the agency as inspection fee under these rules; namely:—

(a) All type of frozen prawns	— 12 paise per kg. or part thereof.
(b) Lobster Tails	— 15 paise per kg. or part thereof.
(c) Frozen Pomfrets	— 15 paise kg. or part thereof
(d) Frozen Sardines	— do —
(e) Frozen Mackerel	— do —
(f) Frozen fillets of cuttle fish and squids	— do —

6. Appeal.—Any person aggrieved by the refusal of the agency to issue a certificate under sub-rule (5) of rule 4, may, within ten days of the receipt of the communication of such refusal by him, prefer an appeal to a panel of Experts consisting of not less than three but not more than seven persons appointed for the purpose by the Central Government.

(2) At-least two-thirds of the total membership of the panel of experts shall consist of non-officials.

(3) The quorum for the panel shall be three.

(4) The appeal shall be disposed of within 15 days of its receipt.

**ANNEXURE II**  
**I. SPECIFICATION FOR FROZEN PRAWNS (SHRIMPS)**

Sl. No.	Characteristic	Requirement for		
		Whole type and Headless shell-on type	Peeled, Deveined and butterfly type	Cooked type
(i) Colour of Shell	Natural colour characteristic of freshly caught prawn	—	—	—
(ii) Colour of flesh	Characteristic of freshly caught prawn	Characteristic Colour	Characteristic colour	Characteristic colour
(iii) Black discolouration of shell or meat	Nil	Nil	—	—
(iv) Texture of meat	Firm & consistent	Firm and consistent	Firm and consistent	—
(v) Odour	Characteristic odour of freshly caught prawn	Absence of any off odour	Odour of freshly cooked prawn	—
(vi) Total plate count at 37°C Per gram, max	5,00,000	5,00,000	1,00,000	—
(vii) E. Coli count per gram, 20 maximum	20	—	Nil	—
(viii) Coagulase positive Staphylococcus, Count per gram, maximum.	100	100	100	—
(ix) Salmonella	Nil	Nil	Nil	—

The material shall be free from dirt, insect or hair or other extraneous matter and from any poisonous and deleterious substances.

**CODING**

Frozen blocks shall be embedded with a code slip bearing the marking of the name of processor in code, name and type of the product, year, month and date of processing. In case of individual Quick Frozen (IQF) packing, the code slip shall be placed inside the primary container. An illustration for making the code slips in the abbreviated form is given below,—

'XYFSPD  
6A 05'

Where, in the above illustration.—

XY —name of the processor in code,

FS —frozen shrimps,

PD —type of product and in this example it represents peeled and deveined type.

6 —year of processing and in this example it represents the year 1976

A —month of processing and in this example it represents the month of January, and

05 —date of processing and in this example it represents the fifth day of the month.

(ii) (The following abbreviations shall be used for (a) type of the product, and (b) months of the year :—

(a) Type of the Product	Abbreviation
1. Whole	WL
2. Headless	HL
3. Fantail round	FL
4. Fantail deveined	FLD
5. Fantail butterfly	FLBF
6. Peeled and Undeveined	PUD
7. Peeled and Deveined	PD
8. Cooked and Peeled	CP
9. Peeled, Deveined and Cooked	PDC
10. Whole cooked	WLC

(b) Month	Abbreviation
January	A
February	B
March	C
April	D
May	E
June	F
July	G
August	H
September	J
October	K
November	L
December	M

**II. SPECIFICATIONS FOR FROZEN LOBSTER TAILS**

General	Scientific name	Trade Name	Type depending upon the colour of the meat	Size IQF packing (based on weight in grams per piece)	Grade Block packing (Nos. per 450 grams.)	Bacteriological standard	Packing and storage
1	2	3	4	5	6	7	8
Frozen lobster tails shall be prepared by quick freezing the tails obtained from fresh lobsters. The processing shall be carried out in a premises maintained in hygienic manner.	1. Panulirus sp	Rock tails	(1) Snow-white to white (2) Light pink to pink	909/Up 794/908 680/793 567/679 455/566 341/454 284/340 227/283 171/226 114/170	Not applicable	(i) Total bacterial count per gram, maximum 5,00,000 (ii) E. Coli. per gram, maximum 20	Lobster tails shall be wrapped individually in moisture proof film of arranged in blocks before freezing. The frozen products shall be packed in sea-worthy corrugated cardboard boxes.

1	2	3	4	5	6	7	8
The material on thawing shall be clean having an attractive characteristic appearance and shall in every way be in a sound, intact, undamaged condition and free from defects. The meat shall have the characteristic colour and odour of that of freshly caught lobsters and shall not have any discolouration or off odour. The material shall be free from eggs, sand, dirt and any other extraneous matter.	2. Thunnus sp	Sand lobster tails	(1) Snow white to white (2) Off white to light brown	171/U p 114/170 29/56	Not applicable	(iii) Coagulase positive staphylococcus count per gm, max. -do-100	
	3. Peprilus sp	Deep sea lobster tails	(1) Snow white to white (2) Light pink to pink	171/U p 114/170 57/113 29/56 15/28	U/4 4/8 9/15 16/20 21/25 26/30	(iv) Salmonella Nil	The frozen material shall be stored in a room maintained at or below—18°C temperature

Coding—(as per enclosure).

#### CODING

For the Cartons containing (IQF) Lobster Tails the code slips shall be placed inside the primary container. An illustration for making the code slips in the abbreviated form is given below,—

'XYLTDS  
6A 05'

Where, in the above illustration,—

XY —name of the processor in code,

LT —Lobster Tails

DS —type of product and in this example it represents deep sea lobster tails.

6 —Year of processing and in this example it represents the year 1976

A —month of processing and in this example it represents the month of January, and

05 —date of processing and in this example it represents the fifth day of the month

(ii) The following abbreviations shall be used for (a) type of the product, and (b) months of the year :—

(a) Type of the Product	Abbreviation
Rock lobster tails	RL
Sand lobster tails	SL
Deep sea lobster tails	DS

(b) Month	Abbreviation
January	A
February	B
March	C
April	D
May	E
June	F
July	G
August	H
September	J
October	K
November	L
December	M

#### III. SPECIFICATIONS FOR FROZEN POMFRETS

General	Scientific Name	Trade Name	Type	Size, Grade, IQF, packing (based on weight in gms/ pcs.)	Bacteriological standards	Packing and Storage
The Frozen Pomfrets shall be prepared by quick freezing the clean, wholesome (round) and fresh Pomfrets. The processing shall be carried out in a premises maintained in hygienic manner. The material shall be quick frozen at a temperature not exceeding—30°C in the minimum possible time. The material on thawing shall be in a sound, intact, undamaged condition and free from defects. There shall be no deterioration, dehydration, rancidity and adverse changes in the texture.	1. <i>Pampus argenteus</i>	Frozen Silver Pomfret	White Pomfret	Grade Designation Above 450 301 to 450 Large Medium Small	1. Total bacteriological count per gram Maximum 5,00,000 2. E. Coli, per gram Maximum—10 3. Coagulase positive Staphylococcus count per gram maximum-100 4. Salmonella—Nil	The Frozen Pomfrets shall be wrapped individually in moisture proof film. The frozen products shall be packed in sea-worthy corrugated card-board boxes. The frozen material shall be stored in a room, maintained at or below—18°C temperature.
	2. <i>P. rastromateus niger</i>	Frozen Brown Pomfret	Black Pomfret	Large medium Small Above 1000 701 to 1000 450 to 700	-do-	-do-



## V. SPECIFICATION OF FROZEN MACKEREL

General	Scientific Name	Trade Name	Type (depending upon the colour of the meat)	Size Grade		Bacteriological standards	Packing & Storage
				Type of pack	Wt. in gms. per piece		
Frozen Mackerel shall be prepared by quick freezing the clean, wholesome and fresh. The material shall not show any sign of deterioration, spoilage, dehydration, oxidative, rancidity. The processing shall be carried out in premises maintained in hygienic manner.	Mackerel 1. Rastrel-liger sp.	Mac- kerel	Characteris- tic colour	I.Q.F. in gm.	1. Whole above 85 85 and below 2. Eyiscerated Head-on Above 75 75 and below	1. Total plate count per gram, Max 1,00,000 2. E. Coli, per gram, Max.-10 3. Coagulase- positive staphy- lococci-per gram maximum 100 4. Salmonella —Nil	The Fillets shall be wrapped individually in moisture proof film. The frozen product shall be packed in 5-ply sea-worthy corrugated cardboard cartons. The frozen material shall be stored in a room maintained at or below —18°C temp.
The fish shall be used whole or gutted. The entrails, gills, air bladder and the membrane of gut cavity shall be removed.							
The material shall be quick frozen at a temperature not exceeding —20°C within 3 hours. The product shall be free from foreign matter							

## CODING

For the Cartons containing (IQF) Mackerel, the slips shall be placed inside the primary container. An illustration for making the code slips in the abbreviated form is given below:—

'XYMK

6A 05'

where, in the above illustration,

XY —name of the processor in code,—

MK —Mackerel,

6 —Year of the processing and in this example, it represents the year 1976,

A —month of the processing and in this example it represents the month of January, and

05 —date of processing and this example represents the fifth day of the month

(ii) The following abbreviations shall be used for (a) type of the product and (b) month of the year.

(a) Type of the product	Abbreviation
Mackerel	MK
(b) Month	Abbreviation
January	A
February	B
March	C
April	D
May	E
June	F
July	G
August	H
September	J
October	K
November	L
December	M

## VI. SPECIFICATION FOR FROZEN FILLETS OF CUTTLE FISH AND SQUIDS

General	Scientific name	Trade name	Type (depending upon the colour of the meat)	Size, Grade		Bacteriological Standards	Packing and Storage
				Type of pack	Count		
Cuttle fish & Squids	Cuttle Fish	Cuttle Fish & Squids	(i) White (ii) Milky-white	(i) Flat Pack (ii) Rolled pack	Count/Kg. U/10 11—90 21—30 3—4 5—6 7—8 9—10	(i) Total plate count, per gm, 1,00,000 (ii) E. Coli, per gram, Maximum 10 (iii) Coagulase positive staphylococci per gram, maximum-100 (iv) Salmonella —Nil	The fillets shall be wrapped individually in moisture proof film or arranged in blocks before freezing. The frozen product shall be packed in 5-ply sea-worthy corrugated cardboard cartons. The frozen material shall be stored in a room maintained at or below —18°C temperature.
Frozen fillets of Cuttle Fish & Squids shall be prepared by quick freezing the fillets obtained from fresh and wholesome cuttle fish & squids. The material shall not show any sign of deterioration, spoilage, dehydration, oxidative rancidity. The processing shall be carried out in a premises maintained in a hygienic manner.	(i) Sepia rouxii (ii) Sepia aculata (iii) Sepia rostrata (iv) Sepia inermis			(iii) IQF Pack	G/Fillet 81—120 121—160 161—200 201—300 301—Up		The frozen material shall be stored in a room maintained at or below —18°C temperature.
The materials shall be quick frozen at a temperature not exceeding —30°C within 4 hours after filleting and dressing. The frozen fillets on thawing shall be clean, absolutely white or milky white in colour and shall be in a sound, intact, undamaged condition and free from any visible defects. The products shall be free from foreign matter.	Squids (i) Loligo hardwicksii (ii) Loligo pfefferi (iii) Loligo indica (iv) Sepioteuthis arctipinnus Gould						

## CODING

For the Cartons containing (IQF) Cuttle Fish and Squids, the code slips shall be placed inside the primary container. An illustration for making the code slips in the abbreviated form is given below:—

'XYCF/SQ

6A 05'

where, in the above illustration,—

XY —name of the processor in code,

CF/SQ —Cuttle Fish or Squids,

6 —Year of the processing and in this example it represents the year 1976,

A —month of processing and in this example it represents the month of January, and

05 —date of processing and this example the fifth day of the month

(ii) The following abbreviations shall be used for (a) type of the product and (b) months of the year:—

(a) Type of the Product	Abbreviation
Cuttle Fish/Squids	CF/SQ
(b) Month	Abbreviations
January	A
February	B
March	C
April	D
May	E
June	F
July	G
August	H
September	J
October	K
November	L
December	M

[No. 6(21)/76/E.I. & E.P.]

## आवेदन

नई दिल्ली, 29 जनवरी, 1977

का० बा० 407.—केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि नियम (क्षानिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 6 द्वारा प्रदल शक्तियों का प्रयोग करने हुए भारत के नियंत्रित व्यापार के विकास के लिए भारत सरकार के विभिन्न मंत्रालय की स्टेनलैस स्टील के बर्तनों के नियंत्रित से पूर्व उनके निरीक्षण से संबंधित आंशिक नियम ८० का० आ० ३७१ तारीख 27 जनवरी, 1968 में नीचे विविध ढंग से संशोधन करना आवश्यक तथा भवीष्यन है ;

ग्रोर केन्द्रीय सरकार ने उक्त प्रयोगन के निए नीचे विविध प्रस्ताव बनाए हैं और नियम (क्षानिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1964 के नियम 11 के उप-नियम (2) डाग मथा-श्रोक्षित के अनुमार उन्हे नियंत्रित निरीक्षण परिषद् को भेज दिया है ;

अतः, अब उक्त उप-नियम के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार उक्त प्रस्तावों को उन सभी जिनके उमसे प्रभावित होने की सम्भावना है अविक्षियों की जानकारी के लिए प्रकाशित करती है ।

2. सूचना दी जाती है कि उक्त प्रस्तावों के बारे में कोई आक्षेप या सुवाव देने की बात करने वाला कोई अविक्षित उन्हें इस आवेदन के सरकारी

राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से पैंतीसीस दिन के बीतर नियंत्रित निरीक्षण परिषद् 'वर्ल्ड ट्रेड सेटर', 14/1-बी एजरा स्ट्रीट (आठवीं मंजिल), कलकत्ता-१ को भेज सकता है ।

## प्रस्ताव

भारत सरकार के विभिन्न मंत्रालय की आंशिक नियम ८० का० आ० ३७१ तारीख 27 जनवरी, 1968 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त आंशिक नियम ८० कहा गया है) में निम्नलिखित संशोधन किए जाएंगे, प्रार्थतः—

(1) उक्त आंशिक नियम ८० में स्तम्भ ३ तथा उससे संबंधित प्रशिक्षियों के स्थान पर निम्नलिखित रक्का जाएंगा, प्रार्थतः—

"3. परिमाणा—इस आंशिक नियम में स्टेनलैस स्टील के बर्तनों से अभिप्रेत है रोल्डिंग के बर्तनों जो स्टेनलैस स्टील को बवाकर या डाल कर बनाए गए हैं और जो पकड़ने, पकाने, परोसने, पीने, खाने या खाद्य और देयों को, जिसमें पानी भी सम्मिलित है, संचय करने में प्रयुक्त किए जाने हैं, किन्तु इसमें अस्ताल में प्रयोग होने वाले बर्तन नहीं शामिल हैं।"

(2) इस आंशिक नियम के उपांधं-१ में, स्तम्भ ४ के प्रस्तर्गत, ४.१ के पश्चात् निम्नलिखित प्रत्तःस्थापित किया जाएगा, प्रार्थतः—

"4. २ स्टेनलैस स्टील से बने प्रेशर कुकरों के लिए परीक्षण

स्टेनलैस स्टील के प्रेशर कुकरों के परीक्षण ऐसी अन्य परीक्षणों के अधीन होंगे जो सुरक्षा विनिर्देशों से उनकी अनुरूपता सुनिश्चित करने के लिए सुरक्षा भारतीय या अन्य अन्तर्राष्ट्रीय मानकों में निर्धारित की गई है।"

[सं० ६(१८)/७६/निःनिं० तथा निं० उ०]

## ORDER

New Delhi, the 29th January, 1977

S.O. 407.—Whereas the Central Government is of the opinion that in exercise of the powers conferred by section 6 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), it is necessary and expedient to amend the notification of the Government of India, in the Ministry of Commerce No. S.O. 371, dated the 27th January, 1968 relating to inspection of Stainless Steel Utensils prior to their export, in the manner specified below for the development of the export trade of India ;

And whereas the Central Government has formulated the proposals specified below for the said purpose and has forwarded the same to the Export Inspection Council as required by sub-rule (2) of the rule 11 of the Export (Quality Control and Inspection) Rules, 1964 ;

Now, therefore, in pursuance of the said sub-rule, the Central Govt. hereby publishes the said proposals for the information of the public likely to be affected thereby.

2. Notice is hereby given that any person desiring to forward any objection or suggestion with respect to the said proposals may forward the same within fortyfive days from the date of publication of this Order in the official Gazette, to the Export Inspection council, "World-Trade Centre", 14/1B, Ezra Street (7th zoor), Calcutta-1.

## PROPOSALS

The notification of the Government of India in the Ministry of Commerce No. S.O. 371 dated the 27th January, 1968, here in after referred to as the said notification shall be amended as follows, namely :—

(i) In the said notification, for clause 3 and the entries relating thereto, the following shall be substituted, namely :—

"3. Definition.—In this notification, stainless steel utensils shall mean kitchen utensils made from stainless steel, pressed or cast, which can be used for handling, cooking, serving, drinking, eating or storing food and drinks including water and shall not include hospital-wares".

2. In the Annexure-I to the said notification, under clause 4, after 4.1, the following shall be inserted, namely :—

4.2 Tests for pressure Cookers made of stainless steel :—

Consignments of stainless steel pressure cookers shall also be subjected to such other test as may have been prescribed in the relevant Indian or any other international standard in order to ensure conformity of the same to the relevant specifications".

[F. No. 6(18)/76/EI&EP]

भारतेश

का० आ० 408.—नियति (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 6 द्वारा प्रदत्त शर्कियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि भूती हुई तथा नमक लगाई हुई काजू की गिरियों को नियति से पूर्व निरीक्षण के प्रधीन किया जाए ;

और यह: केन्द्रीय सरकार ने उक्त प्रयोजन के लिए निम्न विनियिष्ट प्रस्ताव बनाए हैं और उन्हें नियति (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1964 के नियम 11 के उप-नियम (2) द्वारा अपेक्षित के अनुसार नियति निरीक्षण परिषद् को भेज दिया है ;

अतः ग्रब उक्त उप-नियम के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार उन लोगों की जानकारी के लिए जिनकी उनसे प्रभावित होने की संभावना है, उक्त प्रस्तावों को प्रकाशित करती है ।

2. सूचना दी जाती है कि उक्त प्रस्तावों के बारे में कोई आक्षेप या सुझाव देने की बांधा रखने वाला कोई व्यक्ति उन्हें इस भारतेश के सरकारी राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से पंतप्रधारी विन के भीतर नियति निरीक्षण परिषद् "बल्ड ट्रेड सेटर" 14/1-शी एजरा स्ट्रीट (आठवीं मंजिल), कलकत्ता-700001 को भेज सकता है ।

प्रस्ताव

(1) यह अधिसूचित करना कि भूती हुई तथा नमक लगाई हुई काजू की गिरियों नियति से पूर्व क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण के प्रधीन की जाए ;

(2) इस भारतेश के उपांग-1 में दिए गए भूती हुई तथा नमक लगाई हुई काजू की गिरियों का नियति (निरीक्षण) नियम, 1976 के अनुसार निरीक्षण के प्रकार को निरीक्षण ऐसे प्रकार के रूप में विनियिष्ट करना जो कि ऐसी भूती हुई तथा नमक लगाई हुई काजू की गिरियों पर उनके नियति से पूर्व लागू होगा ।

(3) भूती हुई तथा नमक लगाई हुई काजू की गिरियों के लिए विनियों को इस भारतेश से उपर्युक्त अनुसूची में दी गई अपेक्षाओं के अनुत्तम के प्रधीन रहते हुए केता तथा विकेता के मध्य तय हुए के अनुसार मान विनियों के रूप में मायथा देना ।

(4) अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के दीरात भूती हुई तथा नमक लगाई हुई काजू की गिरियों के नियति को तब तक प्रतिविधि करना जब तक कि उसके साथ नियति (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 7 के अन्तर्गत केन्द्रीय सरकार द्वारा स्थापित अधिकरणों द्वारा जारी किया गया इस आशय का प्रमाणन-पत्र न हो कि ऐसी भूती हुई तथा नमक लगाई हुई काजू की गिरियों का परेषण क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण संबंधी शर्तों को पूरा करता है तथा नियति-योग्य है ।

3. इस भारतेश की कोई भी बात भावी केताओं को शुग्र वायु समुद्र मार्ग द्वारा भूती हुई तथा नमक लगाई हुई काजू की गिरियों के नमूनों के नियति पर सागू नहीं होगी परन्तु यह तब जब ऐसे नमूनों का भार कुल भार का 5 किंवद्दन से अधिक नहीं हो ।

4. इस भारतेश में, "भूती हुई तथा नमक लगाई हुई काजू की गिरियों" से किसी भी मान्य पकाने वाले बर्तन में, भूतकर तथा नमक लगाकर या सूखे भूतने की प्रक्रिया द्वारा तथा नमक लगाकर तैयार की गई पुलसी हुई गच्छी (विना पुलसी), साबुत तथा टुकड़े वाली काजू की गिरियों अभिप्रेत हैं ।

5. यह भारतेश को प्रवृत्त होगा ।

उपांग-1

[पैरा 2 का उप-पैरा (2) देखिए]

नियति (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 17 के अन्तर्गत प्रस्तावित नियमों का प्रारूप ।

1. संक्षिप्त नाम तथा प्रारूप — (1) इन नियमों का नाम भूती हुई तथा नमक लगाई हुई काजू की गिरियों का नियति (निरीक्षण) नियम, 1977 है ।

(2) ये को प्रवृत्त होंगे ।

2. परिभाषाएँ :— इन नियमों में जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो—

(क) "अधिनियम" से नियति (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) अभिप्रेत है ।

(ख) "अधिकरण" से अधिनियम की धारा 7 के अन्तर्गत सुभूति, कलकत्ता, कोचीन, दिल्ली तथा मद्रास में स्थापित अधिकरणों में से कोई एक अधिप्रेत है ।

(ग) "भूती हुई तथा नमक लगाई हुई काजू की गिरियों" से किसी भी मान्य पकाने वाले बर्तन में भूतकर तथा नमक लगाकर या सूखे भूतने की प्रक्रिया द्वारा तथा नमक लगाकर तैयार की गई पुलसी हुई गच्छी (विना पुलसी) साबुत तथा टुकड़े वाली काजू की गिरियों अभिप्रेत हैं ।

3. निरीक्षण का आधार—नियति की जाने वाली भूती हुई तथा नमक लगाई हुई काजू की गिरियों का निरीक्षण इस दृष्टि से यह सुनिश्चित करने के विचार से किया जाएगा कि वे अधिनियम की धारा 6 के अन्तर्गत केन्द्रीय सरकार द्वारा मान्य नमक विनियों के प्रारूप हैं ।

4. निरीक्षण की प्रक्रिया— (1) भूती हुई तथा नमक लगाई हुई काजू की गिरियों के नियति करते का इस्लुक नियति-कर्ता नियति किए जाने वाले परेषण का विवरण देते हुए अधिकरण के पास के कार्यालय को आवेदन-पत्र देगा ताकि वह ऐसे परेषण का निरीक्षण कर सके या परीक्षण करते के लिए वैसा कारण बताएगा यह देखने के लिए क्या वह नियम 3 में संदर्भित विनियों के प्रारूप है । नियति-कर्ता उसी समय ऐसे आवेदन-पत्र की एक प्रति निरीक्षण के लिए परिषद् के कार्यालय को भेजेगा ।

(2) उप-नियम (1) के अन्तर्गत प्रत्येक आवेदन-पत्र नियति-कर्ता के परिसर से परेषण के में जाने के नियति-समय से कम से कम पन्द्रह दिन पूर्व अधिकरण के कार्यालय में पहुंचेगा ।

(3) उप-नियम (2) में संदर्भित आवेदन-पत्र के प्राप्त होने पर अधिकरण भूती हुई तथा नमक लगाई हुई काजू की गिरियों के परेषण का निरीक्षण, इसे लिए परिषद् द्वारा समय-समय पर जारी किए गए नियों के अनुसार, इस दृष्टि से करेगा कि वह नियम 3 में नियति-कर्ता की गिरियों के अनुरूप है ।

(4) नियति-कर्ता अधिकरण को ऐसा निरीक्षण करने के लिए सभी आवश्यक सुविधाएँ देगा ।

(5) यदि निरीक्षण के प्राप्त अधिकरण का अपना यह समाधान हो जाता है कि नियति किया जाने वाला भूती हुई तथा नमक लगाई हुई काजू की गिरियों का परेषण नियम 3 में नियिष्ट मान्य विनियों की अपेक्षाओं के प्रारूप है तो अधिकरण सूचना के 15 दिनों के भीतर यह प्रोत्साहन करते हुए कि भूती हुई तथा नमक लगाई हुई काजू की गिरियों

का प्रेषण विविधी नियन्त्रण और निरीक्षण सबवां बातों का पूरा करना है तथा निर्यात-योग्य है, प्रमाण-पत्र दें देंगा ।

परन्तु जहाँ अभिकरण का इस प्रकार समाधान नहीं होता वहाँ वह उम्म 15 दिनों की अवधि के भीतर ऐसा प्रमाण-पत्र देने से इकार कर देगा और ऐसे इकार को सूचना कागजों सहित निर्यात-कर्ता को देगा ।

(6) अभिकरण, यदि इन नियमों के प्राजन के समाधान के लिए आवश्यक समस्तता है तो, निरीक्षण परण का उसके पात-लदान से पूर्व भंडारीकरण या अभिकरण में से किसी भी स्थान पर निरीक्षण कर सकता है ।

5. निरीक्षण शुल्क—इन नियमों के अन्तर्गत प्रत्येक प्रेषण या इसके भाग के लिए, पोत पर्यन्त नियुक्त मूल्य के प्रत्येक एक सौ रुपए पर पचास पैसे की दर से निरीक्षण कीमत दी जाएगी । यह कीमत कम से कम प्रथम रुपए होगी ।

6. अधीन—(1) नियम 4 के उप-नियम (5) के अन्तर्गत प्रमाण-पत्र देने के इकार से व्यवित कोई व्यक्ति, उसके कारार के गूच्छना प्राप्त होने के 10 दिनों के भीतर, केन्द्रीय सरकार द्वारा इस प्रयोजन के लिए नियुक्त कम से कम तीन और अधिक सात व्यक्तियों के विशेषज्ञों के पैनल को अपील कर सकता ।

(2) ऐसे पैनल में विशेषज्ञों के पैनल की कुल सदस्य मंख्या के कम से कम दो निहाई गिर सरकारी सदस्य होगे ।

(3) पैनल की गणरूपी तीन की होगी ।

(4) अपील प्राप्त होने के 15 दिनों के भीतर निपटा दी जाएगी ।

#### अनुसूची

#### [प्रिया 2 का उप-पैरा (3) देखिए]

भूनो हुई तथा नमक लगाई हुई काजू को गिरियों के लिए विनियोग

#### 1. कच्ची भासमी

1. 1. काजू की गिरियों, जिसमें अच्छे खगड़, साबुत या छोटे-छोटे टुकड़े भी हैं भूनने तथा नमक लगाने के लिए प्रयुक्त की जाएगी ।

1. 2. मेरी शिरों, किसी भी प्रकार की जलनुदाधा, फ़क़ीरी, बासीपन तथा छिलकों से पूरी तरह सुकून होगे ।

#### 2. तैयार करने की विधि

2. 1. भूनी हुई तथा नमक लगाई गई काजू की गिरियों किसी भी मात्र पकाने वाले बनें में भूनकर तथा नमक लगाकर या भूखे भूनने की प्रक्रिया द्वारा नमक लगाकर तैयार की जाएगी ।

2. 2. पकाने के लिए प्रयुक्त शर्करे स्टेनलैम स्ट्रील के होगे ।

2. 3. भूनने से पहले गिरियों का आप्रवाना अंश  $3.5\%$  से अधिक नहीं होगा ।

#### 3. उत्पाद की अपेक्षाएँ

3. 1. श्रेणी नाम के तथा विक्रेता के मध्य सावधा में रिए गए स्वीकार किए जाएंगे । सिवाय तब के जब से ये तत्वों का अप्रथार्थ स्पष्ट प्रस्तुत करते हों ।

3. 2. भूनकर तथा नमक लगाकर तैयार करने के पश्चात् रमायन विश्लेषण पर काजू की गिरिया मारणी I में विए गए स्वीकृत स्तरों के अन्तर्गत होंगी ।

#### मानणी

#### स्वीकृत स्तर

वना के मध्य में तेल अम्ल की 0.03—या भविदा में दिया गया प्रतिशतता के अनुसार वगा मुकूल स्तर

प्रस्तुत प्राप्तवाहित मूल्य 0.05—या सविदा में दिया गया स्तर

3. 3. खाद्य अप मिश्रण निवारण नियम, 1955 के अन्तर्गत स्वीकृत सुरक्षात्मक तथा सुगंधित पदार्थ ।

#### 4. पैकिंग

4. 1. भूनी हुई तथा नमक लगाई हुई काजू की गिरियों के द्वारा निर्धारित अन्य अपेक्षाओं तथा आकार के डिब्बों में पैक की जाएगी ।

4. 2. गिरियों नियंत्रण में अपेक्षित अनुसार फाइल पैक भी की जा सकती है ।

4. 3. डिब्बे नाम, साफ तथा जग में मुकूल या किसी भी प्रकार की अवासी से मुकूल होंगे ।

4. 4. गिरियों, वैक्यम डिब्बों या जड़ गैस के माध्यम का प्रयोग करके पैक की जाएंगी ।

4. 5. ब्रेता का पैकिंग अपेक्षाओं के अनुसार डिब्बे कार्ड बांड के इन्वो गे या रोगाणुनाशक लकड़ी के बकारों में बदल किए जाएंगे ।

1. 6. प्रत्येक डिब्बे/बक्के पर निर्माणित प्रदर्शित होगा—

(क) उत्पाद का नाम

(ख) विनियोगी का नाम

(ग) पोत-लदान चिन्ह

(घ) किलोग्राम में शुद्ध तथा कुल भार ।

#### 5. सील करना

5. 1. पैकिंग के पश्चात् प्रत्येक परिषद् द्वारा निर्धारित के अनुसार उपयुक्ततः सील बंद किया जाएगा ।

[सं 6(22)/76/नि० नि० तथा नि० उ०]

#### ORDER

**S.O. 408.**—Whereas the Central Government is of opinion that in exercise of the powers conferred by Section 6 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), Roasted and Salted Cashew Kernels should be subject to inspection prior to export;

And whereas the Central Government has formulated the proposals specified below for the said purpose and has forwarded the same to the Exports Inspection Council as required by sub-rule (2) of rule 11 of the Export (Quality Control and Inspection) Rules, 1964 :

Now, therefore, in pursuance of the said sub-rule, the Central Government publishes the said proposals for the information of the public likely to be affected thereby.

2. Notice is hereby given that any person desiring to forward any objection or suggestion with respect to the said proposals may forward the same within forty-five days of the date of publication of this order to the Export Inspection Council, 'World Trade Centre', 14/1B, Ezra Street (7th floor), Calcutta-700001.

#### PROPOSALS

(1) To notify that roasted and salted cashew kernels shall be subject to quality control and inspection prior to export :

(2) To specify the type of inspection in accordance with the Export of roasted and salted cashew kernels (Inspection) Rules, 1976, set out in Annexure I to this order, as the type of inspection which should be applied to such roasted and salted cashew kernels prior to their export;

(3) To recognise the specifications as agreed to between the buyer and the seller subject to a minimum or requirements as set out in the Schedule annexed to this order as the standard specifications for roasted and salted cashew kernels ; and

(4) To prohibit the export in the course of international trade of roasted and salted cashew kernels unless the same is accompanied by a Certificate issued by the agencies

established by the Central Government under Section 7 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963) to the effect that the consignment of such roasted and salted cashew kernels satisfies the conditions relating to quality control and inspection and is exportworthy.

3. Nothing in this order shall apply to the export by land, sea or air of samples of roasted and salted cashew kernels to the prospective buyers, provided such samples do not exceed 5 kg. in net weight.

4. In this Order "roasted and salted cashew kernels" mean cashew kernels scorched, unscorched, wholes and pieces as prepared through roasting in any recognised cooking medium and salting, or through the dry-roasting process and salting.

5. This Order shall come into force on the.....

#### ANNEXURE I

(See sub-paragraph (2) of Paragraph 2)  
Draft Rules proposed to be made under Section 17 of the

Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963  
(22 of 1963)

1. Short Title and Commencement.—(1) These Rules may be called the Export of Roasted and Salted Cashew Kernels (Inspection) Rules, 1977.

(2) They shall come into force on the.....

2. Definitions.—In these Rules, unless the context otherwise requires,—

- (a) "Act" means the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963);
- (b) "agency" means any of the agencies established at Bombay, Calcutta, Cochin, Delhi and Madras under Section 7 of the Act;
- (c) "Roasted and Salted Cashew Kernels" mean cashew kernels, scorched, unscorched, wholes or pieces prepared through roasting in any recognised cooking medium and salting, or through the dry-roasting process and salting.

3. Basis of Inspection.—(1) Inspection of roasted and salted cashew kernels for export shall be carried out with a view to seeing that they conform to the standard specifications recognised by the Central Government under Section 6 of the Act.

4. Procedure of Inspection.—(1) An exporter intending to export roasted and salted cashew kernels shall submit an application to the nearest office of the agency giving particulars of the consignment intended to be exported to enable it to examine such consignment or cause the same to be examined to see whether the same conforms to the specifications referred to in rule 3. The exporter shall at the same time endorse a copy of such application for inspection to the nearest office of the Council.

(2) Every application under sub-rule (1) shall reach the Office of the Agency not less than 15 days before the anticipated time of despatch of the consignment from the exporter's premises.

(3) On receipt of the application referred to in sub-rule (2) the agency shall inspect the consignment of roasted and salted cashew kernels as per the instructions issued by the Council in this behalf from time to time with a view to seeing that the same complies with the requirements of the recognised specifications referred to in rule 3.

(4) The exporter shall provide all necessary facilities to the agency to enable them to carry out such inspection.

(5) If, after inspection, the agency is satisfied that the consignment of roasted and salted cashew kernels to be exported complies with the requirements of the recognised specifications referred to in rule 3, the agency shall, within 15 days of the intimation, issue a certificate declaring that the consignment of roasted and salted cashew kernels satisfies the conditions relating to quality control and inspection and is exportworthy.

Provided that where the agency is not satisfied, it shall, within the said period of 15 days, refuse to issue such certificate and communicate such refusal to the exporter alongwith the reasons therefor.

(6) The agency may exercise such supervision to the inspection consignment at any place of storage or transit prior to its shipment as it may consider necessary for satisfying the purposes of these rules.

5. Inspection fee—Subject to a minimum of rupees fifty for each consignment, a fee @50 paise for every Rs. 100 F.O.B. value or part thereof for each consignment shall be paid as inspection fee under these rules.

6. Appeal—(1) Any person aggrieved by the refusal of the agency to issue certificate under sub rule (5) of rule 4, may, within 10 days of the receipt of the communication of such refusal by him, prefer an appeal to such panel of Exports consisting of not less than 3 but not more than 7 persons as may be constituted by the Central Government for the purpose.

(2) The Panel of Exports shall consist of at least two-third of the non-officials of the total membership of the Panel of Exports.

(3) The quorum for the Panel of Exports shall be three.

(4) The appeal shall be disposed of by the Panel of Exports within 15 days of its receipt.

#### SCHEDULE

[See sub-paragraph (3) of paragraph 2]

##### Specifications for roasted and salted cashew kernels

###### 1. Raw material.

1.1. Cashew kernels, which shall include scorched, unscorched, wholes or pieces shall be used for roasting and salting.

1.2. They shall be completely free from insect infestations of any kind, fungal growth, rancidity and the presence of testa.

###### 2. Preparation

2.1. Roasted and salted cashew kernels shall be prepared by roasting the cashew kernels in any of the recognised cooking media and salting, or through the dry roasting and salting process.

2.2 The cooking utensils used shall be of stainless steel.

2.3 The moisture content of the kernels before roasting shall not be more than 3.5 per cent.

###### 3. Product requirements

3.1 The grade designations as stipulated in the contract between the buyer and the seller shall be allowed unless they make any misrepresentation of the facts.

3.2 The kernels, after the preparation through roasting and salting, on chemical analysis, shall be within the acceptance levels shown in Table I.

#### TABLE I

Acceptance levels	
Free Fatty Acid as percentage of Oleic acid as fat	0.03% or level stipulated in the contract
Peroxide value (Percent-age)	0.05% or level stipulated in the contract.

3.3 Preservatives and flavouring agents permitted under the Prevention of Food Adulteration Rules, 1955.

###### 4. Packing

4.1 The roasted and salted cashew kernels shall be packed in consumer containers of the size and other requirements as may be prescribed by the buyer.

4.2 The kernels may also be foil packed as required in the contract.

4.3 The containers shall be new, clean and free from rusting or any kind of damage.

4.4 Kernels shall be packed in the containers under vacuum or in the medium of inert gas.

4.5 The containers shall be packed in card-board cartons or disinfected wooden cases according to the packaging requirements of the buyer.

4.6 Each carton or case shall be marked to show :

- name of the product.
- name of the manufacturer.
- shipping marks.
- Net and gross weight in kgs.

## 5. Sealing

5.1 Each consignment after packing shall be suitably sealed at may be prescribed by the Council.

[No. 6(22)/76/EI & EP]

## आदेश

का० आ० 409.—नियांत्रण (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 6 द्वारा प्रवत्त शर्कियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय मरकार की राय है कि भारत के नियांत्रणाधार के विकास के लिये ऐसा करना आवश्यक तथा समीक्षीय है कि कानिपय चीनी-मिट्टी के ऊमा-रोधी तथा बुणे नियांत्रण से पूर्व क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण के अधीन हों;

और केन्द्रीय मरकार ने उक्त प्रयोजन के लिये नीचे विनियिष्ट प्रस्ताव बनाए हैं तथा उन्हें नियांत्रण (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1964 के नियम 11 के उप-नियम (2) द्वारा अपेक्षित के अनुसार नियांत्रण परियोग को भेज दिया है;

अतः, यदि उक्त उप-नियम के अनुसरण में केन्द्रीय मरकार भारत मरकार के वाणिज्य मंत्रालय की अधिकृतवाना स० का० २३३३, लाइस १२ जून, 1969 की जहां तक वह चीनी-मिट्टी के ऊमा-रोधी तथा बुणों के सभी प्रकारों से संबंधित है, अतिथित करते हुए, उन सभी स्रोतों की जानकारी के लिये जिनको इन प्रस्तावों से प्रभावित होने की संभावना है, उक्त प्रस्तावों को प्रकाशित करती है।

2. यह सूचना दी जाती है कि यदि कोई व्यक्ति उक्त प्रस्तावों के बारे में कोई आवेदन या सुनाव देना चाहे तो वह उसे इस आदेश के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से पैतालीस दिन के भीतर नियांत्रण अधीन परियोग, 'बल्ड ट्रैड मेंटर', १/१-जी०, एजरा स्टॉट, (आठवीं मंजिल), कलकत्ता-१ को भेज सकता है।

## प्रस्ताव

(1) यह अधिकृतवाना कि चीनी-मिट्टी के ऊमा-रोधी तथा बुणे नियांत्रण से पूर्व क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण के अधीन होंगे;

(2) उपावन्ध-१ में दिये गये चीनी-मिट्टी के ऊमा-रोधी तथा बुणों के नियांत्रण (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1976 के प्रारूप के अनुसार क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण के प्रकार को क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण के उस प्रकार के रूप में विनियिष्ट करना जो कि नियांत्रण से पूर्व ऐसे चीनी-मिट्टी के ऊमा-रोधी तथा बुणों पर लागू होगा:

(3) (i) चीनी-मिट्टी के ऊमा-रोधी तथा बुणों से सम्बन्धित भारतीय मानक विनियोगों को या

(ii) केवा तथा विकेना के मध्य करार पाये गये के अनुसार किसी भी देश के राष्ट्रीय मानक विनियोगों को, मात्रता देना।

(4) अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के बीचने गये चीनी-मिट्टी के ऊमा-रोधी तथा बुणों के नियांत्रण का यह तक प्रतियोग करना

जब तक कि प्रत्येक प्रेषण के साथ नियांत्रण (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 7 के अन्तर्गत स्थापित अभिकरणों में से किसी एक द्वारा दिया गया इस बात का प्रमाण-पत्र न हो कि चीनी-मिट्टी के ऊमा-रोधी तथा बुणों का प्रेषण क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण संबंधी भारतीय पूरा करता है तथा नियांत्रण दोग्य है।

3. इस आदेश की कोई भी बात भावी ऐताप्रमों को भू-मार्ग, समुद्र मार्ग या धारा भू-मार्ग द्वारा चीनी-मिट्टी के ऊमा-रोधी तथा बुणों के नमूनों के नियांत्रण पर लागू नहीं होगी।

## स्वास्थ्यकरण—

इस आदेश में चीनी-मिट्टी के ऊमा-रोधी तथा बुणों से विद्युत तथा तार संचारण प्रणाली के लिये बताये गये चीनी-मिट्टी के ऊमा-रोधी तथा बुणे अभिप्रेत हैं।

## उपावन्ध १

### [वैरा १ का उप-पैरा (२) वेबिंग]

नियांत्रण (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 17 के अन्तर्गत बताये जाने के लिये प्रस्तावित नियमों का प्राप्त्यन्त्र :

1. नियम नाम तथा प्रारूप:—(1) इन नियमों का नाम चीनी-मिट्टी के ऊमा-रोधी तथा बुणों का नियांत्रण (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1977 है।

(2) ये.....को प्रवृत्त होंगे।

2 परिमाणाएँ. इन नियमों में यदि तक कि मंदर्भ से प्रभाव्या अपेक्षित न हो—

(क) "अधिनियम" से नियांत्रण (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) अभिप्रेत है।

(ख) "अभिकरण" से अधिनियम की धारा 7 के अन्तर्गत कोचीन, मशास, मुम्बई, दिल्ली तथा कलकत्ता में स्थापित अभिकरणों में से कोई एक अभिकरण अभिप्रेत है।

(ग) "चीनी-मिट्टी के ऊमा-रोधी तथा बुणों" से विद्युत तथा तार संचारण प्रणाली के लिये बताये गये चीनी-मिट्टी के ऊमा-रोधी तथा बुणे अभिप्रेत हैं।

(घ) "अनुसूची" से इन नियमों से संलग्न अनुसूची अभिप्रेत है।

3 क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण—(1) चीनी-मिट्टी के ऊमा-रोधी तथा बुणों का क्वालिटी नियंत्रण, विनिर्माता द्वारा उत्पाद की पैकिंग, संरक्षण, तथा विनिर्माण के विभिन्न स्तरों पर निम्नलिखित नियंत्रणों का प्रयोग करके मुनिशिवित किया जायेगा, प्रथम—

(i) क्रम की गई तथा कच्ची सामग्री नियंत्रणः

(क) क्रम विनिर्वेश विनिर्माता द्वारा प्रयुक्त किये जाने वाली सामग्री के गुण धर्मों का समाविष्ट करने हुए निर्धारित किये जायेंगे।

(ख) स्थीकृत प्रेषणों के साथ या तो क्रम विनिर्वेशों की अपेक्षाओं की पुष्टि करने हुए प्रशाय-कर्ता का परख या निरीक्षण क्रमाण-पत्र होगा, जिस दशा में ऐता द्वारा विशिष्ट प्रदाय-कर्ता के लिये उक्त परख या निरीक्षण प्रमाण-पत्र की यथा 100 सत्यापित करने के लिये 10 प्रेषणों में कम से कम एक बार कार्यक्रम जाप की जायेगी या द्वितीय गई सामग्री का या तो कारब्लाने के भीतर प्रयोगणात्मा में या बाह्य प्रयोगणात्मा में या परीक्षण गृह में नियमित रूप से परीक्षण और निरीक्षण किया जायेगा।

(ग) किये जाने वाले निरीक्षण या परख के लिये नमूने का नेता लेखबद्ध किये गये अन्वेषण पर आधारित होगा ।

(घ) निरीक्षण और परीक्षण किये जाने के पश्चात्, स्वीकृत और अस्वीकृत किये गये माल को पुक्त करने में तथा अस्वीकृत माल के निपटान के लिये व्यवस्थित पद्धतियां अपनाई जायेगी ।

(ङ) विनिर्माण द्वारा उत्तर नियंत्रणों के बारे में पर्याप्त अधिकारी नियमित रूप में तथा व्यवस्थित रूप से रखे जायेंगे ।

(ii) प्रक्रिया नियंत्रण

(क) विनिर्माण की विभिन्न प्रक्रियाओं के लिये विनिर्माण द्वारा अधिकार प्रक्रिया विनिर्देश निर्धारित किये जायेंगे ।

(ख) प्रक्रिया विनिर्देशों में यथा अधिकारित प्रक्रियाओं को नियन्त्रित करने के लिये उपकार एवं यत्रों को पर्याप्त सुविधाये होंगी ।

(ग) विनिर्माण द्वारा विनिर्माण की प्रक्रिया के बोरान किये गये नियंत्रणों के अन्वयन की समावना गुनिर्वात करने के लिये पर्याप्त अधिकारी रखे जायेंगे ।

(iii) उत्पाद नियंत्रण

(क) यह जाच पड़ानाल करने के लिये कि यह उत्पाद अधिनियम की धारा 6 के अधीन मान्य विनिर्देशों के अनुसूत है, विनिर्माण के पास या तो स्वयं की परख सुविधाये होंगी या उसकी पहुँच वहां तक होंगी जहां ऐसी परख सुविधाये विद्यमान हों ।

(ख) निरीक्षण और परीक्षण के लिये नमूनों का लेख लेखबद्ध किये गये अन्वेषण पर आधारित होगा ।

(ग) नमूना लेने तथा किये गये परीक्षण के बारे में पर्याप्त अधिकारी नियमित रूप में शोर व्यवस्थित रूप से रखे जायेंगे ।

(घ) उत्पाद की जाच पड़ानाल करने के लिये नियंत्रण के अन्वयन मन्त्र भारत अनुसूची में विर्तिविष्ट के अनुसार है ।

(iv) परिवर्तन नियंत्रण

भंडारीकरण और अभिवहन दोनों के बोरान उत्पाद घट्ठी तरह से परिवर्तित किया जायेगा ।

(v) वैकिंग नियंत्रण

जाच की वैकिंग के लिये अनुसूची में दिये गये नियंत्रणों का पुरा करने की दृष्टि से वैकिंग विनिर्देश अधिकारित किया जायेगा ।

(2) नियाति किये जाने वाली चीनी-मिट्टी के ऊप्पारोधी तथा बुँदों का निरीक्षण यह सुनिश्चित करने की दृष्टि से किया जायेगा कि क्या क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण उप-नियम (1) के अनुसार है या चीनी-मिट्टी के ऊप्पारोधी तथा बुँदों इस प्रयोजन के लिये मान्य विनिर्देशों के अनुसूत है या दोनों का गुनिर्वात करने की दृष्टि से किया जायेगा ।

4. निरीक्षण की प्रक्रिया—(1) चीनी की मिट्टी के ऊप्पारोधी तथा बुँदों का निरीक्षण करने का इच्छुक नियातिकर्ता अपने ऐसा करने के प्राशय की सूचना लिखित रूप में परिषद् के पास ही के कार्यालय को देगा । ऐसी सूचना के प्राप्त होने पर सबसे पहले विनिर्माण एक न में निरीक्षण के लिये परिषद् के अधिकारी जायेंगे और उनकी मिरारिश पर इस प्रयोजन के लिये केन्द्रीय सरकार द्वारा नियुक्त विशेषज्ञों के बोरे का, अनुसूची में विमिहिष्ट उत्पादन के बोरान क्वालिटी नियंत्रण पद्धति की पर्याप्तता की जाच करने के लिये या अन्यथा, प्रबन्ध किया जायेगा । विशेषज्ञों के ऐनल की मिरारिश पर एक की बाबत यह घोषित कर दिया जायेगा कि उसके पास उत्पादन के दौरान क्वालिटी नियंत्रण अध्यातों की पर्याप्तता है ।

विनिर्माण एक हम प्रयोजन के लिये परिषद् के अधिकारियों को तथा विशेषज्ञों के ऐनल के सभी सुविधायें देगा ।

(2) चीनी-मिट्टी के ऊप्पा गोधों सूचना बुँदों के परेषण का नियाति करने का इच्छुक नियाति बर्ता घपते ऐसा करने के प्राशय औ सूचना लिखित रूप में अधिकारण को देगा । तथा ऐसी सूचना ले साथ हम बात का शोषण-गत देगा कि (क) चीनी मिट्टी के ऊप्पा गोधों तथा बुँदों का परेषण नियम 3 में अधिकारित क्वालिटी नियंत्रण परिमाणों को प्रयोग करके बनाया गया है या बनाया जा रहा है, तथा (ख) परेषण, हम प्रयोजन के लिये मात्र विनिर्देशों की अपेक्षाओं के अनुसूप है ।

(3) (i) उप-नियम 2 के अन्तर्गत सूचना तथा घोषणा प्राप्त होने पर अधिकारण उसका इस समाधान हो जाने पर कि एक द्वारा विनिर्माण की प्रक्रिया के दौरान नियम 3 में दिये गए प्रतिक्रिया विवरण नियंत्रणों का प्रयोग किया गया है, परिषद् द्वारा समय-समय पर जारी किये गये निर्देशों के अनुसार प्रयोग का निरीक्षण करेगा ।

(ii) उप-नियम 2 के अन्तर्गत सूचना तथा घोषणा प्राप्त होने पर एक द्वारा जिसके पास उप-नियम (i) के अनुसार क्वालिटी नियंत्रण अध्यात्म पर्याप्त नहीं है, विनिर्माण परेषण का निरीक्षण इस दृष्टि से यह देखने के विचार से करेगा कि वह अधिनियम की धारा 6 के अन्तर्गत मान्य मानक विनिर्देशों के अनुसूप है तथा परिषद् द्वारा समय-समय पर जारी किये गये नियंत्रणों के अनुसार है ।

(4) नियाति कर्ता अधिकारण का परेषण पर लगाया जाने वाला पहचान चिह्न भी देगा ।

(5) उप-नियम (2) के अन्तर्गत प्रत्येक सूचना तथा घोषणा विनिर्माण के परिवर्तन में परेषण के भेजे जाने में कम से कम गात दिन पहले अधिकारण के कार्यालय में पहुँचेंगी ।

(6) यह अधिकारण का यह समाधान हो जाता है कि चीनी मिट्टी के ऊप्पा-गोधों तथा बुँदों का नियाति किया जाने वाला परेषण उप-उप-नियम (3) की अपेक्षाओं के अनुसूप है तो वह उप-नियम (2) के अन्तर्गत सूचना तथा घोषणा प्राप्त होने के गात दिन के भीतर नियातिकर्ता को, यह घोषणा करने द्वा ग्रामाण-पत्र दे देगा कि परेषण नियाति योग्य है ।

परन्तु जहां अधिकारण का ऐसा समाधान नहीं होता तो वह उक्त मान दिनों की अवधि के भीतर ऐसा ग्रामाण-पत्र देने से इंकार कर देगा और ऐसे इंकार की सूचना उसके कारणों भरित देगा ।

(7) ऐसे एकों में, जिनमें उत्पादन के दौरान क्वालिटी नियंत्रण अध्यात्मों की पर्याप्तता है, नियाति निरीक्षण परिषद् के अधिकारी, उन एकों द्वारा अपनाई गई उत्पादन के दौरान क्वालिटी नियंत्रण पद्धति की पर्याप्तता की अवध्यता भी जाच करने के लिये नियमित अन्तरालों पर जायेंगे । यदि कोई भी विनिर्माण एक ऐसा पाया जाता है कि जिसने विनिर्माण के किसी भी मान पर प्रतेकित क्वालिटी नियंत्रण के उपायों को नहीं अपनाया है तो परिषद् की सिफारिश पर यह घोषित कर दिया जायेगा कि एक के पास क्वालिटी नियंत्रण अध्यातों की पर्याप्तता नहीं है । ऐसे मामलों में एक उसके द्वारा अपनाये गये उत्पादन के दौरान क्वालिटी नियंत्रण पद्धतों की पर्याप्तता के अनुसार उत्पादन के लिये किर से आवेदन करेगा ।

5. निरीक्षण कौम—हम नियमों के अधीन प्रत्येक परेषण के निरीक्षण के लिये प्रत्येक परेषण के पात्र पर्याप्त नियुक्त सूचना के प्रत्येक एक सूचने पर सीम पैमे की दर से निरीक्षण कीमत निर्यातिकर्ता द्वारा अधिकारण को दी जायेगी । यह कोम कम से कम लीस रूप से होगी ।

6. अपील—(1) नियम 4 के उप-नियम 6 के अन्तर्गत ग्रामाण-पत्र देने के इंकार से अधित अधिकार ऐसे इंकार की सूचना

प्राप्त होने के इस दिनों के भीतर, इस प्रयोगन के लिये केन्द्रीय सरकार द्वारा मियुक्त, कम से कम तीन और अधिक से अधिक सात व्यक्तियों के विशेषज्ञों के पैनल को अपील कर सकेगा।

- (2) ऐसे पैनल में विशेषज्ञों के पैनल की कुल संख्या मंद्या के कम से कम दो-नियुक्त गैर सरकारी सदस्य होंगे।
- (3) पैनल की गणराज्य नियंत्रित होगी।
- (4) आर्थिक प्राप्ति होने के 15 दिन के भीतर निपटा दी जायेगी।

### अनुसूची

(1) उत्पाद के लिये नियन्त्रण के स्तर

[नियम 3 उप-खंड (iii) (ब) विविध]

क्रम सं०	अपेक्षाएं	नमूनों की सं०	आवृत्ति	टिप्पणी
1	2	3	4	5
क. उच्च तनन वाले उप्पा रोधी (1000 से अधिक थोल्ट)				
1. (1) सामान्य अपेक्षाएं	कार्य कौशल तथा फिनिश	100 प्रतिशत	—	कोई दोष नहीं
2. प्रकार परखें				
(1) एक मिनट के लिये शक्ति आवृत्ति महत्वा परख और पलंग आवर परख सुखाएं	5 टुकड़े	प्रत्येक बैच	प्रसकलता नहीं	
(2) एक मिनट के लिये शक्ति आवृत्ति महत्वा परख गीली करे और पलंग	5 टुकड़े	—वही—	“	
(3) आवेग बोल्टटा	5 कटुडे	—वही—	“	
(4) आवेग बोल्टटा फलंग औवर परख	5 टुकड़े	—वही—	“	
3. नमूना सेने की परख				
(1) विमांग	0.5 प्रतिशत	—वही—	अनुमोदित ड्राइंग में वी गई से अधिक सम्मत नहीं	
(2) अभिवर साइकिल परख	0.1 प्रतिशत (न्यूनतम 15 टुकड़े)	—वही—	अनुमोदित ड्राइंग में वी गई से अधिक सम्मत नहीं	
(3) यांत्रिकी मजबूती या विद्युत् यांत्रिकी मजबूती	5 टुकड़े	—वही—	“	
(4) शक्ति आवृत्ति पंक्चर सम्मता परख	5 टुकड़े	—वही—	“	
(5) सूक्ष्मरंध्रता	बैच के अनुसार	—वही—	गूच्छ सूक्ष्म रंध्रता	
(6) मानवनीकृत परख	5 टुकड़े	—वही—	प्रसकलता नहीं	
4. लोक परख				
(1) दृष्टिगत	100 प्रतिशत	—वही—	“	
(2) विद्युत् परख	100 प्रतिशत	—वही—	“	
(3) यांत्रिकी परख (वर मूल्य का 30 प्रतिशत)	100 प्रतिशत	—वही—	“	
ख. निम्न तनन वाले उप्पा रोधी (1000 थोल्ट तक)				
1. (1) सामान्य अपेक्षा	कार्यकौशल तथा फिनिश	100 प्रतिशत	—	कोई दोष नहीं
2. प्रकार परखें				
(1) मिनट के लिये शक्ति आवृत्ति महत्वा को स्था पलंग औवर परख को सुखाएं	5 टुकड़े	प्रति बैच	प्रसकलता नहीं	
(2) एक मिनट के लिये शक्ति आवृत्ति महत्वा को तथा पलंग औवर परखों को गीला करें	5 टुकड़े	—वही—	“	
(3) शक्ति आवृत्ति पंक्चर महत्वा बोल्टटा	5 टुकड़े	—वही—	“	
(4) यांत्रिकी अमरुलता भार परख	5 टुकड़े	—वही—	“	
3. नमूना परखें				
(1) विमांगों का संरक्षण	0.5 प्रतिशत	—वही—	अनुमोदित ड्राइंग में वी गई में अधिक सम्मत नहीं	
(2) अभिवर साइकिल परख	0.1 प्रतिशत	—वही—	गूच्छ सूक्ष्म रंध्रता	
(3) सूक्ष्म रंध्रता परख	बैच के अनुसार	—वही—	“	

1

2

3

4

5

ग निम्न स्था उच्च तनन वाली दुरु

## सामान्य अपेक्षाएँ

- (1) कार्यकोणल तथा फिलिं
- (2) विमाएँ

## प्रकार पर्याएँ

- (1) सूखी पैलैण आवर वाल्टना
- (2) गीली फैलैण आवर वाल्टना
- (3) सूखी महत्वा वाल्टना
- (4) गीली सहता वोल्टना
- (5) आवेग सहता वोल्टना
- (6) तेल फैलैण आवर वोल्टना के अन्तर्गत (शक्ति आवृत्ति वोल्टना)
- (7) तेल फैलैण आवर वोल्टना के अन्तर्गत (आवेग वोल्टना)

[नियम ४, उपखड (v) देखिए]

## (2) पैकिंग के लिये नियमग्र के स्तर

- 1 पैकेजो का प्रस्तुतीकरण अर्थात् होगा तथा सक्रमग के बौरान उठा-धराई महने मे समर्थ होगे।
- 2 छीनी मिट्टी के उत्तरार्थी तथा दुरु इम प्रकार से पैक की जायेगी कि उनमे आपस मे टक्कर न हो।
3. प्रत्येक पैक ज पर निम्नलिखित सूचना लिखी जायगा अथवा
  - (क) सामग्री का नाम।
  - (ख) विनिर्माण का नाम तथा व्यापार चिह्न, यदि काई हो।
  - (ग) माल की मात्रा।

## ORDER

**S O 409**—Whereas, in exercise of the powers conferred by Section 6 of the Export (Quality Control & Inspection) Act, 1963 (22 of 1963) the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do for the development of the export trade of India that certain porcelain insulators and bushings shall be subject to quality control and inspection prior to export,

And whereas the Central Government has formulated the proposals specified below for the said purpose and has forwarded the same to the Export Inspection Council, as required by sub-rule (2) of rule 11 of the Export (Quality Control and Inspection) Rules, 1964,

Now, therefore, in pursuance of the said sub-rule, the Central Government, in supersession of the Notification of the Government of India in the Ministry of Commerce No S O 2333, dated the 12th June, 1969, in so far as it relates to all types of porcelain insulators and bushings hereby, publishes the said proposals for the information of the public likely to be affected thereby

2 Notice is hereby given that any person desiring to forward any objections or suggestions with respect to the said proposals may forward the same within forty-five days of the date of publication of this order in the official gazette to the Export Inspection Council, World Trade Centre, 14/1B Ezra Street, (7th floor), Calcutta 1

## PROPOSALS

- (1) to notify that porcelain insulators and bushings shall be subject to quality control and inspection prior to export,
- (2) to specify the type of quality control and inspection in accordance with the draft Export of Porcelain Insulators and Bushings (Quality Control and Inspection) Rules, 1976 set out in Annexure I as the type of quality control and inspection which shall be applied to such porcelain insulators and bushings prior to export,
- (3) to recognise—
  - (i) the relevant Indian Standard Specifications of the porcelain Insulators and Bushing, or

100 प्रतिशत	2 प्रतिशत	प्रथम वैच	सहता नहीं
5 टुकडे			प्रसकलता नहीं
5 टुकडे		प्रथम पालवा वैच	
5 टुकडे			"
5 टुकडे		"	"
5 टुकडे		"	"
5 टुकडे		"	जहा लागू हो
		"	"

[सं 6 (13) / 76-नि.नि. तथा नि.उ.०]

(i) the National Standard specification of any other country as agreed to between the buyer and the seller

(4) to prohibit the export, in the course of international trade, of such porcelain insulator and bushings, unless every consignment thereof is accompanied by the certificate issued by any of the Agencies established under Section 7 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963) to the effect that the consignment of porcelain insulators and bushings satisfied the conditions relating to quality control and inspection and is exportworthy

3 Nothing in the order shall apply to the export by land, sea or air, of samples of porcelain insulators and bushings to prospective buyers

## EXPLANATION

In this order Porcelain Insulators and bushings means the ceramic insulators and bushings meant for electrical and tele-communication system

## ANNEXURE I

[See sub-para (2) of paragraph 1]

Draft rules proposed to be made under section 17 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963)

1 Short title and commencement—These rules may be called the Export of porcelain Insulators and Bushings (Quality Control and Inspection) Rules, 1977

(2) They shall come into force

2 Definitions—In these rules, unless the context otherwise requires,

(a) "Act" means the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963)

(b) "Agency" means any one of the Agencies established under section 7 of the Act at Cochin Madras, Bom bay, Delhi and Calcutta

(c) "Porcelain insulators and bushings" means the ceramic insulators and bushings meant for electrical and telecommunication system,

(d) "Schedule" means the schedule appended to these rules.

3. Quality Control and Inspection.—(1) The quality control of Porcelain insulators and bushings shall be ensured by the manufacturer by effecting the following controls at different stages of manufacture, preservation and packing of the products namely.

(i) Purchase and raw material control—

- (a) Purchase specifications shall be laid down by the manufacturer incorporating the properties of raw materials to be used;
- (b) Either the accepted consignments shall be accompanied by a supplier's test and inspection certificate corroborating the requirements of the purchase specifications, in which case occasional checks shall be conducted at least once in 10 consignments by the purchaser for a particular supplier to verify the correctness of the aforesaid test or inspection certificate or the purchased material shall be regularly tested and inspected either in the laboratory within the factory or in an outside laboratory or test house.
- (c) The sampling for inspection or test to be carried out shall be based on the recorded investigations.
- (d) After the inspection or test is carried out, systematic methods shall be adopted in segregating the accepted and rejected materials and for disposal of the rejected materials.
- (e) Adequate records in respect of the aforesaid controls shall be regularly and systematically maintained by the manufacturer.

(ii) Process Control—

- (a) Detailed process specifications shall be laid down by the manufacturer for different stages of manufacture.
- (b) Equipment and instrumentation facilities shall be adequate to control the processes as laid down in the process specification.
- (c) Adequate records shall be maintained by the manufacturer to ensure the possibility of verifying the controls exercised during the process of manufacture.

(iii) Product Control—

- (a) The manufacturer shall have either his own testing facilities or shall have access to such testing facilities existing elsewhere to check up whether the product conforms to specifications recognised under section 6 of the Act.
- (b) Sampling for test and inspection to be carried out shall be based on the recorded investigation.
- (c) Adequate records in respect of sampling and test carried out shall be regularly and systematically maintained.
- (d) The minimum levels of control to check the products shall be as specified in the schedule.

(iv) Preservation Control—

The product shall be well preserved both during the storage and transit.

(v) Packing Control—

Packing specifications shall be laid down with a view to satisfying the controls as mentioned in the schedule for packing of the products.

(2) The inspection of porcelain insulators and bushings intended for export shall be carried out with a view to ensuring that the quality control and inspection are in accordance with sub-rule (1) or the porcelain insulators and Bushings conform to the specifications recognised for the purpose or with a view to ensuring both.

4. Procedure of Inspection—

(1) An exporter intending to export porcelain insulators and bushings shall inform his intention to do so in writing to the nearest office of the Council. On receipt of such information, the manufacturing unit shall be first visited by the officers of the Council and on their recommendation, the visit of the Panel of Experts constituted by the Council for this purpose shall be arranged to adjudicate the adequacy or otherwise of the in-process quality control system as specified in the schedule. On recommendation of the Panel of Experts, the unit shall be declared as having adequate in process quality control drills.

The manufacturing unit shall provide all facilities to the officers of the Council and the members of the Panel of Experts for this purpose.

- (2) The exporter intending to export of consignment of porcelain insulators and bushings shall give intimation in writing of his intention to do so to the Agency and submit along with such intimation, a declaration to the effect that (a) the consignment of porcelain insulators and bushings has been or is being manufactured by exercising quality control measures laid down in rule 3, and (b) the consignment conforms to the requirements of the specifications recognised for the purpose.
- (3) (i) On receipt of the intimation and declaration under sub-rule 2, the Agency, after satisfying itself that during the process of manufacture adequate quality control as provided in rule 3, has been exercised by the Unit, shall carry out the inspection of consignment in accordance with the instructions issued by the Council from time to time,
- (ii) On receipt of the intimation and declaration under sub-rule 2, the Agency, shall, however carry out the inspection of the consignments manufactured by the units not having adequate in-process quality control drills as per sub-rule (1) with a view to seeing that the same conforms to the standard specifications recognised under section 6 of the Act and in accordance with the instructions issued by the Council from time to time.
- (4) The exporter shall also furnish to the Agency the identification marks applied on the consignment.
- (5) Every intimation and declaration under sub-rule (2) shall reach the office of the agency not less than seven days prior to the despatch of the consignment from the manufacturer's premises.
- (6) If the agency is satisfied that the consignment of Porcelain Insulators and bushings to be exported complies with the requirements of sub-rule (3) it shall within seven days of the receipt of intimation and declaration under sub-rule (2) issue a certificate to the exporter declaring the consignment as exportworthy.

Provided that where the agency is not so satisfied. It shall, within the said period of seven days refuse to issue such certificate and communicate such refusal along with the reasons therefor.

- (7) The units having adequate in process quality control drill shall be thereafter visited by the officers of the Council at a regular interval to adjudicate the maintenance of adequacy of in-process quality control system adopted by them. If any manufacturing unit is found not adopting the required quality control measures at any stage of manufacture, on the recommendations of the Council officers, the unit shall be declared as not having adequate in-process quality control drills. In such cases, the unit shall apply afresh for the approval of the adequacy of the in-process quality control drills adopted by it.

5. Inspection fee.—Subject to a minimum of Rupees Thirty for each consignment, a fee at the rate of Thirty Paise for every hundred rupees of f.o.b. value of each such consignment, shall be paid by the exporter to the agency as 'Inspection fee' under these rules.

6. Appeal.—(1) any person aggrieved by the refusal of the Agency to issue a certificate under sub-rule (6) of rule 4 may, within ten days of the receipt of the communication of such refusal by him, prefer an appeal to a Panel of Exports consisting of not less than three but not more than seven persons appointed for the purpose by the Central Government.

- (2) The panel shall consist of at least two thirds of non-officials of the total membership of the Panel of Exports.
- (3) The quorum for the panel shall be three.
- (4) The appeal shall be disposed of within fifteen days of its receipt.

### SCHEDULE

#### (1) Levels of control for products

[See rule 3 sub Clause (iii) (d)]

Sl. No.	Requirement	No. of samples	Frequency	Remarks
<b>A. High Tension Insulators (above 1000 volts)</b>				
1. (1) General Requirements Workmanship and finish . . . . .	100%	—		No defects.
2. Type Tests (1) Dry one-minute power frequency withstand test and dry flash over test . . . . .	5 pcs.	per batch		No Failure
(2) Wet one minute power frequency withstand test & wet flash over test . . . . .	5 pcs.	-do-		"
(3) Impulse voltage . . . . .	5 pcs.	-do-		"
(4) Impulse voltage Flash over test . . . . .	5 pcs.	-do-		"
3. Sample Tests (1) Dimensions . . . . .	0.5%	-do-		No tolerance beyond that provided in approved drawing.
(2) Temp. cycle test . . . . .	0.1% (15 pcs. Min.)	-do-		No failure
(3) Mechanical strength or Electro Mechanical Strength . . . . .	5 pcs.	-do-		"
(4) Power Frequency Puncture withstand test . . . . .	5 pcs.	-do-		"
(5) Porosity . . . . .	batchwise	-do-		Zero porosity
(6) Galvanizing test . . . . .	5 pcs.	-do-		No failure
4. Routine Tests (1) Visual 100% . . . . .	100%	-do-		"
(2) Electrical test . . . . .	100%	-do-		"
(3) Mechanical test (30% of rated value) . . . . .	100%	-do-		"
<b>B. Low Tension Insulator (upto 1000 volts)</b>				
1. General Requirements (1) Workmanship and finish . . . . .	100%			no defective
2. Type Tests (1) Dry one minute power frequency withstand and fleshover tests . . . . .	5 pcs.	per batch		no failure
(2) Wet one minute power frequency withstand and flashover tests . . . . .	5 pcs.	-do-		"
(3) Power frequency puncture withstand voltage . . . . .	5 pcs.	-do-		"
(4) Mechanical Failing load test . . . . .	5 pcs.	-do-		"
3. Sample tests (1) Verification of dimension . . . . .	0.5%	-do-		no tolerance beyond that provided in approved drawings.
(2) Temp. cycle test . . . . .	0.1% batchwise	-do-		
(3) Porosity test . . . . .		-do-		Zero porosity
<b>C. Bushings Low and High Tension</b>				
1. General requirements (1) Workmanship and finish . . . . .	100%	-do-		
(2) Dimensions . . . . .	2%	every batch		no tolerance
2. Type Tests (1) Dry Flashover voltage . . . . .	5 pcs.	"		no failure
(2) Wet flashover voltage . . . . .	5 pcs.	every fifth batch		"
(3) Dry withstand voltage . . . . .	5 pcs.	"		"
(4) Wet withstand voltage . . . . .	5 pcs.	"		"
(5) Impulse withstand voltage . . . . .	5 pcs.	every batch		"
(6) Under oil flashover voltage (Power frequency voltage) . . . . .	5 pcs.	"		wherever applicable
(7) Under oil flashover voltage (Impulse voltage) . . . . .		"		"

[See rule 3 sub-clause (v)]

## (2) Levels of Control for packing

- The packages shall have a good presentability and sufficient strength to stand handling during transit.
- The porcelain Insulators and Bushings shall be so packed as to avoid collisions amongst them.
- The following information shall be given on each package, namely :
  - Name of the material.
  - Manufacturers' name and trade mark, if any.
  - Quantity of the material.

[No. 6(13)/76/EL &amp; EP]

क्र० आ० 410.—नियात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 17 द्वारा प्रश्न शक्तियों का प्रयोग करने हों, केंद्रीय मरकार काजू की गिरियों के नियात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1966 में और मांशधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

- इन नियमों का नाम काजू की गिरियों का नियात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) संशोधन नियम, 1977 है।
- ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होगे।
- काजू की गिरियों के नियात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1966 के नियम 4 में
  - उप-नियम (3) के स्थान पर निम्नलिखित नियम रखा जाएगा, अर्थात् :—
    - उसके पश्चात् टीन के डिब्बे श्रेणी के नाम के लेबलों में लिखित किए जाएंगे तथा नलीवार फाइबरबॉर्ड के डिब्बों में पैक किए जाएंगे।
    - काजू की गिरियों की पैकिंग के लिए प्रयुक्त टीन के डिब्बे अच्छी क्वालिटी उ० मा० ता० म० (0.3150 मि०मी०) की टीन की जहर से बनाए जाएंगे, तथा प्रत्येक डिब्बे का भार एक कि० ग्रा० से कम नहीं होगा।
    - सील किए हुए टीनों की पैकिंग के लिए प्रयुक्त नालीदार फाइबरबॉर्ड के हिम्मे 5-प्लाई के होंगे तथा निम्नलिखित प्रयोक्ताओं को पूरा करें, अर्थात् :—

क्र० सं०	विशेषता	प्रयोक्ता
1	2	3
I.	फटन सामर्थ्य, कि० ग्रा०/से० मी० <sup>2</sup> , न्यूनतम	12
II.	घनत्व ग्रा०/मि० <sup>3</sup> , न्यूनतम— (क) नलीवार माध्यम के लिए	150
	(ख) परतों के इकट्ठे भार के लिए	450
III.	नम्ब्री धारी का प्रकार	क० ख० ग० या इनका कोई संयोजन
IV.	पंक्षर रोधक बीच एकक, न्यूनतम	175

- यदि श्रेणी नेता माल लकड़ी के बक्सों में प्राप्त करना चाहता है तो ऐसे बक्से निम्नलिखित अपेक्षाओं को पूरा करें, अर्थात् :—
  - बक्से साफ तथा सुखे होंगे

- बक्सों का कांडा का बाधा से मुक्त रखने के लिए उपयुक्त रसायनों से उपचारित किया जाएगा तथा ये फफर्दी से मुक्त होंगे; और
- बक्से बनाने के लिए प्रयुक्त लकड़ी के तक्कों की माटाई पींचे तक्ते के लिए 1.2 मि०मी० हाई और अस्तरों के लिए 6 मि०मी० हाई।"

(ii) उप-नियम (4) तथा (5) क्रमशः उप-नियम (7) तथा (8) के स्पष्ट में पुनर्व्यक्ति किए जाएंगे।

[सं० 60(4)/67-नि० नि० तथा नि० उ०] के० वी० बी० बालसुब्रामण्यम्, उप निवेशक

S.O. 410.—In exercise of the powers conferred by section 17 of the Export (Quality Control & Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the export of Cashew Kernels (Quality Control and Inspection) Rules, 1966, namely :—

1. These rules may be called the Export of Cashew Kernels (Quality Control and Inspection) Amendment Rules, 1976.

2. They shall come into force on the date of their publication in the official Gazette.

3. In rule 4 of the Export of Cashew Kernels (Quality Control and Inspection) Rules, 1966,

(i) for sub-rule (3), the following shall be substituted namely :—

"(3) The tin shall thereafter be merged with grade designation labels and packed in corrugated fibre-board cartons.

(4) The tin containers used for packing cashew Kernels shall be fabricated of prime quality tin sheets of 30 SWG (0.3150 mm), and each container shall weigh not less than 1 kg.

(5) The corrugated fibre-board carton used for packing sealed tins shall be of 5-ply, and also satisfy the following requirements, namely :—

Sl. No.	Property	Requirement
1	2	3
(i)	Bursting strength kg <sup>1</sup> /cm <sup>2</sup> min	12
(ii)	Substance g <sup>1</sup> m <sup>2</sup> /min (a) For corrugating medium (b) For combined weight of liners	150
(iii)	Type of flute	A, B, C, or any combination of these thereof.
(iv)	Puncture resistance beach units min.	450
		175

(6) In case a foreign buyer desires to obtain the product in wooden boxes, such wooden boxes shall satisfy the following requirements, namely :—

(i) The boxes shall be clean and dry.

(ii) The boxes shall be treated with suitable chemicals against insect infestation, and be free from mould growth; and

(iii) The wooden planks used for making boxes shall have a thickness of 12 mm. for the head plank and 6 mm. for other planks."

(iv) Sub-rules (4) and (5) shall respectively be numbered as sub-rules (7) and (8).

[No. 60(4)/67/EL & K. V. BALASUBRAMANIAM, Dy. Dir:

